भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद
INDIAN INSTITUTE OF MANAGEMENT
AHMEDABAD

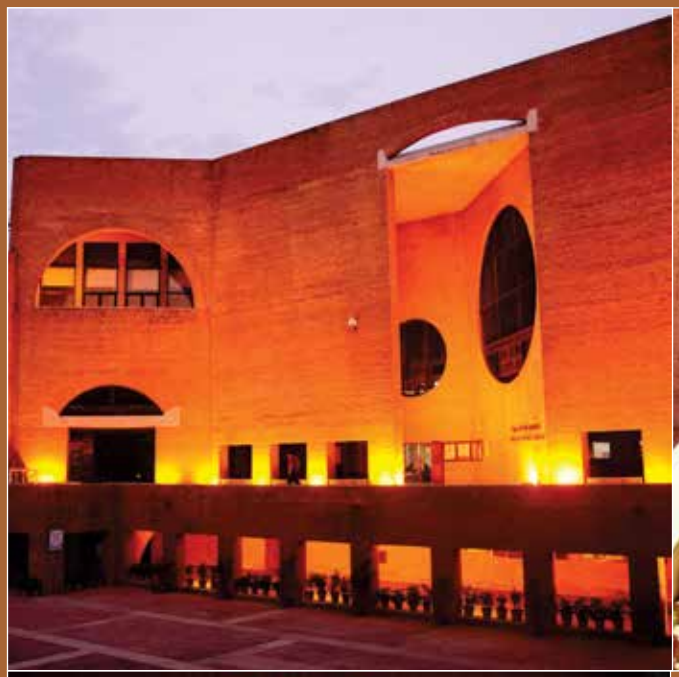

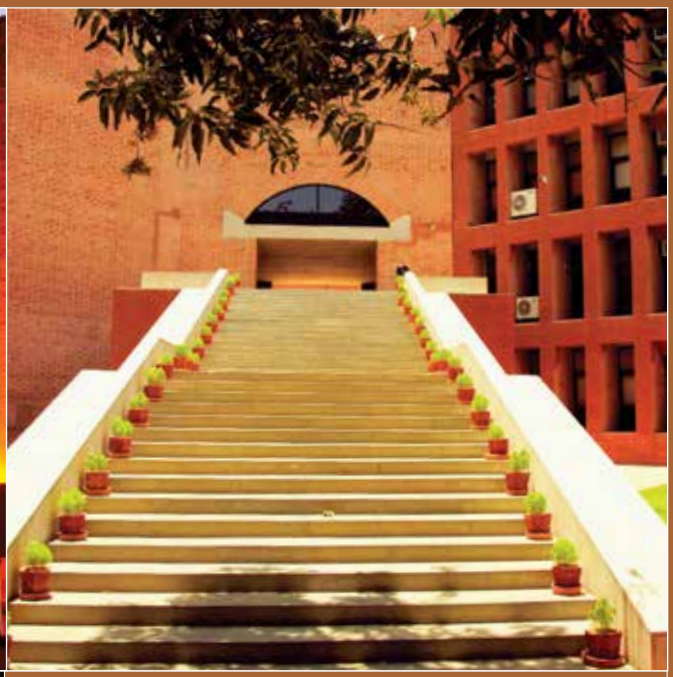

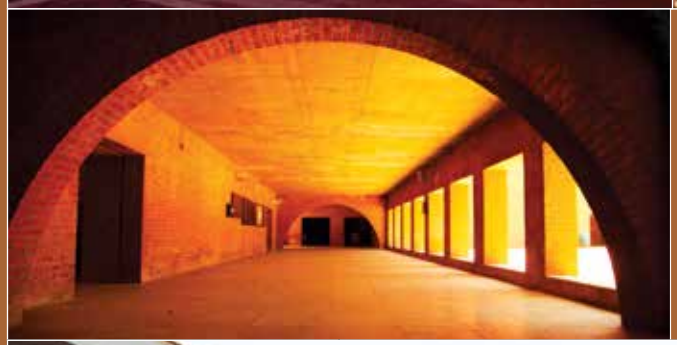

52nd
वार्षिक प्रतिवेदन
ANNUAL REPORT
2013-14

Founding Fathers

Dr Jivraj Mehta

Kasturbhai Lalbhai

Dr Vikram Sarabhai

Our Past Chairmen

Dr. Jivraj N. Mehta

Shri Prakash Tandon

Shri. S.L Kirloskar

Shri Keshub Mahindra

Mr. V. Krishnamurthy

Mr. A.P. Venkateswaran

Prof. S.K. Khanna

Dr. I.G. Patel

Mr. N.R. Narayana Murthy

Dr. Vijaypat Singhania

Our Present Chairman

Shri A. M. Naik

Our Present Director

Prof. Ashish Nanda

Our Past Directors

Dr. Vikram A. Sarabhai

Prof. Ravi J. Matthai

Dr. Samuel Paul

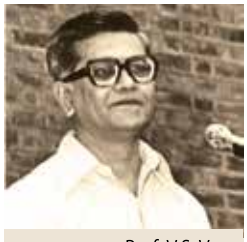
Prof. V.S. Vyas

Dr. I.G. Patel

Prof. N.R. Sheth

Prof. P.N. Khandwalla

Prof. Jahar Saha

Prof. Bakul H. Dholakia

Prof. Samir K Barua

बावनवाँ वार्षिक प्रतिवेदन : 2013-14

विद्याविनियोगाद्विकासः
AHMEDABAD

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद

Indian Institute of Management Ahmedabad

विषयसूची

वर्ष का सिंहावलोकन

शैक्षणिक कार्यक्रम 5

1. प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 10
2. कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 14
3. कार्यकारियों के लिए प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम 16
4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम 19
5. नियुक्ति 21
6. दीक्षांत समारोह 23
7. प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम 24

अनुसंधान एवं प्रकाशन 25

प्रबंध विकास कार्यक्रम 27

अंतर्विषयक केन्द्र एवं समूह 28

1. इलेक्ट्रॉनिक प्रशासन केन्द्र 28
2. लिंग समानता, विविधता एवं समावेशिता केन्द्र 28
3. अवसंरचना नीति एवं विनियमन केन्द्र 31
4. नवाचार, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केन्द्र 32
5. कृषि प्रबंध केन्द्र 39
6. स्वास्थ्य सेवाएँ प्रबंध केन्द्र 39
7. खुदरा बिक्री केन्द्र 40
8. सार्वजनिक प्रणाली समूह 40
9. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केन्द्र 42

अनुशासनिक क्षेत्र 43

1. व्यापार नीति 43
2. संचार 44
3. अर्थशास्त्र 44
4. वित्त एवं लेखा 45

5. सूचना प्रणालियाँ 46

6. विपणन 46

7. संगठनात्मक व्यवहार 47

8. कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध 47

9. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके 48

पूर्वछात्र केन्द्र गतिविधियाँ 49

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले 53

सहायता अनुदान 56

बुनियादी ढाँचे का विकास 57

कार्मिक 58

छात्र गतिविधियाँ 60

विक्रम साराभाई पुस्तकालय 80

कल्याण गतिविधियाँ 83

परिशिष्ट 85

दृष्टि

उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षण

लक्ष्य

भारत और अन्य देशों को बदलने के लिए अनुसंधान एवं निर्माण पर आधारित वैश्विक महत्त्व के नए विचारों को उत्पन्न करने तथा प्रचार के माध्यम से जोखिम उठाने वाले ऐसे अग्रणी-प्रबंधक तैयार करना जो संगठनों के प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए प्रबंधकीय एवं प्रशासनिक प्रथाओं को बदल सकें।

उद्देश्य

- प्रबंधन और उसके अंतर्निहित विषयों के लिए जो प्रासंगिक है ऐसे अनुप्रयुक्त और संकल्पनात्मक अनुसंधान के माध्यम से ज्ञान का सृजन करना, और इस ज्ञान का प्रकाशनों के माध्यम से प्रसार करना।
- संगठनों के सभी प्रकारों में प्रबंधन में कैरियर और संबंधित क्षेत्रों के लिए युवा पुरूषों एवं महिलाओं को तैयार करने के लिए शैक्षणिक सुविधाएँ स्थापित करना।
- प्रबंधन से संबंधित विभिन्न क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ प्रबंधन शिक्षकों और शोधकर्ताओं को विकसित करना।
- नवाचार और अत्याधुनिक प्रबंधन शिक्षा कार्यक्रमों के माध्यम से अभ्यासरत प्रबंधकों के निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रशासनिक क्षमता में सुधार करना और शिक्षा जारी रखने के लिए अवसर उपलब्ध कराना।
- परामर्शी सेवाएँ उपलब्ध कराना ताकि – क) संगठनों में निर्णय निर्धारक कौशलों एवं प्रक्रियाओं को, और ख) सार्वजनिक नीतियों की प्रभावशीलता को बढ़ाया जा सके।
- सार्थक सहयोग के माध्यम से अपनी क्षमताओं के निर्माण द्वारा अन्य प्रबंधन स्कूलों में प्रबंधन शिक्षा और अनुसंधान की गुणवत्ता में सुधार लाना।
- उपरोक्त उद्देश्यों में से किसी एक अथवा सभी के संदर्भ में संस्थान का संचालन और संबंधों का वैश्विकीकरण करना ताकि वैश्विक स्तर पर सम्मानित भारत में पूर्व-प्रख्यात प्रबंधन स्कूल के रूप में उभर सके।

वर्ष का सिंहावलोकन

सन् 1961 में अपनी स्थापना के बाद से, आईआईएमए भारत में प्रमुख प्रबंध संस्थान और विश्व की शीर्ष प्रबंध स्कूलों में से एक रहा है। इतने वर्षों में, संस्थान ने काफी महत्वपूर्ण शक्तियाँ अर्जित कर ली हैं, जिन पर यह आगे बढ़ सकता है। लेकिन साथ-साथ वातावरण भी काफी बदल चुका है। संस्थान को नई चुनौतियों और नए अवसरों का सामना करना है। हमें आने वाले वर्षों में यह सुनिश्चित करना है कि हम कैसे चुनौतियों का सामना करेंगे और अवसरों का लाभ उठाएंगे जिससे संस्थान लगातार आगे बढ़ता रहे और विश्व के प्रमुख प्रबंध स्कूलों में अपना स्थान बनाए रखने में सुधार जारी रहे। संस्थान ने वर्ष 2013-14 के दौरान सामने आने वाली चुनौतियों से निपटने के लिए कई कदम उठाए हैं और अपनी शक्तियों को बढ़ाया है।

संदर्भ

आईआईएमए के पास इतनी जबरदस्त शक्तियाँ हैं जो इसे भविष्य की सफलताओं को जारी रखने के लिए एक शक्तिशाली मंच प्रदान करती हैं। उच्च गुणवत्ता और व्यस्त कक्षा-शिक्षण के प्रति हमारी प्रतिबद्धता अनुकरणीय है। हमारे पास प्रेरक केस-आधारित शिक्षण का इतिहास है। हमारे प्रवासी भारतीय पूर्वछात्र संस्थान के प्रति पूर्ण रूप से प्रतिबद्ध हैं। संस्थान की संभावित छात्रों, नियोक्ताओं, और समाज के बीच एक उत्कृष्ट प्रतिष्ठा है। हमारे पास सहपाठितापन की एक विरासत है। शिक्षकों, कर्मचारियों, छात्रों और पूर्वछात्रों के सहित आईआईएमए समुदाय के सभी वर्गों में संस्थान के साथ पहचान की एक भावना व्याप्त है। हम एक याद ताजा करने वाले और कार्यात्मक परिसर में रहते हैं और काम करते हैं। आईआईएमए समुदाय के सदस्य एक ऐसे वातावरण में काम करते हैं जहाँ स्वायत्तता का सम्मान किया जाता है, काम करने की इच्छा को महत्व दिया जाता है, और अच्छे इस्तेमाल के प्रयासों को प्रोत्साहित करने का हर संभव प्रयास किया जाता है।

इस मंच ने हमें उत्कृष्टता प्राप्त करने का अवसर प्रदान किया है। इसमें कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि हमें विशिष्ट रूप से एक स्वच्छंद अंतर से प्रमुख भारतीय प्रबंधन के अग्रणी के रूप में विभिन्न रैंकिंग में रखा गया है। फिर भी, रैंकिंग एक सुस्त और सहायक उपाय हैं। हमारे संस्थान में अच्छा काम करने के लिए उच्च रैंकिंग एक परिणाम है, लक्ष्य नहीं है। इसके अलावा, हमारी महत्वाकांक्षा सिर्फ सर्वश्रेष्ठ भारतीय प्रबंध स्कूल बनना नहीं है, अपितु विश्व स्तर पर सर्वश्रेष्ठों में से एक होने की है।

लंबे समय से कुछ क्षेत्रों में संस्थागत स्वास्थ्य अभियान की प्रवृत्ति चिंताजनक रही है। हमारा शोध प्रक्षेपण अधिक प्रभावी हो सकता है। हमारी ताकत के पारंपरिक स्रोतों में से एक - उच्च गुणवत्ता वाले अध्ययन केसों के विकास का अंतर कम होता जा रहा है क्योंकि भारत के अन्य प्रबंध संस्थानों ने इसमें पकड़ बना ली है। कार्यकारी शिक्षा के लिए हमारा दृष्टिकोण रणनीतिक होने के बजाय अवसरवादी हो गया है। और हालांकि, हमें एक स्वायत्त संस्था होने पर गर्व है, फिर भी हमारे प्रचालन की अतिरिक्त राशि काफी कम है।

स्थापित भारतीय प्रबंध संस्थानों से सशक्त प्रतिस्पर्धा के अलावा, विदेशी विश्वविद्यालय, ई-लर्निंग प्लेटफार्म, तथा अपतटीय शैक्षिक पेशकशों के भारतीय संचालनों के रूप में नई और विघटनकारी प्रतिस्पर्धा उभर चुकी है जो अवसर तो प्रदान करती है लेकिन यह नई चुनौतियाँ भी पेश करती है।

जब इन चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा था, तभी संस्थान नेतृत्व परिवर्तन के चरण में भी था। पिछले निदेशक ने मार्च 2013 में अपना कार्यभार सौंपा और एक अल्पकालीन निदेशक कार्यवाहक के रूप में सितंबर तक संस्थान का नेतृत्व कर रहे थे, उस समय मैंने नए निदेशक के रूप में अपना पदभार संभाला। निदेशक के पद के अलावा, डीन के पदों सहित, कई अन्य प्रशासनिक पदों की भी नियुक्ति अनिवार्य थी।

आने वाले निदेशक के रूप में मेरी पहली प्राथमिकताओं में से एक थी - संस्थान की नेतृत्व-टीम को खड़ा करना। संस्थान में भविष्य के मार्गदर्शन के लिए बनी पिछली समिति की सिफारिशों के बाद और संकायों के साथ किए परामर्श से, सितम्बर में ही तीन डीन - डीन (संकाय), डीन (कार्यक्रम), और डीन (पूर्वछात्र एवं विदेशी संबंध) की नियुक्त की गई। प्रशासनिक पदों के रिक्त पदों को भी भरा गया।

दृष्टि एवं सामरिक प्राथमिकताएँ

विभिन्न चुनौतियों का सामना करने में और दुनिया भर के शीर्ष प्रबंधन संस्थानों में से एक बनने की हमारी महत्वाकांक्षा को देखते हुए, संस्थान की नेतृत्व टीम ने संकायों के साथ परामर्श करके, उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करने के प्रति संस्थान को पुनःसमर्पित किया है। हमारी दृष्टि हमारा उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करना स्पष्ट रूप से यह बताता है कि हमारा संस्थान भारतीय कारोबारों के लिए न केवल कार्यकारियों को शिक्षित व विकसित करता है, बल्कि जो अंतरराष्ट्रीय व्यवस्थाओं को समृद्ध करते हैं उन कार्यकारियों, सरकारी अधिकारियों और नौकरशाहों, सामाजिक क्षेत्र के अग्रणियों और उद्यमियों को भी शिक्षित व विकसित करता है।

इस दृष्टि को प्राप्त करने के लिए, संस्थान ने इस त्रि-आयामी दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित किया है : संबंध, पोषण, और विकास । हमारी दृष्टि को प्रभावी रूप देने की तीनों सामरिक प्राथमिकताओं के लिए हमने निम्नलिखित गतिविधियाँ शुरू की हैं।

संबंध (कनेक्ट)

हम जीवंत संस्थान होते हुए, इन चार महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सक्रियता से जुड़ने की कोशिश कर रहे हैं : (क) हमारे प्रवासी भारतीय पूर्वछात्र,(ख) दुनिया की कार्यप्रणाली और नीति, (ग) राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शैक्षणिक कार्य, और (घ) स्थानीय समुदाय।

नई नेतृत्व-टीम के लिए पूर्वछात्रों तक पहुंच बनाना एक उच्च प्राथमिकता थी। सितंबर 2013 से मार्च 2014 के बीच, निदेशक और डीन (पूर्वछात्र एवं विदेशी संबंध) ने अहमदाबाद, दुबई और चेन्नई की स्थानीय शाखाओं का दौरा किया। दिसम्बर 2013 के दौरान परिसर में छह पूर्वछात्र पुनर्मिलन समारोह आयोजित किए गए। इसके अलावा, वर्ष 2013 की गर्मियों में 10 स्थानीय शाखाओं के सिंक्रॉनी का आयोजन किया गया, जो कि आईआईएमए समुदाय में नए पूर्वछात्रों का स्वागत करने तथा एकीकृत करने का एक समारोह है।

लक्षित कार्यकारी शिक्षा, केस लेखन, और परामर्श के माध्यम से, संस्थान कार्यप्रणाली और नीति के साथ अपने जुड़ाव को बेहतर बनाने की कोशिश कर रहा है। कार्यकारी शिक्षा का पुनरुत्थान इस तरह से किया गया कि मुक्त नामांकन और अनुकूलित दोनों ही कार्यक्रमों को संस्थान के दायरे में शामिल किया जा सके। केस लेखन तथा वितरण को बढ़ावा देने के लिए अलग से एक केस विकास एवं वितरण केन्द्र स्थापित किया गया।

तैयार उत्पादों के स्तर पर बल्कि विचारों और काम में प्रगति के स्तर पर अनुसंधान आदान-प्रदान के माध्यम से, हम वैश्विक अनुसंधान के साथ एक जीवंत संबंध बनाने का प्रयास कर रहे हैं।

निर्धारित एकीकृत गतिविधियों के द्वारा स्थानीय समुदाय के स्वागत और उन्हें जोड़ने के माध्यम से, हम संबंध के चौथे लक्ष्य को प्राप्त करने की कोशिश कर रहे हैं।

पोषण (नर्चर)

संस्थान में एक उच्च कार्य प्रदर्शन के माहौल का पोषण करने के लिए, आईआईएमए नेतृत्व स्वायत्तता, विस्तार, और समुदाय के महत्व तथा समर्थन पर बल दे रहा है। अनुभवी व्यक्तियों में जब स्वामित्व की भावना होती है तब वे सर्वश्रेष्ठता हासिल कर ही लेते हैं। समुदाय के सदस्यों संकायों, कार्मिकों, तथा छात्रों में उनके कार्यों के प्रति स्वतंत्रता और स्वामित्व की भावना ने उनकी कर्मशक्ति तथा रचनात्मकता को मुक्त कर दिया है। फिर भी, स्वायत्तता का अनुभव भावना के साथ आना चाहिए जिससे वह तन-मन से सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए संघर्षरत रहे और अपनी सारी क्षमता से प्रयास करे। तीसरा, उच्च कार्य प्रदर्शन वाले अनुभवी व्यक्तियों के संगठन शायद ही कोई साधारण प्रतिभाशाली सितारों का समूह हो। वे ऐसे समुदाय हैं जहाँ उज्ज्वल, सक्षम लोग एक दूसरे के साथ मिलकर परिणाम प्राप्त करने के लिए काम करते हैं जो कोई अकेला व्यक्ति नहीं कर सकता। आईआईएमए निरंतर उच्च प्रदर्शन कायम रखने के लिए निर्धारित स्वायत्तता, विस्तार, और एक साथ काम करने की इस संस्कृति का पोषण करने की कोशिश करता आया है।

संकायों में विकास का पोषण करने के लिए, संकायों के लिए पुष्टिकरण तथा पदोन्नति के बारे में स्पष्ट दिशा निर्देशों के निर्माण एवं साझा करने हेतु एफ़डीईसी बनायी गई है। एफ़डीईसी सदस्यों को नये संकायों के साथ विकासात्मक चर्चाओं के इरादे से निर्धारित विषय-क्षेत्रों में बाँटा गया है।

संस्थान में कार्यनिष्पादन आकलन प्रणाली का उपयोग प्रोत्साहन राशि प्रदान करने के लिए किया जाता है जिससे संकायों को अनुसंधान तथा शिक्षा में निवेश करने के लिए बढ़ावा मिलता है और उन्हें सीमित आदान-प्रदान के माध्यम से विशेषज्ञ के रूप में सर्वश्रेष्ठ करने के लिए बढ़ावा मिलता है।

हम पूर्वछात्रों और कंपनियों से धन राशि जमा करने में निवेश कर रहे हैं, जो आंशिक रूप से हमें उनसे बेहतर रूप से जोड़े रखती है, लेकिन हम कुछ अध्यक्षों की स्थापना के लिए भी उनके वित्तपोषण का उपयोग करते हैं जो सक्षम संकायों को वेतन के पूरक और अनुसंधान वित्तपोषण प्रदान करेगा, जिससे श्रेष्ठ प्रतिभाओं की अवधारण के अग्रणियों और बाहर से भी सर्वश्रेष्ठों को आकर्षित किया जा सकेगा।

विकास (ग्रो)

आईआईएमए के पास आज जो प्राप्त करने के लिए सीमा क्षमता है उससे कहीं अधिक इसकी अपनी मौजूदगी निर्मित करने की प्रचंड शक्ति है। संस्थान नेतृत्व क्षमता विकसित करने की योजना बना रहा है, लेकिन विचारशील एवं रणनीतिक तरीके से महत्वाकांक्षा लक्ष्य के अनुरूप प्रभाव ड़ालती है, और यह सुनिश्चित करती है कि अपने लोगों और अनुभव की गुणवत्ता को बनाए रखा जाए तथा उन्नत किया जाए।

गतिविधियों के पैमाने को देखते हुए पहले से ही संस्थान के संकायों का दायरा काफी फैला हुआ है, जो किसी भी विकास को फलीभूत करने के लिए एक महत्वपूर्ण संसाधन हैं। हमें संकायों को भर्ती करने में निवेश करना चाहिए परंतु यह भी सुनिश्चित करना चाहिए कि गुणवत्ता मानकों से कोई समझौता ना किया जाए। इस वर्ष के दौरान, संस्थान ने समग्र संकाय संख्या बढ़ाने के लिए उच्च गुणवत्ता वाले शिक्षकों की भर्ती पर ध्यान केंद्रित किया है।

कार्यकारी शिक्षा को बढ़ावा देने के अलावा, संस्थान सार्वजनिक नीति में एक सार्थक शैक्षिक कार्यक्रमों की पेशकश करने के तरीके तलाश रहा है। हम कक्षा में अंतरराष्ट्रीय छात्रों को शामिल करके, कक्षा की क्षमता और विविधता बढ़ाते हुए पीजीपी कार्यक्रम को मजबूत बनाने के तरीकों की भी तलाश कर रहे हैं।

अनुसंधान और प्रकाशन

सुनिश्चित तथा प्रति-संकाय, दोनों ही संदर्भों में अनुसंधान उत्पादन बढ़ता जा रहा है। संस्थान में बढ़ती अपेक्षा और संस्कृति भी एक कारण है जो संकायों के प्रयास का एक महत्त्वपूर्ण अनुपात ज्ञान बढ़ाने के लिए समर्पित किया जाना चाहिए। अब संकाय योगदान के मापन में स्थापित पत्रिकाओं में अनुसंधान और प्रकाशन को महत्व दिया गया है। इससे संकाय सदस्यों को अपने पसंदीदा क्षेत्रों में ज्ञान की सीमाओं को श्रेष्ठ बनाने और आगे बढ़ाने में प्रोत्साहन मिलेगा।

विद्वत्तापूर्ण लेख लिखने के अलावा, संस्थान के संकायों को केस-लेखन के माध्यम से शिक्षण की दुनिया में योगदान करने के लिए पिछले कुछ वर्षों से जाना जाता रहा है। संस्थान ने केस आधारित अनुसंधान के विकास और प्रसार का समर्थन करने के लिए एक समर्पित केस केंद्र स्थापित किया है।

पिछले कुछ वर्षों में संस्थान के पारंपरिक क्षेत्रों में अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए संस्थान ने कई केन्द्र स्थापित किये हैं। मौजूदा केंद्रों में अवसंरचना नीति और विनियमन केन्द्र (सीआईपीआर); स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केंद्र (सीएमएचएस); आईआईएमए आईडिया उत्कृष्टता टेलीकॉम केन्द्र (आईआईटीसीओई); लिंग समानता केंद्र, विविधता और समावेशन (जीईडीआई-जेडी); इलेक्ट्रॉनिक शासन के लिए केंद्र (सीईजी); अभिनव ऊष्मायन एवं उद्यमिता केन्द्र (सीआईआईई) और खुदरा बिक्री केन्द्र (सीएफ़आर) शामिल हैं। सीआईआईई प्रतिष्ठा की विशेष कीर्ति का हकदार है क्योंकि यह छात्रों और स्नातकों को अपने ऊष्मायन तथा अनुभवी परामर्श की पहलों के द्वारा उद्यमिता को बढ़ावा देता है। संस्थान ने इन केन्द्रों को पुनर्जीवित करते हुए यह सुनिश्चित करने का प्रयास किया है कि ये केन्द्र जीवंत हैं, सभी विषय-क्षेत्रों में संकाय जुड़े है और प्रासंगिक तथा सार्थक अनुसंधान का संचालन कर रहे हैं। संस्थान कुछ नए केन्द्रों की भी स्थापना करने पर विचार कर रहा है जहाँ रुचि और अवसर परस्पर प्रतिच्छेद करते हों।

कार्यक्रम

दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताएं निम्नलिखित हैं।

पीजीपी कार्यक्रम के लिए एक विस्तृत आंतरिक समीक्षा की जा रही है। हम इस समीक्षा प्रक्रिया से कार्यक्रम की संरचना एवं प्रस्तुति पर काफी प्रभावी परिणामों की उम्मीद कर रहे हैं। इस बीच, इस कार्यक्रम ने समृद्ध होना जारी रखा है। ध्यान केन्द्रित विषयों से लेकर परिप्रेक्ष्य निर्माण पाठ्यक्रमों तक के कई नए वैकल्पिक पाठ्यक्रमों की पेशकश की गई थी। आईआईएमए के जिन संस्थानों के साथ छात्र विनिमय कार्यक्रम रहते हैं उनकी संख्या निरंतर बढ़ रही है। शैक्षणिक वर्ष 2013-14 के अंत तक, हमारे संस्थान ने 71 संस्थानों के साथ विनिमय संबंध बनाये हैं। छात्र निकाय के लगभग 35% छात्रों ने विनिमय कार्यक्रमों का फायदा उठाया है। पीजीपी कार्यक्रम को फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा वर्ष 2013 के लिए स्नातकोत्तर प्रबंधन कार्यक्रमों की रैंकिंग में 18वाँ स्थान दिया गया है। छात्रों को एक योग्यता आधारित एवं स्वतंत्र प्रवेश प्रक्रिया के माध्यम से भर्ती किया गया है। हालांकि प्रवेश की गुणवत्ता से संस्थान खुश है फिर भी कक्षा की एकरूपता के बारे में चिंतित है, जिसमें बड़ी संख्या में इंजीनियरिंग स्नातकों और पुरुषों का वर्चस्व है। आने वाले वर्षों में, हम प्रवेश प्रक्रिया को ऐसा आकार देने के प्रयास में हैं जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि हम अधिक विविधता वाले छात्र-समूहों को भी प्रवेश देते हैं तो भी छात्रों की गुणवत्ता असाधारण बनी रहेगी। स्थानन मजबूत होना जारी रहा है। कई सह-पाठयक्रम समारोहों में छात्र-निकाय अकादमिक और सामाजिक दोनों ही रूपों में सक्रियता से व्यस्त रहे हैं।

पीजीपी-एबीएम कार्यक्रम ने एड्यूनिवर्सल-2013 में प्रमुख कृषि व्यवसाय केंद्रित कार्यक्रमों में से एक होना और दुनिया भर में अव्वल स्थान बनाये रखना जारी रखा। कार्यक्रम संरचना को महत्त्वपूर्ण रूप से प्रभावित करने वाले संभव परिणामों के साथ यह कार्यक्रम भी विस्तृत समीक्षा के तहत चल रहा है। प्रवेश में, पीजीपी-एबीएम कार्यक्रम समिति ने गैर-कृषि पृष्ठभूमि से बड़ी संख्या में छात्रों को शामिल करते हुए मिश्रित आवेदकों का दायरा बढ़ाया है। इस कार्यक्रम के तीन घटक हैं - अनिवार्य प्रबंधन पाठ्यक्रम, अनिवार्य कृषि व्यवसाय पाठ्यक्रम, और वैकल्पिक पाठ्यक्रम। इस कार्यक्रम की एक ख़ास विशेषता है,

प्रथम वर्ष के अंत में चार सप्ताह का ग्रामीण विसर्जन, जो छात्रों को ग्रामीण परिवेश में जमीनी हकीकत का पूरी तरह से अनुभव प्रदान करता है।

पीजीपीएक्स कार्यक्रम कार्यकारियों के लिए वर्ष 2005-2006 में शुरू हुए इस एकवर्षीय आवासीय कार्यक्रम ने पर्याप्त कार्य अनुभव के साथ उम्मीदवारों को आकर्षित करना जारी रखा है, उन्हें यह कार्यक्रम काफी उपयोगी लगा है, और उन्हें भविष्य में उत्कृष्ट योगदान के लिए आगे बढ़ाया है। इस कार्यक्रम को फाइनेंशियल टाइम्स द्वारा वर्ष 2013 में वैश्विक एमबीए के लिए दुनिया भर में 26वें रैंक पर स्थान दिया गया है। दल के महत्वपूर्ण कार्य अनुभव को देखते हुए, स्थानन में विशेष ध्यान देने की जरूरत है। संस्थान ने इस गतिविधि का समर्थन करने के लिए स्थानन कार्यालय को मजबूती प्रदान करने का फैसला किया है।

एफ पी एम कार्यक्रम में वर्ष 2013-14 में 10 छात्रों को फैलो खिताब से सम्मानित किया गया है। यह कार्यक्रम भी विस्तृत समीक्षा के तहत चल रहा है और भविष्य में इसकी संरचना को काफी प्रभावित किए जाने की संभावना है। देश में योग्य प्रबंधन शोधकर्ताओं और शिक्षकों के लिए दबाव की जरूरत को देखते हुए, यह कार्यक्रम आईआईएमए के शैक्षणिक माहौल के लिए ही नहीं बल्कि देश के लिए भी महत्वपूर्ण है।

दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों के अलावा, संस्थान ने अपने एमडीपी (प्रबंध विकास कार्यक्रमों) पेशकशों का काफी पुनरोत्थान किया है और इस गतिविधि को वैश्विक विकास की पंक्ति में और आगे लाने के लिए, कार्यकारी शिक्षा के रूप में पुनः अंकित किया गया है। हमें उम्मीद है कि संस्थान के रणनीतिक उद्देश्यों में कार्यकारी शिक्षा गतिविधियों का गठबंधन सार्थक पैमाने और दायरे के साथ काफी विकास करेगा।

प्रशासन

वित्त

संस्थान ने 170 करोड़ रुपये के राजस्व के आधार पर 13 करोड़ रुपए का अधिशेष हासिल किया है। हालांकि अधिशेष के साथ संचालन करना एक खुशी की बात है, फिर भी, आने वाले वर्षों के लिए अनुमान सुझाव देते हैं कि यदि राजस्व बढ़ाने के लिए तत्काल कदम नहीं उठाए गए तो अधिशेष जल्द ही खत्म हो जाएगा, जबकि हम लागत को प्रभावी ढंग से नियंत्रित कर रहे हैं।

बुनियादी सुविधाएँ

हमारे पास एक प्रतिष्ठित और एकीकृत परिसर है। हमारा पुस्तकालय विश्व में सबसे अच्छा काम करने वाले पुस्तकालयों की बराबरी करता है। हमारे परिसर में भरपूर हरियाली और विभिन्न जीव-जंतुओं के साथ एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र वाला उत्कृष्ट वातावरण है। हालांकि, ऐतिहासिक लुई काह्न परिसर काफी जीर्ण स्थिति में है और इस पर तुरंत ध्यान देने की आवश्यकता है। हमने इन भवनों के संरक्षण और पुनःबहाली के उद्देश्य से समीक्षा प्रक्रिया शुरू कर दी है जिससे इस प्रतिष्ठित वास्तुकला की रक्षा हो सकेगी और साथ ही नवीनतम रहेगी। यह मरम्मत प्रक्रिया कई वर्षों तक चलेगी, क्योंकि जब यह प्रक्रिया चलेगी तब परिसर पूरी तरह कार्यशील रहेगा, यह प्रक्रिया जटिल होगी और कुछ वर्षों के लिए कार्य क्षमता को भी सीमित करेगी चूँकि परिसर का उन्नयन होगा।

भविष्य को देखते हुए

आने वाले वर्षों में, संस्थान उद्यमों के अग्रणियों को शिक्षित करने के लक्ष्य के लिए स्वयं को पुनःसमर्पित कर रहा है। हम प्रासंगिक क्षेत्रों के साथ बेहतर रूप से जुड़ने के लिए एक उच्च प्रदर्शन वाले काम के माहौल का पोषण करेंगे, और रणनीतिक विकास की पहलों का समर्थन करने का प्रयास करेंगे। इन सब के माध्यम से, हम उत्कृष्टता, सहपाठितापन, और शिक्षण की संस्कृति को बनाए रखने का प्रयास करेंगे।

आशीष नंदा

शैक्षणिक कार्यक्रम

सन् 1964 से प्रस्तुत, संस्थान द्वारा पेश किया गया प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) सबसे लंबी अवधि तक चलने वाला कार्यक्रम है। भारत में और विदेशों में प्रकाशनों द्वारा किये गये सर्वेक्षणों में भारतीय प्रबंध स्कूलों के बीच यह कार्यक्रम लगातार शीर्ष पर रहा है। पिछले कुछ वर्षों से संस्थान द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमों की श्रृंखला को विस्तारित किया गया है। वर्तमान में यह संस्थान अलग-अलग अवधियों के पाँच शैक्षणिक कार्यक्रम चलाता है : प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) (एमबीए के समकक्ष), कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) (एमबीए के समकक्ष), कार्यकारियों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स), प्रबंध में फैलो कार्यक्रम (एफपीएम) (पीएच.डी. के समकक्ष), तथा प्रबंध-शिक्षकों एवं प्रशिक्षकों के लिए संकाय विकास कार्यक्रम (एफडीपी)।

1. प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) का स्वर्ण जयंती (50वाँ) सत्र, 24 जून, 2013 को 380 छात्रों के साथ प्रारंभ हुआ। वर्ष की समाप्ति पर 375 छात्र, द्वितीय वर्ष के लिए प्रोन्नत हुए।

इस कार्यक्रम का द्वितीय वर्ष, 10 जून, 2013 को 376 छात्रों के साथ शुरू हुआ। द्वितीय वर्ष के अंत में, 388 छात्र (दोहरी उपाधि कार्यक्रम सहित) संतोषप्रद रूप से शैक्षणिक आवश्यकताओं को पूर्ण करने के बाद स्नातक हुए।

छात्र	अ.जा.	अ.ज.जा.	अ.पि.व.	विकलांग
प्रथम वर्ष	55	29	99	10
द्वितीय वर्ष	59	27	102	11

विवरण, **परिशिष्ट क1** में दिए गए हैं।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, और विकलांग (डी.ए.) छात्रों का विवरण निम्नानुसार है :

तैयारी कार्यक्रम

तैयारी कार्यक्रम को उन नए प्रविष्ट छात्रों के मतलब से तैयार किया गया है, जो संचार एवं गणितीय कौशलों में अपेक्षाकृत कमजोर हैं। नियमित सत्र प्रारंभ होने से पूर्व, 03 जून से 22 जून, 2013 तक आयोजित इस कार्यक्रम में 125 छात्रों ने भाग लिया।

परिचय कार्यक्रम

नए प्रवेश प्राप्त छात्रों के लिए 24 से 26 जून, 2013 के दौरान परिचय कार्यक्रम चलाया गया। इसमें डीन व पीजीपी-अध्यक्ष के संबोधनों के अतिरिक्त, पीजीपी कार्यकारी समिति के साथ संवाद तथा कंप्यूटर एवं पुस्तकालय-सुविधाओं के उपयोग से संबंधित जानकारी परिचय कार्यक्रम में शामिल थी। नए छात्रों का केस शिक्षण पद्धति से परिचय कराने के लिए केस-तैयारी और केस-पद्धति पर भी एक विस्तारित सत्र का आयोजन किया गया जो कि एक प्रमुख शैक्षणिक साधन है।

शिक्षकीय

कार्यक्रम की आवश्यक अपेक्षाओं को पूरा करने में छात्रों की सहायता के उद्देश्य से, प्रथम वर्ष के कुछ कार्यक्रमों में प्रशिक्षकों द्वारा शिक्षकीय दिए गए।

पाठ्यक्रम

नवीनतम अनुसंधानों के साथ तालमेल बनाए रखने के लिए पाठ्यक्रम को समय समय पर पीजीपी समीक्षा समिति द्वारा संशोधित किया जाता है।

इस वर्ष प्रथम वर्ष के छात्रों ने 6 स्लॉटों में विस्तारित 31अनिवार्य पाठ्यक्रम लिए। दूसरे वर्ष में छात्रों को वैकल्पिक पाठ्यक्रम के न्यूनतम 17 और अधिकतम 20 क्रेडिट पूरे करने थे।

द्वितीय वर्ष में, 121 वैकल्पिक पाठ्यक्रम व 81 परियोजना-पाठ्यक्रम (बिना क्रेडिट की 2 स्वतंत्र परियोजनाओं सहित) पेश किये गए। ज़्यादा पंजीकरण के कारण, एक वैकल्पिक पाठ्यक्रम चार वर्गों में, एक तीन वर्गों में, और 22 दो वर्गों में पढ़ाए गए।

नए पाठ्यक्रम

द्वितीय वर्ष में 20 नए वैकल्पिक पाठ्यक्रम चलाए गए। इन पाठ्यक्रमों के विवरण **परिशिष्ट क2** में दिये गये हैं।

दोहरी उपाधि कार्यक्रम एवं एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

दोहरी उपाधि कार्यक्रम

शिक्षा एवं अनुसंधान के क्षेत्रों में शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान विकसित करने के उद्देश्य से, संस्थान द्वारा संयुक्त रूप से निम्नलिखित विदेशी विश्वविद्यालयों के साथ स्नातकोत्तर स्तर पर एक दोहरी उपाधि कार्यक्रम बनाया गया है :

- ईसेक बिजनेस स्कूल, फ़्रान्स
- यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी, इटली
- एचईसी स्कूल ऑफ मैनेजमेंट, फ़्रान्स
- यूरोपियन बिज़नेस स्कूल, जर्मनी

इस दोहरी उपाधि कार्यक्रम के अधीन, ईसेक बिजनेस स्कूल के तीन छात्रों,यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी के पाँच छात्रों, और एचईसी के एक छात्र ने पीजीपी द्वितीय वर्ष के दौरान अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। अपने संस्थान से द्वितीय वर्ष के छह छात्र, वर्ष 2013-14 में इस दोहरी उपाधि कार्यक्रम के अधीन यूनिवर्सिटी ऑफ बोकोनी, और एचईसी में गए।

एक सत्रीय विनिमय कार्यक्रम

संस्थान ने पीजीपी का अंतरराष्ट्रीयकरण करने और छात्रों को अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन प्रदान करने के क्रम में शैक्षणिक वर्ष 2013-14 के दौरान छात्रों के विनिमय के लिए कई अंतरराष्ट्रीय बिजनेस स्कूलों के साथ सहयोग जारी रखा है।

जबकि आईआईएम-ए के 101 (एक सत्रीय विनिमय) और 06 (दोहरी उपाधि कार्यक्रम) छात्र सहभागी विदेशी विश्वविद्यालयों में गए और सहयोगी विश्वविद्यालयों के 84 (एक सत्रीय विनिमय)एवं 9 (दोहरी उपाधि कार्यक्रम) छात्रों ने संस्थान के पाठ्यक्रमों में भाग लिया। विवरण **परिशिष्ट क3 और क4** में दिये गए हैं।

व्याख्यान

वर्ष 2013-14 के दौरान निम्नलिखित प्रसिद्ध व्यक्तियों ने छात्रों को संबोधित किया :

श्री वेंकटेश किनी	सी.ई.ओ., कॉक इंडिया
श्री मधुकर सबनविस	उपाध्यक्ष तथा राष्ट्रीय प्रमुख, ओगिल्वी एंड माथर

छात्रवृत्तियाँ

संस्थान ने शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर एक बड़ी संख्या में छात्रवृत्तियाँ प्रदान की हैं। यह जरूरत के आधार पर भी छात्रवृत्तियाँ प्रदान करता है।

उद्योग छात्रवृत्तियाँ

इस वर्ष के दौरान अड़तीस छात्रों ने शैक्षणिक प्रदर्शन की योग्यता के आधार पर उद्योग-छात्रवृत्तियाँ प्राप्त की।

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

आदित्य बिड़ला समूह ने आठ छात्रों को छात्रवृत्तियों के लिए चुना।

सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ

सर रतन टाटा ट्रस्ट द्वारा द्वितीय वर्ष के छात्रों को उनके प्रथम वर्ष के शैक्षणिक प्रदर्शन के आधार पर छात्रवृत्तियाँ प्रदान की जाती हैं। इस वर्ष चार छात्रों को ये छात्रवृत्तियाँ दी गई।

श्री एस.के. शेठ स्मारक पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती शान्ति शेठ द्वारा संस्थापित अपने पति स्व. श्री एस. के. शेठ, संस्थान के प्रथम पुस्तकालयाध्यक्ष की स्मृति में कार्यक्रम के प्रथम वर्ष में उच्चतम ग्रेड अंक प्राप्त करने वाले एक छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा को दिया गया।

एस. उमापति पुरस्कार

यह पुरस्कार स्वर्गीय एस. उमापति के भाई द्वारा, किसी एक छात्र की शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए संस्थापित, उनकी स्मृति में पीजीपी प्रथम वर्ष के श्रेष्ठ छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा को दिया गया।

सर्वोत्तम पीजीपी ऑल राउंडर के लिए कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार

कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास पुरस्कार, स्वर्गीय श्री कोलेनगोडे वी. श्रीनिवास के माता-पिता द्वारा किसी असाधारण छात्र के बहुमुखी प्रदर्शन को पहचान दिलाने एवं संस्थान के साथ श्रीनिवास की स्मृति में सम्मान के लिए स्थापित किया गया था। इस वर्ष, यह पुरस्कार पालुकुरी वी.एस. सेशांक को दिया गया।

शैक्षिक प्रदर्शन के लिए देशरत्न डॉ. राजेन्द्र प्रसाद स्वर्ण पदक

यह पुरस्कार, भारत के प्रथम राष्ट्रपति, स्व. डॉ राजेन्द्र प्रसाद की स्मृति में कामधेनु फाउंडेशन द्वारा स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो कार्यक्रम के दोनों वर्षों में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा को दिया गया।

महिला ऑल राउंडर पुरस्कार

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता पुरस्कार, इस संस्थान के अल्युम्नस श्री अरूण दुग्गल की पत्नी श्रीमती रीता दुग्गल द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को पहचान देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार डीसिल्वा सुज़ान मारिया को दिया गया।

पीजीपी महिला ऑल राउंडर उत्कृष्टता स्वर्ण पदक क्वेजल फाउंडेशन द्वारा एक असाधारण महिला छात्रा के ऑलराउंड निष्पादन को मान्यता देने हेतु स्थापित किया गया है। इस वर्ष, यह पुरस्कार डीसिल्वा सुज़ान मारिया को दिया गया।

सजीव सिरपाल शैक्षणिक एवं सृजनात्मक उत्कृष्टता पुरस्कार

सुश्री कनक सिरपाल (पीजीपी 1984) एवं मित्रों द्वारा संस्थापित यह पुरस्कार श्री सजीव सिरपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में छात्रों में शिक्षाविदों एवं सृजनात्मकता की उत्कृष्टता की पहचान करने के लिए दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार संचित बंसल को दिया गया।

श्रीमती जे. नगम्मा स्मारक पुरस्कार

यह पुरस्कार श्रीमती जे. नगम्मा की स्मृति में उनके पुत्र श्री प्रमोद कुंजू (पीजीपी 1999) द्वारा शैक्षणिक उत्कृष्टता को पहचान दिलाने के लिए स्थापित किया गया है। यह उस छात्र को दिया जाता है जो पीजीपी प्रथम वर्ष के कार्यक्रम में सर्वोच्च ग्रेड अंक प्राप्त करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा को दिया गया।

स्वर्गीय श्री बी.वी. दोशी स्मारक उद्यमिता सहायता

यह पुरस्कार उनके पौत्र साहिल दोशी द्वारा श्री बी.वी. दोशी की स्मृति में स्थापित किया गया है। यह सहायता उस छात्र को दी जाती है जो व्यापार उद्यम शुरू करने और रोजगार उपलब्ध कराने के लिए उद्यमशीलता की भावना का प्रदर्शन करता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार सुशील कुमार मीणा और शौनक छपरिया को दिया गया।

श्री जी.सी. मित्तल उद्यमिता सहायता

यह पुरस्कार श्री अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा उन छात्रों के लिए स्थापित किया गया है जो स्वयं का उद्यम शुरू करना चाहते हैं। इस वर्ष, यह एस. कनुप्रदीप को दिया गया।

उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार

यह श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित किया गया है, यह खेल में सर्वांगीण उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र को दिया जाता है। इस वर्ष, यह पुरस्कार पालापर्ती ललिता को दिया गया।

भा. प्र. संस्थान अहमदाबाद की विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ (एसएनबीएस)

संस्थान ने कुल 6,45,08,000 रुपए की आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्तियाँ छात्रों को दी। इस छात्रवृत्ति में 79,000 रूपए से लेकर 5,67,000 रूपए तक की धनराशि थी। कुल पाठ्यक्रम फीस का अधिकतम 70 प्रतिशत समर्थन 36 छात्रों को दिया गया। कार्यक्रम के अनुसार विशेष आवश्यकता-आधारित छात्रवृत्ति के छात्रों का विवरण इस प्रकार है :

	छात्रों की संख्या	राशि (रू.)
पीजीपी 2	86	2,74,59,000
पीजीपी-एबीएम 2	17	63,18,000
पीजीपी 1	82	2,32,26,000
पीजीपी-एबीएम 1	21	75,05,000
कुल	**206**	**6,45,08,000**

भारत सरकार - सर्वोच्च श्रेणी की शिक्षा के लिए केन्द्रीय क्षेत्र छात्रवृत्ति योजना

अनुसूचित जाति छात्रवृत्ति के लिए – पिछले शैक्षणिक वर्ष की छात्रवृत्ति की राशि 1,37,66,194 रू. प्राप्त हुई और चयनित छात्रों को वितरित की गई। वर्तमान वर्ष के लिए, प्रथम वर्ष के छात्रों की तरफ से प्राप्त सोलह आवेदनों में से बारह आवेदन सामाजिक न्याय एवं सशक्तिकरण मंत्रालय को भेजे गये थे जिनमें छह पुनःनवीकृत आवेदन भी संलग्न थे। इन छात्रवृत्तियों के अनुदान की अभी प्रतीक्षा है।

अनुसूचित जनजाति के लिए - पिछले शैक्षणिक वर्ष की छात्रवृत्ति की राशि 54,47,163 रू. प्राप्त हुई और चयनित छात्रों को वितरित की गई। वर्तमान वर्ष के लिए, प्रथम वर्ष के छात्रों की तरफ से प्राप्त छह आवेदनों में से पाँच आवेदन आदिवासी जाति मंत्रालय को भेजे गये थे जिनमें तीन आवेदन पुनःनवीकृत कर संलग्न किये गये थे। इन छात्रवृत्तियों के अनुदान की अभी प्रतीक्षा है।

भा.प्र.सं.अ. अनुसूचित जाति / अनुसूचित जनजाति छात्रवृत्तियाँ

वर्ष 2013-14 के दौरान, 181 छात्रों में प्रत्येक को 1500 रुपए के हिसाब से अ.जा./अ.ज.जा. छात्रवृत्तियाँ प्रदान की गई।

अन्य एजेंसियों द्वारा संस्थापित छात्रवृत्तियाँ

- प्रत्येक को 1,25,000 रुपए की ओ.पी. जिंदल छात्रवृत्ति पीजीपी-2 के अंकित गर्ग और संचित बंसल को प्रदान की गई।
- 1,00,000 रुपए की टी. थॉमस छात्रवृत्ति पीजीपी-2 के अंकित गर्ग को प्रदान की गई।
- सोसिएते जेनेराल ग्लोबल सॉल्युशन्स प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलुरू। इस केन्द्र ने पीजीपी-एबीएम-1 के निमित सचदेव को 5,90,000/- रु. की छात्रवृत्ति दी और पीजीपी-एबीएम-2 के छात्र नवनीत सिंह को 2,43,000/- रु. की छात्रवृत्ति प्रदान की।
- कई पीजीपी पूर्वछात्रों ने उदारतापूर्वक ज़रूरतमंद छात्रों को समर्थन देने के लिए अपना योगदान दिया। जबकि निधि में से कुछ पूँजी का उपयोग एसएनबीएस के लिए तथा कुछ पूँजी का उपयोग वापसी योग्य आधार पर एसएनबीएस पुरस्कृतों के लिए टॉप-अप के रूप में किया गया।

राज्य सरकार की छात्रवृत्तियाँ

राज्य सरकार द्वारा प्रायोजित छात्रवृत्तियाँ निम्न दो छात्रों को प्रदान की गईं थी :

	पुरस्कार विजेता	वर्ग/बैच	राशि (रु.)
महाराष्ट्र राज्य	रामटके अभय मनोहर	पीजीपी-2/2012-14	6,41,000
	संगाडे महेश सीताराम	पीजीपी-1/2013-15	5,90,000

विभिन्न छात्रवृत्तियों के प्राप्तकर्ताओं के नाम **परिशिष्ट क5** में दिए गए हैं।

श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	143	39	182
एनसी-ओबीसी	82	17	99
अ.जा.	45	13	58
अ.ज.जा.	18	11	29
विकलांग	10	2	12
कुल	298	82	380

प्रवेश

जून 2014 की शुरूआत में तीन सौ अस्सी छात्रों को पीजीपी में प्रवेश दिया गया।

कंप्यूटर-आधारित सामान्य प्रवेश परीक्षा (कैट), 16 अक्टूबर, 2013 से 11 नवम्बर, 2013 तक एक जाँच विन्डो के साथ 20 दिन आयोजित की गई। इसमें कई विदेशी उम्मीदवारों सहित 163336 आवेदन प्राप्त हुए थे।

प्राप्त आवेदनों की संख्या एवं छात्रों के प्रवेश के विवरण **परिशिष्ट क6** और **क7** में दिये गये हैं।

2. कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

कृषि व्यवसाय प्रबंध में द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) को एड्यूनिवर्सल, पेरिस द्वारा लगातार तीन वर्ष तक (2011, 2012 तथा 2013) विश्वभर में कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन कार्यक्रम में प्रथम स्थान पर रखा गया है। अपनी स्थापना के दिन से ही संस्थान ने कृषि, खाद्य, एवं अन्य विकास से संबंधित महत्त्वपूर्ण क्षेत्रों के प्रबंधकीय मुद्दों को स्वीकार किया है।

पाठ्यक्रम का उद्देश्य

इस कार्यक्रम का उद्देश्य खाद्य एवं कृषि व्यवसाय, ग्रामीण तथा संबद्ध क्षेत्रों में युवा महिला एवं पुरूषों को सक्षम व्यावसायिक प्रबंधक बनाना है। बढ़ती हुई पर्यावरणीय चिंताओं एवं उच्चतम बाजारोन्मुख प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में चुनौतियाँ बढ़ने से कृषि खाद्य उद्योग नीतियों में एवं प्रबंधन में बदलाव लाने के लिए प्रतिक्रिया देने की आवश्यकता है। नवीन कौशलों के साथ साथ, इस उद्योग में कार्यरत लोगों को प्रबंधकीय कौशलों, नीति के वातावरण की परिचितता, एवं एक सामरिक दृष्टिकोण की आवश्यकता होती है। यह कार्यक्रम छात्रों को गतिशील उद्योग में प्रमुख बदलावों और उन बदलावों की प्रक्रिया में प्रबंधन के कठिन कार्य के लिए तैयार करता है। इस कार्यक्रम के उद्देश्य हैं :

- छात्रों को कृषि-व्यवसाय के विशिष्ट संदर्भ में सामाजिक उद्देश्य के लिए प्रबंधकीय निर्णय लेने और निर्णयों के कार्यान्वयन के लिए वैचारिक एवं अंतर्वैयक्तिक कौशल से सुसज्जित करना।
- छात्रों को सफल व्यवसायियों के रूप में ढालने हेतु उन्हें कृषि-उद्यम अपनाने के लिए प्रोत्साहित करना।
- छात्रों में नेतृत्व-क्षमताएँ विकसित करना, ताकि वे परिवर्तन के अनुरूप ढल सकें और जिन संगठनों में वे कार्य करते हैं, उन्हें प्रेरित कर सकें।
- छात्रों की कल्पना-शक्ति का विस्तार करना तथा उनमें व्यावसायिकता, ईमानदारी, नैतिकता एवं सामाजिक प्रतिबद्धता के मूल्यों को पैदा करना।

प्रवेश

छात्र समुदाय द्वारा इस कार्यक्रम को अच्छी प्रतिक्रिया मिली। वर्ष 2013-14 में संस्थान को 1,35,911 आवेदन प्राप्त हुए। इनके विवरण **परिशिष्ट ख1** और **ख2** दिये गए हैं। एक कठिन चयन प्रक्रिया के बाद, जिसमें सामान्य प्रवेश परीक्षा, समूह चर्चा एवं साक्षात्कार शामिल थे, इस कार्यक्रम में 45 छात्र जुड़े।

तैयारी कार्यक्रम

सभी छात्रों को गणित, संचार एवं कम्प्यूटर कौशलों को मजबूत करने हेतु 3 जून से 22 जून 2013 तक चलाए गये एक प्रारंभिक कार्यक्रम में भाग लेने के लिए कहा गया।

अभिविन्यास कार्यक्रम

नए प्रवेश प्राप्त बैच के लिए 25-26 जून, 2013 की अवधि के दौरान एक अभिनंदन एवं अभिविन्यास कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पीजीपी-एबीएम कार्यकारी समिति के साथ बातचीत हुई और कम्प्यूटर एवं पुस्तकालय सुविधाओं के बारे में जानकारी दी गई। छात्रों को केस-पद्धति शिक्षण से परिचित कराने के लिए केस-तैयारी और केस-चर्चा पर एक सत्र का भी आयोजन किया गया।

प्रथम वर्ष का पीजीपी-एबीएम कार्यक्रम 45 छात्रों के साथ 24 जून, 2013 से शुरू हुआ। वर्ष के अंत में, 38 छात्रों को द्वितीय वर्ष में प्रोन्नत किया गया। इनके विवरण **परिशिष्ट ख3** में दिये गए हैं।

पाठ्यक्रम

इस कार्यक्रम का प्रथम वर्ष पीजीपी के साथ समान ही रहता है। छह से अधिक स्लॉट में फैले अनिवार्य 31 पाठ्यक्रम छात्रों ने लिए।

दूसरे वर्ष में चार क्षेत्र-विशेष अनिवार्य पाठ्यक्रम और कृषिव्यवसाय के विभिन्न पहलुओं को समाहित करते हुए 23 ऐच्छिक पाठ्यक्रम प्रस्तुत किये गये। दो नए ऐच्छिक पाठ्यक्रम (1) खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन तथा (2) खाद्यान्न गुणवत्ता का अर्थशास्त्र दूसरे वर्ष में पेश किये गए। द्वितीय वर्ष के छात्रों को पंजीकरण के लिए कम से कम 17 क्रेडिट और अधिकतम 20 क्रेडिट की ज़रूरत होती है। उनको किसी तीन मिश्र स्लॉट में से अन्य कार्यक्रमों के 3 क्रेडिट युनिटों में पंजीकरण कराने की अनुमति दी गई थी।

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल

ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का उद्देश्य छात्रों को ग्रामीणों जीवन से संपर्क कराना, ग्रामीणों के साथ बातचीत से सीखना और ग्रामीण परिवेश, समाज, संस्थानों, एवं अर्थव्यवस्था से परिचित होने का एक मौका प्रदान कराना है। ग्रामीण निमज्जन मॉड्यूल का पहला चरण, 25 मार्च से 6 अप्रैल, 2013 तक आयोजित किया गया। छात्रों को दस समूहों में विभाजित किया गया। इन समूहों में से दो समूहों को बिहार के वैशाली और मधुबनी जिलों में, दो समूहों को सीड्स (एनजीओ) आधारित एक्सएलआरआई, जमशेदपुर में, दो समूहों को जमशेदपुर के एक अन्य एनजीओ कलामंदिर में, तीन समूहों को अमलसाड़-गुजरात में और एक समूह को एनाबवी गाँव-आन्ध्र प्रदेश में रखा गया था। दूसरा चरण इन्हीं स्थानों पर 10 से 21 दिसंबर, 2013 तक आयोजित किया गया।

विनिमय कार्यक्रम

पीजीपी-एबीएम के द्वितीय वर्ष के चार छात्र ईएसएसईसी-एसेक, एम.एस. एग्रि बिज़नेस स्कूल, पेरिस गए, और एक सत्र व्यतीत किया। एसेक से तीन छात्रों ने जून-सितम्बर 2013 के दौरान यहाँ संस्थान में आकर एक सत्र व्यतीत किया।

अमेथन 2014

अमेथन 2014, आईआईएमए के कृषि-व्यवसाय, खाद्य, तथा ग्रामीण शिखर सम्मेलन का आयोजन 11-12 जनवरी, 2014 को हुआ। इस समारोह का उद्घाटन श्री भूपेन्द्रसिंह चुड़ासमा, माननीय ग्रामीण विकास मंत्री, गुजरात सरकार द्वारा किया गया। विश्वविद्यालयों तथा बिज़नेस-स्कूलों से लगभग 300 छात्रों और साथ ही उद्योग जगत, सरकार के विशेषज्ञों, व शिक्षाविदों ने इस शिखर सम्मेलन में भाग लिया। विषयों की व्यापक श्रेणी पर पैनल चर्चाएँ आयोजित की गई। कई कार्यशालाएँ भी प्रस्तुत की गई।

पीजीपी-एबीएम/एसपीए/पीएमए पूर्वछात्र सम्मेलन

संस्थान में पीजीपी-एबीएम/एसपीए/पीएमए के सभी बैचों के पूर्वछात्रों का 25 प्रतिभागियों के साथ मिलन समारोह 10 से 12 जनवरी, 2014 के दौरान आयोजित किया गया। इस समारोह के सत्रों में पूर्वछात्रों ने काफी उत्साहपूर्वक भाग लिया और अपने अनुभवों को साझा किया।

3. कार्यपालकों के लिए स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपीएक्स)

पाँच शैक्षणिक सत्रों में विस्तृत पीजीपीएक्स की संरचना लगभग छह खंड़ों में की गई है – प्रेरण, ब्लॉक निर्माण, शीर्ष प्रबंधन की तैयारी, अंतरराष्ट्रीय निमज्जन, चयनात्मकता एवं कैपस्टोन। यह कार्यक्रम 7 अप्रैल, 2013 से शुरू हुआ। इस बैच में 11 महिलाओं सहित 85 छात्र थे। पीजीपीएक्स 2013-14 के बैच का प्रोफ़ाइल **परिशिष्ट ग** में दिया गया है।

इस शैक्षणिक वर्ष के दौरान तेईस मुख्य/अनिवार्य एवं ग्यारह नए पाठ्यक्रमों सहित बयासी ऐच्छिक पाठ्यक्रम पेश किए गए, जिनमें से अड़तीस पाठ्यक्रमों को चार नये पाठ्यक्रमों के साथ चलाया गया।

अंतरराष्ट्रीय निमज्जन कार्यक्रम (आईआईपी)

आईआईपी का आयोजन 26 अगस्त से 6 सितम्बर, 2013 के दौरान किया गया। छात्रों को तीन समूहों में बाँटकर भेजा गया :

- चाइनीज़ युनिवर्सिटी ऑफ हाँगकाँग, हाँगकाँग (28 छात्र)
- वारविक बिजनेस स्कूल, युनिवर्सिटी ऑफ वारविक, कोवेंट्री (18 छात्र)
- ईएससीपी, पेरिस (39 छात्र)

विनिमय कार्यक्रम

वारविक बिज़नेस स्कूल से विनिमय के तहत आये 14 छात्रों के लिए 'भारत में व्यवसाय करना" पर एक मॉड्यूल बनाया गया। इस मॉड्यूल में संस्कृति, भारतीय तथा नेतृत्व,विपणन,व्यवसाय करने के लिए कानूनी पहलू, अवसंरचना क्षेत्र में सार्वजनिक निजी भागीदारी, पूंजी बाज़ार, नवाचार तथा उद्यमिता, कानूनी तथा विनियमन व्यवस्थाएँ, तथा भारत में प्रचलित डब्ल्यूटीओ नियमों सहित आर्थिक स्थिति जैसे विषय शामिल थे। इस कार्यक्रम के हिस्से के रूप में प्रतिभागियों ने अरविंद मिल्स (शर्टिंग यूनिट, सांतेज), सिंटेक्ष (प्लास्टिक्स यूनिट, कलोल), तथा अहमदाबाद में जीवीके ईएमआरआई (108 एम्बुलेंस सेवा) केन्द्र का दौरा किया था।

पुरस्कार

सभी 85 पीजीपीएक्स छात्रों ने सफलतापूर्वक स्नातक की उपाधि प्राप्त की। इसमें निम्नलिखित प्रशस्तियाँ दी गई :

- पीजीपीएक्स शीर्षस्थ आदित्य किरन परांजपे को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।
- आदित्य किरन परांजपे, अजित सिंह सेंगर, सुश्री हर्षा चेतन मुंदड़ा, निखिल परुचुरी, तथा यासुहिरो मासे : शीर्षस्थ पाँचों छात्रों को प्रत्येक को 20,000 रुपए की राशि के साथ शैक्षणिक योग्यता पुरस्कार दिए गए।
- श्री अरुण दुग्गल (अध्यक्ष, श्रीराम कैपिटल लिमिटेड, आईआईएमए के आगंतुक संकाय, एवं 1974 बैच के पूर्वछात्र) द्वारा प्रायोजित 50,000 रुपए का ऑल-राउंड उत्कृष्टता पुरस्कार निखिल परुचुरी को दिया गया।

अंतरराष्ट्रीय मान्यता

पीजीपीएक्स ने *फ़ाइनेंसियल टाइम्स* एफ़टी वैश्विक एमबीए रैंकिंग्स 2014 में कैरियर प्रगति पैरामीटर पर सर्व श्रेष्ठ में अपना स्थान जारी रखा। इस कार्यक्रम ने कैरियर प्रगति मानदंड में द्वितीय स्थान और समग्र रूप से 30वाँ स्थान प्राप्त किया।

छात्र गतिविधियाँ

संयोजन (कोनेक्सियन) 2013

कोन्नेक्सियन 2013, वार्षिक व्यापार सम्मेलन का आयोजन 24-26 अक्टूबर, 2013 को किया गया। परंपरागत रूप से परिसर के अंदर 5 किलोमीटर की दौड़ के साथ इस कार्यक्रम की शुरूआत हुई। लगभग 15 व्यापार अग्रणी इस समारोह में उपस्थित रहे और "भारत का मनोमंथन – क्रियान्वयन का विचार" विषय पर अपने विचार व्यक्त किए, जो इन चार उप-विषयों - दूरी को पाटना : स्थिरता के लिए सब्सिडी, मेड इन इंडिया को पुनःपरिभाषित करते हुए : कम लागत पर उच्च मूल्य, नया मीडिया नये नियम, तथा भारत के नेतृत्व की पाइपलाइन निर्मित करना पर केन्द्रित थे। प्रतिष्ठित कंपनियों से आये वरिष्ठ कार्यपालकों ने विभिन्न विषयों पर छात्रों के साथ विचारों का आदान-प्रदान किया। संसद सदस्य श्री सुरेश प्रभु भी इस समारोह के दौरान पैनल में उपस्थित विशेषज्ञ के तौर पर रहे। मुख्य वक्ताओं में भारतीय रिज़र्व बैंक के उप गवर्नर, डॉ. के.सी. चक्रवर्ती तथा अमेजन इंडिया के भारत में प्रमुख, श्री अमित अग्रवाल शामिल थे। 25 अक्टूबर, 2013 को मुख्य कार्यकारियों के लिए विशेष रात्रिभोज का आयोजन किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के तौर पर मॉरीशस दूतावास केजीओएसके, उच्च आयुक्त, डॉ. ए.के. जागेसर, उपस्थित थे।

एक्स-बिज़

इस वर्ष तत्काल रूप से एक्सबिज़ का आयोजन किया गया और इसमें "भूमि अधिग्रहण अधिनियम के सामाजिक-आर्थिक प्रभाव" पर ध्यान केन्द्रित किया गया। उद्योग जगत के अग्रणियों, सरकारी विशेषज्ञों, तथा कार्यकर्ताओं ने प्रतिभागी टीमों का मार्गदर्शन किया। इसमें विभिन्न हितधारक प्रत्येक छात्र टीमों (आईआईएमए तथा आईआईएमबी) का प्रतिनिधित्व कर रहे थे जैसे कि - भारतीय किसान और राज्य सरकार, भारत सरकार / नीति निर्धारक, रियल एस्टेट डेवलपर्स, सामाजिक कार्यकर्ता तथा इन्फ्रास्ट्रक्चर कंपनियाँ। इस समारोह की प्रस्तुति प्रोफ़ेसर शैलेन्द्र मेहता ने की, जिन्होंने वार गेम का अच्छी तरह से कई वर्षों से एक अनुसंधान उपकरण के रूप में उपयोग किया है। विशेषज्ञों द्वारा छात्रों की प्रस्तुतियों का मूल्यांकन किया गया और विजेता टीम (आईआईएमए टीम) को एयर मॉरीशस द्वारा मॉरीशस की यात्रा से सम्मानित किया गया।

पीजीपीएक्स पूर्वछात्र मिलन

इस समारोह में बड़ी तादाद में पीजीपीएक्स पूर्वछात्र आए और अपनी सफलता की रोचक कहानियों तथा अपने रोजगार में पीजीपीएक्स के योगदान को साझा किया। इसका समापन पीजीपीएक्स-3 बैच के सम्मान समारोह के साथ हुआ।

वक्तव्य श्रृंखला

वक्तव्य श्रृंखला पीजीपीएक्स छात्रों की एक पहल है जिसमें वरिष्ठ कॉरपोरेट अग्रणियों एवं प्रतिष्ठित लोगों को पीजीपीएक्स छात्रों से अपने अनुभव साझा करने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस वर्ष के आमंत्रितों में निम्नलिखित वक्ता शामिल थे :

- श्री रॉहिंटन (रॉनी) एस. स्क्रूवाला, संस्थापक तथा मुख्य कार्यकारी, यूटीवी, "पहली पीढ़ी के भारतीय उद्यमी की कार्यप्रणाली' विषय पर 27 अप्रैल, 2013 को बोले।
- श्री अनिरुद्ध देशमुख, प्रमुख - टेक्सटाइल्स तथा खुदरा बिक्री, रेमंड लिमिटेड, 24 मई, 2013 को 'भारत के छोटे शहरों में फैशन परिधान की खुदरा बिक्री' विषय पर बोले।
- डॉ. देवदत्त पट्टनायक, मुख्य भावना अधिकारी, फ़्यूचर ग्रुप, 18 जून, 2013 को 'आधुनिक प्रबंधन में, विशेषकर नेतृत्व तथा संस्कृति के दायरे में पौराणिक कथाओं की प्रासंगिकता' विषय पर बोले।
- प्रोफ़ेसर श्रीकान्त दातार, लेखांकन के आर्थर लॉवेस डिकिन्सन प्रोफ़ेसर, 30 जून, 2013 को "प्रबंधकों तथा संगठनों को अधिक अभिनव बनाना" विषय पर बोले।

- डॉ. सुमन बेरी, कार्यकारी अर्थशास्त्री, रॉयल डच शेल ग्रुप, पीजीपी छात्रों के सार्वजनिक नीति विशेष हित समूह के सहयोग में 10 जुलाई, 2013 को "नव परिदृश्य : भावि वैश्विक ऊर्जा प्रणाली की रचना आर्थिक, राजनीतिक तथा सामाजिक बलों से कैसे होती है उसकी तलाश करना" विषय पर बोले।
- श्री जे. सुरेश, प्रबंध निदेशक तथा मुख्य कार्यकारी, अरविंद ब्रांड्स व खुदरा बिक्री, 12 जुलाई, 2013 को "लाइफ़स्टाइल ब्रांड्स" विषय पर बोले।
- सुश्री किरन बेदी, सामाजिक कार्यकर्ता, 13 सितम्बर, 2013 को 'वाहन चालन बदलावः क्या यह लैंगिक अज्ञेयवाद है?" विषय पर बोले।
- श्री एस. चन्द्रमौली, वरिष्ठ उपप्रमुख तथा प्रबंध निदेशक, सीजीआई इंडिया, 23 सितम्बर, 2013 को 'आईटी उद्योग में विलय एवं अधिग्रहण' विषय पर बोले।
- सुश्री कुमुद श्रीनिवासन्, प्रमुख, इनटेल इंडिया, 1 अक्टूबर, 2013 को 'प्रौद्योगिकी उद्योग में मार्गदर्शक विकास' विषय पर बोले।
- ऑन्नो रुल, देश निदेशक-भारत, विश्व बैंक, 15 नवम्बर, 2013 को "भारत के विकास में मुख्य चुनौतियाँ : सामाजिक समावेशन, आर्थिक एकीकरण और स्थानिक परिवर्तन' विषय पर बोले। यह विश्व बैंक तथा आईआईएम वक्तव्य श्रृंखला का हिस्सा था।
- सुश्री उषा जुमानी, सामाजिक कार्यकर्ता, 16 नवम्बर, 2013 को 'सामाजिक असमानताओं को खोजने में प्रबंधन (संस्थानों) की भूमिका' विषय पर बोली।
- श्री राकेश कुमार गुप्ता, प्रबंध निदेशक, एलियांज़ कॉर्नहिल, 22 नवम्बर, 2013 को 'आईटी तथा ऑफ़-शॉरिंग उद्योग में बंदी की गतिशीलता बदलना' विषय पर बोले।
- श्री मंसूर अली खान, फिल्म निर्माता तथा द थर्ड कर्व के लेखक ने 28 फरवरी, 2014 को अस्थायित्व और विकास मुद्दे पर अपने विचार साझा किये। उन्होंने प्रकृति द्वारा हम पर थोपी गई आर्थिक वृद्धि की मजबूरियों और सीमाओं के बीच अपाट्य असमानताओं के बारे में वक्तव्य दिया। उन्होंने आधुनिक औद्योगिक जगत् की प्रभावोत्पादकता पर सवाल उठाते हुए सभ्यता को केवल संभावना के रूप में नहीं अपितु जीवन जीने के एक तरीके के रूप में भी स्वीकार्य हो सकता है उस बार में अपना दृष्टिकोण रखा।

प्रवेश

पीजीपीएक्स 2014-15 के लिए छह सौ नब्बे आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें में से 230 उम्मीदवारों को साक्षात्कार के लिए चुना गया। 100 उम्मीदवारों को अंतिम प्रस्ताव दिए गए और 25 को प्रतीक्षा सूची में रखा गया जिनमें से 4 सक्रिय हुए। अंततः 85 उम्मीदवार कार्यक्रम से जुड़े जिनमें 13 महिलाएँ हैं। प्रवेश पाने वाले सात छात्रों ने विलंब से अप्रैल 2015 से जुड़ने के लिए कहा है।

4. प्रबंध में फैलो कार्यक्रम

अब तक 295 छात्रों ने "भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद की फैलो" उपाधि प्राप्त की है। मार्च 2014 में स्नातक हुए 10 (दस) छात्रों को जोड़ने पर यह संख्या 305 हो गई है। 32 छात्र उनके शोध प्रबंध चरण में हैं और 37 छात्र पाठ्यक्रम कार्य कर रहे हैं।

वर्ष 2014 में स्नातक हुए एफ़पीएम छात्रों के विवरण, **परिशिष्ट घ1** में दिये गये हैं।

पुरस्कार

आईएफ़सीआई शोध-प्रबंध पुरस्कार

छात्र का नाम	शोध-प्रबंध का शीर्षक	पुरस्कार
मनोज मोटियानी (विपणन)	विक्रेता के कार्यनिष्पादन का निर्धारक के रूप में महत्त्वपूर्ण नेतृत्व : विस्तृत पूर्ण श्रृंखला नेतृत्व सिद्धांत (एफ़आरएलटी) को लागू करते हुए	50,000 रु.
बी. सुंदर (अर्थशास्त्र)	वित्तीय साक्षरता, जोखिम के प्रति रूख, तथा वनों पर निर्भर समुदायों की व्यग्रता के आँकड़े: आन्ध्र प्रदेश से साक्ष्य	50,000 रु.

प्रोफ़ेसर तीरथ गुप्ता स्मृति शोध-प्रबंध पुरस्कार

छात्र का नाम	शोध-प्रबंध का शीर्षक	पुरस्कार
कौशिक रॉय (व्यापार नीति)	अंतरराष्ट्रीय संयुक्त उद्यमों में गतिशील क्षमताओं का विकास : ऊभरती अर्थव्यवस्था में बीमा उद्योग के संदर्भ के तहत एक अन्वेषण	50,000 रु.
प्रकृति नासवा (सार्वजनिक प्रणाली समूह)	अवसंरचना आस्तियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की अनिश्चितता और जोखिम प्रबंधन	50,000 रु.

सातवीं आईआईएम-ए डॉक्टरीय वार्ता

सातवीं आईआईएमए डॉक्टरीय वार्ता का आयोजन 9 से 11 दिसम्बर 2013 के दौरान किया गया, इसमें पंजीकृत पीएच.डी. छात्रों, पीएच.डी. स्नातकों, प्रोफ़ेसरों, तथा कॉर्पोरेट क्षेत्र के प्रतिनिधियों को मिलाकर 150 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया। दो दिवस तक चली इस वार्ता ने 80 से अधिक डॉक्टरेट उम्मीदवारों को अपने अनुसंधान की प्रस्तुति करने तथा अपने साथियों व विषय विशेषज्ञों के साथ सार्थक वार्तालाप करने के लिए मंच प्रदान किया।

इस वार्ता की विशेषता अनुसंधान के ऊभरते क्षेत्रों में चार कार्यशालाएँ थी। मुख्य वक्तव्य प्रोफ़ेसर सुमित कुंडू, विश्वनाथ पिंगाली, तथा पीटर स्टॉक्स द्वारा दिये गए।

इस वार्ता में 'सार्थक अनुसंधान करना व प्रसार करना' विषय पर प्रोफ़ेसर डी.पी. दास की अध्यक्षता में तथा 'लिंग संवेदीकरण और महिला केन्द्रित कार्यस्थलों का निर्माण' विषय पर प्रोफ़ेसर अजीत माथुर की अध्यक्षता में पैनल चर्चाएँ हुई।

यह डॉक्टरीय वार्ता गुणवत्ता अनुसंधान के प्रकाशन पर पूरी तरह ध्यान केंद्रित करते हुए एक शैक्षणिक समुदाय के निर्माण की दिशा में किये गये प्रयास का एक संकेत है।

सम्मेलन/डॉक्टरल वार्ता/कंसोर्टियम/एफ़पीएम छात्रों द्वारा प्रतिभागिता

इसके विवरण **परिशिष्ट घ2** में दिए गए हैं।

पीजीपी, पीजीपी-एबीएम और एफ़पीएम छात्रों की संख्या के पिछले 10 वर्षों के विवरण **परिशिष्ट ङ** में दिए गए हैं।

5 .नियुक्ति

पीजीपी

पीजीपी से स्नातक हो रहे बैच के लिए नियुक्ति प्रक्रिया छात्रों की पसंद के कार्यों और विभिन्न क्षेत्रों में सम्पन्न हुई। छात्रों की उच्च गुणवत्ता तथा नियुक्ति प्रक्रिया की मजबूत प्रकृति के साक्ष्य, 378 छात्रों की सफलतापूर्वक नियुक्ति से छात्रों एवं भर्तीकर्ताओं के बीच पर्याप्त लचीलापन प्रदान करते हैं।

नियुक्ति प्रक्रिया

नियुक्ति प्रक्रिया दो चरणों में आयोजित की गई। प्रथम चरण में पार्श्विक प्रक्रिया थी जिसमें कम्पनियों ने कार्यानुभव वाले छात्रों के साक्षात्कार लिए और उन्हें मध्य स्तर के प्रबंधकीय पदों की पेशकश की। दूसरे चरण में, अंतिम नियुक्ति प्रक्रिया के तहत कंपनियों को कॉहार्ट सिस्टम के आधार पर बाँटकर प्रोफ़ाइल प्रस्तुत किए गए और उन्हें अलग अलग समूहों में परिसर में आमंत्रित किया गया। पिछले वर्षों की तरह, छात्रों को 'सपनों' से खेलने की अपनी अनुमति जारी रखते हुए, संस्थान ने उन्हें अपनी पसंद की किसी भी कम्पनी में जाने की छूट दी, चाहे उन्हें पहले पेशकश मिल गई हो। इसने छात्रों को अपनी पसंद के क्षेत्रों में अपना भविष्य बनाने की आजादी दी है।

प्रमुख नियोक्ता

वर्ष 2013 की नियुक्ति प्रक्रिया में पार्श्व नियुक्ति प्रक्रिया सहित 125 से अधिक कम्पनियों ने भाग लिया। सभी समूहों में से एक्सेन्चर स्ट्रेटजी प्रमुख नियोक्ता रही जिसने 18 छात्रों का चयन किया था। रणनीति परामर्श क्षेत्र में, बोस्टन कन्सल्टिंग ग्रुप ने 15 छात्रों को पेशकश की जबकि ए.टी. केअर्नी, बैन एंड कम्पनी, मैक्किंज़े एडं कम्पनी आदि प्रत्येक ने 7 पेशकश की। विशिष्ट परामर्शन क्षेत्र में, ईएक्सएल सर्वाधिक 8 पेशकश करने वाला नियोक्ता बना। वैश्विक निवेश बैंकों में, निवेश बैंकिंग, कॉर्पोरेट बैंकिंग, तथा निजी बैंकिंग कार्यों के लिए 9 छात्रों को चुनकर एचएसबीसी सबसे बड़ा नियोक्ता रहा। उपभोक्ता सामग्री एवं सेवा क्षेत्र में हिंदुस्तान यूनिलीवर तथा स्टार टीवी इंडिया दूसरी 6 पेशकशों के साथ प्रमुख नियोक्ता बने रहे। सामान्य प्रबंधन कंपनियों में, रिलायंस इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड 8 पेशकशों के साथ सर्वाधिक नियुक्तिकर्ता रही। प्रौद्योगिकी क्षेत्र में, व्यवसाय विकास तथा संचालन कार्यों के लिए 15 दूसरी पेशकशों के साथ अमेजन बड़ी नियोक्ता रही। डाटा एनेलिटिक्स तथा व्यवसाय विकासके कार्यों के लिए लैटेंट व्यू तथा सैमसंग ने दूसरी 7 पेशकश रखी।

उद्यमिता

हमेशा से संस्थान ने छात्रों को कैरियर के रूप में उद्यमिता को अपनाने के लिए प्रोत्साहित किया है और इस वर्ष, तेरह छात्रों ने अपने नए उपक्रम शुरू करने के लिए नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहने का विकल्प चुना। इन स्टार्टअप में रसद व परिवहन क्षेत्र को समर्थन करने और दूसरों के बीच कृषि आपूर्ति-श्रृंखला में सुधार लाने के लिए मंच प्रदान में आईटी सॉल्युशन्स उद्यम शामिल है। इस क्रम में उद्यमिता को बढ़ावा देने की अपनी संस्कृति के साथ संस्थान अपने छात्रों को नियुक्ति छुट्टी प्रदान करता है, जिसमें उनका उद्यम आगे नहीं बढ़ने के मामले में वे आगामी दो वर्षों में से किसी एक में नियुक्तियों में भाग ले सकते हैं।

पुराने संबंधों को मजबूत बनाना तथा नए संबंध स्थापित करना

नियुक्तियों को औद्योगिक संबंध एवं पारस्परिक सहयोग संघ बनाने के लिए एक अवसर के रूप में देखा जाता है। मौजूद नियोक्ता ना केवल बड़ी संख्या में भर्ती करने के माध्यम से आईआईएमए के साथ संबंध बनाए रखते हैं, बल्कि कई नई कम्पनियों ने भी नियुक्तियाँ की हैं। इस वर्ष अट्ठाईस कम्पनियाँ पहली बार संस्थान में आई।

पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव (पीपीओ) नियुक्तियाँ

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर 53 कम्पनियों द्वारा 118 पूर्व-नियुक्ति प्रस्ताव पेश किए गए, इनमें से 84 प्रस्ताव स्वीकार किए गए।

पार्श्व नियुक्ति

पार्श्व नियुक्ति पर जोर देना यह सुनिश्चित करता है कि छात्र अपने अनुभव का लाभ उठा सकते हैं। जिन कम्पनियों ने इस प्रक्रिया में भाग लिया उनमें से कुछ प्रमुख हैं अमेजन, लैटेंट व्यू, इनफ़ॉसिस, स्टार इंडिया, महिन्द्रा कॉमविवा, माइक्रोसॉफ्ट आईडीसी, नारायण हृदयालय, आदित्य बिरला ग्रुप, एयरटेल, कॉग्निज़ेंट, दुनिया फाईनांस, गूगल, तथा इंडिया प्रॉपर्टी। लगभग 40 कंपनियों ने पार्श्व नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लिया और 108 पेशकशें रखीं जिनमें से छात्रों द्वारा 87 को स्वीकृति मिली।

पीजीपी-एबीएम

41 छात्रों की नियुक्ति प्रक्रिया सफलतापूर्वक पूर्ण हुई। नियोक्ताओं तथा छात्रों दोनों की तरफ से नियुक्ति प्रक्रिया में प्रतिभाओं से मेल खाते अवसरों को प्रभावी रूप से अच्छी प्रतिक्रिया और मजबूती मिली। इस प्रक्रिया में छात्रों की संख्या तथा क्षमता शक्ति का यह साक्षी रहा कि कंपनियों ने छात्रों के प्रोफ़ाइलों के आधार पर उम्मीदवारों के विशेष पदों का सृजन किया।

लगभग 30 से अधिक कम्पनियों ने नियुक्ति प्रक्रिया में भाग लिया जिनमें बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से लेकर लघु एवं मध्यम उद्यमों तक तथा उल्लेखनीय शुरूआती कम्पनियाँ भी शामिल थी। गोदरेज ऐग्रोवेट, जीएसएफसी, किर्लोस्कर ऑयल इंजन लिमिटेड, तथा नागा इंडस्ट्रीज़ प्रत्येक ने 3 छात्रों की नियुक्ति की। एस्कोर्ट्स, गति-केडब्ल्यूई, आई-प्रोफ़, मोंदले इंटरनेशनल, एसएच ग्रुप, स्टैंडर्ड चार्टर्ड, स्टेलाप्स, तथा टाटा रैलीज़ ने संस्थान के छात्रों की पहली बार नियुक्ति की। ईएसपी, राबोबैंक, सिंजेंटा, तथा टाफ़े जैसे नियमित नियोक्ताओं ने भी नियुक्ति की।

इसमें बीज, उर्वरक, कीटनाशक, समावेशी बैंकिंग, कोर्पोरेट बैंकिंग, खाद्य एवं कृषि व्यवसाय अनुसंधान एवं सलाहकार, रसद एवं आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, मंच विकास, वृक्षारोपण, कमोडिटी व्यवसाय, कृषि मशीनरी, ग्रामीण बैंकिंग, और परामर्शन सहित विविध डोमेन में विभिन्न भूमिकाओं की पेशकश की गई।

तीन छात्रों ने नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रहते हुए अपने उद्यम शुरू करने का विकल्प चुना।

पीजीपीएक्स

पीजीपीएक्स नियुक्ति की शुरूआत सूचीकरण आधार पर दिसम्बर से हुई। इसमें अच्छे योग्य प्रतिभागियों एवं संभावित रोजगार/भूमिका को सुनिश्चित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया।

इस वर्ष की नियोक्ता सूची में कंपनियों के संगठन, आईटी, इंजीनियरिंग व प्रौद्योगिकी, परामर्शन, और कई पहली बार आए नियोक्ता शामिल थे।

नियुक्ति के लिए वापस आई कम्पनियों में गूगल, गोल्डमेन सैक, हीरो मोटो, अमेजोन और माइंडट्री शामिल हैं। भारती एयरटेल लिमिटेड तथा एक्सेंचर सर्विसीज़ प्राइवेट लिमिटेड ने सबसे अधिक संख्या में प्रस्ताव दिए।

नियुक्ति के विवरण **परिशिष्ट च** में दिये गये हैं।

6. दीक्षांत समारोह

महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड के अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक, श्री आनंद महिन्द्रा उनतालीसवें दीक्षांत समारोह पर

संस्थान का उनतालीसवाँ दीक्षांत समारोह, 22 मार्च, 2014 को आयोजित किया गया। महिन्द्रा एंड महिन्द्रा लिमिटेड के अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक,श्री आनंद महिन्द्रा ने दीक्षांत भाषण दिया। दीक्षांत समारोह में, 10 एफपीएम छात्रों को "भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद फैलो" की उपाधि से सम्मानित किया गया, 388 छात्रों को प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया, 41 छात्रों को कृषि-व्यवसाय प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया, और 85 छात्रों को कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में एकवर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा से सम्मानित किया गया।

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी) के निम्नलिखित छात्रों को शैक्षिक कार्य-निष्पादन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद पदक से सम्मानित किया गया :

- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार

कार्यकारी प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा के आदित्य किरण परांजपे को शैक्षिक प्रदर्शन के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद पदक से सम्मानित किया गया।

हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा

संचित बंसल

प्रशांत सरकार

आदित्य किरण परांजपे

7. प्रबंध में संकाय विकास कार्यक्रम

संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़डीपी) 15 सप्ताह का आवासीय कार्यक्रम है जो विशेष रूप से प्रबंध शिक्षा के संकाय सदस्यों एवं प्रशिक्षण संस्थानों के लिए बनाया गया है। संस्थान ने एक विश्वविद्यालय शिक्षक श्रृंखला शुरू की उसके बाद प्रथम एफ़डीपी कार्यक्रम सन् 1979 में प्रस्तुत किया गया। पिछले कई वर्षों में एफ़डीपी की संरचना एवं पाठ्यक्रम में प्रबंध शिक्षकों के विकास की उभरती आवश्यकताओं को देखते हुए, उसे फिर से रचा गया है। 35वाँ एफडीपी 10 जून से 28 सितम्बर, 2013 तक आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में नेपाल के तीन प्रतिभागियों सहित कुल अड़तीस प्रबंध शिक्षकों ने भाग लिया। इनमें 17 महिलाएँ थी। स्वयं द्वारा प्रायोजित 18 प्रतिभागियों को फैलोशिप प्रदान की गई।

एफ़डीपी में विशेष रूप से ऐसे प्रबंध शिक्षकों के शिक्षण, प्रशिक्षण एवं अनुसंधान कौशलों के उन्नयन पर ध्यान केन्द्रित किया जाता है जिन शिक्षकों को शिक्षा तथा अनुसंधान के तरीकों से वर्तमान घटनाक्रम में परिचय का अवसर नहीं मिला है। 35वें एफडीपी में पाठ्यक्रम के तीन समूह पेश किये गए : अनुशासन आधारित पाठ्यक्रम, मूलभूत पाठ्यक्रम, और ऐच्छिक का एक समूह। पहले समूह के पाठ्यक्रम में रणनीति निर्माण तथा कार्यान्वयन, प्रबंधन के लिए सूचना प्रौद्योगिकी, आर्थिक माहौल व नीति, प्रबंध लेखाकरण, वित्तीय प्रबंधन, विपणन, व्यवसाय एवं विपणन अनुसंधान तरीके, संगठनात्मक व्यवहार की समझ, गुणवत्तात्मक अनुसंधान के तरीके, मानव संसाधन प्रबंधन, डाटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकी, तथा संचालन प्रबंधन शामिल थे।

मूलभूत पाठ्यक्रमों का लक्ष्य विशिष्ट शैक्षणिक तथा अनुसंधान कौशलों पर रहा और इनमें प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार, अनुसंधान के तरीके, डाटा विश्लेषण के लिए एप्लिकेशन (अनुप्रयोग), तथा केस लेखन का परिचय शामिल थे।

ऐच्छिकों में स्वास्थ्य एवं अस्पताल प्रबंधन, पाठ्यक्रम डिज़ाइन : जलवायु परिवर्तन प्रबंध, लोकतांत्रिक समाज में व्यापार, उभरते बाज़ारों की रणनीति, सामाजिक उद्यमिता, कला तथा प्रकाशन अनुसंधान, निर्णय निर्माण, निर्णय निर्माण के लिए खेल सिद्धांत, तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार शामिल थे।

एफ़डीपी को एक गहन प्रबंध संकाय विकास के अनुभव के लिए देश में श्रेष्ठ कार्यक्रमों में मान्यता मिली हुई है। अभी एफ़डीपी पूर्वछात्र नेटवर्क में 702 सदस्य हैं, इनमें नेपाल, बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका, भूटान तथा इथियोपिया से 83 प्रबंध शिक्षक शामिल हैं। इन वर्षों में एफ़डीपी पूर्वछात्रों ने भारत में तथा विदेशों में प्रबंधन शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के लिए उल्लेखनीय योगदान दिया है।

एफ़डीपी पूर्वछात्र सम्मेलन

संस्थान के शैक्षिक समर्थन के साथ गीतम युनिवर्सिटी द्वारा "व्यवसाय की नैतिकता और सामाजिक दायित्व - 2013" विषय पर एफ़डीपी पूर्वछात्र सम्मेलन का आयोजन विशाखापट्टनम में 20-21 दिसम्बर, 2013 के दौरान किया गया।

अनुसंधान एवं प्रकाशन

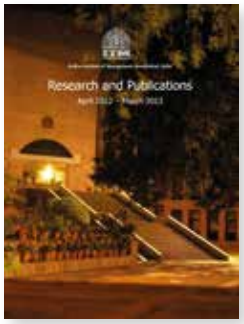

इस संस्थान में अनुसंधान महत्वपूर्ण शैक्षणिक गतिविधि का गठन करता है। वित्तीय सहायता एवं अन्य समर्थनों की मात्रा के आधार पर वृहत, लघु, या मूलधन परियोजनाओं के रूप में वर्गीकृत अनुसंधान परियोजनाओं को वित्तीय सहायता, इस संस्थान द्वारा उपलब्ध कराई जाती है। केस-लेखन एक अन्य महत्त्वपूर्ण गतिविधि है जिसे संस्थान से वित्तीय सहायता प्राप्त होती है। प्रकाशन के विभिन्न प्रकार जैसे पुस्तकें, मॉनोग्राफ्स , जर्नल्स में लेख, केस - इन अनुसंधान परियोजनाओं के परिणाम हैं।

वर्ष के दौरान, 8 अनुसंधान परियोजनाएँ, 6 मूलधन परियोजनाएँ, और 4 केस-विकास परियोजनाओं का कार्य पूर्ण किया गया। आठ अनुसंधान परियोजनाएँ, 6 मूलधन परियोजनाएँ, और 8 केस-विकास परियोजनाओं का प्रारंभ किया गया, जबकि 1 केस-विकास परियोजनाको बंद किया गया। इसके अलावा, 36 ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजनाएँ चलाई गईं।

इस वर्ष के दौरान, शैक्षणिक समुदाय ने 20 पुस्तकें एवं जर्नल्स में 110 लेख लिखे। उन्होंने पुस्तकों में 23 अध्यायों का योगदान दिया, सम्मेलनों में 129 आलेख प्रस्तुत किए और 103 वर्किंग पेपर लिखे।

इनके विवरण, **परिशिष्ट छ, ज और झ** में दिए गए हैं।

विकल्प : निर्णयकर्ताओं का जर्नल

विकल्प : **निर्णयकर्ताओं का जर्नल,** (www.vikalpa.com) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद का एक तिमाही प्रकाशन है। वर्तमान में इसके 39वें वर्ष के प्रकाशन में, विकल्प शिक्षाविदों एवं प्रबंधकों के लिए प्रबंधन विकास संप्रेषण के एक शीर्ष प्रबंध-जर्नल के रूप में उभरा है। इसमें अनुप्रयुक्त अनुसंधान पर ध्यान केन्द्रित किया गया है, जो शैक्षणिक कठिनता और प्रतिभावों के मानकों को पूरा करते हैं तथा अभ्यासरत प्रबंधकों के लिए प्रासंगिक हैं।

विकल्प के प्रत्येक अंक में निम्नलिखित विशेषताएँ होती हैं। **दृष्टिकोण** उन उभरते मुद्दों व विचारों को प्रस्तुत करता है जो संगठनों में प्रबंधकों, प्रशासकों व नीति निर्माताओं से कार्रवाई या पुनर्विचार की मांग करते हैं। अनुसंधान में विश्लेषणात्मक या अनुसंधान आधारित लेख होते हैं, जो प्रबंधकीय व शैक्षणिक मुद्दों के समाधान पर ध्यान आकर्षित करते हैं। **अंतराफलक** ऐसे लेख प्रस्तुत करता है, जो प्रबंधकों के लिए व्यावहारिक रूप से उपयोगी होते हैं तथा उनके प्रबंधकीय कौशलों को अद्यतन बनाने में सहायक होते हैं। टिप्पणियाँ एवं व्याख्याएँ प्रारंभिक अनुसंधान, साहित्य की समीक्षा, और प्रकाशित आलेखों के विषय पर टिप्पणियों को समाविष्ट करती हैं। वार्ता के अंतर्गत समसामयिक विषय पर की गई चर्चा शामिल होती है। प्रबंध केस में, किसी एक प्रबंधक या संगठन ने, रणनीतिगत, प्रकार्यात्मक या प्रचालनात्मक स्तरों पर किसी वास्तविक स्थिति का सामना किया हो, उस पर निर्णय लिया हो या कार्रवाई की हो, उसका वर्णन होता है। निदान, अकादमी के सदस्यों एवं व्यवसायियों द्वारा किए गए किसी केस के विश्लेषण को प्रस्तुत करता है। विकल्प **पुस्तक समीक्षाएँ** भी प्रस्तुत करता है।

विकल्प, ऐसा जर्नल है जिसकी समीक्षा समान योग्यता वाले व्यक्तियों द्वारा की जाती है। प्रकाशन के लिए प्राप्त सामग्री की प्राथमिक स्क्रीनिंग व दोहरी अप्रत्यक्ष समीक्षा की जाती है और स्वीकृत सामग्री को उचित ढंग से संपादित किया जाता है। इस वर्ष के दौरान, लगभग 96 समीक्षक इसके समीक्षा कार्य में शामिल थे।

2013-14 के दौरान, विकल्प को 355 पेपर प्राप्त हुए, जिनमें से 266 को प्रारंभिक चरण में अस्वीकार कर दिया गया, तथा बाकी को समीक्षा के बाद, लेखकों द्वारा या तो किसी भी परिवर्तन के बगैर या फिर पुनरीक्षण के बाद स्वीकृत किया जायेगा, अथवा अस्वीकृत किया जायेगा - यह प्रक्रिया वर्ष 2014-15 के दौरान पूर्ण होगी। इस वर्ष के दौरान लगभग 16 पेपर प्रकाशन के लिए मंजूर किये गये थे, इस तरह, स्वीकृति दर पाँच प्रतिशत से कम रही। लगभग 96 समीक्षक इसके समीक्षा कार्य में शामिल थे।

वर्ष के दौरान, समुदाय के सदस्यों सहित लगभग 12,000 उपभोक्ताओं को *विकल्प* की प्रतियाँ वितरित की गई।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

वित्तीय वर्ष 2013-14 में, संस्थान ने 59 प्रबंध विकास कार्यक्रम (एमडीपी) पेश किए। इनमें सरकारी विभागों सहित, निजी एवं सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों से 1,578 अधिकारियों ने भाग लिया। प्रबंध विकास कार्यक्रम गतिविधि 11,107 प्रतिभागी - दिवसों के लिए चलायी गई।

वर्ष के दौरान, 3टीपी मध्य प्रबंधन कार्यक्रमों को दो बार पेश किया गया।

59 कार्यक्रमों में से, चार नियमित सामान्य प्रबंधन कार्यक्रम थे।

बाकी के 55 कार्यक्रमों में से, दो वैश्विक स्तर के कार्यक्रम थे, सात नए कार्यक्रम थे, और 46 कार्यक्रमों की पुनरावृत्ति हुई थी। इन सात नए कार्यक्रमों में से, दो कार्यक्रम स्वास्थ्य प्रबंधन सेवा केन्द्र द्वारा पेश किये गये और सार्वजनिक प्रणाली, सूचना प्रणाली, उत्पाद व मात्रात्मक तरीके, विपणन तथा कृषि, प्रत्येक द्वारा एक-एक कार्यक्रम पेश किया गया।

प्रारंभ में, 66 कार्यक्रमों को प्रस्तुत करने की योजना थी, परंतु बाद में, 7 कार्यक्रमों को रद्द कर दिया गया था।

इनके विवरण **परिशिष्ट 'ञ'** में दिए गए हैं।

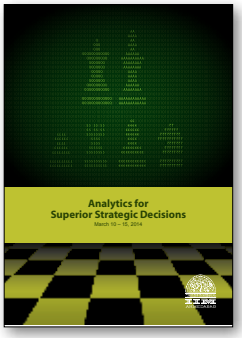

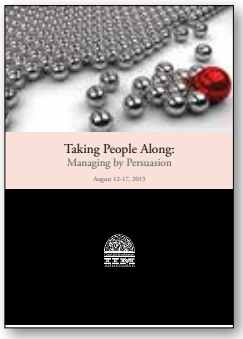

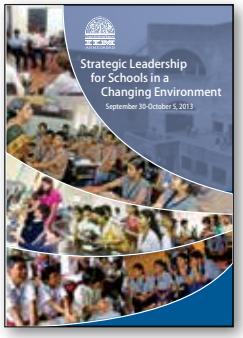

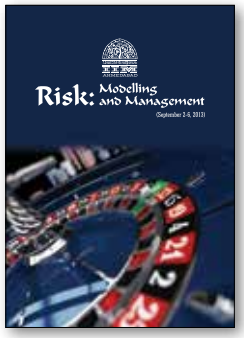

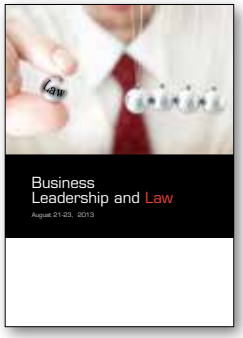

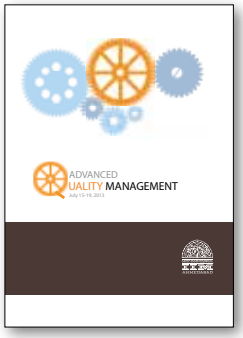

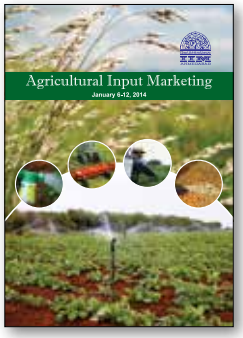

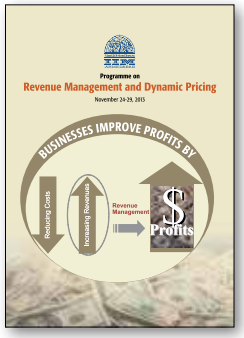

अंतर्विषयक केंद्र एवं समूह

1. इलेक्ट्रॉनिक अभिशासन केन्द्र (सीईजी)

वर्ष के दौरान, सीईजी ने एसजेवीएन लिमिटेड के लिए ईआरपी कार्यान्वयन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया और गुजरात ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड में ईआरपी कार्यान्वयन पर परामर्शी समर्थन उपलब्ध कराया।

श्री लंका में चलाई गई एक अनुसंधान परियोजना में नगरपालिकाओं में ई-अभिशासन का अध्ययन किया गया और लघु उद्यमों तथा ग्रामीण इलाकों में गरीबों के लिए सेवाओं के वितरण में सुधार किया गया।

सीईजी संकाय ने नागालैंड सरकार के विधायकों और मंत्री के लिए नेतृत्व कार्यशाला में ई-अभिशासन पर प्रस्तुति की और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में ई-अभिशासन पर एक पैनल चर्चा में भाग लिया।

इस वर्ष के दौरान *इन्फॉर्मेशन टैकनोलोजी इन डेवलपिंग कंट्रीज़* नामक न्यूज़लेटर के तीन अंक प्रकाशित किये गए। इन न्यूज़लेटरों में विशेषज्ञों द्वारा विकास के लिए प्रौद्योगिकी के उपयोग पर लिखे गए लेखों को समाविष्ट किया गया।

2. लिंग समानता, विविधता, और समावेशिता केन्द्र (जेडी सेन्टर)

लिंग की मुख्यधारा

वर्ष 2013-14 में जेडी सेन्टर के मुख्य केन्द्र-बिंदु इस बारे में थे :

- जेडी केन्द्र के संकाय सदस्यों ने लैंगिक मुद्दों तथा उनसे संबंधित मुद्दों को एक संवाद श्रृंखला के माध्यम से मुख्यधारा की हिस्सेदारी से जोड़ते हुए नीति निर्माताओं, शिक्षाविदों, प्रमुखों, प्रबंधकों, उद्यमियों तथा अन्यों को शामिल किया। इसमें दिसम्बर 2013 में दो विशेष विचार-गोष्ठियाँ थी जिनमें आईआईएमए के प्रोफ़ेसर मंजरी सिंह तथा अजीत माथुर, नोत्र दाम सेंट मेरी कॉलेज की प्रोफ़ेसर व आईआईएमए की पूर्वछात्रा उज्ज्वला राजाध्यक्ष, और आईआईएमबी की प्रोफ़ेसर वसंती श्रीनिवासन् ने विद्वानों, नवांगतुकों प्रबंधकों, नीति निर्माताओं के साथ हुई चर्चाओं का मंचन किया। इनके विषय 'लिंग संवेदीकरण तथा महिला केन्द्रित कार्यस्थलों का निर्माण' और 'लैंगिक अनुसंधान कार्यकलाप" थे।
- लिंग समानता, विविधता, तथा समावेशिता के विभिन्न पहलुओं, जैसे कि, ईटी-500 सूची में कॉर्पोरेट बोर्ड में महिलाओं के प्रतिनिधित्व की प्रकृति का अध्ययन तथा संगठनात्मक कार्यनिष्पादन पर महिलाओं के प्रतिनिधित्व का प्रभाव (एफ़पीएम छात्र अनीश पुरकायस्थ तथा प्रोफ़ेसर अजीत माथुर द्वारा), समान कार्य के लिए समान वेतन में प्रश्नोत्तरी (प्रोफ़ेसर बीजू वर्की द्वारा), तथा केस अध्ययन अनुसंधान राजनीतिक तथा प्रतिकारी शक्ति के जुटाव के लिए महिलाओं में संगठनों की संरचना की समझ (प्रोफ़ेसर अजीत माथुर द्वारा) पर अनुसंधान थे।

- इस केन्द्र के प्राथमिक कार्यों में लिप्त होते हुए, केन्द्रीय विद्यालयों के स्कूल के प्राचार्यों तथा शिक्षकों के लिए लिंग संवेदीकरण जैसी क्षमता निर्माण वाली पहलों (प्रोफ़ेसर अजीत माथुर द्वारा) के माध्यम से लिंग भेद के प्रबंधन में असामंजस्य की बेहतर समझ के लिए लिंग-संवेदी प्रक्रियाओं के निर्माण, समर्थन तथा स्थायित्व के लिए तथा श्रीमती अंजु शर्मा, सचिव, महिला एवं बाल विकास के साथ नई परियोजनाओं की पहल (प्रोफ़ेसर आशा कौल द्वारा) शुरू की जा रही है ताकि कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न कानूनों की प्रभावशीलता का आकलन किया जा सके।
- गलत धारणाओं व अज्ञान को दूर करने के प्रयास में जारी लिंग पूर्वाग्रहों, कन्या भ्रूण हत्या की जड़ता, बालिकाओं का परित्याग, विलंब से किशोरावस्था की पहचान की तकलीफ, वयस्क जीवन में सरकारी सेवा सहित सेवाओं के प्रणालीगत नियमों में भेदभाव, लैंगिक असामंजस्य के संदर्भ में संपर्क के दौरान कैसे पुरुष व महिला के बीच मतभेद होते हैं तथा कार्यस्थलों पर यौन उत्पीड़न के अपराधियों की सज़ा के कार्यान्वयन में समस्या पर क्रियात्मक अनुसंधान मोड में विषयगत कार्यशालाओं तथा आईआईएमए समुदाय व जेडी केन्द्र के अहमदाबाद क्षेत्र में सहयोगी संगठनों के लिए मासिक जेडी वार्ता संध्याओं की एक श्रृंखला।
- व्यवसायियों, स्कॉलरों, पूर्वछात्रों तथा छात्र समुदाय को लिंग पहलों पर परामर्शीय समर्थन के साथ नीति अनुसंधान को समर्थन देना और नीति निर्धारक उपलब्ध कराना।
- ऐसी अनुसंधान परियोजनाओं को शुरू करना जिनकी नायक महिलाएँ हैं।

अनुसंधान निष्कर्ष

वर्ष के दौरान अनुसंधान निष्कर्ष हैं:

- इस अध्ययन से निकले निष्कर्ष से ईटी-500 सूची में कोर्पोरेट बोर्ड्स पर महिलाओं के प्रतिनिधित्व (एफ़पीएम छात्र अनीष पुरकायस्थ और प्रोफ़ेसर अजीत माथुर द्वारा) की प्रकृति समझने की शुरूआत हुई। 163 महिलाओं को निदेशक मंडल में देखा गया जो निदेशकों की कुल संख्या के आधे प्रतिशत से भी कम थी। लगभग दो तिहाई महिला निदेशक बैंकों के समर्थकों अथवा प्रतिनिधियों की पारिवारिक सदस्या थीं। महिलाओं वाले बोर्ड्स में जहाँ महिलाओं को प्राथमिकता दी जा सकती थी वहाँ व्यापारगत मुद्दों से बचकर दिखावटी प्रयासों के रूप में महिलाओं को हाशिये पर रखते हुए जोड़ने का संकेत मात्र था। बोर्ड्स तथा संगठनीय कार्यनिष्पादन पर महिलाओं के बीच कोई संबंध स्थापित नहीं हुआ, यहाँ तक कि एक अंतराल सा आ गया है। इससे यह पता चलता है कि एक बदलाव लाने के लिए महिलाओं का प्रतिनिधित्व दर्शाने हेतु अभी तक महत्त्वपूर्ण न्यूनतम माँग नहीं हुई है। ये प्रारंभिक परिणाम हैं और अनुसंधान जारी है।
- अंतर्दृष्टि कार्यरत परिकल्पना जेडी वार्ता श्रृंखला द्वारा जारी क्रियात्मक अनुसंधान के प्रति श्रृंखला के निर्माण को प्रेरित करती है। इन्हें अनुसंधान प्रस्ताव के रूप में यूरोपियन अनुसंधान परिषद् के समक्ष प्रस्तुत किया गया था। यह उन दस अनुसंधान प्रस्तावों में से एक है जो यूरोपियन अनुसंधान परिषद् के तत्त्वावधान में वित्तपोषण के लिए पात्र बनकर लघुसूचीकृत हुए थे।

लैंगिक अध्ययन

वर्ष के दौरान, इस केन्द्र और विक्रम साराभाई पुस्तकालय ने लैंगिक अध्ययनों के विषयों के बारे में विक्रम साराभाई पुस्तकालय में सभी सबंधित संसाधनों को एकसाथ लाते हुए ऐसे अध्ययनों के बारे में संदर्भ पुस्तक सामग्रियों के लिए एक नया वर्गीकरण बनाने हेतु सहयोगात्मक कार्य किया। कुछ अंतराल को भरने के लिए नये अधिग्रहण भी थे।

औपचारिक वार्ता श्रृंखला 2013-14

जेडी केन्द्र के लिए, "लिंग" शब्द का उल्लेख महिलाओं तथा पुरुषों दोनों के दृष्टिकोण को समझने से है। अपने में ही विशिष्ट ऐसे "महिलाओं के अध्ययन" की धारा से अलग, यह केन्द्र लैंगिक अन्यायों पर ध्यान

केन्द्रित करता है जो जीवन के विभिन्न चरणों में होते रहते हैं और जिन्हें परिपक्व भूमिकाओं में संकीर्णता के रहते तुरंत ही हल नहीं किया जा सकता। इस कारण से, केन्द्र ने व्यावसायिक जीवन में अधिकार के तहत महिलाओं के लिए प्रसव पूर्व देखभाल, शिशु देखभाल, बाल्यावस्था में पालन, शिक्षा, पदभारों एवं प्रणालियों में दम्पत्तियों के कार्यालय जीवन के संतुलन, आर्थिक व सामाजिक सुरक्षा प्रबंधन, तथा महिलाओं के क्रमिक न्यून-प्रतिनिधित्व को ध्यान में रखकर गर्भ से लेकर बुढ़ापे तक के जीवन-चक्र की योजना अपनाई हुई है। इनमें से कुछ पहचानी गई प्राथमिकताएँ इस तरह से हैं : कार्यस्थलों पर व्यावसायिक जिम्मेदारी के निर्वाचित तथा चयनित पदभारों का न्यून-प्रतिनिधित्व तथा लिंग विविधता, समानता तथा समावेशिता को कार्यस्थलों पर तथा उच्च शिक्षा की प्रणालियों में बढ़ाने के लिए क्षमता निर्माण, लिंगगत बालपालन की प्रथाएँ तथा शैक्षिक पाठ्यक्रम की रचना से मुकाबले में प्रणालीगत घाटे जो लैंगिक रूढ़िबद्धता में तबदील होते हैं, और महिला उद्यमियों तथा प्रबंधकों के लिए विशेष चुनौतियाँ बनते हैं।

जस्टिस वर्मा कमिटी की रिपॉर्ट के बारे में वर्ष 2013 में दो सफल वार्ता संध्याओं के समारोह में चर्चाएँ हुई थी। जस्टिस वर्मा को भी उपस्थित रहने के लिए निमंत्रित किया गया था। कन्या भ्रूणहत्या, कन्या शिशुहत्या, अनाथों के बारे में यह केन्द्र एनजीओ (गैर सरकारी संगठनों) के साथ मिलकर भागीदारी से कार्यरत है और पूर्वाग्रहों की समझ के लिए विशेषज्ञों के साथ कार्यरत है, और महिलाओं व पुरुषों की लैंगिकता के इर्दगिर्द रहे तौर तरीकों के वर्जितपन को समझना, और लैंगिक संबंधों में यौन उत्तेजना को जिस गलत तरीके से समझा जाता है उन समस्याओं से कैसे निपटा जाए यह समझने के लिए कार्यरत है।

वर्ष 2013-14 के दौरान उल्लेखनीय जेडी वार्ताओं में से कुछ मुख्य विशेषताएँ संक्षिप्त में निम्नानुसार हैं :

- जिन दो जेडी वार्ताओं में जस्टिस वर्मा कमिटी रिपॉर्ट की चर्चा हुई उनमें महिलाओं के खिलाफ़ कैसे हिंसा पहले से ही विद्यमान है यह बात सभी के ध्यान में आई। कन्या भ्रूणहत्या, कन्या बालहत्या, तथा अनाथ रूपी परित्यक्त कन्या शिशुओं की समस्या की प्रकृति को समझने के लिए श्री नितिन टॉंक, तलित कुमी इंडिया एनजीओ, को 19 जुलाई, 2013 को आमंत्रित किया गया था। इस एनजीओ के पुरस्कृत कन्या भ्रूणहत्या पर बने वृत्तचित्र को केन्द्र द्वारा दर्शाया गया, और उसके बाद एक चर्चा गर्मजोशी से हुई।
- सुश्री गौरी त्रिवेदी, आईएएस, को 13 अगस्त, 2013 की अनुगामी वार्ता में आमंत्रित किया गया, जिसमें सरकार स्वयं एक पक्ष के रूप में है और इसमें महिलाओं के खिलाफ़ प्रणालीगत भेदभाव की जाँच पर दृष्टिपात किया गया था। सुश्री त्रिवेदी ने पुष्टि की कि शासन तथा प्रशासनिक ढाँचे में ही एक अनसुलझी समस्या के रूप में लिंगगत रूढ़िबद्धता प्रणालीगत रूप से अंतःस्थापित हो चुकी है। उन्होंने यह साझा किया कि कैसे आईएएस स्तर के शीर्षस्थ स्तर पर भी सिविल सेवाओं में महिलाओं को पुरुषों के बराबर के अवसर नहीं मिलते हैं। उन्होंने अपने तर्क के समर्थन में अनेक उदाहरण साझा किये कि सरकार समाज का सूक्ष्म जगत् है, जो खुद ही पुरुष लैंगिकता के समकक्ष महिलाओं की लैंगिकता पहचान नहीं बनाती।
- डॉ. अपूर्व शाह को अनुगामी संध्यावार्ता में 3 सितम्बर तथा 6 सितम्बर, 2013 को आमंत्रित किया गया था। 3 सितम्बर, 2013 को, *वर्टिगो* फ़िल्म प्रदर्शित की गई थी, इसके बाद पुरुष की क्या इच्छा है, पुरुष को महिला को नियंत्रित करने की क्या ज़रूरत है, पुरुषों की कल्पना में महिला कैसी होती है, पुरुषों की इच्छा में उसका स्वभाव ही हिंसात्मक एवं विनाशक क्यों है, और पुरुष कैसे महिला से संबंध को अच्छे से या गलत तरीके से संभालता है इस बारे में चर्चाएँ हुई। 6 सितम्बर, 2013 को, *अन्ना, कारेनिना* फ़िल्म प्रदर्शित की गई थी, उसके बाद महिला लैंगिकता के बारे में चर्चा की गई थी। इस फ़िल्म से इस मानसिकता को समझने में सहायता मिली कि कैसे महिलाओं को पदभार सौंपे जाते हैं अथवा महिला द्वारा कैसे संभाला जाता है और महिलाओं से पुरुष कैसे संबंध को संभालता (अथवा गलत तरीके से संभालता) है।
- 17 अक्टूबर, 2013 को हुई वार्ता संध्या में, प्रोफ़ेसर अजीत माथुर ने कार्यरत आठ परिकल्पनाओं पर चर्चा की। इस वार्ता की चर्चाओं में हमने समझा कि, हमारे जीवनकाल के दौरान हम सभी कैसे

विविधता वाले समूहों में सदस्यता प्रक्रिया में जीते हैं, फिर चाहे पसंद से मिली हो या नापसंद हो; कैसे समूह की सदस्यता एक अनिवार्यता बन जाती है और हम जिनसे सचेत नहीं हैं ऐसे पूर्वाग्रहों पर आधारित समूहों में कैसे हम विभाजनकारी शक्ति के रूप में प्रकट होते हैं यह भी जाना।

- डॉ. अलान शेफ़, फ़ैलो, ऑस्ट्रेलियाई सामाजिक-विश्लेषण संस्थान, ने खोज निकाला है कि कैसे बलशाली तथा अधिकतर तो नकारात्मक भावनाएँ ऊभर आती हैं और सत्ता पाकर जिन्हें अपनी शक्ति बढ़ाना है अथवा कायम करना है वै कैसे इन गतिशीलताओं का शोषण करते हैं। इस संध्यावार्ता में जो ऊभरकर आया वह यह था कि कैसे पूर्वाग्रह सख्त बन जाते हैं जिनमें यौन उत्तेजना का दमन किया जाता है अथवा स्वास्थ्यकर और अस्वास्थ्यकर तरीकों से दबा दिया जाता है।
- डॉ. थॉमस ब्रोड, मनोचिकित्सक, मनोविश्लेषक, तथा योग विशेषज्ञ, को उनके विश्वख्यात यौन उत्तेजना विषयक कार्य के लिए 30 जनवरी, 2014 की संध्यावार्ता में प्रोफ़ेसर रॉबर्ट स्टॉलर के साथ आमंत्रित किया गया था। "लिंग की पहचान तथा यौन उत्तेजना" विषय पर प्रोफ़ेसर स्टॉलर के अनुसंधान एवं योगदानों पर केन्द्रित चर्चाएँ हुई थीं। प्रोफ़ेसर स्टॉलर (कैलिफ़ॉर्निया युनिवर्सिटी, लॉस एंजेलस) लिंग की पहचान तथा यौन उत्तेजना की गतिशीलता के विकास से संबंधित अपने सिद्धांतों के लिए विश्व में प्रसिद्ध हैं। बहुत कम लोग जानते हैं कि स्टॉलर ने इसके मनोविश्लेषण को एक वैध अनुसंधान उपकरण बनाने में योगदान दिया है।
- सुश्री अंजु शर्मा, आईएएस, सचिव, महिला एवं बाल विकास, ने 27 फरवरी, 2014 को हुई संध्यावार्ता में 'कार्यस्थल पर यौन उत्पीड़न से महिलाओं को सुरक्षित रखने पर विशेष ध्यान देते हुए संगठनों को महिला संवेदित बनाना' विषय पर संबोधन किया। प्रतिभागियों द्वारा इसमें मुख्यतया यह आवाज़ उठाई गई कि जिसमें महिलाओं की गरिमा कायम बनी रहे ऐसे समाज का निर्माण कैसे हो, और कैसे समकालीन संगठनों से अपेक्षा रखी जाये कि महिलाओं के लिए एक सुरक्षित कार्य वातावरण प्रदान करेंगे। संबंधित विचारों में जताया गया था कि सामाजिक गतिशीलता के तानेबाने में अधिक कानूनों के होने से कोई ज्यादा परिवर्तन नहीं आता है और समाज में परिवर्तनकारी राह अपनाने की ज़रूरत थी जो बहुत प्रतिकूल परिस्थितियों में सफल रही थी।
- अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की पूर्वसंध्या पर 7 मार्च, 2014 को संध्यावार्ता का आयोजन हुआ था, जिसमें अपने देश की संसद में सर्वाधिक महिलाओं का सांसद के तौर पर योगदान होने के बारे में रवांडा के अनुभव की चर्चा हुई थी। श्री जॉसेफ काबाकेसा,रवांडा के उप उच्चायुक्त, ने ब्यौरा सुनाया कि कैसे रवांडा लिंग समानता, विविधता तथा समावेशिता को सबसे आगे लाने के लिए सन् 1990 के दशक में खतरनाक स्थितियों से उबरकर आगे आया है।

सेवा पर केस अध्ययन के साथ प्रगति

विश्व के सबसे बड़े महिला सहकारी संगठन सेवा (लगभग 20 लाख सदस्य) का एक केस अध्ययन जारी है, जिसमें इस उल्लेखनीय संगठन की विशेषताएँ, मिश्र संगठनात्मक सुविधाएँ, तथा प्रतिकारी शक्ति की गतिशीलता को समझा जायेगा।

3. अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र (सीआईपीआर)

अवसंरचना नीति एवं विनियमन केंद्र (सीआईपीआर), परामर्शी सेवाओं, शिक्षा, प्रकाशन, अनुसंधान तथा अवसंरचना, नीति व विनियमन के क्षेत्रों में प्रशिक्षण को बढ़ावा देता है। सीआईपीआर, संस्थान में उपलब्ध बुनियादी ढाँचे व विनियमन के क्षेत्रों में नीति अनुसंधान में महत्वपूर्ण अनुभव को शक्ति प्रदान करने का प्रयास करता है।

प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशालाएँ/सम्मेलन

- "वाणिज्यिक संरचना" पर अन्स्र्ट एंड यंग के लिए एक दिवसीय कार्याशाला का आयोजन किया गया।
- दो चरणों में भारत के राज्य बिजली विनियामकों के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। पहला चरण आईआईएमए में अक्टूबर-2012 में आयोजित किया गया और दूसरे चरण का आयोजन

जुलाई 2013 में सैन फ़्रान्सिस्को की लॉरेन्स बर्कले राष्ट्रीय लैबोरेट्री (एलबीएनएल) में किया गया।

- 12 से 14 मार्च, 2014 के दौरान पावर एक्स्चेंज इंडिया लिमिटेड (पीएक्सआईएल) के लिए एक आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।

4. नवाचार, ऊष्मायन एवं उद्यमिता केंद्र (सीआईआईई)

नवाचार, ऊष्मायन और उद्यमिता केन्द्र (सीआईआईई) नवाचार और उद्यमिता के क्षेत्र में अनुसंधान करने के लिए स्थापित एक अद्वितीय केन्द्र है, जो भारत सरकार के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग तथा गुजरात सरकार के सहयोग से स्थापित किया गया था।सीआईआईई निवेशकों, उद्यमियों, अभिनवकर्ताओं, तथा सेवा प्रदाताओं के साथ घनिष्ठ रूप से मिलकर उद्यम को बढ़ावा देने के लिए कार्यरत है।

इन वर्षों में, सीआईआईई ने उद्यमिता को सुविधाजनक बनाने के लिए कई पहलों को प्रारंभ किया है जिसमें भारत के सर्वप्रथम आईएक्सेलरेटर नामक इंटरनेट/मोबाइल एक्सेलरेटर,भारत के सबसे बड़े मार्गदर्शक नेटवर्कों में से एक मेंटरएज तथा भारत के सर्वप्रथम ऐसे पारिस्थितिकी तंत्र तथा निधि ऐसी क्लीनटैक उद्यमिता विकास पहलों को इनफ़्यूज़ वेन्चर्स नाम से शुरू किया। सीआईआईई की मजबूत प्रतिभागिता इकॉनॉमिक टाइम्स पॉवर ऑफ़ आइडियाज़ जैसी अग्रणी विकास पहलों के साथ है जिससे मापनीय विचारों को मजबूत पाइपलाइन की सुविधा मिल सकी है।

पावर ऑफ़ आइडियाज़, आईएक्सेलरेटर, इनफ़्यूज़ इत्यादि जैसी विभिन्न पहलों के माध्यम से सीआईआईई ने लगभग 100 उद्यमों को सभी चरणों में मूलधन प्रदान किया और लगभग 300 से अधिक उद्यमियों को गति वृद्धि/ कठिनाई में समर्थन प्रदान किया । सीआईआईई ने सन् 2002 से उद्यमीय परिस्थितिकी तंत्र में सक्रिय भूमिका निभाई है और सभी क्षेत्रों से भारतीय स्टार्टअप समुदाय की उद्यमी भावना को पहचानने तथा पोषण प्रदान करने में यह हिमायती बना रहा है। वर्ष 2008 में, सीआईआईई की निवेश शाखा व्यवसायों में अधिक स्थायी प्रभाव लाने के लिए उद्यमों को पर्याप्त वित्तीय सहायता प्रदान करने के उद्देश्य में शामिल थी।

अब तक, सीआईआईई ने इस तरह के कार्य किये हैं:

- 400,000 से अधिक लोगों को उद्यमिता के लिए प्रेरित किया,
- अपने विचारों को ठोस रूप देने में 30,000 से अधिक लोगों को सहायता की,
- 4000 से अधिक उद्यमियों को मार्गदर्शन दिया,
- 200 से अधिक उद्यमियों को समर्थन दिया,
- करीबन 80 उद्यमों में निवेश किया; जिनसे सीआईआईई निवेश को गतिशीलता मिली।

प्रभाव के लिए पूर्वछात्रों का जुड़ाव

सीआईआईई सामाजिक निवेशकीय स्थानों में हो रही गतिविधियों को समर्थन देने के लिए सक्रिय रूप से पूर्वछात्रों से जुड़ा हुआ है। इस पहल को रॉकफ़ेलर फ़ाउंडेशन द्वारा निधिपोषित किया गया है।

इस परिकल्पना को मान्य बनाते हुए उद्यम को लोकोपकारी तथा देवदूत समान निवेश विकल्प के प्रति जागरूकता लाना एक महत्त्वपूर्ण मुद्दा है, इस परियोजना में इस समारोह के प्रतिभागियों से 231,000 यूएस डॉलर प्राप्त हुए।

जीआईज़ेड-आरोहण कार्यशालाएँ

सीआईआईई ने जीआईज़ेड के सहयोग में, संगठनों के समर्थन से क्षमता निर्माण के माध्यम से भारत में सामाजिक उद्यमों के लिए पारिस्थितिकी तंत्र के विकास पर केन्द्रित कार्यशालाओं की श्रृंखला की नींव रखी। इन कार्यशाला श्रृंखलाओं के दो लक्ष्य थे:

- अपनी महत्त्वपूर्ण ज़रूरतों पर गहन ध्यान देते हुए सामाजिक उद्यमों का क्षमता निर्माण
- अपने विकास के विभिन्न चरणों में सामाजिक उद्यमों की ज़रूरतों और अपेक्षाओं का ज़मीनी स्तर से समर्थन का संवेदीकरण।

चार कार्यशालओं का आयोजन भारतीय प्रबंध संस्थान (अहमदाबाद), कुमारगुरु प्रौद्योगिकी महाविद्यालय (कोयंबटूर), सेवियर श्रम अनुसंधान संस्थान (जमशेदपुर) तथा भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान एवं बीएचयू (वाराणसी) में किया गया था। सामाजिक उद्यमों के लिए एक मजबूत समर्थन प्रणाली बनाई गई थी। इस नेटवर्क में सहयोगी से सहयोगी तक समर्थन तथा सहयोग को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखा गया था।

इन्फ़्यूज़

क्लीनटैक क्षेत्र में सीआईआईई की गतिविधियों को इन्फ़्यूज़ के विभिन्न भागीदारों की तरफ से मिली वचनबद्धता के द्वारा प्रोत्साहन प्राप्त हुआ। अंतरराष्ट्रीय वित्तीय कॉर्पोरेशन, बी.पी., गोदरेज इंडस्ट्रीज़, भारत सरकार के अभिनव एवं अक्षय ऊर्जा और प्रौद्योगिकी विकास बोर्ड मंत्रालय, तथा एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने इन्फ़्यूज़ गितविधियों के लिए सीआईआईई के साथ हाथ मिलाया है। एडीबी के साथ भागीदारी में, पावरस्टार्ट नामक एक एक्सेलरेटर कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसके तहत 20 महत्त्वाकांक्षी उद्यमियों को सही मार्गदर्शन प्रदान किया गया। कुछ उद्यमों को मार्गदर्शन आधार प्रदान करना जारी है और इन्फ़्यूज़ द्वारा निवेश के लिए उन पर विचार किया जायेगा।

युवा मेवरिक्स फैलोशिप कार्यक्रम

युवा मेवरिक्स फैलोशिप कार्यक्रम अपनी तरह के ऐसे कार्यक्रमों में से एक है जो उद्यमशीलता अथवा अन्य गैरपारम्परिक कैरियर को तुरंत प्रारंभ करने की इच्छा रखने वाले आईआईएमए से स्नातक होने वाले छात्रों को आधार प्रदान करता है। इस पुरस्कार में दो वर्ष तक प्रति महीने 30,000 रुपए की फैलोशिप दी जाती है। सात युवा मेवरिक्स के प्रयासों के जरिये, चार स्टार्टअप की रचना की गई। आईआईएमए के महत्त्वाकांक्षियों को समर्थन देने के लिए, एक चार दिवसीय एक्सेलरेशन कार्यशाला का आयोजन 10 से 13 मार्च 2014 के दौरान किया गया था।

आई-गतिवर्धक – 2013

आई-गतिवर्धक, आई टी और मोबाइल क्षेत्र में अभिनव प्रौद्योगिकियों को पहचान दिलाने, प्रोत्साहित करने तथा प्रेरणा देने के लिए सीआईआईई द्वारा किया गया एक प्रयास है। वर्ष 2013 में इस कार्यक्रम का पाँचवाँ संस्करण आयोजित किया गया। आईगतिवर्धक ने स्टार्टअप, निवेशकों, संचालन विशेषज्ञों, सफल उद्यमियों, आईआईएमए संकायों तथा छात्रों, कॉरपोरेट्स, तथा सेवा प्रदाताओं को एक साथ एक मंच पर लाकर पारस्परिक लाभप्रद संबंध बनाने के अपने कार्य को जारी रखा।

इस बार इस कार्यक्रम में आवेदनों की संख्या तथा गुणवत्ता में अधिक सुधार देखा गया। उद्यम, गेमिंग, तथा उपभोक्ता खंड की तरफ से ग्यारह स्टार्टअप को समर्थित किया जा रहा है।

उद्यमी मेला 2013

संस्थान की नियुक्ति समिति ने आईआईएम अहमदाबाद के उद्यमिता क्लब तथा सीआईआईई के सहयोग में उद्यमी मेले का आयोजन 12 अक्टूबर, 2013 के दिन किया था। उद्यमी मेला देशभर के बी-स्कूल के छात्रों को परस्पर बातचीत करने के लिए तथा स्टार्टअप का वादा करने के लिए मंच प्रदान करने का एक प्रयास है। इन मुलाकातों से छात्रों को प्रेरित करते हुए अपने खुद के उद्यम शुरू करने या फिर इंटर्नशिप में आगे जाने अथवा इन स्टार्टअप कंपनियों के साथ पूर्णकालिक अवसरों में आगे बढ़ने से उद्यमशीलता को बढ़ाने में सहायता मिलती है।

उद्यमी मेला "स्टार्टअप में रोजगार के अवसर" विषय पर एक पैनल चर्चा के साथ शुरू हुआ। इन पैनलिस्टों में श्री अनिल जोशी, प्रमुख-मुंबई एंजेल्स, श्री मनीष माहेश्वरी, एमडी, टीएक्सटीवेब@इन्ट्युट टैकनोलोजीस, डॉ. टी.वी. राव, अध्यक्ष-टी.वी. राव लर्निंग सिस्टम्स,आईआईएम अहमदाबाद के प्रोफ़ेसर, श्री सुनील पारेख, वर्ल्ड इकॉनॉमिक फॉरम के संस्थापक अध्यक्ष, जीनेवा, तथा श्री दिनेश अरोड़ा, एमडी तथा सीईओ, सनद्योता नुमांदिस फार्मा शामिल थे, इन प्रत्येक ने इस विषय पर विविध विचार प्रस्तुत किये थे। मध्याह्न भोजन के बाद हुए सत्र में, प्रत्येक कंपनी छात्रों को अपने स्टार्टअप प्रदर्शित करने के लिए 30 मिनट प्रस्तुति का समय प्रदान किया गया।

उद्यमी मेले में भाग लेने के लिए कई स्टार्टअप कंपनियों ने अपनी रूचि जताई जिनमें से 21को क्षेत्र तथा विकास के चरण के आधार पर लघुसूचीकृत किया गया था। देश भर से 15 से अधिक संस्थानों से लगभग 300 से ज्यादा छात्रों ने उद्यमी मेले का दौरा किया । इन संस्थानों में से कुछ आईआईटी, आईआईएम, एमआईसीए, पैट्रोलियम प्रबंधन स्कूल, गाँधी नगर, सिल्वर ऑक इंजीनियरिंग एवं प्रौद्योगिकी कॉलेज, बी.के. प्रबंधन स्कूल आदि थे। आईआईएमए के छात्र विनिमय कार्यक्रम के हिस्से के रूप में बॉकोनी युनिवर्सिटी, इटली, ईएसएसईसी, पेरिस आदि से आए छात्रों ने भी इस उद्यमी मेले में भाग लिया।

इस वर्ष के उद्यमी मेले के संस्करण ने विश्व भर के छात्रों के लिए ऐसे अवसर प्रदान किये जो वेबिनार के माध्यम से ऑनलाइन समारोह में शामिल हुए। इन देशों में भारत, यूएसए, यूके, फ़्रान्स, स्पेन, ऑस्ट्रेलिया, सिंगापुर, जर्मनी, केन्या, हॉंडुरास, कतर, कनाडा, इत्यादि शामिल थे। भारतीय स्टार्टअप वातावरण की प्रकृति, उनके व्यवसाय मॉडेल पर आर्थिक स्थिति का प्रभाव, बाज़ार में दिग्गजों से उनका भेदभाव, तथा अपने स्टार्टअप सफर में उनको झेलनी पड़ी मुख्य चुनौतियों का सामना करना जैसे विभिन्न विषयों पर प्रश्नोत्तरी हुई थी।

जिन कंपनियों ने उद्यमी मेला 2013 में भाग लिया उनमें निम्न शामिल थीं :

1. 200ओके

200ओके सॉल्युशन्स एक शेयरप्वॉइंट परामर्श सेवा कंपनी है जो विश्व स्तर पर विविध ग्राहकों को शीर्ष पायदान के प्रौद्योगिकी सोल्युशन्स प्रदान करती है। अपने सरंजाम में अनुभवसिद्ध एवं विशेषज्ञ इंजीनियरों के साथ, 200ओके अभिनव सॉल्युशन्स लागू करती है जिससे उद्यमों को बेहतर तरीके से सहयोग करने में एवं संचार करने में सहायता मिलती है।

http://www.200oksolutions.com/

2. अल्मा मेटर बिज़ सॉल्युशन्स

आईआईएम अहमदाबाद के पूर्वछात्र श्री समीर आश्त द्वारा संस्थापित, यह स्टार्टअप सामाजिक तथा प्रौद्योगिकी उद्यमों पर ध्यान देता है।

http://almamaterplc.com/

3. आवाह्न टैकनोलोजीस

आवाह्न एक प्रौद्योगिकी विकास कंपनी है, जिसने उपभोक्ता संवाद प्रबंधन (सीआईएम) में मंच तथा उत्पाद खड़े किये हैं। इनके पास भारत, श्री लंका, यूके आदि में उद्यम तथा बीपीओ में असंख्य एवं विशाल मात्रा में प्रतिष्ठापन हैं और उनके बड़े खेमे के उपभोक्ताओं में से कुछ हैं, एसबीआई लाइफ़, मेटलाइफ़, जस्ट डायल, महिन्द्रा हॉलिडेज़, इत्यादि।

http://avhan.com/

4. अज़िलन टैकनोलोजीस

अज़िलन टैकनोलोजीस प्रौद्योगिकी को मूल्य सृजन में तबदील करने के लक्ष्य के साथ उद्योगों को अभिनव उत्पाद एवं सॉल्युशन्स की सेवाएँ पेश करती है। अज़िलन ने अपने उपभोक्ताओं के अनुसारही अनेक देशों में बिक्री नेटवर्कों तथा विश्व के अग्रणी संगठनों के साथ डिजिटल मेनू टैकनोलोजीस का बीड़ा उठाया है।

http://www.azilen.com/

5. बॉम्बे हेम्प कं.

भारत की प्रथम औद्योगिक सन (जूट) कंपनी, बॉम्बे हेम्प कंपनी कृषि उद्योग में सुधार करने के लिए कार्य करती है और अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका को बढ़ावा देने का कार्य करती है। यह कंपनी स्थानीय किसानों के सामाजिक-आर्थिक मानकों के उत्थान के लिए सहायता करती है, भारतीय कृषिविज्ञान के अध्ययन के द्वारा प्राकृतिक भौगोलिक लाभों के अप्रयुक्त मूल्य का उपयोग करती है, और पारिस्थितिकी तथा स्थायी विकास को बढ़ावा देती है।

http://boheco.org/

6. बडीफ़ॉरस्टडी

बडी-फॉर-स्टडी का लक्ष्य छात्रवृत्तियाँ तथा प्रतिस्पर्धा के अवसरों को एक ही मंच पर लाना, स्कूल स्तर पर मार्गदर्शन के अवसरों का सृजन करना आदि जैसी विभिन्न पहलों द्वारा हमारी शिक्षा प्रणाली के अंतराल को भरना है।

http://www.buddy4study.com/

7. धंग

धंग सक्रिय रोजगार चाहने वालों एक का समुदाय है जो जीवन में रोजगार के श्रेष्ठ निर्णय लेना चाहते हैं। धंग इन उपयोगकर्ताओं को उपकरण, सूचना तथा विश्लेषिकी प्रदान करता है जिनसे वे रोजगार के सही निर्णय लेने में सहायता प्राप्त करते हैं। धंग समुदाय अन्य उपभोक्ताओं द्वारा अनामी रूप से साझा की गई जानकारियों का लाभ ले सकता है।

http://www.dhung.com/

8. ईकंस्ट्रक्शनमार्ट

यह स्टार्टअप कंस्ट्रक्शन उद्योग के लिए एक ऑनलाइन बाजार के रूप में सेवा देता है, जो समय व लागत बचाने के लिए प्रौद्योगिकी सक्षम बाज़ार बनाने के विचार से शुरू किया गया था।

http://econstructionmart.com/

9. एकजा

एकजा विश्व में ऐसा प्रथम संगठन है जो सामाजिक क्षेत्र में एक ही मंच पर दान में हाई ब्रिड सॉल्युशन प्रदान करता है और मॉडल में मदद करता है।

http://www.ekjaa.org/Ekjaa/

10. इलैक्ट्रोनिक्स आइडिया लैब

भारत में इलैक्ट्रोनिक्स समुदाय के लिए आइडिया लैब एक अत्याधुनिक बुनियादी ढाँचा है। डिज़ाइन लैब का लक्ष्य इलैक्ट्रोनिक्स विकास से संबंधित सभी गतिविधियों को अंजाम देने के लिए भुगतान करो व उपयोग करो वाली विश्वस्तरीय प्रयोगशाला बनाने का है।

http://www.electronicsidealab.com/

11. एसमार्ट ग्लोब

यह हार्वर्ड स्थित एक ऐसा स्टार्टअप है जिसने डेल सामाजिक नवाचार पुरस्कार जीता है, एसमार्ट कम आय वाले परिवारों के लिए आवश्यक प्रौद्योगिकियों में सुधार करते हुए अंतिम विपणन, वितरण एवं सेवाओं के लिए कार्य करता है।

http://www.essmart-global.com/

12. ग्रीडी गेम

ग्रीडी गेम की स्थापना ऐसे विचार के साथ हुई थी कि इंटरनेट खोजकर्ताओं तथा मोबाइल ऐप उपयोगकर्ताओं को कम हतोत्साहित करते हुए सुविधा देना और ऑनलाइन विज्ञापन के तरीकों को बदलना। ये उपयोगकर्ताओं को मुक्त रखकर ही ब्रांड जानकारियाँ वितरित करना चाहते हैं। इसमें विज्ञापन को विषयसामग्री से भरकर ऐसे मिश्रण को उपयोगकर्ताओं तक पहुँचाया जाता है।

http://greedygame.com/

13. इन्नोबाइट्स

इन्नोबाइट्स एससीएम परामर्शन, ई-वाणिज्य तथा आईटी सेवाओं में एक नया स्थापित स्टार्टअप है।

14. क्वेन्च

क्वेन्च अगली पीढ़ी पर छा जाने के लिए कर्मचारियों को समाहित किये हुए ऐसा मंच है जो कंपनियों के अपने कार्यबल को विभिन्न पेशकशों के माध्यम से शामिल होने में सक्षम बनाता है जिससे उनके व्यवसायियों और व्यक्तिगत ज़रूरतों को संतुष्ट किया जा सके।

http://www.kwench.in/

15. मदरइंडियाफ़ार्म्स

मदर इंडिया फ़ार्म भारत के ऑर्गेनिक खाद्य उत्पादों का एक अग्रणी उत्पादक है। यह कंपनी ऑर्गेनिक खाद्य/सामग्रियों के लिए अंतरराष्ट्रीय बाज़ार की माँग को पूरा करती है।

http://www.motherindiafarms.com/

16. नेशन्सरूट

नेशन्सरूटडॉटकॉम ऐसा एक मंच है जो राजनीतिज्ञों, सांसदों, तथा विधायकों के रिपॉर्ट कार्ड साझा करता है और इसका उद्देश्य आम जनता की आवाज़ बनना था ।

http://www.nationsroot.com/

17. पीगल

पीगल अपनी दो शाखाओं - एसटीईएम (विज्ञान प्रौद्योगिकी इंजीनियरिंग गणित) तथा कला प्रभाग में प्रदर्शन - के माध्यम से स्कूलों में सह-शैक्षिक विकास गतिविधियों का संचालन करता है।

http://www.peagle.in/

18. प्रिंटबिन्दास

प्रिंटबिन्दास एक ऑनलाइन थोक विपणन मंच है और भारत में स्वचालित माध्यम से हो रहे प्रिंट और माल की खरीद का विघटन करने का लक्ष्य रखता है।

http://www.printbindaas.com/Home

19. प्रोपरजी

प्रोपरजी भारत में सम्पत्तियों के लेन-देन में भरोसा, पारदर्शिता तथा कुल व्यावसायिकता लाने के लिए आईवी लीग तथा आईआईएम व्यवसायियों का एक संयुक्त प्रयास है।
http://www.properji.com/

20. स्मार्ट सैम्पल

स्मार्ट सैम्पल उत्पाद पर कोई पैसा खर्च करने से पहले उसका उपयोग उपभोक्ता को करने का अवसर प्रदान करता है और वास्तविक खर्च करने से पहले उत्पाद का वास्तविक अनुभव उपभोक्ता को कराता है।
http://www.trysmartsample.com/

21. वीबीएचसी एजुकेशन

वीबीएचसी प्रीपेरेटरी स्कूल तथा के-12 प्रारूप में स्कूल विकास में विशेषज्ञता से भरपूर एक एकीकृत शिक्षा समाधान कंपनी है। वीईएस के पास पाठ्यक्रम विकास, शिक्षकों के लिए प्रशिक्षण तथा स्कूलों के लिए प्रौद्योगिकी समाधान का सृजन करने की भी विशेषज्ञता है।
http://vbhces.com/

अनुसंधान, प्रशिक्षण एवं केस अध्ययन

सीआईआईई नई प्रवृत्तियों, नवाचार एवं उद्यमशीलता के क्षेत्र में अनुसंधान एवं प्रशिक्षण को अंजाम देता है। संस्थान छात्रों को देशभर में उनके उपक्रम निवेश, उद्यमशीलता, और प्रौद्योगिकी विकास के क्षेत्र में आवश्यक कौशलों का विकास करने के लिए प्रशिक्षण प्रदान जाता है।

सीआईआईई प्रासंगिक विषयों में विभिन्न संगोष्ठियों और प्रशिक्षण सत्रों का आयोजन करने के अलावा, नए पाठ्यक्रम एवं केसों के गठन में भी शामिल रहा है।

स्टार्टअप साहित्य को बढ़ावा देने के उद्देश्य के साथ, एक केस लेखन परियोजना की शुरूआत की गई थी और वर्ष के दौरान उसमें सीआईआईई द्वारा समन्वयन किया गया था। ग्यारह प्रोफ़ेसरों के पर्यवेक्षण के तहत द्वितीय वर्ष के 26 छात्रों द्वारा केस लिखे गए।

अनुसंधान के लिए हार्वर्ड, एमआईटी, तथा कैलिफ़ॉर्निया युनिवर्सिटी, बर्कले के साथ सहयोग

एमआईटी की एक टीम ने सीआईटीई (प्रोद्योगिकी मूल्यांकन पर व्यापक पहल) का पता लगाने एवं स्थापित करने के लिए 24-25 मार्च, 2014 के दौरान संस्थान का दौरा किया था। यह दौरा अहमदाबाद-गाँधीनगर समूह में उच्च शिक्षा संस्थानों के साथ कैलिफ़ॉर्निया युनिवर्सिटी, बर्कले, एमआईटी, तथा हार्वर्ड युनिवर्सिटियों के बीच लंबी अवधि का सहयोग स्थापित करने की दिशा में एक प्रयास था।

सीआईआईई निवेश गतिविधियाँ

सीआईआईई ने ऊष्मायन एवं निवेश गतिविधियों के माध्यम से उद्यमिता को समर्थन देने के लिए कई कदम उठाए हैं। प्रारंभिक चरण में जोखिम पूँजीवादी निवेशकर्ताओं को दूरदर्शी निवेशक और क्रांतिकारी स्टार्टअप्स को एकसाथ लाने की दिशा में आगे बढ़ाए कदम के रूप में देखा गया तथा उनसे जुड़ने के लिए प्रयास किए गए। यह एक उद्यमशील पारिस्थितिकी तंत्र का सृजन करने के अंतिम लक्ष्य के क्रम में है जो कि नवीन सोच और उद्यमशीलता को बनाए रखने तथा समृद्ध करने में सक्षम है।

एंजेल निवेश शिक्षा कार्यशाला

इस कार्यशाला का प्रथम संस्करण मुंबई में आयोजित किया गया था, जिसका लक्ष्य उच्च समूह के व्यक्तियों तथा स्टार्टअप को प्रारंभिक चरण में जोखिम पूँजी को निवेश करने का ज्ञान प्राप्त करने के लिए संभावित निवेशकर्ताओं को प्रशिक्षण देना था।

डेढ़ दिवसीय कार्यशाला में व्यवसायी निवेशकों के मार्गदर्शन के अंतर्गत 50 महत्त्वाकांक्षी प्रारंभिक निवशकों को प्रशिक्षित किया गया। इसके जारी किये गये अंकों में व्यवसाय योजनाओं का मूल्यांकन तथा अवसरों का आकलन, एक उद्यमी टीम का समर्थन, कंपनी के हित का मूल्यांकन, तथा अभिनव व्यवसाय मॉडलों का निर्माण प्रबंधन आदि विषयों को समाहित किया गया था।

निवेशक प्रदर्शन दिवस

आई-गतिवर्धक के अंत में प्रदर्शन दिवस का आयोजन किया गया और यह एक ऐसा समारोह था जिसमें देशभर से आए निवेशकों के साथ ही प्रतिभागियों के बारे में अधिक जानने के लिए और उत्पाद को पहली नजर मे देखने की घटना के बारे में बताना था। इस कार्यक्रम में आंतरिक एंजल के रूप में आठ निवेशकों को शामिल होते देखा गया जिनमें से छह ने आई-गतिवर्धक की सहयोगी कंपनियों में निवेश किया था।

निवेश के अवसर और संबंध निर्माण

क्षेत्र-केन्द्रित निवेश की पहलों से अलग, सीआईआईई ने स्टार्टअप के लिए संगठनात्मक प्रदाताओं के रूप में व्यक्तिगत निवेशकों में भारी उछाल देखा गया। विभिन्न प्लेटफ़ॉर्मों के माध्यम से निवेशकों के समक्ष दिखाए गए कंपनियों के पॉर्टफ़ॉलियो के अलावा, नॉन-पॉर्टफ़ॉलियो कंपनियों का भी सीआईआईई द्वारा वित्तपोषित मॉडलिंग किया जाता है और शुल्क योग्य आधार पर निधि जुटाई जाती है। इससे केवल पॉर्टफ़ॉलियो कंपनियों का निवेशकों के लिए व्यापक विकल्प में शामिल होना संभव होता है।

केनेडियन प्रौद्योगिकी गतिवर्धक

कनाड़ा की वैश्विक बाज़ार योजना के अंतर्गत, भारत को एक अग्रणी बाज़ार के रूप में माना गया है जिससे विकास बढ़े और कनाड़ा में नौकरियों का सृजन हो सके। नवाचार तथा उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र को एक मंच के रूप में उपयोग करते हुए, सीटीए@इंडिया अब केनेडियन सरकार का एक नया कार्यक्रम है जो केनेडियन तथा भारतीय कंपनियों को प्रारंभिक तथा विकास अवस्था में व्यापार तथा निवेश के लिए समर्थन देता है। उच्च विकसित केनेडियन एसएमई के लिए, केनेडियन टैकनोलोजी एक्सेलरेटर (सीटीए) आवश्यक उपकरण, भागीदार, कार्यक्रम उपलब्ध करायेगा और भारत में उनके विकास के लिए सुविधा केन्द्र उपलब्ध करायेगा। भारतीय व्यवसायों तथा उद्यमशीलता के अधिक विकास के लिए, सीटीए@इंडिया स्टार्टअप विज़ा (एसयूवी) कार्यक्रम के अंतर्गत कनाड़ा में नयी कंपनियाँ खोलने के लिए लॉंच पैड के रूप में बहुमूल्य सहायता प्रदान करेगा जिससे उत्तरी अमेरिकी बाज़ार की सुविधा मिल सके। सीआईआईई ने सीटीए@इंडिया के साथ सामरिक भागीदारों में से एक के तौर पर समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं।

वैश्विक उद्यमशीलता सप्ताह 2013

जीईडब्ल्यू इंडिया 2013 (वैश्विक उद्यमशीलता भारत 2013) ने अपने समारोहों की संख्या के लक्ष्यों और शहरों तक पहुँच की संख्या को बढ़ाया गया। सीआईआईई ने मुंबई में एंजेल इन्वेस्टिंग एजुकेशन कार्याशाला का भी आयोजन किया।

साथ में काम करने का स्थान तथा कैफ़े

अहमदाबाद के शांत लोगों को साथ मिलकर कार्य करने, चाय पे चर्चा, समारोहों में, प्रदर्शनियों और अन्य अनेकों तरीकों से परस्पर जोड़ने के लिए आइडियापैड गतिशील, सृजनात्मक तथा सहयोगात्मक वातावरण के विकास के लिए समर्पित है। आप इसे 'नवसर्जकों का क्लब' नाम से भी बुला सकते हैं। आईआईएम अहमदाबाद के नवाचार ऊष्मायन तथा उद्यमिता केन्द्र में स्थित आइडियापैड शहर के सृजनात्मक लोगों को (कलाकारों, डिज़ाइनरों, नवसर्जकों, उद्यमशीलों, फ़्रीलांसरों आदि) एकसाथ लाने, जोड़ने तथा साथ मिलकर कार्य करने के लिए एक प्रयास है।

आइडियापैड के 30 कार्यस्थल हैं जो सृजनात्मक तथा उद्यमी लोगों को पेश किये जायेंगे। इसमें सीआईआईई का लक्ष्य स्थानीय स्तर पर दृश्यता बढ़ाने और स्थानीय उद्यमियों तक अधिक पहुँच बढ़ाने का है। इसी विचार के विस्तार के रूप में कैफ़े तरकुआज़ को बनाया गया है।

5. कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए)

संस्थान में कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) एक अंतर्विषयक समूह है, जो खाद्य, कृषि व्यवसाय, ग्रामीण एवं संबंधित क्षेत्रों में अनुप्रयुक्त नीति एवं समस्या समाधान के अनुसंधान में संलग्न है। शिक्षण, प्रशिक्षण एवं परामर्शी गतिविधियों के इन क्षेत्रों में भी सीएमए शामिल है। वर्ष 2013-14 के दौरान चलाई गई प्रमुख गतिविधियों का कुछ संक्षिप्त ब्यौरा यहाँ दिया गया है।

निम्न अनुसंधान प्रगति पर है

- भारत में कृषि-निवेश विपणन मॉडेल : प्रदर्शन तथा क्षमता।
- भारत में प्रमुख खाद्यान्नों के विपणन और विक्रय अधिशेष का आकलन (समन्वित अध्ययन)
- कृषि में जैव प्रौद्योगिकी : वादे, प्रदर्शन, चिंताएँ, और अर्थशास्त्र की जाँच
- कृषि जैवविविधता के जरिये जलवायु परिवर्तन का मुकाबला : एक गहन दृष्टि
- सिंचाई और उद्यमशीलता : सुधार और विस्तार के लिए स्थिति तथा सबक
- भारत में तिलहन और पाम उत्पादन की समस्याएँ तथा संभावनाएँ (समन्वित अध्ययन)
- भूमि स्वास्थ्य, पौधों का स्वास्थ्य, और मानव स्वास्थ्य

अध्यापन

कृषि प्रबंध केंद्र (सीएमए) के संकायों ने पीजीपी-एबीएम, पीजीपी, तथा पीजीपीएक्स कार्यक्रमों में 19 और फैलो प्रबंध कार्यक्रम (कृषि) में छह पाठ्यक्रम चलाए।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

सीएमए संकायों ने वर्ष के दौरान चार कार्यक्रम चलाए :

- कृषि निवेश विपणन
- अनुबंध खेती प्रबंधन
- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- ग्रामीण विपणन

सम्मेलन

सामाजिक नवाचार : समावेशी विकास के लिए लापता कड़ियों को जोड़ना, विषय पर 17 नवम्बर 2013 को पूणे आयोजित में राष्ट्रीय सम्मेलन।

6. स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र (सीएमएचएस)

संस्थान का स्वास्थ्य क्षेत्र में योगदान सन् 1975 में सार्वजनिक प्रणाली समूह की स्थापना के साथ हुआ। प्रारंभिक अवधि में, प्राथमिक स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ और परिवार नियोजन के प्रबंधन अनुसंधान पर ध्यान केन्द्रित किया गया। अनुसंधान गतिविधियों में 80 के दशक में द्वितीयक स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं के प्रबंधन को शामिल किया गया था और 90 के दशक में तृतीयक स्तर की स्वास्थ्य देखभाल सेवाओं को शामिल किया गया था। उसके बाद से स्वास्थ्य देखभाल बीमा तथा संबंधित विषयों को जोड़ा गया था।

संस्थान द्वारा भूतकाल में स्वास्थ्य क्षेत्र में दिये गये अपने योगदान की पहचान बनाने हेतु और सामाजिक-आर्थिक विकास के संदर्भ में स्वास्थ्य क्षेत्र को मजबूती प्रदान करने की आवश्यकता को देखते हुए जून 2004 में स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र (सीएमएचएस) की स्थापना की गई थी। सीएमएचएस का उद्देश्य क्षमतापूर्वक व प्रभावी रूप से विविध भागों की जनसंख्या ज़रूरतों से निपटने के लिए स्वास्थ्य सेवाओं के

वितरण में प्रबंधकीय चुनौतियों को पूरा करना और स्वास्थ्य क्षेत्र में उत्कृष्ठ संस्थान का निर्माण करना तथा स्वास्थ्य नीतियों एवं व्यापक वातावरण को प्रभावित करना है।

सीएमएचएस से निम्न अपेक्षाएँ हैं :

- स्वास्थ्य क्षेत्र में हमारी भागीदारी के लिए जोर देते हुए दीर्घकालीन स्थिरता प्रदान करना।
- सामाजिक क्षेत्र में प्रतिबद्धता को प्रकाशित करना।
- बड़ी परियोजनाओं में भागीदारी सुविधाएँ देना।
- समग्र विश्व से स्वास्थ्य देखभाल के लिए अनुसंधानकर्ताओं को बुलाना।
- स्वास्थ्य प्रबंधन में शामिल अन्य संस्थानों के साथ सहसंचालनों का विकास करना।
- ज्ञान के प्रसार में सक्रिय रूप से भाग लेना।

अनुसंधान

सीएमएचएस ने स्वास्थ्य के क्षेत्र में, अस्पताल प्रबंधन, चिकित्सकीय प्रयोगशाला प्रबंधन, इमेजिंग प्रयोगशाला प्रबंधन, मातृत्व स्वास्थ्य, एचआईवी/एइड्स, संक्रमण नियंत्रण, ग्राम्य स्वास्थ्य इत्यादि में स्वास्थ्य नीति एवं योजना, प्रशासन तथा प्रबंधन चुनौतियों पर केन्द्रित अनुसंधान परियोजनाओं को अंजाम दिया है।

प्रमुख परियोजनाएँ (पूर्ण हो चुकी)

- संक्रमण नियंत्रण मध्यवर्ती अध्ययन : वितरण सतर्कता की गुणवत्ता में सुधार करने तथा विकासशील देशों में स्वास्थ्य प्रणालियों को मजबूत करने के लिए प्रवेश बिन्दु के रूप में संक्रमण नियंत्रण का उपयोग करना (एबरडीन युनिवर्सिटी, यूके)।
- भारत में मातृत्व स्वास्थ्य में सुधार करने के लिए तथा दाई के काम को मजबूती प्रदान करने के लिए स्वीडिश तथा भारतीय संस्थानों के बीच भागीदारी, एसआईडीए चरण -2 (केरोलिंस्का इन्स्टिट्यूट, स्विडन तथा नर्सिंग अध्ययन अकादमी, हैदराबाद)।

7. खुदरा बिक्री केंद्र

खुदरा बिक्री केन्द्र का उद्देश्य अंतिम ग्राहक तक उत्पाद एवं सेवाओं के वितरण की क्षमता एवं गुणवत्ता में सुधार करने के लिए खुदरा प्रबंधन विषयक ज्ञान का सृजन और प्रसार करना है। नौ संकाय-सदस्यों की एक अंतःशास्त्रीय टीम को इस केन्द्र के उद्देश्यों से संबंधित अनुसंधान, प्रशिक्षण, व परामर्शी कार्यकलाप में लगाया गया है।

प्रबंधन विकास / संस्थान के आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम

- खुदरा प्रबंधन
- खुदरा बिक्री का व्यवस्थापन

छात्रों द्वारा स्वतंत्र अनुसंधान परियोजनाएँ

- अविनाश पोलेपल्ली, मणिगंधन वी. तथा ऋषभ शाह, "खरीद के लिए तरीके का उपयोग करते हुए गली की उत्पादकता का मापन - हाइपरमार्केट"
- अनिकेत नथवाणी तथा अभिषेक तापडिया, "दृश्य विश्लेषिकी के माध्यम से एक हाइपर मार्केट में खरीदकर्ता के व्यवहार को समझना तथा खुदरा रचना पर इसके प्रभावों का विश्लेषण करना"
- अजितेश दास, कार्तिका मित्तल, तथा शुभ्रा घोष, 'ऑनलाइन खरीदी में महिलाओं का व्यवहार"

8. सार्वजनिक प्रणाली समूह (पी.एस.जी.)

सार्वजनिक प्रणाली समूह (पी.एस.जी.) सामरिक नीति प्रबंधन, सार्वजनिक एवं सामाजिक नीति पर अत्याधुनिक अनुसंधान, प्रशिक्षण तथा संगठनात्मक कार्य संभालता है। इस समूह का उद्देश्य ऐसे अनुसंधान

को बढ़ावा देना है जो सार्वजनिक प्रणालियों के प्रभावी प्रबंधन की अवधारणाएँ तथा सिद्धांत पैदा करेंगे और साथ साथ स्कॉलर जैसी समझ पायी जाए तथा सामाजिक व राजनीतिक प्रक्रियाओं की जोड़बंदी को समझा जाए जो नीति निर्माण की आधारशीला है। यह समूह विस्तृत अनुशासनात्मक पृष्ठभूमि और प्रबंधन के विषयों में सामाजिक विज्ञानों तथा मानविकी को एकीकृत करता है।

संकायों के वर्तमान अनुसंधान हितों में ऊर्जा एवं पर्यावरण, अस्पताल एवं स्वास्थ्य प्रणालियाँ, शहरी प्रबंधन, सार्वजनिक वित्त, शिक्षा नीति, परिवहन, बुनियादी सुविधाएँ, पुनर्वास, सामुदायिक विकास, सार्वजनिक सेवाओं का विपणन, प्रभाव का आकलन, तथा दूरसंचार शामिल हैं।

पाठ्यक्रम

वर्ष के दौरान, पीएसजी संकायों ने निम्न पाठ्यक्रमों को पेश किया :

पीजीपी

- कार्बन वित्त
- पर्यावरण प्रबंध
- सुशासन एवं गरीबी में जी रहे लोग
- अस्पताल एवं स्वास्थ्य देखभाल प्रबंध
- अवसंरचना विकास एवं वित्त व्यवस्था
- कॉर्पोरेट सामाजिक अनुत्तरदायित्व की जाँच
- अवसंरचना सेवा प्रबंधन में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन
- स्थायित्व प्रबंधन
- विकास के लिए भागीदारी रंगमंच
- संगठनों में सत्ता एवं राजनीति
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक नीति
- सामाजिक उद्यमिता : सामाजिक परिवर्तन का नवीनीकरण
- शहरी अर्थव्यवस्थाएँ और व्यवसायिक वातावरण
- अपशिष्ट व्यवसाय प्रबंधन

एफपीएम

- आर्थिक विकास एवं वृद्धि
- इलैक्ट्रिक पावर अर्थशास्त्र और नीति
- ऊर्जा एवं पर्यावरण नीति
- स्वास्थ्य नीति एवं योजना
- व्याख्यात्मक अनुसंधान के तरीके
- सार्वजनिक वित्त
- सार्वजनिक प्रबंध
- सार्वजनिक नीति
- पर्यावरण प्रबंध के लिए सार्वजनिक नीति उपकरण
- परिवहन नीति पर संगोष्ठी

पीजीपीएक्स

- कार्बन वित्त
- पर्यावरण प्रबंध (पीजीपी ऐच्छिक पीजीपीएक्स के लिए)
- अस्पताल प्रबंध (पीजीपी ऐच्छिक पीजीपीएक्स के लिए)
- बुनियादी ढाँचे में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे
- ऊर्जा व्यवसाय प्रबंधन (पीजीपी ऐच्छिक पीजीपीएक्स के लिए)
- दूरसंचार उद्यम प्रबंधन
- सामाजिक उद्यमिता : सामाजिक परिवर्तन में नवीनीकरण
- परिवहन अवसंरचना

पीजीपी-एबीएम

- कृषि व्यवसाय में कार्बन वित्त
- ऊर्जा बाजार एवं कृषि व्यवसाय

संकाय विकास कार्यक्रम - एफडीपी

- जनतांत्रिक समाज में व्यवसाय
- जलवायु परिवर्तन प्रबंध पर पाठ्यक्रम डिजाइन
- पर्यावरण प्रबंध
- स्वास्थ्य और अस्पताल प्रबंध
- गुणात्मक अनुसंधान के तरीके
- सामाजिक उद्यमिता : सामाजिक परिवर्तन का नवीनीकरण

कार्यकारी शिक्षा कार्यक्रम

- चिकित्सकीय लैब प्रबंधन
- अस्पताल प्रबंध
- अवसंरचना में कानूनी एवं विनियामक मुद्दे (संयुक्त रूप से व्यवसाय नीति के साथ पेश किये गये)
- ग्रामीण अवसंरचना में सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी)

9. रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र (आरजेएमसीईआई)

वर्ष के दौरान, रवि जे. मथाई शैक्षणिक नवाचार केन्द्र (आरजेएमसीईआई) ने अपनी 'शैक्षणिक नवाचार बैंक : सार्वजनिक विद्यालयों में विकेन्द्रीकृत व्यावसायिक विकास और गुणवत्ता संवर्धन' परियोजना के जरिये हेवलेट पैकार्ड स्थिरता व सामाजिक नवाचार पुरस्कार द्वारा प्रारंभिक शिक्षा में नवाचार के लिए अपने अनुसंधान को आगे विस्तारित किया है। इस परियोजना का लक्ष्य उन सरकारी शिक्षकों को मजबूत बनाने का है जो अपने संदर्भों में शैक्षणिक समस्याओं के समाधान हेतु अपने बूते पर प्रयोग एवं नवाचार करते हैं। गुजरात सरकार की भागीदारी में, नवाचार प्रकोष्ठ सभी जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थानों में स्थापित किये गये। इस नेटवर्क में 31 मार्च, 2014 तक 6497 शिक्षकों को शामिल किया गया, और कई नवाचार कार्यशालाएँ तथा राज्य स्तर का एक सम्मेलन आयोजित किया गया। नवाचारों के लिए एक खोज करने योग्य डेटाबेस निर्मित किया गया। स्कूल प्रबंधन समितियों तथा शिक्षकों तक मोबाइल प्रौद्योगिकी के माध्यम से पहुँचने के प्रयोगों को अंजाम दिया जा रहा है। पहचाने गये नवाचारों को शैक्षणिक रूप से कमज़ोर ब्लॉकों में प्रसार के लिए पैकेजकृत किया गया।

आरजेएमसीईआई ने माध्यमिक स्कूलों के प्रिंसिपलों के लिए तथा प्रबंधन शिक्षा संस्थानों के निदेशकों के लिए हफ्ते भर के कार्यक्रमों की (प्रति वर्ष एक कार्यक्रम) पेशकश जारी रखी। इसके अलावा, शिक्षा अधिकारियों के लिए एक नेतृत्व कार्यक्रम तथा इंजीनियरिंग महाविद्यालयों के प्राचार्यों के लिए दो कार्यक्रम आयोजित किये गए। शिक्षा में उद्यमशीलता (पीजीपी) पर एक ऐच्छिक पाठ्यक्रम तथा एफ़डीपी और एफ़पीएम के लिए संचार-संबंधित पाठ्यक्रम पेश किये गए।

अनुशासनिक क्षेत्र

संस्थान में आठ अनुशासनिक क्षेत्र हैं : व्यापार नीति, संचार, अर्थशास्त्र, वित्त एवं लेखा, विपणन, संगठनात्मक व्यवहार, कार्मिक व औद्योगिक संबंध तथा उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके।

1 .व्यापार नीति

पाठ्यक्रम

पीजीपी

पीजीपी के प्रथम वर्ष में रणनीतिक प्रबंधन, व्यवसाय के वैधानिक पहलू, और व्यवसाय काराधान में इस क्षेत्र ने अनिवार्य पाठ्यक्रम प्रस्तुत किए हैं। इसने द्वितीय वर्ष में निम्न ऐच्छिक पाठ्यक्रम पेश किये :

- व्यवसाय और बौद्धिक संपदा
- व्यवसाय, सरकार और कानून
- रणनीति निर्धारण तथा निष्पादन की गतिशीलता
- रणनीति अर्थशास्त्र
- उद्यमिता एवं नए उपक्रम की योजना
- रणनीति परामर्शन की नींव
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार विवाद समाधान
- नेतृत्व : दृष्टि, अर्थ और वास्तविकता
- उभरते बाजारों में रणनीति
- उच्च-तकनीक उद्योगों के लिए प्रौद्योगिकी रणनीति

पीजीपी-एबीएम – 2

- कृषि व्यवसाय अंतरराष्ट्रीय रणनीति और संगठन

पीजीपीएक्स

- व्यवसाय, नेतृत्व और कानून
- कैपस्टन अनुकार
- कॉर्पोरेट शासन
- कानून, रणनीति, और व्यवसाय
- नेतृत्व, मूल्य और नैतिकता
- नई और छोटी कंपनियों का प्रबंधन
- विलय और अधिग्रहण
- सामरिक निष्पादन
- सामरिक प्रबंधन

एफपीएम

- कार्रवाई अनुसंधान पद्धतिशास्त्रों में प्रोन्नत संगोष्ठी
- कॉर्पोरेट शासन
- संगठनगत अध्ययनों के लिए डाटा प्रबंधन और विश्लेषण
- रणनीति अर्थशास्त्र
- नवाचार और रणनीति
- अंतरराष्ट्रीय सामरिक प्रबंधन
- सामरिक प्रबंधन 1
- सामरिक प्रबंधन 2

एफडीपी

- अंतर्राष्ट्रीय व्यापार
- रणनीति निर्माण और कार्यान्वयन
- उभरते बाजारों में रणनीति

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र ने निम्नलिखित प्रबंध विकास कार्यक्रम प्रस्तुत किए :

- व्यवसाय नेतृत्व और कानून
- अनुबंध प्रबंधन
- नवाचार, कोर्पोरेट रणनीति, और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन
- ज्ञान प्रबंधन

- 21वीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व
- विकास के लिए रणनीतियाँ
- प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ और संबद्धता की राजनीति पर कार्य सम्मेलन

अनुसंधान

उद्योग के विभिन्न क्षेत्रों में संगठनों के बारे में केसों को विकसित करने का काम क्षेत्रीय सदस्यों ने जारी रखा। सदस्यों की रूचि के अनुसंधानों में बौद्धिक संपदा अधिकार, वैश्विकीकरण, विश्व के बाजार और क्षमता विकास से संबंधित महत्वपूर्ण मुद्दे शामिल हैं।

2.संचार

पाठ्यक्रम

पीजीपी / पीजीपी-एबीएम

अनिवार्य

- मौखिक व्यापार संचार
- लिखित विश्लेषण और संचार – 1
- लिखित विश्लेषण और संचार – 2

ऐच्छिक

- कॉर्पोरेट प्रतिष्ठा संचार
- सांस्कृतिक पहचान और अंतर-सांस्कृतिक संचार
- मुश्किल संचार
- अंतर-सांस्कृतिक संचार क्षमता
- प्रबंधकीय संचार
- मीडिया और समाज : अर्थशास्त्र, राजनीति, नैतिकता, और जन संचार प्रौद्योगिकियाँ
- संगठनात्मक संचार
- प्रेरक संचार
- नेताओं के लिए सामरिक चर्चा कौशल

पीजीपीएक्स

- प्रबंधन संचार (मुख्य)

एफपीएम

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

एफडीपी

- प्रबंध शिक्षकों के लिए संचार

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- प्रभावी संचार रणनीतियाँ
- लोगों को साथ लेकर : प्रोत्साहन द्वारा प्रबंधन
- जीतने की कगार

3. अर्थशास्त्र

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- आर्थिक वातावरण एवं नीति
- बृहत् अर्थशास्त्र एवं नीति
- सूक्ष्म अर्थशास्त्र

ऐच्छिक

- निर्णय निर्धारण के लिए अर्थमितीय पद्धति
- आर्थिक विकास और वृद्धि
- संगठन का अर्थशास्त्र
- रणनीति का अर्थशास्त्र (संयुक्त रूप से व्यवसाय नीति क्षेत्र के साथ प्रस्तुत)
- खेल सिद्धांत और अनुप्रयोग
- अंतरराष्ट्रीय व्यापार और निवेश
- विकासशील देशों में श्रम बाजार
- मौद्रिक सिद्धांत और नीति
- सार्वजनिक वित्त (संयुक्त रूप से सार्वजनिक प्रणाली समूह के साथ प्रस्तुत)

पीजीपी - एक्स

- कंपनियाँ एवं बाजार
- खुली अर्थव्यवस्था में बृहत्-अर्थशास्त्र

एफपीएम

- उन्नत बृहत् अर्थशास्त्र
- उन्नत सूक्ष्म अर्थशास्त्र
- अर्थमिति
- गणितीय अर्थशास्त्र

एफडीपी

- अर्थशास्त्र मॉड्यूल

4. वित्त एवं लेखाकरण

पीजपी

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त
- वित्तीय लेखा, रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण
- वित्तीय बाजार
- लागत प्रबंधन एवं नियंत्रण प्रणालियाँ

ऐच्छिक

- वैकल्पिक निवेश और बचाव निधि
- व्यावहारिक वित्त
- कम्प्युटेशनल (पूँजी बाज़ार) वित्त
- बड़ी परियोजनाओं में वित्त पोषण
- कंपनियों में वित्त पोषण
- निर्धारित आय प्रतिभूतियाँ - क्रेडिट (जमा)
- निर्धारित आय प्रतिभूतियाँ - दरें
- धोखाधड़ी जोखिम मूल्यांकन और शासन तंत्र
- वायदा, विकल्प व जोखिम प्रबंधन
- वित्तीय संस्थाओं का प्रबंधन
- बीमा व्यवसाय का प्रबंधन
- विलय, अधिग्रहण, एवं कॉर्पोरेट पुनर्गठन
- आधुनिक निवेश व पोर्टफोलियो प्रबंधन
- मूल्य निर्धारण व्युत्पन्न प्रतिभूति
- हस्तांतरण मूल्य निर्धारण के सिद्धांत
- प्रतिभूति विनियमन
- वित्त में प्रसंभाव्य कलन
- बैंकिंग में सामरिक परिदृश्य
- व्यापार रणनीतियाँ
- कम्पनियों का मूल्यांकन
- उद्यम पूंजी एवं निजी इक्विटी

एफपीएम

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- वित्त सिद्धान्त 1
- वित्त सिद्धान्त 2

ऐच्छिक

- उन्नत एमसीएस
- गणितीय वित्त
- लेखांकन शोध पर संगोष्ठी पाठ्यक्रम
- निजीकरण पर संगोष्ठी
- समय श्रेणी विश्लेषण

पीजीपीएक्स

अनिवार्य

- कॉर्पोरेट वित्त
- वित्तीय बाजार
- वित्तीय रिपोर्टिंग एवं विश्लेषण
- प्रबंधन नियंत्रण और संगठनात्मक प्रदर्शन के लिए मेट्रिक्स
- विलय और अधिग्रहण
- सामरिक लागत प्रबंधन

ऐच्छिक

- वित्तीय कार्य का प्रभावशाली प्रबंधन
- वित्तीय विवरण विश्लेषण

एफडीपी

- लेखा और वित्तीय प्रबंधन

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- उन्नत कॉर्पोरेट वित्त
- विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन
- मूल्य निर्धारण और प्रतिरक्षा व्युत्पन्न प्रतिभूतियाँ
- रणनीतिगत लागत प्रबंधन

इस क्षेत्र के संकाय अन्य क्षेत्रों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से शामिल हुए और विभिन्न संस्थानों में परामर्शन सेवाएँ प्रदान की।

अनुसंधान

इस वर्ष काफी संख्या में अनुसंधान परियोजनाएँ शुरू की गई।

सम्मेलन

इस क्षेत्र ने संस्थान में "भारतीय वित्त सम्मेलन (आईएफ़सी)" शीर्षक से एक अंतरराष्ट्रीय वित्त सम्मेलन का आयोजन 18-20 दिसम्बर, 2013 को किया था। आईआईएम-ए, आईआईएम-बी, तथा आईआईएम-सी के वित्त क्षेत्रों ने संयुक्त रूप से इस सम्मेलन का आयोजन किया था।

5. सूचना प्रणालियाँ

पीजपी

अनिवार्य

- व्यवसाय के लिए सूचना प्रणालियाँ
- प्रबंधकीय कम्प्युटिंग

ऐच्छिक

- ई-अभिशासन में परामर्शन : दृष्टि से कार्यान्वयन तक (पीजीपी एबीएम के लिए)
- डाटा खनन और व्यापार आसूचना
- निर्णय निर्धारण के लिए डाटा दृश्यावलोकन
- विकास के लिए डिजिटल समावेशन
- डिजिटल उद्यम बुनियादी सुविधा
- ईआरपी प्रणालियाँ : प्रौद्योगिकी योजना और कार्यान्वयन
- सॉफ़्टवेयर परियोजनाएँ और उद्यमों का प्रबंधन
- सूचना प्रणालियों का सामरिक प्रबंधन

एफडीपी

- प्रबंधन के लिए आईटी

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- ईआरपी प्रणालियाँ : प्रौद्योगिकी योजना और कार्यान्वयन
- आईटी परियोजना प्रबंधन
- आईटी सामरिक प्रबंधन
- दृश्य व्यापार आसूचना

6. विपणन

संस्थान में विपणन क्षेत्र ने शिक्षण, अनुसंधान, परामर्श गतिविधियों, और अकादमिक प्रशासन की दिशा में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया। अग्रणी व्यवसायियों द्वारा अनुभव बाँट कर इस क्षेत्र के पाठ्यक्रमों और कार्यक्रमों को बढ़ावा दिया गया। उद्योग से कई वरिष्ठ कार्यकारी अधिकारियों ने क्षेत्र द्वारा पेश हुए विभिन्न पाठ्यक्रमों में अपने अनुभव बाँटे।

पाठ्यक्रम

इस क्षेत्र ने पीजीपी, एफ़पीएम, तथा पीजीपीएक्स में अनिवार्य तथा ऐच्छिक पाठ्यक्रम पेश किए।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

इस क्षेत्र में वर्ष के दौरान नौ कार्यक्रमों को पेश किया गया।

अनुसंधान

इस क्षेत्र के सदस्यों ने विभिन्न विषयों पर अनुसंधान संचालित किये। उन्होंने अपने निष्कर्षों को कई राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय पत्रिकाओं/पुस्तकों में प्रकाशित कर साझा किया और सम्मेलनों तथा कार्यशालाओं में प्रस्तुति दी तथा प्रस्तुतियों को आमंत्रित किया। इस अनुसंधान में उपभोक्ता व्यवहार, ब्रांडिंग, विज्ञापन, बिक्री संवर्धन, खुदरा बिक्री, सूचना उत्पाद तथा सेवाओं, पिरामिड का अंत, सेवा केन्द्रित रणनीति जैसे विषयों को शामिल करने पर ध्यान केन्द्रित किया। इसके पद्धतिशास्त्र में गुणवत्तात्मक एवं उन्नत मात्रात्मक दोनों तकनीकियाँ शामिल थीं।

जारी परियोजनाएँ

- बीसीसीएल का केस
- ऑलिम्पिक गॉल्ड क्वेस्ट केस
- सहज ई-विलेज लिमिटेड केस
- अंतिम स्थान तक उत्पाद वितरण मॉडल के जरिये उद्यमशीलता : विलग्रो का एक केस अध्ययन
- पारिस्थितिकी के अनुकूल और स्थायी उपभोक्ता व्यवहार के प्रति उपभोक्ताओं के नजरिये के लिए घरेलू उपकरणों के लेखांकन की खरीद प्रक्रिया का मूल्यांकन
- सुविधा स्टोर उद्योग में ग्राहकों की संतुष्टी और संरक्षण के इरादों पर सेवा गुणवत्ता के प्रभाव की जाँच
- गेटइट : नये संचार पर्यावरण में उपभोक्ताओं के साथ जुड़ाव

- कम आय बाज़ारों में बहुराष्ट्रीय कंपनियाँ स्थानीय कंपनियों के साथ कैसे प्रतिस्पर्धा करती हैं
- सेलिब्रिटी समर्थन में संस्कृति की भूमिका : भारत के संदर्भ में मशहूर हस्तियों द्वारा ब्रांड समर्थन की एक समीक्षा
- अल्टिमेटम खेलों में हिस्सेदारी के आकार में केवल नजर के मतभेदों के प्रभाव का अध्ययन

7. संगठनात्मक व्यवहार

पाठ्यक्रम

पीजीपी-एबीएम

अनिवार्य

- व्यक्तिगत गतिशीलता
- पारस्परिक और समूह प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक गतिशीलताएँ

पीजीपी

ऐच्छिक

- संगठनात्मक सह-निर्माण परिवर्तन
- एक उद्यमशील व्यक्तित्व का विकास
- रचनात्मक आत्म-विकास
- भूमिकाओं और पहचान में अन्वेषण
- उच्च कार्यनिष्पादक टीमें : एक अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम
- एचआरडी स्कोर कार्ड 2500 के साथ बौद्धिक पूँजी प्रबंधन
- संगठन में सत्ता और राजनीति
- भारत में कार्य और रोजगार का समाजशास्त्र
- प्रतिभा प्रबंधन

पीजीपीएक्स

- नेतृत्व कौशल
- संगठन व्यवहार
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- प्रदर्शन क्षमता : आत्म-जागरूकता यात्रा

एफ़पीएम

- संगठनात्मक व्यवहार में श्रेष्ठ कालजयी
- पारस्परिक और समूह गतिशीलता : सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार 2
- संगठनों में नेतृत्व : सिद्धांत तथा अनुसंधान की एक समीक्षा
- गुणवत्तात्मक अनुसंधान के तरीके : डाटा एकत्रीकरण और विश्लेषण
- संगठन सिद्धांत और उसका सामाजिक संदर्भ
- संगठनात्मक निदान और परिवर्तन 1
- संगठनात्मक निदान और परिवर्तन 2
- संगठनात्मक संरचना और प्रक्रियाएँ
- संगठनात्मक अनुसंधान के दार्शनिक आधार
- मात्रात्मक तरीके और विश्लेषण
- कार्यस्थल पर व्यक्ति : सूक्ष्म संगठनात्मक व्यवहार 1

एफ़डीपी

- अनुसंधान की कला और प्रकाशन
- संगठनात्मक व्यवहार की समझ

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- प्रमुख क्षमता के रूप में रचनात्मकता और नवाचार
- व्यावसायिक महिलाओं में नेतृत्व क्षमताओं और संभावनाओं को बढ़ावा देना
- पारस्परिक प्रभावशीलता और टीम निर्माण
- नेतृत्व और परिवर्तन प्रबंधन

संकाय सदस्यों ने विभिन्न संगठनों के लिए कई कंपनियों के अनुकूलित आंतरिक कार्यक्रमों और अन्य परामर्शी सेवाओं की भी पेशकश की थीं।

8. कार्मिक और औद्योगिक संबंध

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- कार्मिक योग्यता और क्षमता निर्माण प्रणालियाँ

ऐच्छिक

- योग्यताओं का विश्लेषण और निर्माण
- व्यवसाय और समाज
- व्यवसाय प्रतिवर्तन और संगठनात्मक परिवर्तन
- कॉरपोरेशन में ग्राहक : लोगों का व्यवस्थापन
- वार्ताओं का व्यवस्थापन
- अंतरराष्ट्रीय मानव संसाधन प्रबंधन के लिए कार्मिक सक्षमता

- सामरिक प्रदर्शन और इनाम प्रबंधन

पीजीपीएक्स

- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

एफ़डीपी

- मानव संसाधन प्रबंधन

प्रबंधन विकास कार्यक्रम

- उन्नत मानव संसाधन प्रबंधन
- वार्ता और कौशल उपचार केन्द्र
- सामरिक मानव संसाधन प्रबंधन

अन्य क्षेत्रों द्वारा पेश सामान्य प्रबंधन कार्यक्रमों और एमडीपी कार्यक्रमों से संकायों को शिक्षित किया गया।

अनुसंधान

क्षेत्र के सदस्यों ने अपनी रूचि के क्षेत्रों में केस लेखन, अध्यापन सामग्री विकास, तथा अनुसंधान में योगदान दिया। ये सदस्य अंतरविषयक अनुसंधान में भी शामिल हुए।

9. उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके

पाठ्यक्रम

पीजीपी

अनिवार्य

- निर्णय निर्धारण 1एवं 2
- संचालन प्रबंधन 1एवं 2
- संभावना एवं सांख्यिकी 1, 2 एवं 3

ऐच्छिक

- डाटा विश्लेषण के उन्नत तरीके
- हाथी और चीता : प्रणालियाँ, रणनीति, तथा बाधाएँ
- मात्रात्मक प्रणाली कार्यनिष्पादन
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- डाटा विश्लेषण में सांख्यिकीय पद्धतियाँ
- सामरिक खरीद

पीजीपीएक्स

- डाटा विश्लेषण
- माँग-पूर्ति के लिए परिचालनों की डिजाइनिंग
- रसद प्रबंध
- निर्णय के लिए मॉडलिंग
- गुणवत्ता प्रबंधन
- सेवा स्तरों की स्थापना एवं वितरित करना
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- जोखिम की समझ और आकलन

एफपीएम

- अनुप्रयुक्त बहुभिन्नरूपी विश्लेषण
- व्यवसाय अनुसंधान के लिए बायेसियन क्रियाविधि
- खंडित अनुकूलन
- बड़े पैमाने पर अनुकूलन
- गाणितीय प्रोग्रामिंग 1
- अनुमानों से अनुकूलन
- वास्तविक विश्लेषण
- संचालन प्रबंधन में संगोष्ठी 1
- संचालन प्रबंधन में संगोष्ठी 2
- प्रसंभाव्य प्रक्रियाएँ
- प्रणाली विश्लेषण और अनुकार

एफ़डीपी

- डाटा विश्लेषण के अनुप्रयोग
- निर्णय निर्धारण
- संचालन प्रबंधन
- डाटा विश्लेषण के लिए सांख्यिकी

अनुसंधान

प्रौद्योगिकी प्रबंधन, प्रौद्योगिकी आधारित नवाचारों, विनिर्माण, निर्णय समर्थन प्रणाली, रसद, आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन, राजस्व प्रबंधन, अनुकूलन, नेटवर्क अनुकूलन एवं बहु-अनुमानी, नेटवर्क विश्वसनीयता, वित्त में सांख्यिकीय मॉडलिंग, और सांख्यिकीय निष्कर्ष ऐसे क्षेत्र हैं जहाँ क्षेत्रीय संकाय सदस्यों ने प्रकाशनों के माध्यम से अपना योगदान दिया है।

प्रबंध विकास कार्यक्रम

- प्रबंधन में उन्नत विश्लेषिकी
- उन्नत गुणवत्ता प्रबंधन
- रसद समाधान वितरण
- खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- परियोजना प्रबंधन
- मात्रात्मक डाटा विश्लेषिकी और व्यवसाय/विपणन में इसके अनुप्रयोग
- राजस्व प्रबंधन और गतिशील मूल्य निर्धारण
- जोखिम : मॉडलिंग और प्रबंधन
- आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन
- अनिश्चितता, जटिलता और जोखिम प्रबंधन
- गोदाम डिजाइन और प्रबंधन

पूर्वछात्र गतिविधियाँ

भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद पूर्वछात्र संघ (आईआईएमएएए)

आईआईएमएएए का गठन एक कार्यकारी समिति उपलब्ध कराता है जो संस्थान के हेतुओं को आगे बढ़ाने से लेकर चैप्टरों को स्थापित करने और उन्हें संभालने के कामकाज को प्रबंधित करती है। प्रत्येक चैप्टर से एक एक सदस्य चयनित होकर इस समिति में शामिल होते हैं, इसमें संस्थान द्वारा मनोनीत 10 सदस्यों और तीन पदेन सदस्यों (निदेशक, डीन (पूर्वछात्र एवं विदेश संबंध) तथा मुख्य प्रशासनिक अधिकारी) में से प्रमुख, उपप्रमुख, तथा सचिव चुना को जाता है।

पूर्वछात्र सदस्यता

प्रत्येक वर्ष सभी दीर्घावधि तथा अल्पावधि कार्यक्रमों के सदस्यों को पूर्वछात्रों के डाटाबेस में जोड़ा जाता है। इस वर्ष के दौरान, सदस्यता शुल्क का राजस्व 39.04 लाख रुपए से बढ़कर 53.55 लाख रुपए रहा जो 37.16 प्रतिशत बढ़ा।

आईआईएम-ए अल्युम्नस पत्रिका

वर्ष में तीन बार – जून, अक्टूबर, फरवरी में आईआईएम-ए अल्युम्नस पत्रिका के अंक प्रकाशित हुए। वर्ष 2013-14 के दौरान, आईआईएम-ए अल्युम्नस पत्रिका में छपे विज्ञापनों के जरिये 4.71 लाख रुपए की आय हुई।

रजत जयंती पुनर्मिलन

20 से 22 दिसम्बर, 2013 के दौरान 1989 (1987-1989) में स्नातक हुए पीजीपी बैच का रजत जयंती पुनर्मिलन आयोजित किया गया। लगभग 75 पूर्वछात्रों ने सहपरिवार इसमें भाग लिया। यह पुनर्मिलन तथा मित्रता के ताज़ा होने का एक बहुत बड़ा जश्न था। इस रजत जयंती पुनर्मिलन के दौरान, जिन्होंने सन् 1989 के बैच को पढ़ाया था ऐसे 12 संकायों को सम्मानित किया गया।

अन्य पुनर्मिलन

रजत-जयंती पुनर्मिलन के अतिरिक्त, विभिन्न पीजीपी बैचों के पुनर्मिलन भी आयोजित किये गए : 12 से 15 दिसम्बर, 2013 के दौरान (40 वर्ष पूर्ण करने पर) 1971-73 बैच का मिलन हुआ; 3 से 5 जनवरी, 2014 के दौरान (20 वर्ष पूर्ण करने पर) 1991-93 बैच का; 20 से 22 दिसम्बर, 2013 के दौरान (15 वर्ष पूर्ण करने पर) 1996-98 बैच का; और 6 से 8 दिसम्बर, 2013 के दौरान (10 वर्ष पूर्ण करने पर) 2001-2003 बैच का। .

पूर्वछात्र शैक्षणिक संबंध

संबंधित क्षेत्रों में कार्यरत पूर्वछात्रों द्वारा कई ऐच्छिक पाठ्यक्रम/व्याख्यान पेश किए गए। इन पूर्वछात्रों को नियमित रूप से अपने ज्ञान एवं अनुभव को साझा करने के महत्व के बारे में सूचित किया जाता है।

पूर्वछात्रों को पहचान-पत्र

पूर्वछात्रों के लिए पहचान-पत्र की शुरूआत पिछले वर्ष की गई थी। पूर्वछात्रों के वर्गीकरण के आधार पर, जो चाहते थे उन्हें लगभग 700 पहचान-पत्र जारी किए गए।

लिंक्डइन पहल

अपने पूर्वछात्रों को कैरियर समर्थन प्रणाली उपलब्ध कराने की एक पहल के रूप में संस्थान ने दो समूहों की स्थापना के लिए लिंक्डइन के साथ गठबंधन किया है :

- आईआईएमए पूर्वछात्र समूह जो उन सभी दीर्घावधि के पूर्वछात्रों के लिए है जो दीक्षांत समारोह के जरिए स्नातक हुए हैं। इस समूह में 2030 पूर्वछात्र हैं। इस समूह में नियोजन कार्यालय नियोक्ता उप-समूह का हिस्सा बनने के लिए हमारे महत्वपूर्ण नियोक्ताओं को आमंत्रित करता है;
- आईआईएमए कार्यकारी शिक्षा पूर्वछात्र समूह जो कि अल्पावधि कार्यक्रम के पूर्वछात्रों को शामिल करता है। इस समूह में 291 सदस्य हैं। संस्थान की नीति के अनुरूप जो छात्र दीक्षांत समारोह के माध्यम से स्नातक हुए हैं वे ही नियोजन सेवाएँ प्राप्त कर सकते हैं ऐसे नियम को ध्यान में रखते हुए इस समूह को नियोक्ताओं की पहुँच उपलब्ध नहीं करायी जाती।

पूर्वछात्रों की तरफ से निधियाँ

इस वर्ष के दौरान, विभिन्न बैचों और व्यक्तिगत रूप से पूर्वछात्रों ने संस्थान को 86.70 लाख रुपये का दान दिया है। उनमें से कुछ प्रमुख दानदाता इस प्रकार हैं :

बैच	नाम (यदि व्यक्तिगत है तो)	राशि (रु. लाखों में)
1966	दिवान अरुण नंदा	16.50
1971	बैच	10.60
1993	रमेश मंगलेश्वरन	20.00
1993	श्रीधर राजगोपालन	5.00
1992	पुलक सी. प्रसाद	10.00
1985	अक्षय कुमार	6.86
1981	ऋतु बंगा	4.00

छात्रवृत्तियाँ और पुरस्कार

इस वर्ष के दौरान, पूर्वछात्रों द्वारा निम्न छात्रवृत्तियाँ / पुरस्कार दिए गए :

- **मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ उत्कृष्ट शिक्षक पुरस्कार :** यह पुरस्कार प्रोफ़ेसर मार्टी सुब्रह्मणियम् (पीजीपी 1967-69) द्वारा श्री मार्टी मन्नारिया गुरुनाथ की स्मृति में स्थापित किया गया है। प्रति वर्ष यह पुरस्कार एक संकाय सदस्य को उस दीक्षांत समारोह में स्नातक हुए पीजीपी बैच के अध्यापन के लिए दिया जाता है। इस वर्ष 50,000 रुपए का यह पुरस्कार प्रोफ़ेसर सरल मुखर्जी को दिया गया।

- **आईआईएमए पूर्वछात्र वीवीईएफ़ उत्कृष्ट अनुसंधानकर्ता पुरस्कार :** यह पुरस्कार विद्या वर्धिनी शिक्षा प्रतिष्ठान द्वारा स्थापित किया गया है, जो पूर्वाछात्रों द्वारा संचालित सैक्शन 25 कंपनी नाम से है। यह पुरस्कार एक संकाय को दिया जाता है जो अपने स्थायी अनुसंधान योगदान और/अथवा सबसे अलग प्रकृति के महत्त्वपूर्ण अनुसंधान के लिए पहचाने गए हों । इस वर्ष 2 लाख रुपए का यह पुरस्कार प्रोफ़ेसर पी.आर. शुक्ला को दिया गया।

- **सजीव श्रीपाल अकादमिक तथा रचनात्मकता उत्कृष्टता पुरस्कार :** यह पुरस्कार श्री सजीव श्रीपाल (पीजीपी 1984) की स्मृति में सुश्री कनक श्रीपाल (पीजीपी 1984) और मित्रों द्वारा स्थापित किया गया है। यह पुरस्कार पीजीपी छात्रों के अकादमिक प्रदर्शन और रचनात्मकता में उत्कृष्टता की पहचान के लिए दिया जाता है। श्री संचित बंसल (पीजीपी-2014) को यह पुरस्कार दिया गया।

- **1969 बैच छात्रवृत्ति :** वर्ष 2011-13 से पीजीपी 1969 बैच के दाताओं ने आर्थिक, सामाजिक और शारीरिक रूप से कमजोर प्रथम वर्ष के पीजीपी छात्रों को समर्थन देने का निर्णय लिया। पाँच छात्रों के लिए प्रत्येक को 2 लाख रूपए की वित्तीय सहायता पीजीपी 1969 निधि वर्ग से जारी की गई।

- **श्री जी. सी. मित्तल उद्यमशीलता सहायता :** अंकित मित्तल (पीजीपी 2005) द्वारा स्थापित 2 लाख रुपए की यह सहायता उन स्नातक छात्रों के लिए है जो नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर रह अपना उद्यम स्थापित करना चाहते हैं। कनुप्रदीप सुब्रमणियन (पीजीपी 2014) को यह पुरस्कार दिया गया।

- **स्वर्गीय श्री बी. वी. दोशी स्मृति उद्यमिता सहायता :** 2.5 लाख रुपए की यह सहायता राशि श्री साहिल दोशी द्वारा स्थापित है यह स्नातक हो रहे छात्रों को दी जाती है जो अपना व्यवसाय उद्यम शुरू करके रोजगार प्रदान करना चाहते हैं। सुशील कुमार मीणा और शौनक छापरिया (पीजीपी 2014) ने संयुक्त रूप से यह सहायता राशि प्राप्त की।

- **उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार :** श्री सुनील चैनानी (पीजीपी 1980) द्वारा स्थापित यह 50,000/- रुपए की राशि संस्थान के एक छात्र को छात्रकाल के दौरान खेल में सर्वांगीण प्रदर्शन को पहचान दिलाने के लिए दी जाती है। यह उत्कृष्ट खिलाड़ी पुरस्कार सुश्री पालापर्ती ललिता (पीजीपी 2014) ने प्राप्त किया।

- **श्रीमती जे. नगम्मा स्मृति पुरस्कार :** श्री प्रमोद कुंजु (पीजीपी 1999) द्वारा स्थापित यह 15,000/- की पुरस्कार राशि अकादमिक रूप से अच्छे प्रदर्शन करने वाले पीजीपी छात्र को प्रथम वर्ष समाप्त होने पर दी जाती है। हेमन्त मूंदड़ा (पीजीपी 2014) ने यह पहला पुरस्कार प्राप्त किया।

स्मारिका वस्तुएँ

पूर्वछात्रों की स्मारिका वस्तुओं में टी-शर्ट्स, सिल्क टाई, वॉल हैंगिंग, ब्रास प्लेट, डिज़ाइनर कॉफ़ी मग, चाय कप सेट इत्यादि शामिल हैं। विभिन्न कार्यक्रमों के प्रतिभागी तथा पूर्वछात्र जो संस्थान का दौरा करते हैं वे इन स्मृतिचिह्नों को खरीदते हैं।

सभा गतिविधियाँ

इस वर्ष के दौरान बैगलुरू, चेन्नई, हैदराबाद, ओमान, पूणे, सिंगापुर, अमेरिका आदि में स्थित सभाएँ विभिन्न गतिविधियाँ आयोजित करने में काफी सक्रिय रही।

विवरण **परिशिष्ट ट** में दिये गये हैं।

वैश्विक भागीदारी और कॉर्पोरेट मामले

रैंकिंग और सर्वेक्षण

इस वर्ष के दौरान संस्थान ने कई राष्ट्रीय / अंतर्राष्ट्रीय व्यावसायिक-स्कूलों के सर्वेक्षणों में भाग लिया। संस्थान ने सभी प्रमुख एवं प्रतिष्ठित राष्ट्रीय सर्वेक्षणों में शीर्ष स्थान बनाये रखा। हाल के अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग ने स्पष्ट रूप से यह दर्शाया है कि संस्थान के कार्यक्रम और छात्र उच्च गुणवत्ता के हैं और वैश्विक स्तर पर श्रेष्ठ हैं।

इसके अलावा, संस्थान ने मानव संसाधन विकास मंत्रालय (उच्चतर शिक्षा पर अखिल भारतीय सर्वेक्षण) और अतंरराष्ट्रीय प्रबंधन में प्रतिभागिता (पीआईएम) द्वारा हुए सर्वेक्षणों में भाग लिया।

प्रबंध में एफ.टी. (फाइनान्सियल टाइम्स) मास्टर्स रैंकिंग 2013

प्रबंध में मास्टर्स रैंकिंग 2013 में रैंकिंग के लिए वैश्विक रूप से समीक्षित 70 कार्यक्रमों में संस्थान अठारहवें रैंक पर रहा। नियुक्ति सफलता रैंकिंग में संस्थान के पीजीपी कार्यक्रम को तीसरा रैंकिंग मिला।

एफटी वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2014

यह संस्थान एफ़टी (फाइनान्सियल टाइम्स) वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2014 में शीर्ष 100 बी-स्कूलों में तीसवें स्थान पर रहा है। इसके अलावा, एफ़.टी. कैरियर प्रगति रैंकिंग में पीजीपीएक्स ने दूसरा स्थान प्राप्त किया है।

इकोनोमिस्ट रैंकिंग 2013

यह संस्थान इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2013 में स्थान प्राप्त करने वाला एकमात्र भारतीय व्यावसायिक-स्कूल है।

रैंकिंग के लिए 'खुले नए रोजगार अवसर' कसौटी में शीर्षस्थ दस व्यावसायिक-स्कूलों की सूची में संस्थान ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। एशिया एवं ऑस्ट्रेलिया क्षेत्रीय रैंकिंग 2013 में संस्थान को चौथा स्थान प्राप्त हुआ है तथा दी इकोनोमिस्ट पूर्णकालिक एमबीए कार्यक्रम रैंकिंग 2013 में वैश्विक रूप से पिछले वर्ष से 17 स्थान आगे बढ़कर 39वाँ स्थान प्राप्त हुआ है।

एड्युनिवर्सल सर्वोत्तम मास्टर रैंकिंग 2013

आईआईएमए के कृषि-व्यवसाय में स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी-एबीएम) ने इस क्षेत्र के लिए वैश्विक रूप से शीर्ष 50 रैंककृत कार्यक्रमों में एड्युनिवर्सल कृषि-व्यवसाय / खाद्य उद्योग प्रबंधन की सर्वोत्तम मास्टर रैंकिंग में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। एड्युनिवर्सल उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक विशेष फ्रांसीसी रेटिंग एजेंसी है।

विवरण **परिशिष्ट ठ** में दिये गये हैं।

वैश्विक भागीदारी

संस्थान ने कृषि-व्यवसाय तथा संबद्ध क्षेत्रों में विशेषज्ञता के साथ पीजीपी-एबीएम के सकारात्मक परिणामों के लिए प्रतिष्ठित विदेशी व्यावसायिक -स्कूलों के साथ शैक्षणिक भागीदारी पर ध्यान केंद्रित किया है। संस्थान ने पीजीपी-एबीएम की उपलब्ध अंतरराष्ट्रीय छात्र विनिमय सीटों में वृद्धि करने के लिए ब्रिटिश कॉलंबिया युनिवर्सिटी के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किये हैं।

विदेशी संस्थानों के साथ संलग्नता

इस वर्ष के दौरान विदेशी संस्थानों / अंतर्राष्ट्रीय एजेन्सियों के 22 उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडलों के साथ अकादमिक सहयोग के लिए सार्थक संवाद में संस्थान संलग्न रहा है। महत्त्वपूर्ण प्रतिनिधिमंडलों में निम्न शामिल थे :

- डॉ. शाद मॉरिस, सहायक प्रोफ़ेसर - प्रबंधन तथा मानव संसाधन, फ़िशर बिज़नेस कॉलेज, ओहियो स्टेट युनिवर्सिटी
- महामहिम फ़्रेडी स्वेइन, राजदूत-डेन्मार्क, नई दिल्ली
- प्रोफ़ेसर इयान वॉटसन, कार्यकारी डीन, फ़ेकल्टी-व्यवसाय, अर्थशास्त्र, तथा कानून; श्री अलीस्टेर लॉरेन्सन, अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय विकास प्रबंधक, तथा जिनेन्द्र खारा, व्यवसाय विकास प्रबंधक, क्वीन्सलैंड युनिवर्सिटी
- सुश्री तसनीम कालशेखर, सांस्कृतिक मामलों की विशेषज्ञ, अमेरिकी केन्द्र, यूएस कॉन्सुलेट जनरल, मुम्बई
- सुश्री कैरोलिन ग्वेनी-मेन्त्रे, सहायक-साइन्टिफ़िक व कॉऑपरेशन युनिवर्सिटी, फ्रांसिसी दूतावास, भारत
- डॉ. रिकार्डो फ़रेरा रेइस, सहयोगी डीन-अंतरराष्ट्रीय संबंध, कैतोलिका लिस्बन व्यवसाय एवं अर्थशास्त्र स्कूल, पुर्तगाल
- श्री अपूर्व महेन्द्रु, निदेशक, तथा सुश्री पूजा मिधा, समन्वयक, जर्मन अकादमिक विनिमय सेवा (डीएएडी)
- सुश्री एलीन पीकॉक, उपप्रमुख तथा मुख्य अधिकारी एशिया, एएसीएसबी अंतरराष्ट्रीय, सिंगापुर
- श्री ओन्नो रुल, विश्व बैंक राष्ट्रीय निदेशक; श्री सुदीप मोजुमदर, वरिष्ठ संचार अधिकारी, तथा सुश्री सुनीता मल्होत्रा, विश्व बैंक, नई दिल्ली
- डॉ. कृष शंकरन, सहयोगी निदेशक, अध्यक्ष-ज्ञान प्रतिभागिता, वैश्विक नेतृत्व फ़ैलो, विश्व आर्थिक मंच, स्विट्ज़रलैंड
- श्री माइकेल सिबर्ट, कॉन्सुलेट जनरल-जर्मनी फ़ेडरल रीपब्लिक, मुम्बई
- प्रोफ़ेसर काज़ुमी ओनुची, प्रशासनिक निदेशक, अंतरराष्ट्रीय मामले कार्यालय; डॉ. नोबुहिको हिबारा, निदेशक-अंतरराष्ट्रीय मामले; तथा रेइको सुमिदा, अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम समन्वयक, वासेदा व्यवसाय स्कूल, टोकियो
- श्री जेफ़ हॉफ़मेन, सदस्य, यूएस स्टेट विभाग तथा यूएस वाणिज्य विभाग, श्रृंखला उद्यमी
- प्रोफ़ेसर ज्योती गुप्ता, ईएससीपी यूरोप, फ़्रान्स

श्री माइकल सिबर्त, महाकांसुल, वाणिज्य दूतावास - जर्मनी संघीय गणराज्य, मुंबई, भारत

श्री जेफ़ हॉफ़मेन, सदस्य, यूएस राज्य विभाग एवं यूएस वाणिज्य विभाग, आईआईएमए छात्रों के साथ यूनाइटेड स्टेट्स से श्रेणीबद्ध उद्यमी

एचई डेनियल मान्सिनी, इटली राजदूत, नई दिल्ली, भारत

- महामहिम डेनियल मान्सिनी, राजदूत-इटली, नई दिल्ली
- प्रोफ़ेसर राजीव लाल, स्टैनली रॉथ, वरिष्ठ प्रोफ़ेसर-खुदरा बिक्री, हार्वर्ड व्यवसाय स्कूल
- सुश्री मीना ह्यूट, कार्यकारी निदेशक, हार्वर्ड दक्षिण एशिया संस्थान
- प्रोफ़ेसर जैकलिन भाभा, एफ़एक्सबी निदेशक-अनुसंधान, प्रोफ़ेसर-स्वास्थ्य एवं मानव अधिकार अभ्यास, हार्वर्ड दक्षिण एशिया संस्थान
- सुश्री नम्रता अरोड़ा, सहयोगी निदेशक, हार्वर्ड दक्षिण एशिया संस्थान
- श्री अजीत सिंह, कॉन्सुलेट जनरल-सिंगापुर गणराज्य, और श्री हिमांशु, मुम्बई
- श्री डेविड फ़्लेश्लर, जे.डी. एसोसियेट प्रोवोस्ट-अंतरराष्ट्रीय मामले, केस वेस्टर्न रिज़र्व युनिवर्सिटी, सहित श्री विनोद (विन्नी) गुप्ता, अध्यक्ष, ओहियो बोर्ड ऑफ़ रिजेंट्स, कॉलंबस, ओहियो, तथा डॉ. हेमंत कणकिया, प्रबंध निदेशक, कणकिया उद्यम, नई दिल्ली
- डॉ. ओना ओ. सोलेये, पूर्व वित्त मंत्री, नाइजीरिया।

सार्वजनिक संलग्नता और अध्ययन दौरे

संस्थान ने स्थानीय समुदाय को शामिल करने के बड़े उद्देश्य के साथ, स्कूली बच्चों के लिए एक मुक्त दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया। लगभग 600 छात्रों ने संकायों तथा एमबीए छात्रों के साथ प्रेरणादायी सफलता की कहानियों, रचनात्मकता और नवाचार के बातचीत सत्रों का लाभ लिया। बच्चों को एक परिसर टहल में परिसर के जीवन में झाँकने का एक अवसर भी मिला।

संस्थान ने फ़िशर बिज़नेस कॉलेज, ओहियो स्टेट युनिवर्सिटी से आये संकाय सदस्यों के साथ 14 छात्रों के एक समूह की मेजबानी की। इन छात्रों ने प्रोफ़ेसर सतीश देवधर, पूर्वछात्रों, तथा पीजीपीएक्स के छात्रों के साथ बातचीत की।

मुक्त दिवस पर स्कूली छात्रों से खचाखच भरा आईआईएमए का सभागार

आईआईएमए मे फ़िशर बिज़नेस कॉलेज, ओहियो स्टेट युनिवर्सिटी के छात्र

मीडिया संबंध

संस्थान नियमित रूप से बड़ी संख्या में प्रिन्ट एवं इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के व्यवसायियों के साथ अपनी पहुँच के हिस्से के रूप से जुड़ा हुआ है। यह समर्थन कई साक्षात्कारों, प्रेस ब्रीफिंगों, प्रेस सम्मेलनों एवं प्रेस विज्ञप्तियों को जारी करने के माध्यम से बढ़ाया गया है।

श्री ए. एम. नायक, अध्यक्ष, शासी मंडल, आईआईएमए तथा प्रोफ़ेसर आशीष नंदा, निदेशक, आईआईएमए संयुक्त रूप से मीडिया को संबोधित करते हुए

प्रोटोकॉल और दौरे

वर्ष 2013-14 के दौरान, संस्थान ने लगभग 4700 आगंतुकों का स्वागत किया, इनमें विदेशी नागरिक, सरकारी अधिकारी, कॉरपोरेट एवं शिक्षा क्षेत्र के वरिष्ठ अधिकारी, सशस्त्र बलों के वरिष्ठ कार्मिक, पेशेवर तथा छात्र शामिल थे।

प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय, डीन, पूर्वछात्र एवं बाह्य संबंध आईआईएमए में रक्षा सेवाओं के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित करते हुए

सहायता अनुदान

वित्तीय वर्ष 2013-14 के दौरान, इस संस्थान ने गैर-योजना (नियमित) एवं योजना (नियमित) के अंतर्गत, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार से कोई भी सहायता अनुदान प्राप्त नहीं किया।

बुनियादी ढाँचे का विकास

संस्थान में बुनियादी सुविधाओं को बढाने और उनके नवीनीकरण की एक सतत प्रक्रिया है। पिछले वर्ष, निम्नलिखित नवीनीकरण का काम किया गया :

- समतल सतह वाले एक संगोष्ठी कक्ष को 60-बैठकों वाले थियेटर प्रकार के क्लासरूम में रूपांतरित किया गया। इससे लघु अवधि पाठ्यक्रमों के क्लासरूम की आवश्यकताओं को पूरा करने में मदद मिली है।
- अलग से उपयोग में ली जा रही विश्रांतिका को एक 40-बैठकों वाले थियेटर प्रकार के क्लासरूम में रूपांतरित किया गया।
- पुस्तकालय के भूतल और प्रथम मंजिल के तल को कर्मचारियों के निश्चित स्थानों कार्यभार बैठक, पठनकक्ष, चर्चाकक्ष, तथा वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग कक्ष का पुनर्गठन करके कार्यसंचालन तथा क्षमता में वृद्धि करने हेतु नवीनीकरण किया गया।

लूई काह्न परिसर लगभग 50 वर्ष पुराना है और अब समय हो गया है कि संरक्षण गतिविधियों को अपनाया जाये। संस्थान ने अंतरराष्ट्रीय संरक्षण आर्किटैक्टों, पीटर इनस्किप तथा पीटर जेनकिन्स, लंदन को परामर्शी सेवाओं के लिए नियुक्त किया है। पीटर इनस्किप और उनके साथी कर्मचारी स्टीफन जी ने 4 से 11 जनवरी, 2014 के दौरान परिसर का दौरा किया और अपनी रिपॉर्ट प्रस्तुत की थी।

संस्थान ने सोमाया तथा कलप्पा कन्सल्टैंट्स प्रा. लिमिटेड, मुंबई को लूई काह्न भवनों के संरक्षण आर्किटैक्ट के रूप में नियुक्त किया है।

संस्थान परिसर की दीर्घकालीन योजना के लिए एक मास्टर आर्किटैक्ट की नियुक्ति प्रक्रिया अंतिम चरण में है।

कार्मिक

वर्ष 2013-14 के दौरान, नए निदेशक सहित दस संकाय सदस्यों ने इस संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया। एक संकाय सदस्य और एक कर्मचारी सदस्य ने संस्थान की सेवा से त्यागपत्र दिया। पन्द्रह स्टाफ सदस्यों ने सेवानिवृत्ति की आयु प्राप्त करने पर सेवानिवृत्त ली।

एक संकाय सदस्य को अन्यत्र कार्यभार ग्रहण करने के लिए, अनुपस्थिति की छुट्टी दी गई, जबकि दो संकाय सदस्यों ने अनुपस्थिति की छुट्टी समाप्त होने पर, पुनः संस्थान में कार्यभार ग्रहण किया।

परिशिष्ट ड9 में कर्मचारियों की संख्या का विवरण दिया गया है।

अधिकारी एवं कर्मचारी विकास गतिविधि

वर्ष के दौरान, अधिकारियों और स्टाफ सदस्यों सहित 46 कर्मचारियों को अहमदाबाद मैनेजमेंट एसोसिएशन तथा अन्य प्रशिक्षण संस्थानों द्वारा आयोजित कार्यक्रमों में हिस्सा लेने के लिए प्रायोजित किया गया। संस्थान ने विभिन्न पाठ्यक्रमों में आगे बढ़ने के लिए कई स्टाफ के सदस्यों को प्रायोजित करना जारी रखा। संस्थान ने सोसायटी में अँग्रेज़ी संचार में प्रवीणता के सृजन के लिए आंतरिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया और स्कोप द्वारा 18 कर्मचारियों ने प्रमाणपत्र प्राप्त किये। डी श्रेणी के कर्मचारियों के लिए प्राथमिक स्तर का अँग्रेज़ी (अँग्रेज़ी भाषा प्रशिक्षण) तथा अपने कर्मचारियों को सशक्त बनाएँ (पद कार्यभार तथा उत्तरदायित्व, सकारात्मक कार्य संस्कृति, आत्म-प्रेरणा) कार्यक्रम आयोजित किये और इनमें 92 कर्मचारियों ने भाग लिया था।

राजभाषा कार्यान्वयन

संस्थान पूर्णतया भारत सरकार की राजभाषा नीति के कार्यान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। इस वर्ष संस्थान ने 16 से 30 सितम्बर, 2013 के दौरान राजभाषा को बढ़ावा देने के लिए हिन्दी पखवाड़े का आयोजन किया। इस समारोह के दौरान विभिन्न प्रतियोगिताओं (हिन्दी निबंध लेखन, हिन्दी कविता पाठ, शब्द-ज्ञान, आशु-भाषण, तथा सुलेखन) का आयोजन किया गया। संस्थान के 100 से अधिक हिन्दीभाषी एवं गैर-हिन्दीभाषी कर्मचारी सदस्यों ने इन प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इस समारोह के समापन दिवस पर, प्रोफ़ेसर अजय पांडेय, डीन (कार्यक्रम) द्वारा नकद पुरस्कार तथा प्रमाणपत्र प्रदान किये गये। मुख्य प्रशासनिक अधिकारी मनोज भट्ट ने भी संस्थान के सभी सदस्यों को रोजमर्रा के कार्यकलापों में राजभाषा हिन्दी के उपयोग को बढ़ावा देने की ज़रूरत के लिए वक्तव्य दिया। विक्रम साराभाई पुस्तकालय में विभिन्न विषयों पर उपलब्ध हिन्दी पुस्तकों की एक प्रदर्शनी भी आयोजित की गई। माननीय मानव संसाधन विकास मंत्री एवं माननीय गृह मंत्री की तरफ से प्राप्त संदेशों को सभी सूचना पट्टों पर प्रदर्शित किया गया।

वर्ष के दौरान, हिन्दी में टिप्पण व प्रारूपण पर दो, तथा हिन्दी सॉफ़्टवेयर में कार्यसाधक ज्ञान पर एक-एक हिन्दी-कार्यशालाएँ आयोजित की गई, इनमें 65 कर्मचारियों ने भाग लिया। इन कार्यशालाओं में व्याख्यान

देने के लिए हिन्दी के प्रसिद्ध वक्ताओं को आमंत्रित किया गया।

वर्ष के दौरान, राजभाषा कार्यान्वयन समिति की चार बैठकें आयोजित की गई। इनमें भारत सरकार द्वारा जारी किए गए वार्षिक कार्यक्रम के कार्यान्वयन हेतु "ख" क्षेत्र के लिए निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने पर जोर दिया गया।

संस्थान की हिन्दी पत्रिका "प्रतिबिम्ब" के तृतीय अंक का प्रकाशन जनवरी 2014 में किया गया और इस अंक की प्रतियाँ सभी आईआईएम, आईआईटी, केन्द्रीय विश्वविद्यालयों, संबंधित मंत्रालयों, शासी मंडल के सदस्यों, और नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति के सभी 140 सदस्यों को भेजी गई।

राजभाषा के बेहतर कार्यान्वयन के लिए, संस्थान ने हिन्दी प्रशिक्षण संस्थान-अहमदाबाद की सहायता से प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया हुआ है, जो भारत सरकार के गृह मंत्रालय के नियंत्रण के अधीन है। वर्तमान में, 22 सदस्य इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग ले रहे हैं।

हिन्दी में रूचि रखने वाले विदेशी विनिमय छात्रों के लिए हिन्दी का एक प्राथमिक स्तर का पाठ्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें पच्चीस छात्रों ने भाग लिया, जो उनके दैनिक कार्यों में काफी उपयोगी रहा। संस्थान के रवि जे. मथाई सभागार में 10 दिसम्बर, 2013 को एक हिन्दी कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसमें अहमदाबाद के प्रसिद्ध हिन्दी कवि गण उपस्थित रहे थे।

कर्मचारी पुरस्कार / सम्मान

दो संकाय सदस्यों को और एक कर्मचारी को, 20 वर्ष की सेवा पूर्ण करने के निमित्त, इस वर्ष के दौरान पुरस्कृत किया गया। एस. हरिहरन्, लक्ष्मणजी एल. मारवाड़ी, हेमसिंग एस. राजपूत, नक्षत्रप्रसाद पासी, आर. महादेव ऐयर, एम.के. सोलंकी, कालुभाई बी. वालोदरा, एल.एम. मकवाणा, सुरेशभाई एस. पटेल, वाय. एस. राणावत, वी.पी.के. नायर, अम्बादास बी. हिवाले, मोहनभाई बी. चौहान, कनुभाई ए. मकवाणा, तथा रेणुका पी. क्रिश्चियन को संस्थान की रिकॉर्ड दीर्घ सेवा से सेवानिवृत्त होने पर, संस्थान द्वारा सुदीर्घ सेवा पुरस्कार प्रदान किया गया।

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005

सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 के अधीन, वर्ष के दौरान 115 आवेदन और 23 प्रथम अपीलें प्राप्त हुई तथा निपटाए गई।

इसके विवरण **परिशिष्ट ड** में दिये गए हैं।

छात्र गतिविधियाँ

एबेकस

एबेकस, एक मुकाबला क्लब है, इसमें सभी मात्रात्मक उत्साहियों को परिसर पर इकट्ठा कर एकसाथ लाया जाता है। यह क्लब उन छात्रों की संभाव्यता और सांख्यिकी के रूप में विषयों की मूल बातों के माध्यम से मार्गदर्शन द्वारा सहायता करता है जो पाठ्यक्रम आधारित मात्रात्मक या गाणितीय ज्ञान कम रखते हैं या उनको पूर्व ज्ञान नहीं है।

इस क्लब ने अपनी प्रमुख वार्षिक प्रतियोगिता नटक्रेकर का आयोजन किया जो एक-सप्ताह का समारोह है। इसमें श्रेष्ठ बौद्धिकता वालों के बीच अंतिम पारितोषिक के लिए कड़ा मुकाबला हुआ, जिसमें एक नई पहेली सुलझाओ प्रतिस्पर्धा रिडल-फ़िडल जुड़ी जो ऑनलाइन पाँच दिनों से अधिक समय तक चली थी।

एबेकस ने पोकर, ब्रिज एवं रुबिक्स क्यूब जैसी रूचिप्रद एप्लिकेशनों पर विभिन्न कार्यशालाओं का आयोजन किया।

व्यवसाय प्रबंधन एवं विशेषकर वित्तीय भूमिकाओं में मात्रात्मक तरीकों का उपयोग दिन-प्रति-दिन बढ़ता जा रहा है और यह इस तथ्य से रेखांकित हुआ है कि साक्षात्कारों में कम्पनियाँ पहेलियाँ रखती हैं। इस उद्देश्य के लिए, एबेकस क्लब ने टेसरऐक्ट समारोह का आयोजन किया, जिसमें क्लब ने हर दूसरे दिन पहेलियों का एक सेट ग्रीष्मकालीन नियोजन के एक महीने पहले भेजा ताकि छात्रों को अपने विश्लेषणात्मक एवं आँकड़ों के कौशलों का ज्ञान ताज़ा करने में मदद मिल सके।

पहली बार, एबेकस ने राष्ट्रीय स्तर का मुकाबला समारोह क्वेस्ट का आयोजन किया जिसमें आँकड़े विश्लेषिकी केस प्रतिस्पर्धा, पहेली प्रतिस्पर्धा, तथा वक्ता श्रेणियों सहित विभिन्न किस्मों को शामिल किया।

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए छात्र जाए उससे पहले, उन्होंने प्रथम सत्र में जो सीखा है उसे परखने की अवधारणा से एबेकस क्लब एम.एस. एक्सेल पुनरावर्तन सत्रों का आयोजन करता है।

कृषि व्यवसाय क्लब

"एक किसान यदि आशावादी नहीं है तो वह कभी किसान हो ही नहीं सकता।" - विल रोजर्स

कृषि व्यवसाय क्लब इस प्रेरणात्मक उद्धरण के प्रति ध्यान आकर्षित करता है, और हम मानते हैं कि जीवन में सकारात्मक रवैया सफलता के लिए एक सर्वाधिक आवश्यक घटक है।

पिछले वर्ष क्लब के लिए कुछ महत्त्वपूर्ण एवं शानदार उपलब्धियाँ हाँसिल हुई। स्टार्टरों के लिए, कृषि व्यवसाय क्लब की वेबसाइट (stdwww.iimahd.ernet.in/abc) जीवंत बन गई। इस क्लब ने अपनी पाक्षिक पत्रिका एबीसी बुलेटिन का भी प्रकाशन किया। वर्ष के दौरान क्लब ने दो वक्ता सत्रों का आयोजन किया : एक सत्र बीएएसआईएक्स के संस्थापक श्री विजय महाजन के साथ, और दूसरा जीन केम्पेन के संस्थापक तथा अग्रणी विज्ञानी एवं जेनेटिसिस्ट डॉ. सुमन सहाय के साथ।

इसके सिर मुकुट में एक और पंख जुड़ा वह था, एमेथॉन 2014 की कृषि व्यवसाय, खाद्य एवं ग्रामीण विकास शिखर वार्ता। इस दो-दिवसीय समारोह का उद्घाटन गुजरात के माननीय कैबिनेट मंत्री श्री भूपेन्द्र सिंह चुडासमा द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंत्री महोदय ने खाद्य, कृषिव्यवसाय एवं ग्रामीण पत्रिका हाइफन का भी विमोचन किया।

अमेथॉन 2014 में विभिन्न कृषि व्यवसायों तथा कृषि संस्थानों के 250 से अधिक प्रतिभागी उपस्थित हुए थे।

पूर्वछात्र सहभागिता कक्ष

पूर्वछात्र सहभागिता कक्ष पूर्वछात्रों और संस्थान के बीच दीर्घकालीन संबंध स्थापित करने और बनाए रखने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। इस क्लब की गतिविधियाँ और कार्यक्रम पूर्वछात्रों को संस्थान के साथ आजीवन रिश्ते बनाए रखने की दिशा में निर्देशित कर रहे हैं।

सिंक्रोनी, जो कि पूर्वछात्र कक्ष के सहयोग से आयोजित एक वार्षिक मिलन है इसके आयोजन में भारत के 11 क्षेत्रों और विश्वभर के पूर्वछात्रों का मिलन होता है। प्रत्येक सिंक्रोनी में औसतन 100 से अधिक पूर्वछात्रों और छात्रों की प्रतिभागिता रही।

पूर्वछात्र कक्ष ने दो वक्ता सत्रों का आयोजन किया :

- पहला वक्ता सत्र अमिताभ चौधरी, सीईओ, एचडीएफ़सी-लाइफ़ द्वारा "सीईओ बनने की अपनी यात्रा में अमिताभ चौधरी को आईआईएम-ए ने कैसे सहायता की" विषय पर आयोजित हुआ था।
- दूसरा वक्ता सत्र राजदीप एंडाउ, प्रबंध निदेशक, सैपिएंट इंडिया द्वारा "कैसे डिजिटल विपणन को हमेशा के लिए परिवर्तित कर रहा है' विषय पर आयोजित हुआ था।

दोनों समारोहों में छात्र समुदाय की तरफ से बड़ी संख्या में प्रतिभागिता देखी गई।

पूर्वछात्र प्रकोष्ठ ने 1973, 1989, 1993, एवं 1998 के बैचो के पूर्वछात्रों के पुनर्मिलन का आयोजन किया और पहले पीजीपी-एबीएम बैच का पुनर्मिलन समारोह शुरू हुआ। पूर्वछात्रों के परिसर के अपने पुराने दिनों को फिर से याद करने और वर्तमान छात्रों के साथ संवाद करने के लिए एक औपचारिक तथा एक अनौपचारिक पुनर्मिलन समारोह परिसर के बाहर तथा भीतर आयोजित किया गया।

नये शुरू हुए पूर्वछात्र-वर्तमान छात्र मार्गदर्शन कार्यक्रम का यह दूसरा वर्ष था। इसका उद्देश्य वर्तमान छात्रों की तुलना उन पूर्वछात्रों के साथ करना है जो समान रूचियों को साझा करते हैं, तथा इस तरह से वे वर्तमान छात्रों के मार्गदर्शक के रूप में कार्य करते हैं और सभी व्यावसायिक बातों के लिए उनका मार्गदर्शन करते हैं।

मासिक न्यूज़लेटर टाइडिंग फ़्रॉम विमवि (डब्ल्यूआईएमडब्ल्यूआई) पूर्वछात्रों को नियमित रूप से वितरित किया जाता है। संस्थान में जारी विभिन्न समारोहों के भागों को इस न्यूज़लेटर में पूर्वछात्रों के समक्ष उपलब्ध कराया जाता है। यह प्रकोष्ठ पूर्वछात्रों के बारे में समाचारों के साथ आईआईएमए आल्युम्नस के लिए भी योगदान देता है।

खेल समिति (स्पोर्ट्स समिति)

परिसर से दूर संघर्ष में जीतना एक दुर्लभ उपलब्धि है जो कि खेल समिति के अधिक ध्यान केन्द्रण तथा अभिगम समर्पण से खेल संस्कृति में अंतःक्षिप्त एक नए जोश का प्रमाण है।

इस वर्ष 32 महाविद्यालयों से आये सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों ने अंतर-महाविद्यालय खेल महोत्सव शौर्य में संस्थान का प्रतिनिधित्व किया। अहमदाबाद में आयोजित सबसे बड़े खेलों में से यह एक था। नए व पुराने

छात्रों के बीच खेला गया मैच यलगार खेल महोत्सव की शुरूआत बना, भारतीय सेंट्रल बैंक प्रायोजक इसका था जिससे समारोह बेहतर रूप से आयोजित करने में सहायता मिली थी। ये सभी तथा अन्य दोस्ताना खेल, तथा इंट्रा-आआईएम टूर्नामेंट प्रतिभा को पहचानने तथा सँवारने के लिए सहायक बने, जिससे आईआईएम बैंगलुरू में संघर्ष जीतने वाले 100 छात्रों का मजबूत दल मिला। बड़ी संख्या में शतरंज के उत्साहियों को विशाल मंच प्रदान करने के लिए एक धमाकेदार शतरंज टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। भारत के अल्ट्रा-मैरेथॉन धावक श्री अरुण भारद्वाज द्वारा एक प्रेरणात्मक सत्र आयोजित किया गया, जिसमें बड़ी तादाद में लोग उपस्थित रहे थे।

मीडिया कक्ष

मीडिया कक्ष, मेहनती एवं प्रतिभावान छात्रों द्वारा किये गये सभी अच्छे कार्यों का प्रचार सुनिश्चित करता है।

कैओस, कॉन्फ़्लुअन्स जैसे कैम्पस के महोत्सवों को बढ़ावा देने हेतु बाहरी मीडिया घरानों के साथ कार्य करने से लेकर क्लब की गतिविधियों के बारे में स्टोरी प्रकाशन तक और छात्रों द्वारा परम्परा से बाहर की गतिविधियों, सामाजिक मीडिया नेटवर्कों पर ब्रांड दृश्यता का अधिक बड़ा सृजन जैसे कार्य मीडिया कक्ष मेहनतपूर्वक करता है और समाचारों को दूर व व्यापक स्तर तक पहुँचाता है। नवागंतुक बैच के लिए स्वागत किट तैयार कराना, छात्रों के विजिटिंग कार्ड छपवाना, कई पीरियडिकल प्रकाशित करने का काम भी इस क्लब ने किया।

कई नई पहलें की गईः

- कॉन्फ़्लुअन्स के दौरान पहली बार मीडिया कॉन्क्लेव "समाचार बिक्री का व्यवसाय" विषय पर आयोजित किया गया। इसमें अग्रणी मीडिया दिग्गजों द्वारा एक पैनल चर्चा आयोजित की गई।
- फेककन्नेक्ट पहल का प्रयास किया गया था जिसमें चयनित गैर-आईआईएमए श्रोतागणों के साथ एक संकाय सदस्य ने गूगलप्लस हैंगआउट के जरिये वार्ता की। संकाय सदस्यों के साथ गैर-आईआईएमए श्रोताओं को जोड़ने का यह एक नवीन तरीका था।
- सामाजिक मीडिया मंच नियमित रूप से अद्यतन होते हैं और नवांगतुक बैचों के लिए फ़ेसबुक तथा पागलगाय पर प्रसार की गतिविधियाँ शुरू की गई।

बीटा

बीटा की मुख्य विचारधारा एक शैक्षणिक अनुशासन के साथ में कैरियर के विकल्प के रूप में वित्त में रूचि को बढ़ावा देना है।

बीटा वित्त में कैरियर लक्षित छात्रों को वित्त में कैरियर संबंधित निरंतर मार्गदर्शन एवं परामर्शन प्रदान करता है तथा भर्ती साक्षात्कार, ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप, तथा अंतिम नियुक्ति की तैयारी में सहायता करता है। डब्ल्यूओटीडी तथा दैनिक श्रृंखला का उद्देश्य छात्रों को वित्तीय अवधारणाओं की समझ एवं वित्तीय समाचारों से अद्यतन करने में सहायता करना है। बीटा पर्स्पेक्टिव के माध्यम से, उपभोक्ता के प्रारूप को आसानी से समझने के लिए द्वितीय वर्ष के छात्रों द्वारा प्रथम वर्ष के छात्रों के साथ अपने अनुभवों को साझा किया जाता है। क्लब बीटा प्राइमर तथा आरईएम सत्रों के कार्यक्रम के द्वारा कोर्पोरेट वित्त, निवेश बैंकिंग, तथा विपणन जैसे विषयों की व्यापक श्रेणी को कवर करता है और इनका आयोजन ग्रीष्मकालीन तथा अंतिम नियुक्ति सत्रों से पहले किया जाता है। क्लब ने प्रसिद्ध ब्लूमबर्ग एप्टिट्यूड कसौटी का आयोजन किया जिससे अपने वित्तीय ज्ञान के वैश्विक मानदंडों में छात्रों को सहायता मिली।

ग्रीष्मकालीन नियोजन से ठीक पहले बीटा मार्गदर्शक कार्यक्रम का आयोजन होता है। प्रत्येक प्रथम वर्ष के छात्र के लिए, द्वितीय वर्ष का बीटा सदस्य छात्र निर्धारित होता है जो मार्गदर्शन, शंका का समाधान, इंटर्नशिप साक्षात्कार की तैयारी में सहायता करता है।

कैरियर पूर्वतैयारी के मार्गदर्शन प्रदान करने के अलावा, बीटा छात्रों में वित्त में रूचि पैदा करने के लिए गतिविधियों की एक श्रृंखला आयोजित करता है। इसमें फिनोमिना वित्त शिखर सम्मेलन शामिल है जो छात्रों को वित्त जगत् में एक परिचायात्मक मंच प्रदान करते हुए इस क्षेत्र में उपलब्ध अवसरों की पहुँच के बारे में जागरूकता बढ़ाने तथा अपनी समझ से दूरी को पाटने का मंच प्रदान करता है। इस वर्ष, क्लब ने एक नये अल्गोरिदम ट्रेडिंग प्रतियोगिता एनएवी कैपिटल के सहयोग में शुरू की और आईसीआईसीआई के स्टॉकमाइंड राष्ट्रीय ट्रेडिंग चुनौती के परिसर संस्करण का आयोजन करने में सहायता की। इन प्रतियोगिताओं के अलावा, बीटा ने व्यूप्वॉइंट नाम से बजट 2013 पर आकर्षक बहस का आयोजन किया।

बीटा ने इस अकादमिक वर्ष में अनेक नयी गतिविधियों, समारोहों, तथा प्रकाशनों की शुरूआत की है। इसमें बीटा ब्लॉग शामिल है जिसमें 11,000 से अधिक लोगों ने पंजीकरण कराया और बीटा स्टालवार्ट वक्ता सत्रों की श्रृंखला शामिल है। स्टालवार्ट श्रृंखला के हिस्से के रूप में, श्री भावतोष वाजपेयी, प्रबंध निदेशक तथा बार्कले के भारतीय इक्विटीज़ के प्रमुख तथा पूर्वछात्र को "वित्त में कैरियर : मिथक और वास्तविकताएँ" विषय पर वक्तव्य के लिए आमंत्रित किया गया था। अन्य वक्ताओं में श्री पंकज डिनोडिया (सीईओ, डिनोडिया कैपिटल एड्वाइज़र्स), विस्पी बातेना (सीईओ, बीएसई ब्रोकर्स फॉरम), तथा ऐशा दे सकिएरा (कॉ-कंट्री प्रमुख, मॉर्गन स्टेनली, भारत) शामिल हैं। बीटा ने व्हाटदफ़िन नाम से एक मनोरंजन भरे नए समारोह का भी आयोजन किया जो बिंगो प्रकार के खेल प्रारूप से वित्त के सामान्य ज्ञान के प्रश्नों का संयोजन था। अंततः बीटा ने प्रथम बार व्हार्टन स्कूल के पूर्वछात्रों द्वारा संचालित एक दो-दिवसीय प्रोन्नत वित्तीय मॉडलिंग कार्यशाला का आयोजन किया।

कैओस

हमारे वार्षिक सांस्कृतिक महोत्सव कैओस-2013 का संस्करण 26 से 29 दिसम्बर, 2013 के दौरान आयोजित किया गया। सन् 1996 में शुरू हुए कैओस ने अपना पैमाना बड़ा किया है और अब प्रति वर्ष लगभग साठ हज़ार से अधिक लोग इसमें शामिल होते हैं। देश भर से लगभग 200 से अधिक स्कूलों तथा विश्वविद्यालयों के प्रतिभागियों ने इस समारोह में भाग लिया और यह भारत का सबसे बड़ा व्यवसाय स्कूल सांस्कृतिक महोत्सव है।

पिछले वर्ष, कैओस भारतीय सिनेमा के 100 वर्ष पूर्ण होने के जश्न में 'भारतीय सिनेमा को श्रद्धांजलि' विषयवस्तु के इर्दगिर्द केन्द्रित रहा और भव्य प्रदर्शन - कई बॉलीवुड फ़िल्मों में अपने संगीत के लिए प्रख्यात सलीम सुलेमान (बॉलीवुड नाइट) से लेकर डीजे अकील (डीजे नाइट), राम संपत, सोना मोहापात्र, सामंथा एड्वर्ड्स तथा सोनू कक्कड़(कॉक स्टुडियो नाइट), तथा प्रगतिशील रॉक बैंड कोशिश (रॉक नाइट) आयोजित किये गए । संगीत संध्याओं के साथ साथ, पहली बार परिसर पर 'शोहरत तक चलो' की अपनी अवधारणा के साथ फ़ेमिना मिस इंडिया 2014 भी आयोजित हुआ। गूंगा पहलवान मूवी का एक विशेष प्रसारण हुआ जिसकी कहानी हरियाणा के छोटे से गाँव की गलियों से आए तथा भारत के सबसे सफल बधिर एथलीट बनने वाले कुश्तीबाज़ वीरेन्दर सिंह और उसके सफर के इर्दगिर्द चलती है।

इस सांस्कृतिक महोत्सव में राष्ट्रीय स्तर पर व्यापक प्रसिद्ध अंतर-आईआईटी तथा आईआईएम पहेली

प्रतियोगिता निहिलान्त आईआईएम अहमदाबाद में देखा गया। इस बहुप्रशंसित प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में 16 आईआईटी तथा 13 आईआईएम में से लगभग 160 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया और इन पहेलियों के सात सैटों को पार किया।

थिएटर तथा संगीत प्रेमियों के लिए पर्याप्त अवसर थे जिसमें वे अपनी प्रतिभा दिखा सकें और श्रेष्ठ प्रदर्शनों का लुत्फ़ उठा सकें। कैओस के फ़्लेगशिप संगीत समारोह में शीर्षस्थ अर्ध व्यावसायिक बैंडों को देश भर से रॉक टाइटिल के प्रतिष्ठित ब्लीज़र्ड को जीतने के लिए लाया गया। ज़ुबरन्स द्वारा देश भर से मंच पर इकट्ठा हुई टीमों में शीर्ष नृत्य लाया गया और वह भारत में सबसे बड़े सांस्कृतिक महोत्सव के विजेता की रूप में ऊभरा। अभिव्यक्ति की खोज में सभी सीमाओं से मुक्त कला तथा पेंटिंग व फोटोग्राफी प्रदर्शनियों के माध्यम से कैओस ने इस जादूई कला पर पकड़ जमाई। तुरंत घटनाओं में नृत्य, कला तथा खेल संबंधित कई समारोह तथा कार्यशालाएँ इस चार दिवसीय महोत्सव के दौरान आयोजित किये गये।

इतिहास में पहली बार, फ़्लेगशिप समारोहों तथा कॉन्सर्टों का इंटरनेट पर जीवंत प्रसारण किया गया, जिससे लोग अपने घरों में रहकर भी सुविधाजनक रूप से कैओस का मज़ा ले सके।

कॉन्फ्लुअन्स

"उथलपुथल के दौर से गुजरना : अवसरों में बाधाएँ" थीम के अंतर्गत *कॉन्फ़्लुअन्स* में लगभग 400 से अधिक स्नातक तथा स्नातकोत्तर महाविद्यालयों से लगभग 15,000 से अधिक प्रतिभागियों की उपस्थिति दर्ज हुई। *कॉन्फ़्लुअन्स* फ़्लेगशिप व्यवसाय योजना "मास्टरप्लान" प्रतियोगिताओं, विशेष कार्यशालाओं सहित वित्त, विपणन, नीति, तथा रणनीति के क्षेत्रों में 22 प्रतियोगिताएँ शामिल करते हुए आईआईएमए संकायों, वक्ता सत्रों द्वारा संरचित प्रतियोगिता समारोह है। नयी मिसाल देते हुए यह थीम समुचित थी जिसमें क्षेत्रों तथा भूगोलों को विलीन किया गया था - वैश्विक आर्थिक उथलपुथल की विस्तृत अवधि से उबरना तथा उभरना सिखाया गया।

"वैश्विक उथलपुथल तथा भारत की कहानी" पर सत्र में वैश्विक पर्यावरण में वर्तमान उथलपुथल की चर्चा की गई, और इसमें नए अवसरों का सृजन कैसे हो सकता है उस पर चर्चाएँ हुईं। इस सत्र के लिए, इस विषय के विशेष पहलू में गहराई तक जाना ज़रूरी था - एक देश के रूप में भारत कैसे वैश्विक उतार-चढ़ाव से प्रभावित हुआ है और भारत की प्रतिक्रिया क्या होनी चाहिए। जब भारत की बात आती है तब डॉ. सी. रंगराजन, प्रधानमंत्री के आर्थिक सलाहकार परिषद के प्रमुख के तौर पर पूर्वगवर्नर के रूप में उन्हें देश के सर्वोच्च ज्ञानीजनों में से माना जाता है। श्री विनोद राय, पूर्व मुख्य महालेखापरीक्षक, ने तृतीय पक्ष के दृष्टिकोण से सरकार के संचालनों को विस्तृत रूप से देखा है, और भारत सरकार तथा भारतीय

डॉ. सी. रंगराजन

श्री विनोद राय,

डॉ. अजीत रानडे,

श्री चंदर के. बालजी

डॉ. मुकेश बत्रा

श्री आशीष हेमराजानी

श्री राहुल नार्वेकर

श्री अश्विन संघी

सुश्री अनु आगा

एयर कमोडोर राजेश इस्सर

श्री राजदीप सरदेसाई

सुश्री मधु पुरी त्रेहान

श्री परोंजोय गुहा ठाकुरता

अर्थव्यवस्था जिन व्यापक संरचनात्मक समस्याओं का सामना कर रही है उनको विस्तृत रूप से बता सकते हैं। डॉ. अजीत रानडे, भारत के सबसे बड़े कंपनी संघ में से एक आदित्य बिडला ग्रुप के मुख्य अर्थशास्त्री निजी क्षेत्र का एक दूसरा विचार लेकर आये।

उद्यमशीलता का सत्र उद्यमियों को प्रेरणा देने तथा अत्यधिक गतिशील बाजार संचालनों में कैसे कामयाब हों उस बारे में निर्णय लेने के उद्देश्य से किया गया था। इस सत्र के लिए आमंत्रित वक्ताओं में श्री चंदर के. बालजी, संस्थापक, वर्तमान अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक - रॉयल ऑर्किड होटेल्स लिमिटेड, डॉ. मुकेश बत्रा, संस्थापक एवं सीईओ - डॉ. बत्रास पोज़िटिव हैल्थ क्लिनिक, श्री आशीष हेमराजानी, संस्थापक एवं सीईओ - बीगट्री एंटरटेनमेंट, जो कंपनी बुकमायशो डॉट कॉम पॉर्टल चलाती है तथा श्री राहुल नार्वेकर, सीईओ - एनडीटीवी के नए उद्यम : एनडीटीवी एथनिक रिटेल लिमिटेड, इंडियनरूट्स डॉट कॉम, भारत के धमाकेदार ई-कॉमर्स पॉर्टल, फ़ेशनएंडयू डॉट कॉम शामिल थे। वक्ताओं में से प्रत्येक ने उद्यमकीय कहानियाँ साझा की और अपने यहाँ तक के सफर में जिन उथलपुथल राहों का सामना किया उस बारे में प्रेरित किया।

"प्रेरणा" पर सत्र के लिए, विभिन्न क्षेत्रों के उन अग्रणियों को आमंत्रित किया गया, जिन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है और अन्यों के समक्ष उदाहरण प्रस्तुत किया है। उन्होंने श्री अश्विन संघी - *चाणक्य के मंत्र* सहित तीन सर्वाधिक बिकने वाले नॉवेलों के लेखक, एक सफल व्यवसायी महिला तथा परोपकारविद् सुश्री अनु आगा - टीच फ़ॉर इंडिया की अध्यक्षा एवं थर्मेक्स की पूर्व कार्यपालक अध्यक्षा, तथा प्रतिष्ठित व माननीय एयर कमोडोर राजेश इस्सर, ऑपरेशन राहत के प्रमुख - विश्व के इतिहास में सबसे बड़े हेलिकोप्टर जनित निकासी एवं बचाव कार्य को शामिल किया था।

व्यवसाय में सामाजिक सेवा के उभरते विषय "रन एन एनजीओ तथा केम्पेन फ़ॉर ए कॉज़" जैसे समारोहों में दिखाई दिये, जिसमें प्रतिभागियों ने पूर्व में हुए एनजीओ संचालनों में सुधार के सुझाव दिये और बाद में सामाजिक समस्या पर जागृति लाने के लिए वीडियो बनाया है। कॉन्फ़्लुअन्स 2013 में पहली बार मीडिया कक्ष के साथ सहयोग करके सबसे बड़े परिवर्धनों में से एक मीडिया कॉन्क्लेव किया गया जिसमें भारत के शीर्षस्थ पत्रकार - श्री राजदीप सरदेसाई, सुश्री मधु पुरी त्रेहान, तथा श्री परोंजोय गुहा ठाकुरता - ने खरीदे हुए समाचारों के विषयों पर श्रोताओं को संबोधित किया और पत्रकारिता में स्थायी राजस्व मॉडल के बारे में बताया।

कॉन्फ़्लुअन्स 2013 का अन्य एक भाग प्रबंधन छात्र कार्यक्रम था, जो छह मुख्य प्रबंधन संचालनों - विपणन, वित्त, संचालन, रणनीति, परामर्शन तथा मानव संसाधनों के बारे में - एक तीन दिवसीय कार्यशाला की श्रृंखला थी। प्रतिभागियों को प्रबंधन सिद्धांतों तथा उसके वास्तविक जीवन में अनुप्रयोगों के अद्यतन से अवगत कराया गया।

वाक्पटुता (इलोकन्स) - सार्वजनिक वक्ता क्लब

इलोकन्स संस्थान का सार्वजनिक वक्ता क्लब है। यह क्लब छात्रों तथा आईआईएमए समुदाय दोनों के लिए खुला है। हर शनिवार सार्वजनिक वक्तव्य के उत्साहियों को सतत मंच प्रदान करने के लिए एक बैठक आयोजित की जाती है।

सितम्बर 2013 में, इस क्लब द्वारा अँग्रेज़ी व्याकरण तथा व्यक्तित्व विकास के लिए आवश्यक वक्तव्य कौशलों पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस कार्यशाला में बुनियादी अँग्रेज़ी बोलचाल कौशल उत्पन्न करने तथा सार्वजनिक रूप से बोलने में सुधार करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

फरवरी 2014 में, क्लब ने एक व्यवसाय शिष्टाचार तथा ग्राहक सम्पर्क कार्यशाला आयोजित की थी। इस कार्यशाला में ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप में कार्य के दबाव को बेहतर रूप से संभालने के लिए सुसज्ज रहने पर ध्यान केन्द्रित किया गया।

क्लब ने छात्रों के लिए बनावटी समूह चर्चा (जी.डी.) सत्रों एवं बनावटी साक्षात्कार का आयोजन किया। इस आयोजन को काफी सराहा गया था।

क्लब ने दो महिनों तक प्रयास के बच्चों के लिए अँग्रेज़ी बोलने की कक्षाओं का आयोजन किया था।

यह क्लब सक्रिय रूप से केओस, इनसाइट, तथा अमेथॉन जैसे समारोहों में सार्वजनिक वक्तव्य प्रतियोगिता तथा बहसों के आयोजन में शामिल रहा।

एंत्रे

एंत्रे परिसर में उभरते उद्यमियों के लिए एक मंच है।

नियुक्ति टीम के सहयोग में, एंत्रे ने एंत्र मेला 2013 का सफल आयोजन किया जिसमें रूचि लेनेवाले छात्रों के समक्ष अपने प्रोफ़ाइल रखने वाले 20 स्टार्ट-अप देखे गये। इस वर्ष, हमने इसकी पहुँच महाविद्यालयों / विश्वविद्यालयों के छात्रों तक बढ़ाई है। इसका वेबकास्ट 10,000 से अधिक छात्रों तक किया गया।

नए अवसरों तक सीमित न रहकर, एंत्रे ने प्रकृति चैरिटेबल सोसायटी, गुजरात स्थित एनजीओ के साथ मिलकर करार किया जो छात्रों को उनके सिलाई व्यवसाय में नये विस्तार पर कार्य करने के अवसर प्रदान करता है।

बकर सत्र, विशेष क्षेत्रों में सलाह एवं मार्गदर्शन चाहने वाले उद्यमियों के लाभ हेतु एक क्षेत्र विशेष मार्गदर्शन कार्यक्रम का आयोजन बार-बार किया जाता है।

मास्टरप्लान 2013 एक बार फिर से सफल रहा जिसमें देश भर तथा विदेशों से 200 से अधिक महाविद्यालयों से 600 से अधिक व्यवसाय योजना की प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई। वर्ष के अंत में आईआईएम मैवरिक्स, दो वर्ष तक समर्थन प्राप्त करते हुए उद्यमशील जगत् में उद्यम शुरू करने के लिए पाँच छात्रों का चयन करके सीआईआईई के सहयोग से उभरते उद्यमियों के लिए एक छात्रवृत्ति कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

उद्योग सहभागिता मंच (एफ़आईआई)

उद्योग सहभागिता मंच (एफ आई आई) आईएसओ 9001-2008 प्रमाणित छात्र परामर्शन निकाय है। सबसे पुराने छात्र संगठन के रूप में, एफ आई आई ने अपने अस्तित्व के कई वर्षों से अधिक छात्रों एवं उद्योग के बीच एक सफल सहभागिता की सुविधा में मदद की है। एफ़आईआई ने निरंतर रूप से बहुउद्यमी एवं बहुव्यावसायिक कार्यों वाली कम्पनियों में प्रभावी एवं व्यावहारिक समाधान दिये हैं।

यह वर्ष एफ़आईआई के लिए विभिन्न अंतरराष्ट्रीय एवं राष्ट्रीय कम्पनियों जैसे कि, जीई, फ़िनआईक्यू, गुजरात तकनीकी शिक्षा, सिंजेंटा तथा राष्ट्रीय नवाचार फ़ाउंडेशन के साथ सेवा दे रही टीमों के लिए अभूतपूर्व रहा। सरकारी संस्थानों जैसे कि, शिक्षा विभाग-गुजरात, तथा रियल एस्टेट कंपनियों जैसे कि ललित हीरानंदानी तक के विविध क्षेत्रों से परियोजनाएँ एफ़आईआई को मिली। इस वर्ष 26 कंपनियों के लिए 14 लाख रूपए से अधिक के सर्वाधिक शुल्क एकत्रीकरण के साथ कुल 43 परियोजनाएँ पूर्ण हुई। इससे न केवल बड़ी संख्या में ऊभरते प्रबंधकों को जीवंत परामर्श कार्य पर काम करने का अवसर मिला, बल्कि यह भी सुनिश्चित हुआ कि उपयोग का स्तर अच्छा रहा।

कई नयी पहलें इस कोर टीम द्वारा शुरू की गई जिससे यह सुनिश्चित किया जा सके कि प्रक्रियाएँ सुव्यवस्थित चल रही हैं और कुशल तरीके से परियोजना गतिविधियों को अंजाम दिया जा रहा है। इस वर्ष परियोजना प्रबंधन पॉर्टल का विकास शुरू किया गया और पूर्ण कर दिया गया। एफ़आईआई की उपलब्धियों के सिर मुकुट में इससे एक और पंख जुड़ गया और एफ़आईआई परियोजनाओं में सूचना प्रौद्योगिकी के परिवर्तन में क्षमता आई। जनवरी 2014 में आईएसओ प्रमाणीकरण प्रक्रिया प्रारंभ की गई और अंतिम लेखापरीक्षा की गई। फलस्वरूप आईएसओ 9001-2008 प्रमाणपत्र फरवरी 2014 में जारी किया गया।

एक केस लेखन प्रतियोगिता को अच्छे से सराहा गया था। उत्कृष्ट टीमों को पुरस्कृत करने के लिए 31 जनवरी, 2014 को अंतिम पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह को श्री मिलिंद कुलकर्णी, प्रबंध निदेशक-फ़िनआईक्यू परामर्शन, तथा तकनीकी शिक्षा विभाग-गुजरात से शीर्षस्थ उच्चाधिकारी गण ने उपस्थित रहकर शोभायमान किया था। इस वर्ष पुरस्कार राशि को परिवर्तित करते हुए शीर्ष पाँच टीमों को क्रमशः 1 लाख रूपए, 90,000 रू., 80,000 रू., 70,000 रू., तथा 60,000 रू. किया गया। इन टीमों के अलावा, 6 से 10 क्रमांक पर रही टीमों को प्रत्येक को 30,000 रू. दिये गए और 11 से 25 क्रमांक पर रही टीमों को प्रत्येक को 20,000 रू. से पुरस्कृत किया गया। केस लेखन प्रतियोगिता में प्रथम तीन स्थानों पर रहने वाले विजेताओं ने क्रमशः 55,000 रू., 40,000 तथा 25,000 रू. प्राप्त किये।

कौशल (फिनेस)

संस्थान में छात्रावास की अद्वितीय संस्कृति और संबंधों को बनाए रखने के लिए फिनेस क्लब ने छात्रावास जंग 2.0 (वॉर ऑफ़ डॉर्म्स 2.0) का आयोजन किया। यह प्रतियोगिता छात्रों को उनकी आज यहाँ उपस्थिती को प्रदर्शित करने के एक अवसर के रूप में आयोजित की गई थी। इसके लिए छात्रावास को उत्तम तरीके से प्रतिनिधित्व करते हुए एक मास्कॉट के साथ उपस्थित होना था।

दो चरणों में छात्रावासों को मूल्यांकित किया गया था जिसमें एक था विशेषज्ञ की राय और दूसरा था सार्वजनिक अनुमोदन। इस चरण से शीर्ष तीन प्रविष्टियाँ चरण 2 - ऑनलाइन दौर के लिए अर्हता प्राप्त हुई थी। छात्रावासों को अपने पदों का सार्वजनिक प्रचार करना था और पसंद (लाइक) की सर्वाधिक संख्या जुटानी थी। छात्रावास 1 (वनडेरगाल्ज़) ने वंडर वीमेन तथा छात्रावास 2 ने (टू टु टैंगो) ड्रंकिंग डेमसेल्स चुना था इन दोनों के बीच आखिरी क्षण तक अपने मास्कॉट पोस्टर के प्रचार में कड़ी स्पर्धा हुई और अपनी खोज को पूर्ण करने सब इकट्ठा हुए। दोनों दौर के अंकों के आधार पर, केवल एक दशमलव बिंदु के फर्क के कारण छात्रावास 1 तथा छात्रावास 2 को संयुक्त रूप से छात्रावास जंग 2.0 के विजेता घोषित किया गया।

19 सितम्बर, 2013 को, फ़िनेस क्लब ने एक ओरिगामी कार्यशाला का आयोजन किया था। अरविंद मड्डीरेड्डी के नेतृत्व में फ़िनेस टीम के साथ प्रतिभागियों को ओरिगामी का अभ्यास कराया गया। यह इवेंट रॉबर्ट लैंग के द मैथ एंड मैजिक ऑफ़ ओरिगामी के टेड वीडियो से शुरू किया गया जिसमें इतने वर्षों

के बाद कैसे ओरिगामी ने प्रगति की इस बारे में स्पष्टता की गई थी, जो कि सेटेलाइट के डिज़ाइन भी कागज के मोड़ पर सफलता पूर्वक बना सकते हैं ऐसी अवधारणा बता रहे थे। (दिलचस्प वीडियो है, ज़रूर देखें)। बाद में अरविंद ने विस्तार से प्रतिभागियों को ज्यामितिय आधार पर ओरिगामी डिज़ाइन बनाना बताया। कार्यशाला के दौरान शुरू में लोगों के चेहरे पर उत्साहित मुस्कान देखी गई।

सितम्बर में, फ़िनेस ने प्रयास के कक्षा 8 से 10 तक के छात्रों के लिए कढ़ाई कार्यशाला का आयोजन किया था। प्रयास के छात्रों ने उत्साह से अपने कढ़ाई काम को सुंदरता व सादगी से किया। फ़िनेस टीम के लिए प्रयास के बच्चों को सिखाना और उनके साथ काम करना एक बड़ा अच्छा अनुभव रहा।

जेनेसिस : प्रौद्योगिकी एवं प्रणाली क्लब

जेनेसिस प्रौद्योगिकी के ऊभरते रूझानों के प्रति प्रदर्शन उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखता है। भविष्य के प्रबंधकों तथा उद्योग के बीच संचार का एक मंच उपलब्ध कराते हुए जेनेसिस प्रौद्योगिकी में अद्यतन रूझानों को लेकर न्यूज़लेटर प्रकाशित करता है। जेनेसिस प्रतिभागियों की सहायता करने के लिए अंतर्दृष्टि पाने हेतु आईटी क्षेत्र की प्रमुख हस्तियों की वार्ता का भी आयोजन करता है। पिछले वर्ष इस क्लब ने सीईबी इंडिया के सीईओ को आईटी उद्योग में रूझानों पर वार्ता के लिए आमंत्रित किया था।

जेनेसिस पीजीपीएक्स छात्रों के साथ फलदायक सहभागिता के आयोजन पर कार्य करता है। अतीत में इस क्लब ने केस अध्ययन प्रतियोगिताएँ आयोजित की हैं। इन प्रतियोगिताओं से प्रतिभागियों को प्रणाली संचालनों में चुनौतियों को समझने में मदद मिलती है और भविष्य में ऐसी स्थितियों को संभालने के लिए सक्षम बनाया जाता है। जेनेसिस बिज़ टैक क्विज़ तथा ऑनलाइन पिकटोनिक क्विज़ का आयोजन शौकीन उत्साहियों के लिए करता है। यह क्लब छात्रों के लिए प्रबंधकीय गणना के उपचारात्मक सत्रों का आयोजन भी ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप से पहले करता है।

पिछले वर्ष इस क्लब ने जेनेसिस-प्रौद्योगिकी ब्लॉग शुरू किया था। इसमें प्रौद्योगिकी क्षेत्र में अद्यतन प्रौद्योगिकीय तथा वर्तमान रूझानों को शामिल किया जाता है। जेनेसिस फ़ेसबुक पेज के जरिये प्रौद्योगिकी में हुए दैनिक परिवर्तनों को भी साझा करता है।

प्रयास

प्रयास की शुरूआत ऐसी दृष्टि से की गई थी कि इसमें अनुपूरक शिक्षा उपलब्ध कराते हुए वंचित बच्चों की सहायता की जाए।

जॉय ऑफ गिविंग सप्ताह के दौरान, निम्नलिखित गतिविधियाँ आयोजित की गई थीं :

- वंचितों की लिए दौड़
- पेंटिंग प्रदर्शिनी / प्रतियोगिता
- विदेशी विनिमय के छात्रों से प्रयास की मुलाकात : विनिमय में आए विदेशी छात्रों ने प्रयास के बच्चों के साथ सहभागिता की और प्रयास के सदस्यों से वार्ता भी की जो पुराने अहमदाबाद में एक सफर कराएंगे।
- आशा साझा करना : अहमदाबाद की गलियों में रहने वाले बच्चे प्रयास के बच्चों और प्रयास के सदस्यों के साथ जोड़े जाएंगे, जिससे उन्हें परिसर की अंतर्क्रिया से शिक्षा की महत्ता को समझाया जा सके।

- आईआईएमए में एक दिन : 20 एनजीओ प्रतिनिधियों ने, 20 समुदाय के सदस्यों ने (वंचित, विकलांग, आदि), तथा बाहरी समुदाय से 20 सदस्यों (जिन्होंने जॉय ऑफ़ गिविंग सप्ताह के दौरान सेवा करने की प्रतिज्ञा ली और प्रयास को इसके सबूत दे सके) को आईआईएमए के इन अनुभवों : कक्षाएँ, बनावटी प्रश्नोत्तरी, मध्याह्न भोजन तथा रात्रि भोजन, थोड़ी बनावटी क्लब सहभागिता, तथा परिसर पर एक टहल के लिए लाया जाएगा। 1-2 प्रतिभागियों को इस टहल के दौरान मार्गदर्शक के तौर पर एक स्वयंसेवक को जिम्मेदारी दी जाएगी।
- अभिलाषा वृक्ष (विश ट्री) : "अभिलाषाओं" के पत्तों को एक पेड़ पर चिपकाकर उन्हें पूरा करने की अपनी जिम्मेदारी प्रयास जारी रखेगा (प्रयास के बच्चों को जिन चीज़ों से लाभ हो उनकी अभिलाषा) जो कि शॉपिंग मॉल (अल्फा वन, गुलमोहर मॉल) पर प्रदर्शित किया गया। प्रयास टीम के सदस्य लोगों को इसके महत्त्व को समझाने तथा एक पत्ता चुनकर माँग परिपूर्ण करने के लिए प्रोत्साहित करेंगे।
- सुरभि : एक सांस्कृतिक प्रदर्शन (संगीत क्लब/फ़्लूटलूज़/आईआईएमएक्ट्स में से एक या अधिक के द्वारा) है जिसमें मामूली शुल्क का भुगतान किया जाता है।

आर्ट मेले में, परिसर के बाहर से आए कई वंचित बच्चों ने प्रयास के बच्चों के साथ भाग लिया।

शिक्षा का अधिकार (आरटीई) केन्द्र

छात्रों ने शिक्षा अधिकार के अधिनियम के बारे में पाँच वर्ष तक के बच्चों के माता-पिताओं को इसकी जानकारी देने के लिए अहमदाबाद की विभिन्न बस्तियों का दौरा किया, प्रपत्रों को भरने में सहायता की तथा स्कूलों में दाखिले दिलाने के लिए कठोर मानक वाले स्कूलों में जाकर बहस भी की।

यह केन्द्र वर्ष 2013 में ज़रूरतमंद छात्रों के माता-पिताओं की आवेदन पूर्ण करने तथा जमा करने में प्रक्रियात्मक कठिनाइयों से निपटने में सहायता करने के लिए स्थापित किया था। इस वर्ष, केन्द्र ने 800 दाखिले कराने का सफल प्रबंध किया है तथा और भी अधिक कराने की प्रक्रिया जारी है। जिला शिक्षा कार्यालय द्वारा अभी तक प्राप्त 1392 आवेदनों में से यह केन्द्र 1200 आवेदनों के लिए जिम्मेदार है।

इनके अलावा, नियमित अंतराल पर आयोजित की जाने वाली गतिविधियाँ निम्नानुसार हैं :

- विनिमय के विदेशी छात्रों तथा बच्चों के मध्य एक फोटोग्राफी, खेल तथा सहभागिता सत्र।
- स्वतंत्रता दिवस तथा कैओस के दौरान बच्चों का स्व-निर्देशित नृत्य।
- बच्चों के लिए मूवी का प्रसारण।
- इनसाइट के दौरान परिसर पर भ्रमण।
- सप्ताहांत में फुटबॉल के सत्र।
- प्रयास के बच्चों द्वारा अन्य एनजीओ के साथ वस्त्रापुर झील पर नृत्य प्रदर्शन।
- प्रयास के बच्चों की यूएस पिज़ा पिकनिक।

आईआईएम अहमदाबाद सांस्कृतिक एवं नाट्य सोसायटी (आईआईएमऐक्ट्स)

आईआईएम ऐक्ट्स ने मनोरंजक नाटक "शीट हैपन्स" के साथ शुरूआत की जो जुलाई 2013 में दर्शाया गया, जैसे ही पीजीपी गोल्डन जुबली बैच ने परिसर में स्थायित्व महसूस किया। इसे बड़ी सफलता मिली थी और जिस तरह से नाटक को नवीन तरीके से प्रस्तुत किया गया उसे भरपूर सराहना मिली थी।

उसके बाद अगस्त 2013 में प्रदर्शित "द कर्वबॉल्स", जो विनोदी अँग्रेज़ी रेखाचित्रों को जोड़कर बनाया गया था। श्रोताओं को काफी हँसाया गया।

पहली बार संकायों द्वारा आल इज़ वेल नाटक 5 सितम्बर, 2013 को शिक्षक दिवस के अवसर पर प्रदर्शित

किया गया। आईआईएमए के संकायों तथा छात्रों का यह सहयोगात्मक कार्य था, और आईआईएमए समुदाय ने इसमें बड़ी संख्या में उपस्थिति दर्ज कराई थी।

जिसकी काफी प्रतीक्षा की जा रही थी तुझसे नाराज़ नहीं ज़िंदगी का प्रदर्शन संकायों के नाटक के दो-चार दिनों के बाद ही किया गया था। यह वर्ष का पहला हिन्दी नाटक था और श्रोताओं द्वारा अच्छी सराहना मिली थी।

नवांगतुक टीम द्वारा भाईसाहब किधर नुक्कड़ नाटक आयोजित किया गया था। नुक्कड़ नाटक में श्रोताओं को कहा गया था कि क्या हमें योग्य लोगों द्वारा नेतृत्व के तहत संचालित किया जा रहा है? व्यक्तिगत तथा सामाजिक स्तरों पर वर्तमान समय में जीवन में रूझानों तथा प्राथमिकताओं को शामिल करते हुए प्रश्न इसमें किये गये थे। इसी नुक्कड़ नाटक ने कैओस 2013 में दूसरा पुरस्कार जीता और आईआईटी गाँधीनगर के ब्लिटक्रोन 2013 में प्रथम पुरस्कार जीता था।

आईआईएम ऐक्ट्स भारत के सबसे बड़े नुक्कड नाटक महोत्सव मंथन को परिसर में लाया। यह दिल्ली विश्वविद्यालय के शहीद सुखदेव महाविद्यालय के व्यवसाय अध्ययनों की नाटक मंडली की प्रसिद्ध पहल है। गुजरात स्थित एक नाटक समूह छाप ने मंथन 2014 के गुजरात चैप्टर के लिए नशा-धारा 302 नुक्कड़ नाटक प्रदर्शित किया था।

वर्ष का आखिरी मंचन ढाई आखर प्रेम के था। इस नाटक में दर्शकों के समक्ष प्यार के विभिन्न रंगों को प्रस्तुत किया गया। हमारे जीवन में प्यार जो अनुभव हम पर छोड़ जाता है उसके भावों के सुंदर प्रदर्शन के लिए इसकी काफी सराहना की गई थी।

आईआईएम ऐक्ट्स ने वर्षांत में लघु फ़िल्म "धुलाई के साइड़ इफ़ैक्ट्स" प्रदर्शित की थी जो हिन्दी फ़िल्म चश्मे बद्दूर के लिए एक श्रद्धांजलि थी। परिसर के जीवन से प्रासंगिकता बताते हुए प्रसिद्ध चमको फ़िल्म के दृश्यों पर गुदगुदी करती हुई आईआईएमऐक्ट्स द्वारा प्रदर्शित यह एक मनोरंजक रचना थी।

अन्तर्दृष्टि (इनसाइट)

सन् 1986 में शुरू हुआ अन्तर्दृष्टि (इनसाइट) संस्थान का सबसे पुराना महोत्सव है। मूल रूप से विपणन अनुसंधान महोत्सव के रूप में कल्पित इसमें छात्र विपणन अनुसंधान पर कार्य करते हैं, जो अब विपणन सम्मेलन में तबदिल हो गया है और देश भर से आए छात्रों के लिए विपणन प्रतियोगिताओं जैसे इवेंट करता है, देश में श्रेष्ठ वक्तव्य सत्र आयोजित करता है, और विपणन उत्साहियों के लिए कार्यशालाएँ और अद्वितीय ग्रेट अहमदाबाद मेला जो कि प्रच्छन्न विपणन अनुसंधान के लिए एक मंच है उसका भी आयोजिन करता है।

स्वदेशफ़ॉरयू तथा म्यूज़िक टू गो जैसी नयी प्रतियोगिताओं के साथ, सात विविध विपणन प्रतियोगिताएँ आयोजित की गई थी जिसमें देशभर के बी-स्कूलों से आए छात्रों ने कड़ा मुकाबला किया। लगभग 600 से अधिक छात्रों ने ए/सी नीलसन से विपणन अनुसंधान जैसी कार्यशालाओं में भाग लिया और लोवे लिन्तास द्वारा ब्रांड निर्माण कार्यशाला आयोजित की गई थी।

वक्ता सत्रों में विद्वान वक्ताओं ने अपनी अद्भुत अंतर्दृष्टि से प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इनमें कुछ प्रतिभावान वक्ता जैसे कि, हर्षा भोगले, अलान विलकिन्स, धवल उदाणी, सीईओ-गिवइंडिया, सौमिल मजूमदार - एजु-स्पॉर्ट्स के सहसंस्थापक, संजय मेहता - सोशियल वेवलेन्थ के संस्थापक, देवदर्शन चक्रवर्ती - परफेक्ट रिलेशन्स के रणनीति तथा योजना के निदेशक, तथा दीपा एम थॉमस - ईबे इंडिया के ई-वाणिज्य में शुभ प्रचारक शामिल थे।

द ग्रेट अहमदाबाद मेला प्रच्छन्न बाजार अनुसंधान के लिए एक मंच के रूप में बना रहा जिसे बहुत बड़ी सफलता मिली। दो दिनों तक, सभी आयु वर्ग के लगभग 9000 से अधिक लोगों ने इसमें भाग लिया। कैम्पस वॉक में सैंकड़ो लोग आकर्षित हुए,जिसमें संस्थान के इतिहास, स्थापत्य, व संस्कृति को प्रदर्शित किया गया। वहीं आगंतुकों ने इस उत्सव का पूरा आनंद लिया, तथा परियोजना टीमें अविश्वसनीय अंतर्दृष्टि को प्राप्त करने में सहायक ऐसे अपने प्रच्छन्न सर्वेक्षणों के लिए रोमांचित थी।

साहित्य संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी)

साहित्य संगोष्ठी डेस्क (एलएसडी) वर्ष भर बहुरूपदर्शक समारोहों का आयोजन करता रहा।

वर्ग 2013 के लिए वर्ष की शुरूआत आईआईएमए की वार्षिक पुस्तक की डिज़ाइनिंग और संकलन के साथ हुई। वर्ग 2013 के लिए आने वाले वर्षों में ऐसे सुंदर संस्मरण अंत तक यादगार बने रहेंगे ।

ग्रीष्मकाल के बाद, एलएसडी को परिसर में नवागंतुक छात्रों के आने से नया जोश मिला। एलएसडी ने नवागंतुक छात्रों के स्वागत सत्कार के रूप में, विशेष फच्चा (नवांगतुक छात्र) साहित्यिक संस्कृति लिट वीक (साहित्य सप्ताह) के साथ शुरूआत की। इस विशेष सप्ताह के दौरान, प्रश्नोत्तरी, लेखन, शब्दखेल, वादविवाद, विनोद वक्तव्य, अंताक्षरी तथा साहित्य समारोहों के अन्य रूप आयोजित किये। इससे एलएसडी को नयी प्रतिभाओं को पहचानने में सहायता मिली और साहित्यिक गतिविधियों के लिए बैच के उत्साह का मापन भी हो गया।

एलएसडी ने सफलता पूर्वक छात्र-संकाय वाद-विवाद के दूसरे संस्करण का आयोजन किया, जिसमें दो संकायों प्रोफ़ेसर अजय पांडेय तथा प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन के खिलाफ बहस के लिए दो प्रतिभावान साथी छात्रों ने भाग लिया। आईआईएमए समुदाय द्वारा इस वाद-विवाद को काफी सराहा गया था।

एलएसडी के सदस्यों ने अहमदाबाद में तथा इर्दगिर्द के इलाकों में विभिन्न अंतरकॉलेज मुक्त प्रश्नोत्तरी तथा साहित्यिक प्रतियोगिताओं में भाग लिया। इसमें निरमा युनिवर्सिटी, डीए-आईआईसीटी, जीएनएलयू, पीडीपीयू, तथा अन्य संस्थानों द्वारा आयोजित लगभग सभी प्रश्नोत्तरी में एलएसडी ने विशेष रूप से शीर्ष तीन में अपना प्रभुत्व बनाये रखा।

एलएसडी की सबसे बड़ी व महत्त्वपूर्ण उपलब्धि निहिलान्त की मेजबानी करना थी जो कैओस के सहयोग में अंतरआईआईटी-आईआईएम प्रश्नोत्तरी महोत्सव है। इस वर्ष टूर्नामेंट में दूसरे स्थान पर रहकर संस्थान ने पिछले पाँच वर्षों के लिए शीर्ष दो में अपना स्थान बनाए रखने का रिकॉर्ड बरकरार रखा।

मैड क्लब - मूवी क्लब

मूवी ऑल डे (पूरा दिन मूवी देखना) क्लब सभी चलचित्र मीडिया मनोरंजन के लिए एक सामूहिक स्रोत है। यह क्लब समकालीन सिनेमा के बारे में सार्वजनिक बहस को समन्वित करते हुए फ़िल्म रसिकों की

क्षुधा तृप्ति के लिए फ़िल्म तथा दस्तावेज़ी चलचित्रों का प्रसारण तथा कार्यशालाओं, प्रश्नोत्तरी का आयोजन करता है।

क्लब ने लक्ष्मी फ़िल्म के प्रसारण से शुरूआत की उसके बाद इस फ़िल्म के प्रतिभावान एवं प्रसिद्ध निर्माता श्री नागेश कुकुनूर के साथ मुक्त चर्चा हुई। वास्तविक जीवन की नायिका लक्ष्मी के परिचय के साथ जीवंत संवाद भी हुआ और समाजिक बुराइयों से उसकी लड़ाई से परिचित हुए।

दूसरा एक सफल प्रसारण था, कॉल कर्स फ़िल्म, जो ग्रीनपीस के सहयोग में परंजोय गुहा ठाकुरता द्वारा बनाई एक दस्तावेज़ी फ़िल्म थी। देश भर में कोयला खदानों में काम करने वाले लोगों की यातनाएँ, दुःख, तथा शोषण इस फ़िल्म में उजागर किये गये हैं।

क्लब ने रियो ऑलिम्पिक्स 2016 में अपना स्थान बनाने वाले तथा भारत के सर्वाधिक सफल बधिर एथलीट पहलवान वीरेन्दर सिंह पर बनी फ़िल्म गूँगा पहलवान का प्रसारण किया। पूरे भारत में प्रसारित होने से पहले क्लब ने फरवरी 2014 में निशा कुमारी पाहुजा द्वारा बनी फ़िल्म द वर्ल्ड बीफ़ॉर हर का प्रसारण किया, उसके बाद भारतीय समाज में महिलाओं की भूमिका पर निदेशक के साथ सार्थक चर्चा हुई।

क्लब ने आईआईएमए समुदाय के लिए मार्च में एक मूवी प्रश्नोत्तरी का भी आयोजन किया और नियमित फ़िल्म प्रसारण के अलावा एक ऑनलाइन ऑस्कर पूर्वानुमान (भविष्यवाणी) इवेंट का भी आयोजन किया। क्लब ने यश बैंक की सीएसआर शाखा के साथ सहयोग करके मूवी निर्माण पर एक कार्यशाला आयोजित की। इस सत्र में लोगों को फ़िल्म निर्माण की बुनियादी तकनीकें समझाई गई, जिससे एक प्रभावपूर्ण कहानी प्रदर्शित की जा सकती है।

भोजनालय समिति

भोजनालय समिति का लक्ष्य छात्र समुदाय को उत्तम संभव विविधता के साथ अच्छी गुणवत्ता का भोजन उपलब्ध कराना है। समिति नए इन विक्रेताओं से परिचय कराने में सफल रही है : चाय की टपरी, एक स्थानीय चायवाला, तथा राधिका - दक्षिण भारतीय भोजन की दुकान।समिति ने हार्वर्ड रात्रिभोज, नियुक्ति पार्टी रात्रिभोज, शिक्षक दिवस रात्रिभोज, तथा दो बैचों के रात्रिभोज का आयोजन किया। समिति यह सुनिश्चित करतीहै कि परिसर के खान-पान के सभी ठिकानों पर स्वास्थ्यप्रद भोजन परोसा जाता है और उनके मूल्यों पर नियंत्रण रखता है। खान-पान की एक व्यापक श्रेणी उपलब्ध कराने के प्रति निरंतर ध्यान केन्द्रित करते हुए दुग्ध उत्पादों के लिए अमूल आउटलेट भी खोला गया।

क्लब ने भोजन शिष्टाचार कार्यशाला का आयोजन करने के लिए एक कॉरपोरेट शिष्टाचार विशेषज्ञ को आमंत्रित किया था।

संगीत क्लब

संगीत क्लब अक्सर तनावग्रस्त रहने वाले छात्रों के मन को बहलाने व उनको जीवंत एहसास कराने के लिए है। क्लब द्वारा आयोजित होने वाले प्रत्येक शो की प्रतीक्षा उत्साह पूर्वक की जाती है।

परिसर में छात्रों का स्वागत करने की बड़ी आकंक्षाओं के साथ वर्ष की शुरूआत हुई। इसके बाद टी-नाइट का डे-वन शो था। अद्‌भुत टी-नाइट का प्रदर्शन देर तक जमावट के साथ चलता रहा।

उसके बाद था ध्वनिनाद का संगीतमय कार्यक्रम यूफोनी जिसने प्रदर्शन की सारी सीमाएँ लाँघ दी।

संगीत क्लब ने जॉय ऑफ़ गिविंग सप्ताह में भी कौशल प्रदर्शन किया। इस शो में श्रोताओं द्वारा और भी प्रदर्शन करने की माँग होती रही।

जब 2012-14 बैच परिसर छोड़ रहा था तब क्लब ने विदाई उनकी के लिए टुच्चा विदाई का आयोजन

किया था जिसमें पीजीपी-2 के छात्रों ने खचाखच भरे आर जे एम सभागार में अपना आखिरी संगीत सुनाया था।

क्लब ने पीजीपी-2 के छात्र व क्लब सदस्य भूषण घचाके के साथ लिमका रिकॉर्ड के लिए इक ही सत्र में सर्वाधिक लंबे समय तक ड्रम बजाने के अपने प्रयास में प्रदर्शन करने पर स्वैच्छिक सेवाएँ दी। भूषण ने सी.टी. में 30 घंटे तक लगातार वाद्य बजाया था। इस समय के दौरान बाकी के संगीत वाद्यों पर क्लब के सदस्यों ने साथ निभाया था।

क्लब को कैओस, शिक्षक दिवस, हार्ले डेविडसन शो, संस्थान दिवस, स्वतंत्रता दिवस, पूर्वछात्र पुनर्मिलन, तथा विभागीय सम्मेलनों जैसे समारोहों में प्रदर्शन के लिए आमंत्रित किया गया था।

निशे

हर वर्ष की भाँति, निशे ने प्रारम्भ ब्रांड प्रश्नोत्तरी के साथ नवागंतुक बैच का स्वागत किया। इस समारोह में काफी उत्साह के साथ लोग आए। टीम इनसाइट के साथ सहयोग करके, निशे ने एक अखिल भारतीय विज्ञापन निर्माण प्रतियोगिता का आयोजन किया जिसमें देश भर से लगभग 40 बी-स्कूलों के विपणनकर्ता खींचे चले आए थे। काल्पनिक उत्पादों के लिए सृजनात्मक विज्ञापनों के साथ टीमें आईं थीं। इसके उपरांत, अपने उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए भी उन्हें कहा गया।

विभिन्न विषयों पर चर्चा सत्रों की एक श्रृंखला का आयोजन किया गया जिसमें बढ़चढ़कर लोगों ने भाग लिया। कैरियर के रूप में विपणन सत्र में नवागंतुक छात्रों को एक विपणनकार के जीवन की आवश्यक जानकारी दी गई। निशे ने विपणन क्षमता में छात्रों को मार्गदर्शन कार्यक्रमों की सहायता देना जारी रखा। अकादमिक वर्ष के अंत में, निशे ने विज्ञापन आधारित प्रश्नोत्तरी इवेंट एड-मैड शो का आयोजन किया, जिसे उम्मीद के अनुसार काफी सराहा गया।

नियुक्ति सत्र के दौरान निशे काफी सक्रिय रहा। निशे ने छात्रों को सभी सर्वोत्कृष्ट विपणन फंडाओं के साथ अच्छे से तैयार किया। ऑगिल्वी एंड माथर से आए श्री दीपक गोपालकृष्णन द्वारा डिजिटल विपणन पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। निशे ने पहली बार, साहित्य समिति के सहयोग से विपणन क्षेत्र के लिए आसान सुविधायुक्त डाटाबेस का निर्माण किया।

ऑप्टिमा : ऑपरेशन्स क्लब (संचालन क्लब)

ऑपरेशन्स क्लब की स्थापना वर्ष 2013-14 में अधिक अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए बाहरी वातावरण के साथ संचालन प्रबंधन तथा सहभागिता के क्षेत्र में ज्ञान प्राप्ति की सुविधा का मंच प्रदान करने के लिए की गई थी।

पहले कदम के तौर पर, क्लब के प्रस्ताव तथा प्रस्तावित गतिविधियों की एक रूपरेखा के द्वारा व्यवसाय योजना बनाई गई थी। इस क्लब की पहली गतिविधि ऑपरेशन प्रबंधन पर एक उपचारात्मक सत्र था। क्लब ने नियुक्ति की पूर्वतैयारी के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों को सहायता देने के लिए एक नियुक्ति फोल्डर तैयार किया।

आगामी वर्ष के लिए कई गतिविधियाँ शुरू करने की योजना बनाई गई है।

पैनेसिया (राम-बाण)

पैनेसिया स्वास्थ्य देखभाल क्लब है, यह वर्ष में दो बार रक्तदान शिविर के जरिये ज़रूरतमंदों को सहायता करते हुए आईआईएमए समुदाय के लाभ के लिए गतिविधियों में सक्रिय रूप से शामिल रहता है। पैनेसिया ऊभरते रूझानों, समाचारों, तथा स्वास्थ्य देखभाल व फार्मा क्षेत्र में हुए अद्यतनों का लगातार अनुसरण करता है और न्यूज़लेटर के जरिये प्रचारित करता है। पैनेसिया न्यूज़लेटर के अलावा डेंग्यू, मलेरिया, डायरिया, तथा कुत्ते के काटने जैसे कई सामान्य रोगों के लिए रोग के चिह्न, लक्षण, उपचार तथा रोकथाम के उपायों से संबंधित सूचनाएँ ई-मेल के जरिये पहुँचाता है।

वर्ष 2013-14 में, 15 अगस्त को पैनेसिया ने गुजरात कैन्सर अनुसंधान संस्थान की सहायता से एक रक्त दान शिविर का आयोजन किया था। इसमें 150 से अधिक यूनिट रक्त छात्रों तथा कर्मचारियों से इकट्ठा किया गया था। प्रत्येक दाता को एक रक्त जाँच रिपॉर्ट दी गई थी।

अगस्त 2013 में, पैनेसिया ने अपने समाचार पत्र पैनेसिया प्लस के दो अंक प्रकाशित किये, जिसमें परम्परागत औषधियों के उपयोग तथा डेंग्यू बुखार पर लेख थे।

अक्टूबर में छात्रों के लिए दंत जाँच शिविर का आयोजन किया गया। वार्षिक राष्ट्रीय व्यवसाय महोत्सव कॉन्फ़्लुअन्स के दौरान, पैनेसिया ने एड्स जागरूकता अभियान चलाया।

परिप्रेक्ष्य (पर्स्पैक्टिव्स)

फोटोग्राफी क्लब पर्स्पैक्टिव ने साल भर बड़ी संख्या में शामिल छात्रों के साथ फोटोग्राफी प्रतियोगिताएँ, कार्यशालाएँ और फोटो-वॉक आयोजित किए। इस क्लब ने परिसर में आयोजित लगभग सभी इवेंटों के लिए फोटोग्राफी कवरेज उपलब्ध कराया था।

इस क्लब ने फोटोग्राफी के क्षेत्र के व्यवसायियों द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया। अहमदाबाद शहर तथा इर्दगिर्द के स्थानों में कई फोटो-वॉक आयोजित किये गये। इस क्लब ने महाविद्यालयों तथा कंपनियों द्वारा आयोजित विविध फोटोग्राफी प्रतियोगिताओं में भाग लेने के लिए छात्रों को प्रोत्साहित किया।

प्रकृति

प्रकृति एक भावुक प्रकृति प्रेमियों का क्लब है।

सुश्री मिनल शाह द्वारा सितम्बर में बोनसाई-सह-लैंडस्केपिंग पर एक कार्यशाला आयोजित की गई थी। इस अवसर पर 50 से अधिक लोगों ने उपस्थित रहकर बोनसाई पौधों को उगाने के लिए मूल्यवान जानकारी प्राप्त की।

इस क्लब ने संरक्षण कंसोर्टियम तथा जीवदया चैरिटेबल ट्रस्ट के सहयोग से सितम्बर में गिद्ध संरक्षण पर एक जागृति कार्यक्रम आयोजित किया था। इस कार्यक्रम में परिसर का छोटा-सापक्षी-अवलोकन भ्रमण शामिल किया गया, उसके बाद परिसर में रहने वाले गिद्धों पर प्रस्तुति दर्शायी गई थी। लगभग 21 प्रजाति के पक्षियों को डेढ़ घंटे में अवलोकित किया गया। स्थानांतरण करने वाले पक्षी समूहों सहित वर्ष में औसतन 100 से अधिक प्रजाति के पक्षी परिसर में देखे जाते हैं।

आशा फ़ाउंडेशन के सहयोग में परिसर में पशु चिकित्सा एम्बुलेंस की सुविधा उपलब्ध करायी गई है। आशा फ़ाउंडेशन को छात्र स्वैच्छिक रूप से अहमदाबाद में विश्व स्तर का पशु चिकित्सालय बनाने के लिए एक केस में सहायता कर रहे हैं।

इस वर्ष प्रकृति के प्रमुख कार्यक्रम अंतरडॉर्म ऊर्जा क्षमता प्रतियोगिता को कड़े नियम बनाकर उपभोग परिवर्तन की गणना में गंभीरता से लिया गया, और मासिक तौर पर अधिक संख्या में पुरस्कार पाये गये, तथा अंतिम विजेताओं को फ़ूज़बॉल टेबल मिला।

10 प्रतिशत अधिभार के साथ अंतरडॉर्म ऊर्जा क्षमता प्रतियोगिता अच्छी शुरूआत के साथ 15 अगस्त को इंटरडॉर्म प्रकृति प्रश्नोत्तरी से पूर्ण हुई।

गूंज के सहयोग से, प्रकृति ने जॉय ऑफ़ गिविंग सप्ताह के दौरान अक्टूबर में वस्त्र सम्मान की पहल शुरू की और अद्‌भुत प्रतिक्रिया प्राप्त की। इसमें लगभग 100 किलोग्राम कपड़े तथा मौद्रिक योगदान एकत्र किया गया।

एक दूसरी पहल थी, प्रकृति से संबंधित मुद्दों को उसके सदस्यों तथा गैरसदस्यों द्वारा समस्या के रूप में शब्दचित्र करना तथा उन पर उन्हीं के द्वारा समाधान देना। लगभग 10 परियोजनाओं की अवधारणा की गई थी उनमें से छह को छात्र समुदाय की तरफ से प्रतिक्रिया मिली और तीन को अनुमोदन मिला था।

52 छात्रों की अद्‌भुत प्रतिक्रिया के साथ पर्स्पैक्टिव के सहयोग में नलसरोवर पक्षी अभयारण्य की एक यात्रा जनवरी में आयोजित की गई। उन्होंने सूर्यास्त अवलोकन किया, स्थानीय भोजन लिया, तथा पेलिकन, इग्रेट, सारस, मूरहेन, स्टिल्ट्स आदि पक्षियों की अद्‌भुत प्रजातियों का अवलोकन किया।

सार्वजनिक नीति क्लब - एस.आई. (विशेष हित समूह)

सार्वजनिक नीति क्लब ने अपनी अकादमिक तथा गैर-अकादमिक दोनों गतिविधियों में बढ़ाया है। वर्ष की शुरूआत सुमन बेरी, मुख्य अर्थशास्त्री, शेल ग्रुप द्वारा "नये लेन्स का परिदृश्य : आर्थिक, राजनीतिक, तथा सामाजिक बलों से कैसे भावि वैश्विक ऊर्जा प्रणाली गढ़ी जाएगी उसकी खोज" विषय पर सत्र देने के साथ हुई। इस सूचनाप्रद तथा शिक्षाप्रद सत्र की काफी सराहना की गई थी।

इसके बाद नीलम देव, के.एन. वैद्यनाथन, संकाय, तथा छात्रों द्वारा "भारत में भौगोलिक राजनीति" पर पैनल चर्चा का वेब प्रसारण किया गया।

क्लब ने भारतीय राजनीतिक विमर्श में युवाओं की आवाज़ को शामिल करने के लिए सक्रिय रूप से एक राष्ट्रव्यापी आंदोलन योजनामंथन को बढ़ावा दिया। "यूपीए-2 का काउंटडाउन" इवेंट के भाग रूप में, क्लब ने सामाजिक मीडिया पर प्रश्नोत्तरी की एक श्रेणी आयोजित की और फैसले पर एक बहस का आयोजन किया।

नागरिक समाज केन्द्र के साथ सहयोग से, क्लब ने विविध तथा दिलचस्प विषयों पर तीन परियोजनाएँ शुरू की।

इस क्लब ने कॉन्फ़्लुअन्स के प्रमुख कार्यक्रम चक्रव्यूह में, नीति निर्माण पर एक राष्ट्रीय प्रतियोगिता का आयोजन किया था। इस वर्ष क्लब ने अपना समाचार अद्यतन सप्ताह में दो बार प्रकाशित करना शुरू किया। क्लब ने अपनी पत्रिका *कौटिल्य* का भी कार्य पूर्ण किया।

साझा मंडल (शेयर)

आईआईएमए चैप्टर का साझा वैश्विक मंच पर विभिन्न प्रवाहों के शीर्ष स्कूलों के नेटवर्क को जोड़ने में 30 से अधिक चैप्टरों में से एक है, जो एक विचारक, रणनीति स्कूल, तथा एक सामाजिक नेटवर्क है। साझा - भारत का संचालन आईआईटी मुंबई, आईआईटी दिल्ली, आईआईटी रूड़की, आईआईटी खड़गपुर, आईआईएम अहमदाबाद, आईआईएम बेंगलुरू, आईआईएम कोलकाता, आईआईएम इन्दोर, तथा दिल्ली अर्थशास्त्र स्कूल के माध्यम से होता है। इसमें 15 से अधिक देश जुड़े हुए हैं, तथा द्वि-स्तरीय परामर्श कंपनियों द्वारा प्रशिक्षण पूर्वतैयारी के माध्यम से प्रशिक्षण दिया जाता है।

यह एक गैर-लाभकारी छात्र विचारक मंडल है जिसने अपना खुद का मॉडल खोजा है, इसने पैमाने में वृद्धि करते हुए ज्ञान साझा करने के लिए, एक मंच के रूप में कार्य शुरू किया है। इन गतिविधियों में निम्न शामिल हैं :

- व्यवसाय तथा सामाजिक क्षेत्रों में अनुसंधान परियोजनाएँ
- कंपनियों की ताज़ा परियोजनाएँ
- विभिन्न चैप्टरों की सहयोगी परियोजनाएँ (राष्ट्रीय या अंतरराष्ट्रीय)
- राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन / संगोष्ठियाँ
- प्रतियोगिताओं का आयोजन करना तथा उनमें भाग लेना
- सदस्यों के लिए प्रशिक्षण (प्रथम-स्तरीय परामर्श कंपनियों द्वारा तैयार किया गया)

वर्ष 2013-14 में, पोस्टरों तथा बैनरों के माध्यम से प्रत्येक ऑफ़लाइन लोगों के साथ परियोजनाओं में निकले ज्ञान को साझा किया गया। साझा के सदस्य विश्व संगोष्ठी में उपस्थित रहे और दूसरे संस्थानों के साथ परियोजनाओं तथा चर्चाओं में सहयोग दिया। इसविचारक मंडली ने 'सामान साझा करो' अभियान का आयोजन किया जिसमें सामान के व्यापार/बिक्री/खरीद/दान की सुविधा परिसर के भीतर करने के लिए एक वेबसाइट शुरू की गई। परियोजनाओं के लिए कंपनियों का सम्पर्क किया गया।

परामर्श क्लब

परामर्श क्लब ने *तत्त्व* पत्रिका का प्रथम संस्करण निकाला। परामर्शन के चार तत्त्वों पर इस पत्रिका में ध्यान दिया जाता हैः क्लायंट, परामर्शदाता, कंपनी, तथा उद्योग। इस पत्रिका को काफी अच्छी प्रतिक्रिया मिली।

सेक्टोरामा 2013 का आयोजन क्लब ने अत्यंत सफलतापूर्वक किया, जो इस क्लब का क्षेत्र आधारित केस अध्ययनों पर प्रमुख समारोह है। इस समारोह में भारत भर से 80 से अधिक बी-स्कूलों से लगभग 1600 से अधिक प्रतिभागियों ने भाग लिया तथा वित्तीय सेवाएँ, टैलिकॉम, उड्डयन, तथा ऊर्जा जैसे क्षेत्रों को इसमें शामिल किया गया था।

यह क्लब एक मासिक न्यूज़लेटर *पैनोरामा* का नियमित रूप से प्रकाशन करता है। इस न्यूज़लेटर के प्रत्येक संस्करण में मुख्य प्रचालकों, उभरते रूझान, प्रमुख खिलाड़ी, तथा विनियमन व नीति परिवर्तनों के प्रभाव के विश्लेषण सहित ब्योरेवार विशेष क्षेत्र को आवृत्त किया जाता है। इस न्यूज़लेटर में प्रासंगिक क्षेत्र पर महत्त्वपूर्ण समाचार अद्यतन प्रदान किया जाता है। विविध क्षेत्रों पर लेखों के साथ इस क्लब का अपना ब्लॉग है।

इस क्लब ने छात्रों के लिए परामर्शन में कैरियर क्या होती है और ऐसे कैरियर में कौन से कौशलों की आवश्यकता होती है, समझने में सहायता करने के लिए उपचारात्मक सत्रों का आयोजन किया। इसके अलावा, क्लब ने परामर्शन में रूचि रखने वाले छात्रों को ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप के लिए विकल्प के रूप में मार्गदर्शन प्रदान किया। क्लब ने कन्सल्ट 360 भी प्रारंभ किया, जो परामर्श में कैरियर बनाने के इच्छुक छात्रों को सहायता करने के लिए एक विस्तृत साक्षात्कार ज्ञान था। इससे केस की पूर्वतैयारी में सहायता मिली जो क्षेत्रों की संख्या बढ़ाते हुए तथा आवृत्त केस के प्रकार से केस साक्षात्कार पूर्वतैयारी में सहायता करने वाला साप्ताहिक मेल है। केस पूर्वतैयारी सहायता मेल में साक्षात्कार के दौरान उम्मीदवारों को जिन विभिन्न श्रेणियों के केसों से सामना करना है उसके विभिन्न नमूने शामिल किये जाते हैं।

हैरिटेज क्लब

हैरिटेज क्लब का प्रारंभ वर्ष 2013-14 में हुआ था।

इस क्लब द्वारा आयोजित हैरिटेज भ्रमण में शामिल हैं :

- इफ़्तार रमज़ान रात्रि बाज़ार भ्रमण
- हैरिटेज भ्रमण : हिलती मिनारें - विक्टोरिया जुबिली अस्पताल - दादा हरी नी वाव

- हैरिटेज भ्रमण : आस्टोडिया दरवाज़ा - रानी सिप्री की मस्जिद - ढाल नी पोल - मदन गोपाल नी हवेली - मंगलदास नी हवेली - जुम्मा मस्जिद
- हैरिटेज भ्रमण : हठीसिंह जैन मंदिर - कॉन्फ़्लिक्टोरियम (युद्धों का एक म्यूज़ियम) - रानी रूपमती की मस्जिद
- हैरिटेज भ्रमण : अहमद शाह की मस्जिद - भद्र किला - भद्रकाली मंदिर - जुम्मा मस्जिद - दिवानजी नी हवेली - जगदीप मेहता हैरिटेज भवन
- हैरिटेज भ्रमण : स्नातक बैच के लिए
- स्नातक हुए बैच के माता-पिता व पारिवारिक सदस्यों के लिए हैरिटेज भ्रमण
- आईआईएमए में तीसरा भारतीय प्रबंधन अकादमी सम्मेलन : 60 प्रोफ़ेसरों तथा अनुसंधानकर्त्ताओं के लिए रात्रिभोज के सहित एक हैरिटेज भ्रमण
- ईएसएसईसी फ़्रान्स : 40 कार्यकारी अधिकारी कार्यक्रम के प्रतिभागियों के लिए पर्यटन स्थलों का भ्रमण
- तीसरा आईआईएमए ग्रीष्मकालीन स्कूल : भारत तथा विदेश से आए 60 अनुसंधानकर्ताओं तथा डॉक्ट रेट छात्रों के लिए रात्रिभोज सहित हैरिटेज भ्रमण
- फ़्रान्स से आए अनुसंधानकर्ताओं के लिए हैरिटेज भ्रमण

सहयोग से आयोजित समारोह

- अहमदाबाद में हैरिटेज फ़िल्म महोत्सव में आईआईएमए समुदाय की प्रतिभागिता
- पुराने शहरी इलाके में जगदीप मेहता हैरिटेज भवन में स्थानीय लोगों के साथ पतंग महोत्सव
- रजवाड़ु, अवधपुरी, प्लेज़र ट्रोव, तथा वाउ रेस्ट्रों के साथ जुड़ना
- नूतन हैंडिक्राफ़्ट तथा वार्प एवं क्राफ़्ट के साथ जुड़ना

हैरिटेज स्थलों तथा स्थानीय मेलों का पर्यटन

- लोथल तथा सरखेज रोज़ा का दौरा
- धोलका तथा वौठा मेले का दौरा

परिसर में भारतीय कला रूपों का संवर्धन

- आदित्य गढ़वी द्वारा गुजराती लोक संगीत कोन्सर्ट
- रफ़ीक भाई वारसी द्वारा कव्वाली

पर्यटन, खान-पान, त्यौहार, खरीदारी, तथा परम्पराओं के लिए मासिक मार्गदर्शिका का प्रकाशन अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी, फरवरी, तथा मार्च में किया गया।

कम्प्यूटर केन्द्र समिति

कम्प्यूटर केंद्र समिति (सीसीसी) छात्रों तथा कम्प्यूटर केन्द्र के बीच अंतर्क्रिया का कार्य करता है ताकि परिसर में छात्रों की आईटी की बुनियादी जरूरतों को पूरा किया जाए और संस्थान के प्रशासन के समक्ष छात्रों के आई टी संबंधित मुद्दों को संबोधित किया जाए। इस क्लब का उद्देश्य नए अनुप्रयोगों का निर्माण कर छात्रों की सहायता करना है, थोक सौदे आयोजित करना, स्पैम की निगरानी करना, चर्चा मंच का रखरखाव करना, सर्वर को संभालना, तथाअन्य कार्य करना है। सीसीसी इंटरनेट, प्रिंटर, तथा ऑनलाइन एप्लिकेशनों से संबंधित किसी भी सलाह के लिए छात्रों के प्रथम बिंदु के रूप में कार्य करता है। इतने वर्षों में यह क्लब डीबैब, बैच प्रोफ़ाइल, तथा इलेक्ट्रोनिक सॉफ़्टवेयर जैसे एप्लिकेशन का विकास करने पर प्रौद्योगिकी क्लब के रूप में प्रसिद्ध हो गया है। सीसीसी ने सभी मोबाइल फलकों पर डीबैब को एकीकृत कर दिया जिसके कारण पीजीपी-2 के आगंतुक बैच के साथ अंतर्क्रिया को सफलता मिली। यह क्लब 900 से अधिक छात्रों के संचार को सुविधाजनक बनाने के लिए जिम्मेदार था और इसने समग्र प्रक्रिया के सुचारू संचालन को सुनिश्चित किया है।

सीसीसी ने बेहतर डिस्काउंट तथा मॉडलों के लिए उल्लेखनीय सौदे आगे बढ़ाए। अन्य आईआईएम के साथ सहयोग करके किये हुए लैपटोप थोक सौदे सबसे महत्त्वपूर्ण बात थी जिसमें सीसीसी डेल लैपटोप पर पर्याप्त डिस्काउंट प्राप्त करने में सक्षम रहा।

प्रिंटर सेवा जाँच तथा प्रिंटर की स्थिति को ऑनलाइन ट्रैक करने की नीति में सीसीसी ने परिवर्तन किया है। क्योंकि भविष्य के नियंत्रण यांत्रिकता की नींव स्पैम से निपट रही है इसलिए नई एंटी स्पैम नीति की परिकल्पना की गई है।

सीसीसी ने ऑनलाइन छात्र सूचना निर्देशिका, इंटर्नशिप, तथा नियुक्ति सूचना निर्देशिका जैसे एप्लिकेशन बनाना शुरू किया जिनको प्रति वर्ष अपडेट किया जाता है। नियुक्ति तथा अन्य इवेंट के लिए मित्रों को तथा वरिष्ठों को खोज निकालने के लिए ये वेबसाइट्स काफी उपयोगी हैं। बहुत लंबे समय से मतदान प्रणाली अस्तित्व में हैं जो अभी अभी वर्ष 2013 से इलैक्ट्रोनिक की गई है। एसएसी के दायरे के अंतर्गत सभी चुनाव सीसीसी प्रणालियों के माध्यम से संचालित किये गये थे।

स्टारगेजर्स (तारों के अवलोकनकर्ता) : खगोल विज्ञान क्लब

ऐस्ट्रोनोमी क्लब, स्टारगेजर ने खगोल विज्ञान के प्रति उत्साहियों के लिए वर्ष भर खगोलीय पिंडों के अवलोकन सत्र तथा प्रश्नोत्तरियों का आयोजन किया। नये सीखने तथा जानकारी चाहने वालों के लिए यह क्लब टैलिस्कॉप का कैसे उपयोग करना है, ब्रह्मांड की उत्क्रांति,स्ट्रिंग सिद्धांत, नक्षत्रों, ग्रहों तथा बिग बैंग थियरी, तथा और भी बहुत कुछ के बारे में सत्रों का आयोजन करता है। क्लब ग्रहणों, इरिडियम फ़्लेर तथा उल्का वृष्टियों की घटना जब भी होती है तभी अवलोकन सत्रों का आयोजन करता है। क्लब प्रत्येक टर्म में एक बार *कॉरॉना* नामक एक पत्रिका का प्रकाशन भी करता है, जिसमें ब्रह्मांड, अंतरिक्ष-समय क्रमांकन, समय की यात्रा, वॉर्महॉल, ब्लैकहॉल, विभिन्न विरोधाभास, अंतरिक्ष में अजीब चीज़ों की प्रस्तुति और पुस्तकों, मूवी तथा दस्तावेज़ी फ़िल्मों की सूची भी होती है। इस पत्रिका के माध्यम से खुली आँखों से कैसे परिसर से रात्रि के आकाश को देखा जाए इस बारे में भी बताया जाता है।

स्टारगेज़र द्वारा आयोजित किये गये मुख्य इवेंट्स :

- **एस्ट्रॉनॉमी प्रश्नोत्तरी :** इस प्रश्नोत्तरी में लगभग आठ टीमों ने प्रतिभागिता की, इस प्रश्नोत्तरी ने एस्ट्रॉनॉमी क्षेत्र के ज्ञान की परीक्षा ली।
- **कथा लेखन :** इस इवेंट के लिए बहुत सारी प्रविष्टियाँ प्राप्त हुई।
- **धूमकेतु (आईएसओएन) अवलोकन** : यह इवेंट सुबह तड़के के दौरान आयोजित किया गया था।

उगते सूर्य द्वारा ज्यादा उजाला फैलने के कारण तथा भौगोलिक स्थिति को देखते हुए हम धूमकेतु नहीं देख पाये थे।

- **नये उपकरण प्राप्त करना :** खगोलीय फोटोग्राफी के समर्थन हेतु उपकरण खरीदे गए।
- **चन्द्र अवलोकन सत्र :** पूर्ण चन्द्र कला के दिवस चन्द्र में दिखते दाग रूपी गड्ढों का नज़ारा लेने के लिए हमने देखने वालों की लंबी कतारें देखीं। यह देखते हुए आने वाले वर्ष में अधिक बार यह सत्र आयोजित करने की योजना बनाई गई।

सांस्कृतिक क्लब (कल्टकॉम)

कल्टकॉम क्लब परिसर को जीवंत व मनोरंजन से भरपूर रखता है। यहाँ आने वाले छात्र विभिन्न पृष्ठभूमि तथा संस्कृतियों से आते है इसलिए विविध संस्कृतियों को समझने के लिए बड़े अवसर उपलब्ध रहते हैं। कल्टकॉम यह सुनिश्चित करता है कि प्रत्येक छात्र कम से कम एक त्यौहार मनाने में शामिल हो तथा व्यक्तिगत स्तर पर जुड़े।

प्रमुख उत्सवों में नवांगतुक स्वागत सप्ताह, टी-नाइट (टैलंट नाइट), पोटी (पर्सन ऑफ़ द इयर) पुरस्कार, गरबा, होली, दिवाली, क्रिसमस, पोंगल, लोहड़ी, मटकी फोड़, गणेश चतुर्थी इत्यादि शामिल हैं। प्रमुख समारोह जैसे कि स्वतंत्रता दिवस, गणतंत्र दिवस, तथा संस्थान दिवस कल्याण समिति की सहायता से मनाए जाते हैं। कल्टकॉम संगीत क्लब तथा फ़ूटलूज़ क्लब जैसे अन्य क्लबों के सहयोग में भी कई इवेंट्स का आयोजन करता है। आईआईएमए वॉयाजर कल्टकॉम का ही एक हिस्सा है जो करीबी पर्यटन स्थलों की बाइक द्वारा यात्रा का आयोजन करता है।

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ

मार्गदर्शन प्रकोष्ठ के लिए वर्ष 2013-14 काफी महत्त्वपूर्ण बना रहा। मार्गदर्शन वांच्छुओं को प्रोफ़ाइल मेल के आधार पर मार्गदर्शनकर्ताओं के साथ बाँटने से शुरूआत हुई। पिछले वर्ष में की गई योजना के अनुसार, प्राथमिक तथा माध्यमिक मार्गदर्शकों को पीजीपी-एबीएम छात्रों में बाँटा गया था। इसके अलावा, पूर्वछात्र प्रकोष्ठ के सहयोग में एक एलम कार्यक्रम द्वारा मेंटरशिप का प्रारंभ किया गया। वित्तीय लेखांकन तथा रिपॉर्टिंग विश्लेषण के लिए उपचारात्मक सत्रों का आयोजन किया गया, जिसे अतिरिक्त आवश्यक सहायक पाठ्यक्रम के रूप में माना गया। ग्रीष्मकालीन नियुक्ति के लिए प्रथम वर्ष के छात्रों को विस्तृत सहायता प्रदान की गई थी।

छात्र व्यक्तिगत परामर्शन तथा विकास केन्द्र की सेवाओं का उपयोग अधिक बार करने की योजनाओं के प्रयास जारी हैं।

विक्रम साराभाई पुस्तकालय

विक्रम साराभाई पुस्तकालय, सेवाओं की विस्तृत श्रृंखलाओं के माध्यम से सूचनाओं को सर्वाधिक विस्तृत संभव पहुँच प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है और उसके द्वारा प्रस्तुत सेवाओं की श्रेणी में यह प्रतिबद्धता दिखाई देती है। इसकी वैबसाइट http://www.iimahd.ernet.in/library/ विभिन्न ऑनलाइन डेटाबेसों के साथ जुड़ी हुई है, जो इस संस्थान के और पुस्तकालय के भीतर नेटवर्क किए हुए किसी भी कम्प्यूटर से उपलब्ध है। यह पुस्तकालय, दोनों (मुद्रित व अमुद्रित) ही प्रकार की सामग्रियों के संग्रह को एवं इलैक्ट्रॉनिक संसाधनों को, चयन, प्राप्ति, संगठन, संरक्षण, आरक्षित, रखरखाव करने, तथा इन तक पहुँच को, सुगम बनाने के अपने प्रयासों को पूरा करने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ता है जो सदस्यों की अभिरूचियों और आवश्यकताओं को पूरा करता है।

संसाधन

विवरण	वर्ष 2013-14 के दौरान जोड़ी गई मदों की संख्या	31.03.2014 को मदों की संख्या
पुस्तकें	2,898	1,81,788
पत्रिकाओं के जिल्दबंद भाग	936	44,398
कार्य पत्र	55	2,344
शोध प्रबंध	14	291
परियोजना प्रतिवेदन	95	1,875
शैक्षणिक वीडियो कैसेट्स	—	128
सीडी/डीवीडी	93	2,238
मँगाए जाने वाले जर्नल्स की वर्तमान सदस्यता	910	2018
समाचार पत्र	—	30
वापस ली गई पुस्तकें	—	2000

ई-संसाधन

पुस्तकालय के पास नवीनतम जानकारी प्रदान करने के लिए अनेक कंपनियों और उद्योगों के डेटाबेस, ग्रंथसूची संबंधी डेटाबेस और ई-जर्नल्स मँगाने के लिए उपभोक्ता सदस्यता है।

कंपनी और देश के डेटाबेस

एसीई ज्ञान एवं अनुसंधान पॉर्टल, एसीई मुचुअल फंड, कैपिटैलाइन, सीएमआइई - कैपैक्स, कॉमोडिटीज़, इकॉनॉमिक आउटलुक, इंडस्ट्री आउटलुक, इंडिया ट्रेड, प्रोवेस एवं भारत के राज्य, क्रिसिल रिसर्च, डेटास्ट्रीम (विश्व के दायरे सहित), डियोन इनसाइट, भारत की डिस्ट्रिक्ट जीडीपी, डीएसआई डेटा सर्विस एवं सूचना, ईपीडब्ल्यूआरएफ़ भारत टाइम सीरीज़, ईपीडब्ल्यूआरएफ़ भारत अर्थशास्त्र व विपणन

समीक्षा तथा अनुसंधान, यूरोमॉनीटर पासपॉर्ट, फॉरोस्ट एंड सुलिवान ग्रोथ पार्टनरशिप सर्विसीज़, गार्टनर, इंडियास्टैट.कॉम, इंडियन बोर्ड्स, इन्फ़ालाइन कॉल सेक्टर, ऑयल एवं गैस सेक्टर एवं पावर सेक्टर, आईएसआई ऊभरते बाज़ार - एशिया, मार्केटलाइन एड्वांटेज, नैसकोम सदस्य निर्देशिका, पॉइंट कार्बन, थॉमसन रॉयटर्स इकॉन, वेन्चर इंटेलिजेंस प्राइवेट इक्विटी डील डेटाबेज़, एम एंड ए डील डेटाबेज़ एंड रीअल एस्टेट डील डेटाबेज़।

ई-जर्नल डेटाबेस

एबीआई/इन्फॉर्म (प्रोक्वेस्ट), एसीएम डिजिटल लाइब्रेरी, ईबीएससीओ ऐकेडेमिक सर्च प्रीमियर, इकॉनलि, उद्यमी स्टडीस सोर्स, मानव संसाधन सारांश, साइकआर्टिकल्स, ऐल्सवियर (साइन्स डिरेक्ट), एमराल्ड मैनेजमैंट ऐक्स्ट्रा, आइईईई एएसपीपी + पीओपी आईजीआई ग्लोबल फुल टेक्सट, इंडियन जर्नलिज़म. कॉम, इनफॉर्म्स, जेएसटीओआर, स्प्रिंगर लिंक, ऑक्सफ़ॉर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, प्रोजेक्ट एमयूएसई, सेज + एचएसएस कलेक्शन, टेयलर व फ़्रांसिस ऑनलाइन, विली + एचएसएस ऑनलाइन लाइब्रेरी।

ई-पुस्तकें डेटाबेस

ईब्रेरी

समाचार पत्र तथा पत्रिकाओं के डेटाबेस

एफ़.टी. डॉट कॉम, एफ़.टी. आर्काइव (1888-2010), इंडिया बिज़नेस इनसाइट, प्रेस डिस्प्ले।

विधिक डेटाबेस

एआईआर क्रिमिनल विधि, एआईआर उच्च न्यायालय, एआईआर सर्वोच्च न्यायालय, क्लुवेर आर्बिट्रेशन विधि, वेस्ट विधि (इंडलॉ सहित)।

अन्य डेटाबेस

ग्लोबल डेवलपमेंट वित्त , ग्लोबल इकोनोमिक मोनिटर, एनसाइक्लोपीडिया ऑफ़ ब्रिटानिका, आईएमएफ़ डेटा, आईएमएफ़ ई-लाइब्रेरी, आईएसआई वैब ऑफ नॉलेज (1999-2006 से प्रशस्तिपत्र सूचकांक), एमआईसीए इंडियन मार्केटिंग इंटेलिजेंस, ओईसीडी लाइब्रेरी (शिक्षा), ओपन नॉलेज रिपॉज़िटरी, प्रोक्वेस्ट डिसर्टेशन एंड थीसिस, पावर लिंगो एफ़ x 25, सेज रीसर्च मेथड्स ऑनलाइन, डबल्यूएआरसी डेटाबेस, वर्ल्ड बैंक, वर्ल्ड डेवलपमेंट इंडिकेटर्स।

विशेष खोज उपकरण

आंतरिक उपभोक्ताओं के लिए ईबीएससीओ डिस्कवरी, ईबीएससीओ ए टू ज़ेड, रीमोट लोगइन।

अन्य डेटा सेट

सेन्सस ऑफ़ इंडिया, आईएमएस एंटी-टीबी डेटा, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज डेटा, सरफ़ेस डेटा।

सेवाएँ

- वितरण
- पठन सुविधा
- ईमेल चेतावनी सेवा
- संदर्भ व सूचना
- स्कैनिंग
- डेटाबेस खोज सेवा
- दस्तावेज वितरण
- अंतर्पुस्तकालय ऋण
- फोटोकॉपी
- अनुक्रमण एवं ग्रंथ सूची
- सारांशकरण
- उन्मुखीकरण कार्यक्रम
- सूचना साक्षरता कार्यक्रम
- ऑनलाईन सार्वजनिक सुविधा कैटैलॉग
- वर्तमान जागरूकता सेवा
- अनुसंधान सहायता

प्रकाशन

यह पुस्तकालय, वर्ष 1998 से दो त्रैमासिक सूचना बुलेटिन प्रकाशित कर रहा है :

- प्रबंधन में वर्तमान विषयवस्तु : विपणन
- प्रबंध के वर्तमान सूचकांक : विपणन

इसने शोधकर्ताओं को व्यवसाय / प्रबंधन संबंधित अनुसंधान की सुविधा के लिए निकमैन (राष्ट्रीय प्रबंध सूचना केन्द्र) की सदस्यता देना शुरू किया है। हाल ही में उभरती अर्थव्यवस्थाओं के संदर्भ में विपणन में अनुसंधान का दस्तावेजीकरण शुरू किया है।

कल्याण गतिविधियाँ

35 वर्ष से अधिक आयु वाले महिला एवं पुरूष दोनों स्थायी कर्मचारियों के लिए सामान्य स्वास्थ्य जाँच का कार्यक्रम, अप्रैल-जून 2013 के दौरान, कल्याण समिति द्वारा स्टर्लिंग अस्पताल, अहमदाबाद में आयोजित किया गया। कुल 304 समुदाय-सदस्य, इस गतिविधि से लाभान्वित हुए।

11 नवम्बर, 2013 को कल्याण समिति द्वारा गुजराती नव वर्ष दिवस मेल-मिलाप समारोह का आयोजन किया गया। नववर्ष का स्वागत दीप जलाकर और पटाखे फोड़कर तथा समुदाय में मिठाई बाँटकर किया गया।

11 दिसम्बर, 2013 को संस्थान दिवस मनाया गया। इस अवसर पर शिक्षा व खेल संबंधी गतिविधियों में उत्कृष्ट प्रदर्शन व अच्छी समाज सेवा करने वाले 33 बच्चों को पुरस्कार दिये गए।आईआईएमए समुदाय के बच्चों द्वारा सभागार में एक सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कल्याण समिति कार्मिकों के बच्चों की उच्चतर शिक्षा के लिए ब्याजमुक्त ऋण प्रदान करके परोक्ष रूप से जरूरत को पूरा करती है। इस वर्ष चार कार्मिक सदस्यों ने शिक्षा ऋण योजना से कुल 1,70,000 रुपए का लाभ लिया।

संस्थान के सेवानिवृत्त कार्मिक सदस्यों के लिए *प्रोफेसर बी.एच. जाजू-कल्याण समिति चिकित्सा योजना* के तहत संस्थान से सेवानिवृत्त कर्मचारियों को 1,85,066 रु. की धनराशि वितरित की गई।

योगा कोचिंग कक्षाएँ नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं।

8 मार्च, 2014 को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस 158 महिला कर्मचारियों को मिठाई बाँट कर व गुलाब देकर मनाया गया। कल्याण समिति ने स्थायी महिला कर्मचारियों के लिए एक विशेष मध्याह्न भोजन का भी आयोजन किया था।

कल्याण समिति ने गणतंत्र दिवस, स्वतंत्रता दिवस, प्रतिभा संध्या कार्यक्रम, क्रिसमस समारोह, और नवरात्रि समारोहों के आयोजनों में कर्मचारी मनोरंजन क्लब की गतिविधियों को समर्थन दिया।

NEW
IIMA

परिशिष्ट

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क1

वर्ष 2013-14 में पीजीपी छात्र संख्या

	पीजीपी I	पीजीपी II
कार्यक्रम से जुड़े	**380**	**376**
(-) अलग हुए	2	-
(-) जिन्हें अनुमति दी गई/2014 में पुनः जुड़ने को कहा गया	5	-
(अ) पुनरावृत्ति करने वाले	2	-
(अ) जिन्हें 2013 में पुनः जुड़ने के लिए अनुमति दी गई	1	
प्रथम वर्ष में संख्या	**376**	-
(-) जिनसे हटने के लिए कहा गया	-	-
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	1	-
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री एवं जनरल)पूरी नहीं करने पर स्नातक नहीं हो सके	-	6
(-) शैक्षणिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	-
(अ)पूर्व वर्ष के स्नातक	-	1
(अ)डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	-	17
कुल प्रोन्नत/स्नातक	**375**	**388**

क2

पीजीपी 2 में पेश किये गए नए पाठ्यक्रम

- गतिशीलता का निर्धारण एवं रणनीति का निष्पादन
- खाद्य गुणवत्ता का अर्थशास्त्र
- धोखाधड़ी जोखिम मूल्यांकन और प्रशासन तंत्र
- फर्मों का वित्तपोषण
- बडी परियोजनाओं का वित्तपोषण
- बैंकिंग के सामरिक दृष्टिकोण
- फर्मों का मूल्यांकन
- लक्जरी व्यवसाय प्रबंधन
- उच्च प्रदर्शन टीमों का - एक अनुभवात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम
- भारत में काम और रोजगार का समाजशास्त्र
- व्यवसाय और समाज
- अंतर्राष्ट्रीय मानव संसाधन विकास के लिए निजी सक्षमता
- सामरिक प्रदर्शन और पारितोषिक प्रबंधन
- हाथी और चीता : प्रणाली, रणनीति एवं बाधाएँ
- मात्रात्मक प्रणाली प्रदर्शन
- सामरिक अधिप्राप्ति
- हेरफेर, मिथक एवं मार्केटिंग
- स्थिरता प्रबंधन
- लोक स्वास्थ्य प्रबंधन
- एक नेटवर्क सोसायटी में समझौता व्यवसाय के लिए गुणात्मक अनुसंधान के तरीके और मानव विकास

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क3

छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत भा. प्र. सं. अहमदाबाद से विदेशी संस्थाओं में गए छात्र

विनिमय संस्थान का नाम	2013-14 भा. प्र. सं. अ. से गए छात्रों की संख्या
एशिया	
चाइनीज़ युनिवर्सिटी ऑफ़ हॉंगकॉंग	1
ऑस्ट्रेलिया	
ऑस्ट्रेलियाई ग्रेजुएट स्कूल ऑफ़ मैनेजमेंट	1
यूरोप	
आल्टो स्कूल	2
कैटोलिका लिस्बन	2
कॉपनहेगन बिज़नेस स्कूल	5
ईडीएचईसी	4
ईएससीपी-ईएपी	5
ईएससी - तुलुज़	4
ईएसएसईसी	7
ईएसएसईसी, एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए)	4
यूरोपीयन बिजनेस स्कूल	2
फ़्रान्स बिज़नेस स्कूल	5
एचईसी प्रबंध स्कूल	5
एचएचएल	2
इन्स्तित्यूतो दे एमप्रैसा, माद्रिद	1
जोनकोपिंग इंटरनेशनल बिज़नेस स्कूल	3
मैनचेस्टर बिज़नेस स्कूल	1
मुनस्टर स्कूल ऑफ़ बिज़नेस एंड इकॉनॉमिक्स	4
फार्जेम अनुप्रयुक्त विज्ञान विश्वविद्यालय	5
सॉल्वे बिजनेस स्कूल	3
स्टॉकहोम स्कूल ऑफ़ इकॉनॉमिक्स	3
बोकोनी विश्वविद्यालय	4
कोलोन विश्वविद्यालय	6
मॉसट्रिच विश्वविद्यालय	5
मैनहेम विश्वविद्यालय	4
सेंट गैलन विश्वविद्यालय	2
विएना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय	2
डब्ल्यूएचयू कोब्लेंज प्रबंध स्नातक स्कूल	1
उत्तरी अमेरिका	
यू एस ए	
कॉलम्बिया बिज़नेस स्कूल	1
शिकागो व्यवसाय स्नातक स्कूल विश्वविद्यालय (बूथ स्कूल)	2
वॉशिंग्टन विश्वविद्यालय (जॉह्न एम. ऑलिन बिजनेस स्कूल)	2
कनाडा	
मैकगिल विश्वविद्यालय, मोन्ट्रियल	1
शुलिच बिज़नेस स्कूल	2
कुल	**101**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
बोकोनी युनिवर्सिटी	4
एचईसी प्रबंध स्कूल	2
कुल	**6**

क4

छात्र विनिमय कार्यक्रम के अंतर्गत विदेशी संस्थाओं से भा. प्र. सं. अहमदाबाद में आए छात्र

विनिमय संस्थान का नाम	2013-14 में आए हुए छात्रों की संख्या
एशिया	
एशियाई प्रौद्योगिकी संस्थान	2
नानयांग बिज़नेस स्कूल	1
ऑस्ट्रेलिया	
ऑस्ट्रेलियाई प्रबंध स्नातक स्कूल	1

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

विनिमय संस्थान का नाम	2013-14 में आए हुए छात्रों की संख्या
यूरोप	
कैटोलिका लिस्बन	1
कोपेनहेगन बिजनेस स्कूल	5
ईडीएचईसी	4
ईएससीपी - ईएपी	13
ईएससी - तुलुज़	4
ईएसएसईसी	7
ईएसएसईसी/एमएस, एमआईए (पीजीपी-एबीएम के लिए)	3
यूरोपीय बिजनेस स्कूल (ईबीएस)	2
एचईसी प्रबंध स्कूल	3
एचएचएल - लिपजिग प्रबंध स्नातक स्कूल	3
इन्स्तित्यूतो दे एमप्रैसा	1
मैनचेस्टर बिजनेस स्कूल	1
मुनस्टर स्कूल ऑफ़ बिजनेस एंड इकॉनॉमिक्स	4
एनएचएच, नोर्वेजियन स्कूल ऑफ़ इकॉनॉमिक्स	1
सोल्वे बिजनेस स्कूल	3

विनिमय संस्थान का नाम	2013-14 में आए हुए छात्रों की संख्या
स्टॉकहॉम अर्थशास्त्र स्कूल	2
बोकोनी विश्वविद्यालय	3
कोलोन विश्वविद्यालय	8
मास्ट्रिच विश्वविद्यालय	1
मैनहेम विश्वविद्यालय	2
सेंट गैलन विश्वविद्यालय	2
वियेना अर्थशास्त्र एवं व्यवसाय प्रशासन विश्वविद्यालय	3
डब्ल्यूएचयू कोब्लेन्ज़ प्रबंध स्नातक स्कूल	2
यू एस ए	
दक्षिण अमेरिका	
लॉस आन्देस प्रबंध स्कूल यूनिवेर्सिदाद	2
कुल	**84**
डबल डिग्री कार्यक्रम	
ईएसएसईसी	3
बोकोनी वि•ाविद्यालय	5
एचईसी प्रबंध स्कूल	1
कुल	**9**

क5

छात्रवृत्तियाँ

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2012-14 (प्रथम वर्ष)	
नाम	**छात्रवृत्ति**
अर्पित माहेश्वरी	इनफोसिस
प्रशांत सरकार	आईसीआईसीआई
अंकित गर्ग	जैट एज फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड
अंकित भगेरिया	एसबीआई म्युचुअल फंड
व्योम जैन	एस.एम. शाह
पटवा साहिल राजेश	भा.प्र.सं.अ. रजत जयंती/पीजीपी 87 बैच/संकाय स्मारक एवं ऑडको
हेमंत बालयान	भा.प्र.सं.अ.
अनुग्रह जैन	भा.प्र.सं.अ.
आयुष मित्तल	भा.प्र.सं.अ.
अभिषेक देशमुख	भा.प्र.सं.अ.
सी. क्रांति सी. रेड्डी	भा.प्र.सं.अ.

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2012-14 (प्रथम वर्ष)	
नाम	**छात्रवृत्ति**
छापरिया शौनक बिमल	भा.प्र.सं.अ.
सुदर्शन स्वामिनाथन	भा.प्र.सं.अ.
संभव जैन	भा.प्र.सं.अ.
अंकुर गोयल	भा.प्र.सं.अ.
रणजीत कुमार जायसवाल	भा.प्र.सं.अ.
बी. शेखर आनंद	भा.प्र.सं.अ.
अच्युत संजय	भा.प्र.सं.अ.
नुपुर मंगला	भा.प्र.सं.अ.

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2012-14 (द्वितीय वर्ष)	
नाम	**छात्रवृत्ति**
प्रशांत सरकार	एमफेसिस अवॉर्ड
हेमंत ओमप्रकाश मूंदडा	जैट एज सिक्यूरिटीज प्राइवेट लिमिटेड
सचित बंसल	आईएफसीआई लिमिटेड
सी. क्रांति सी. रेड्डी	आईएफसीआई लिमिटेड
देबब्रत नाग	एस. एम. शाह
हेमंत बालयान	मोनसेंटो
अंकित गर्ग	सुरेंद्र पॉल एवं भा.प्र.सं.अ.
व्योम जैन	दुन व ब्राडस्ट्रीट इनफार्मेशन सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड एवं भा.प्र.सं.अ.
अनुभव भट्टाचारजी	भा.प्र.सं.अ.

उद्योग छात्रवृत्तियाँ बैच 2012-14 (द्वितीय वर्ष)	
नाम	**छात्रवृत्ति**
अनिर्बन रॉय चौधुरी	भा.प्र.सं.अ.
पी. निरुपम प्रताप रेड्डी	भा.प्र.सं.अ.
प्रशांत यादव	भा.प्र.सं.अ.
कृतिका शर्मा	भा.प्र.सं.अ.
श्रेय महेश मिरानी	भा.प्र.सं.अ.
डीसिल्वा सुज़ान मारिया	भा.प्र.सं.अ.
अनुग्रह जैन	भा.प्र.सं.अ.
अक्षय शिवकुमार	भा.प्र.सं.अ.
पंकज दयानी	भा.प्र.सं.अ.
छापरिया शौनक बिमल	भा.प्र.सं.अ.

आदित्य बिड़ला छात्रवृत्तियाँ

पीजीपी-1	**पीजीपी-2**
अकर्श श्रीवास्तव	कृतिका शर्मा
आनंद कृष्णमूर्ति राव	निखिल मान
गिरीश ए.	रोहित सिंह साहनी
सयंतन माजी	सचिन भारद्वाज

सर रतन टाटा छात्रवृत्तियाँ

हेमंत ओमप्रकाश मूंदडा	के. निखिल नारायण
संचित बंसल	आनंद नारायणदास बूब

पूर्व छात्र योगदान छात्रवृत्तियाँ

प्रायोजक	राशि (रू.)	पुरस्कार विजेता	कक्षा/बैच
पीजीपी 1969 कक्षा	2,00,000	श्री नागार्जुन एन.	पीजीपी-1/ 2013-15
	2,00,000	श्री सुब्रमणियम एस.	
	2,00,000	श्री तांझील अहमद	
	2,00,000	श्री प्रभात सचान	
	2,00,000	श्री गुरु स्वामी एम. के.	
तेग इंडस्ट्रीज़ (श्री मदन मोहन्का)	1,50,000	सुश्री रूपल सोनी	पीजीपी-1/2013-15
	1,00,000	श्री श्रीराम यू.	पीजीपी-2/2012-14
श्री बी.वी. दोशी	3,00,000	श्री नवनीत सिंह	एबीएम-2/2012-14
श्री दीपक गुप्ता	3,00,000	श्री आशीष पतीरा	पीजीपी-2/2012-14
एस.एन.बी.एस. के साथ विलय छात्रवृत्तियाँ			
वारबर्ग पिनकस	16,80,000		पीजीपी-1/पीजीपी-2 एवं एबीएम-1/एबीएम-2
श्री अरुण नंदा	16,50,000		पीजीपी-1/पीजीपी-2 एवं एबीएम-1/एबीएम-2
श्री दीप कालरा	2,50,000		पीजीपी-1/पीजीपी-2 एवं एबीएम-1/एबीएम-2
उद्योग जरूरत के आधार पर छात्रवृत्ति निधि	13,53,000		पीजीपी-1/पीजीपी-2 एवं एबीएम-1/एबीएम-2

प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

क6

पीजीपी के लिए प्राप्त आवेदन

	2013-2015 बैच			2014-2016 बैच		
श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	101283	42200	143483	89392	38635	128027
एन सी - अन्य पिछड़ा वर्ग	18929	4807	23736	17888	5069	22957
अनुसूचित जाति	7955	2457	10412	7042	2374	9416
अनुसूचित जनजाति	1945	767	2712	1717	694	2411
शारीरिक रूप सेविकलांग	426	86	512	437	88	525
कुल	**130538**	**50317**	**180855**	**116476**	**46860**	**163336**
%	**72.18**	**27.82**	**100.00**	**71.31**	**28.69**	**100.00**

क7

पीजीपी प्रवेश (2014-2016 बैच)

			आरक्षित वर्ग					
		सामान्य वर्ग	नॉन क्रीमी अन्य पिछड़ा वर्ग	अनु सूचित जाति	अनु सूचित जन जाति	शारीरिक रूप से विकलांग	जीमैट	कुल
आवेदकों की संख्या	पुरुष	89368	17888	7042	1717	437	24	116476
	महिला	38629	5069	2374	694	88	6	46860
	कुल	**127997**	**22957**	**9416**	**2411**	**525**	**30**	**163336**
साक्षात्कार के लिए बुलाए गए उम्मीदवार	पुरुष	541	256	131	60	34	1	1023
	महिला	142	65	48	27	2	1	285
	कुल	**683**	**321**	**179**	**87**	**36**	**2**	**1308**
साक्षात्कार के लिए उपस्थित रहे उम्मीदवार	पुरुष	507	228	118	47	30	0	930
	महिला	141	58	42	24	2	1	268
	कुल	**648**	**286**	**160**	**71**	**32**	**1**	**1198**

कृषि व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

ख1

पीजीपी – एबीएम के लिए प्राप्त आवेदन

	2013-2015 बैच			2014-2016 बैच		
श्रेणी	पुरुष	महिला	कुल	पुरुष	महिला	कुल
सामान्य	77485	29547	107032	68950	27373	96323
एन सी - अन्य पिछड़ा वर्ग	15047	3514	18561	14414	3751	18165
अनुसूचित जाति	6168	1764	7932	5467	1710	7177
अनुसूचित जनजाति	1489	514	2003	1307	498	1805
शारीरिक रूप सेविकलांग	328	55	383	345	59	404
कुल	**100517**	**35394**	**135911**	**90483**	**33391**	**123874**
प्रतिशत	**73.96**	**26.04**	**100**	**73.04**	**26.96**	**100**

ख2

पीजपी – एबीएम प्रवेश : 2014-2016

विवरण	लिंग	सामान्य श्रेणी	आरक्षित श्रेणी				
	लिंग	सामान्य	एनसी-ओबीसी	अ.जा.	अ.ज.जा.	विकलांग	जीमैट	कुल
कैट परीक्षार्थियों की संख्या	पुरुष	93742	19043	7421	1860	464	अनुपलब्ध	122530
	महिला	41865	5803	2650	796	94	अनुपलब्ध	51208
	कुल	**135607**	**24846**	**10071**	**2656**	**558**	**अनुपलब्ध**	**173738**
पीजीपी – एबीएम आवेदकों की संख्या	पुरुष	68950	14414	5467	1307	345	0	90483
	महिला	27373	3751	1710	498	59	0	33391
	कुल	**96323**	**18165**	**7177**	**1805**	**404**	**0**	**123874**
साक्षात्कार के लिए बुलाये गये उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	182	105	58	28	15	0	388
	महिला	111	56	32	18	1	0	218
	कुल	**293**	**161**	**90**	**46**	**16**	**0**	**606**
साक्षात्कार में उपस्थित उम्मीदवारों की संख्या	पुरुष	70	58	35	7	9	0	179
	महिला	65	31	20	12	1	0	129
	कुल	**135**	**89**	**55**	**19**	**10**	**0**	**308**

वर्ष 2013-14 में पीजीपी–एबीएम छात्र संख्या **ख3**

	पीजीपी–एबीएम I (2013-14)	पीजीपी–एबीएम II (2013-14)
कार्यक्रम से जुड़े	**45**	**41**
(-) अलग हुए	2	-
(-) जिन्हें अनुमति दी गई/2014 में पुनः जुड़ने को कहा गया	-	-
(+) पुनरावृत्ति करने वाले	1	-
(+) जिन्हें 2012 में पुनः जुड़ने के लिए अनुमति दी गई	-	-
प्रथम/द्वितीय वर्ष में संख्या	**44**	**41**
(-) जिनसे हटने के लिए कहा गया	3	-
(-) जिनसे पुनरावृत्ति के लिए कहा गया	3	-
(-) शैक्षणिक आवश्यकताएँ (डबल डिग्री एवं जनरल)पूरी नहीं करने पर स्नातक नहीं हो सके	-	-
(-) शैक्षणिक अनुशासनहीनता के कारण स्नातक नहीं हो सके	-	-
(+) पूर्व वर्ष के स्नातक	-	-
(+) डबल डिग्री कार्यक्रम के तहत स्नातक हुए छात्र	-	-
कुल प्रोन्नत/स्नातक	**38**	**41**

कार्यकारी अधिकारियों के लिए प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम

पीजीपीएक्स 2013-14 : छात्रों के प्रोफ़ाइल

पैरामीटर	औसत
जीमैट	711
10 अगस्त, 2012 को कुल कार्य अनुभव	10 वर्ष 2 महीने
10 अगस्त, 2012 को अंतरराष्ट्रीय कार्य अनुभव	3 वर्ष 3 महीने
31 मार्च, 2013 को आयु	34 वर्ष

अंतरराष्ट्रीय कार्य प्रदर्शन

- 12 (14.12%) अंतरराष्ट्रीय छात्र हैं। इनमें से, 6 विदेशी नागरिक और 6 स्थायी विदेशी निवासी हैं।
- 24 (28.24%) छात्र भारत के बाहर रहते हैं।
- 76 (89.41%) छात्रों के पास कार्य और अध्ययन के संदर्भ में अंतरराष्ट्रीय प्रदर्शन हैं।
- 76 (89.41%) छात्रों ने अपने देश के अलावा कम से कम एक अन्य देश का दौरा किया हुआ है।

शैक्षणिक पृष्ठभूमि

- 16 (18.82%) छात्रों ने अपने देश के बाहर से उपाधि प्राप्त की है।
- 37 (43.53%) छात्रों के पास स्नातक से भी उच्च योग्यता (व्यावसायिक, स्नातकोत्तर)है।
- 68 (80.00%) छात्र इंजीनियर हैं।
- 21 (24.71%) छात्र आईआईटी / एनआईटी से स्नातक हैं।
- उद्योगों में – एयरलाइन/यात्रा, बीपीओ, रक्षा, शिक्षा, ऊर्जा/विद्युत, वित्तीय सेवाएँ, सरकारी सेवाएँ, स्वास्थ्य देखभाल, सुविधा सेवाएँ, बुनियादी सुविधाएँ, आईटी एवं आईटी सेवाएँ, प्रबंध परामर्शन, विनिर्माण इंजीनियरिंग, विनिर्माण प्रक्रिया, मीडिया, गैर-सरकारी संगठन, खुदरा, शिपिंग तथा टेलीकॉम शामिल हैं।
- 11 (12.95%) छात्र महिलाएँ हैं।

प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम

स्नातक होने वाले एफ़पीएम छात्र **घ1**

नाम	क्षेत्र	शोध प्रबंध शीर्षक	शोध प्रबंध परामर्शन समिति
बी. सुंदर	अर्थशास्त्र	वित्तीय साक्षरता, जोखिम के प्रति रूख, तथा वनों पर निर्भर समुदायों की व्यग्रता के आँकड़े : आन्ध्र प्रदेश से साक्ष्य	प्रोफ़ेसर विनीत विरमाणी (अध्यक्ष) प्रोफेसर एर्रोल डी'सूज़ा प्रोफ़ेसर विजय शेरी चंद
बिपुल कुमार	विपणन	स्थायित्व की अवधारणा को व्यापक बनाना तथा कंपनी के कार्यनिष्पादन पर उसके प्रभाव का मापन करना	प्रोफ़ेसर पीयूष कुमार सिन्हा (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर पी.आर. शुक्ला प्रोफ़ेसर अभिषेक
दिनेश जैन	कृषि	विकास कार्यक्रमों में संस्थागत अंतर्क्रिया तथा सहभागिता पूर्ण निर्णय-निर्धारण : प्रभावी प्राकृतिक प्रबंधन में उनके महत्व का एक अध्ययन	प्रोफ़ेसर वसंत पी. गाँधी (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर वैभव भमोरिया प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा
हेम हिमांशु धोलकिया	सार्वजनिक प्रणाली समूह	भारत में जलवायु परिवर्तन, वायु प्रदूषण तथा लोक स्वास्थ्य : प्रभाव आकलन और अनुकूलन रणनीतियाँ	प्रोफ़ेसर अमित गर्ग (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर दिलीप मावलंकर प्रोफ़ेसर पी.आर. शुक्ला
इन्द्रजीत ठाकुरता	अर्थशास्त्र	अमीर पापा, गरीब पापा : पॉर्टफ़ॉलियो बचत एवं मानव पूँजी संचय का जीवन-चक्र	प्रोफ़ेसर विनीत विरमाणी (अध्यक्ष) प्रोफेसर एर्रोल डी'सूज़ा प्रोफ़ेसर दीप्तेश घोष
कौशिक रॉय	व्यवसाय नीति	अंतरराष्ट्रीय संयुक्त उद्यमों में गतिशील क्षमताओं का विकास : ऊभरती अर्थव्यवस्था में बीमा उद्योग के संदर्भ के तहत एक अन्वेषण	प्रोफ़ेसर एस. मणिकुट्टी (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर पी.डब्ल्यू. खोकले प्रोफ़ेसर शैलेन्द्र मेहता
मनोज मोटियानी	विपणन	विक्रेता के कार्यनिष्पादन का निर्धारक के रूप में महत्त्वपूर्ण नेतृत्व : विस्तृत पूर्ण श्रृंखला नेतृत्व सिद्धांत (एफ़आरएलटी) को लागू करते हुए	प्रोफ़ेसर निहारीका वोहरा (सह-अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर आनंद कुमार जायसवाल (सह-अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर पीयूष कुमार सिन्हा
प्रकृति नासवा	सार्वजनिक प्रणाली समूह	अवसंरचना आस्तियों पर जलवायु परिवर्तन के प्रभाव की अनिश्चितता और जोखिम प्रबंधन	प्रोफ़ेसर अमित गर्ग (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर सुनील शर्मा प्रोफ़ेसर पी.आर. शुक्ला
शिविका मित्तल	सार्वजनिक प्रणाली समूह	सतत निम्न कार्बन परिवहन : भारत के लिए एक एकीकृत नीति की रूपरेखा और आकलन	प्रोफ़ेसर पी.आर. शुक्ला (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर आर.एच. धोलकिया प्रोफ़ेसर प्रेम पंगोत्रा
वर्षा खांडकेर	कृषि	नई प्रौद्योगिकियों के प्रारंभ में चुनौतियाँ : भारत में हाई ब्रिड चावल के कार्यनिष्पादन तथा अभिग्रहण का एक अध्ययन	प्रोफ़ेसर वसंत पी. गाँधी (अध्यक्ष) प्रोफ़ेसर वैभव भमोरिया प्रोफ़ेसर अर्नब के. लाहा

प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम

घ2

एफ़पीएम छात्रों द्वारा सम्मेलनों / डॉक्टरल संवर्धन वार्ता / संघों में प्रतिभागिता

सम्मेलन	
अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन	11
स्थानीय सम्मेलन	29
कुल सम्मेलन	40
कुल छात्रों ने भाग लिया	18
अंतरराष्ट्रीय	
स्थानीय	4
कुल डॉक्टरेट संवर्धन वार्ता	6
कुल छात्रों ने भाग लिया	10
पेपर प्रकाशन : एफ़पीएम छात्रों द्वारा प्रकाशित कुल पेपर :	6

पुरस्कार

अब्रार अली सैयद

- दिसम्बर 2013 में आयोजित सातवीं आईआईएमए डॉक्टरेट संवर्धन वार्ता में अर्ली ट्रैक में श्रेष्ठ पेपर अवार्ड जीता।

अतुल पाठक

- दिसम्बर 2013 में आयोजित सातवीं आईआईएमए डॉक्टरेट संवर्धन वार्ता एड्वान्स्ड ट्रैक में श्रेष्ठ पेपर अवार्ड जीता।

स्नातकोत्तर एवं फ़ेलो कार्यक्रम : छात्रों की संख्या

	प्रबंधन में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	कृषि-व्यवसाय प्रबंध में स्नातकोत्तर कार्यक्रम	प्रबंध में फ़ेलो कार्यक्रम	कुल
2003-4	424	55	49	528
2004-5	501	55	54	610
2005-6	493	56	69	618
2006-7	488	55	66	609
2007-8	518	54	75	647
2008-9	560	44	84	688
2009-10	602	54	79	735
2010-11	688	77	69	834
2011-12	747	78	73	898
2012-13	753	78	84	915
2013-14	**756**	**87**	**80**	**923**

नियुक्ति

च1

बैच प्रोफ़ाइल

शैक्षणिक पृष्ठभूमि	
कार्य	**छात्रों का प्रतिशत**
इंजीनियरिंग	94
विज्ञान	3
वाणिज्य	1
कला व अन्य	2

कार्य अनुभव	
अवधि	**छात्रों का %**
नए	25
1 – 12 महीने	17
13 – 24 महीने	29
25 – 36 महीने	15
> 36 महीने	14

च2

प्रस्ताव एवं स्वीकृति

समूह	प्रस्ताव	स्वीकृति
समूह1	111	107
समूह2	192	161
समूह3	123	94
	426	**362***

* एक छात्र नियुक्ति छुट्टी से वापस आया और उसकी नियुक्ति की गई।

च3

नए भर्तीकर्ता

कम्पनी का नाम	कम्पनी का नाम	कम्पनी का नाम
एप्सडेली सॉल्युशन्स	फ़्रैक्टल एनेलिटिक्स	नेटवर्क 18
आरेते एड्वाइज़र्स	हेकिल टैक	नेक्स्ट एजुकेशन
भारती अक्सा	इंडियाप्रॉपर्टी डॉट कॉम	ओनिक्रा
सी.डब्ल्यू. डाउनर एंड कंपनी	आईप्रोफ़ लर्निंग सॉल्युशन्स	ऑर्गेनिक इंडिया
डीटीडीसी कूरियर एंड कार्गो लिमिटेड	जस्ट डायल लिमिटेड	पार्थेनॉन ग्रुप
दुनिया फ़ाइनेंस एल.एल.सी.	केप्लर केनन	पीपल इंटरेक्टिव
एम्बाइब डॉट कॉम	किर्लोस्कर ऑयल इंजिन्स	रेशनल एजी
एस्पिरितो सान्तो	मास्टर कार्ड एड्वाइज़र	शेल
एवरेस्ट ग्रुप	मीडियाडॉटनेट सॉफ़्टवेयर सर्विसिज़	
इवॉल्वेन्स कैपिटल	नारायण हृदालय	

नियुक्ति

च4 **स्थल अनुसार नियुक्ति**

स्थान	2012		2013		2014	
	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत	संख्या	प्रतिशत
भारत	322	88.46	347	96.39	346	95.58
यूएसए	3	0.82	1	0.28	1	0.28
यूरोप/यूके (लंदन)	14	3.85	1	0.28	2	0.55
एशिया-पैसिफिक (हाँगकाँग, सिंगापुर, टोक्यो)	17	4.67	6	1.67	5	1.38
कुवैत, यूएई, अफ़्रीका	8	2.20	5	1.39	8	2.21
कुल	**364**	**100.00**	**360**	**100.00**	**362**	**100.00**

च5 **विदेशी और देशी प्रस्ताव एवं स्वीकृतियाँ**

स्थान	2012			2013			2014		
	प्रस्ताव	स्वीकृति	प्रस्तावों की स्वीकृति का प्रतिशत	प्रस्ताव	स्वीकृति	प्रस्तावों की स्वीकृति का प्रतिशत	प्रस्ताव	स्वीकृति	प्रस्तावों की स्वीकृति का प्रतिशत
विदेशी	42	42	100	13	13	100	17	16	94.12
देशी	401	322	80.30	420	347	82.62	409	346	84.60
	443	**364**	**82.17**	**433**	**360**	**83.14**	**426**	**362**	**84.98**

च6 **क्षेत्रवार/कार्यवार नियोजन**

क्षेत्र/कार्य	2012			2013			2014		
	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत	विदेशी	भारतीय	कुल का प्रतिशत
बिक्री/विपणन (एफ़एमसीजी)	8	84	25.27	0	30	8.33	0	32	8.84
निवेश बैंकिंग / वाणिज्यिक बैंकिंग / वित्त	31	43	20.33	7	52	16.39	11	54	17.96
प्रणालियाँ/आईटी/आईटीईएस	0	26	7.14	0	42	11.67	0	53	14.64
परिचालन (टेलीकॉम, ऑनलाइन सेवाएँ, फार्मा, चिकित्सा एवं हैल्थकेयर)	1	1	0.55	3	33	10.00	3	21	6.63
परामर्शी	2	126	35.17	0	115	31.94	0	114	31.49
कम्पनी संगठन	0	0	0.0	1	32	9.17	0	26	7.18
सामान्य प्रबंधन (रिटेल, विनिर्माण, प्राइवेट इक्विटी, इंजीनियरिंग एवं टैकनोलोजी आदि)	0	42	11.54	2	23	6.94	2	21	6.35
मीडिया / संचार	0	0	0	0	0	0	0	10	2.76
अन्य (पर्यटन, रसद, रियल एस्टेट, शिक्षा प्रबंधन, पर्यावरण एवं ऊर्जा, तेल एवं गैस)	0	0	0.0	0	20	5.56	0	15	4.15
	42	**322**	**100**	**13**	**347**	**100**	**16**	**346**	**100**

नियुक्ति

च7 **क्षेत्रवार शीर्ष भर्तीकर्ता**

क्षेत्र	भर्तीकर्ता	कितने भर्ती किए गए	कुल स्वीकृति का प्रतिशत (362)
परामर्श	एक्सेन्चर	18	4.97
	बी सी जी	15	4.14
	ईएक्सएल (इंडक्टिस)	8	2.21
	ए.टी. केआर्नी	7	1.93
	ब्रेन एंड कंपनी	7	1.93
	मैकिन्से एंड कंपनी	7	1.93
	केपीएमजी एड्वाइज़री	7	1.93
	लेटंटव्यू एनेलिटिक्स	7	1.93
बैंकिंग एवं वित्त सेवाएँ	एचएसबीसी	9	2.49
	गोल्डमैन सैक	6	1.66
	फ़िनआईक्यू कंसल्टिंग	4	1.10
	दुनिया फाइनेंस	4	1.10
कम्पनी संगठन	रिलायन्स इंडस्ट्रीज लिमिटेड	8	2.21
	आदित्य बिडला ग्रुप	4	1.10
	सी.के. बिडला	3	0.83
	महिन्द्रा एंड महिन्द्रा	3	0.83
	महिन्द्रा कॉमविवा	3	0.83
आई टी और प्रणालियाँ	अमेज़ोन विकास केन्द्र	15	4.14
	इन्फ़ोसिस	6	1.66
	माइक्रोसॉफ़्ट इंडिया	5	1.38
उपभोक्ता सामान	हिन्दुस्तान युनिलिवर	6	1.66
	आईटीसी	6	1.66
	नेसले	4	1.10
मीडिया/संचार	स्टार इंडिया	6	1.66
	नेटवर्क18	3	0.83
इंजीनियरिंग/टैकनोलॉजी	सैमसंग इंडिया	7	1.93
	एनेर्गो इंजीनियरिंग	3	0.83

नियुक्ति

च8 नियुक्ति से बाहर रहने का विकल्प चुनने वाले छात्र

छात्रों के नाम	उद्यमिता के क्षेत्र
पीजीपी	
आशीष रंजन	शिक्षण क्षेत्र
जम्बुलकर विकल्प विवेकानंद	यात्रा और शिक्षा
एस. कनुप्रदीप	उच्च-सीमा युक्त सामग्री की खरीद एवं आपूर्ति, विशेष रूप से जो गैर-भारतीय व्यंजनों में इस्तेमाल की जाती है (जैसे कि इटालियन, मैक्सिकन आदि)
सचिन कुमार सिंह	ग्राहकों की अत्यधिक सुविधाओं के साथ खेतों से ताज़ा फलों एवं सब्ज़ियों को मँगाना, खरीदना और आपूर्ति करना
स्नेहिल बसोया	कृषि और खाद्य प्रसंस्करण
सुशील कुमार मीणा	रसद तथा परिवहन क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग
विपुल गजबिये	स्थान की बचत करने वाले फर्नीचर को बेचना
यश गुप्ता	सुविधाओं की खुदरा बिक्री
अमरजीत चौहान	ग्राहकों की अत्यधिक सुविधाओं के साथ खेतों से ताज़ा फलों एवं सब्ज़ियों को मँगाना, खरीदना और आपूर्ति करना
विग्नेश शंकर	शिक्षा
करुणामूर्ति पी.	स्कूल शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार के विषय में
रुचिर जैन	भारत में किसी व्यक्ति या व्यावसायिक सेवाओं के एसएमई को निष्पक्ष, उद्देश्यपूर्वक तथा विश्वसनीय तरीके से ऑनलाइन जानकारी प्रदान करने के लिए
छापरिया शौनक बिमल	रसद तथा परिवहन क्षेत्र में प्रौद्योगिकी का अनुप्रयोग
पीजीपी-एबीएम	
कासिफ मोहम्मद	अच्छी गुणवत्ता और अच्छे डिज़ाइन वाले चमड़े के उत्पादों की एक श्रृंखला शुरू करना
प्रियांशी माथुर	शिक्षा
राहुल कुमार साहू	शिक्षा

च9 ग्रीष्मकालीन नियुक्ति (पीजीपी 2013-15 बैच)
ग्रीष्मकालीन नियुक्ति का क्षेत्रवार वितरण

क्षेत्र	नियुक्तियों की संख्या
बैंकिंग, वित्तीय सेवाएँ और बीमा (बीएफ़एसआई)	71
कंपनियों का संगठन	46
परामर्श	81
उपभोक्ता सामान (एफ़एमसीजी)	50
उपभोक्ता सेवाएँ	5
इंजीनियरिंग/प्रौद्योगिकी	4
सूचना प्रौद्योगिकी	29

क्षेत्र	नियुक्तियों की संख्या
विनिर्माण	6
मीडिया/संचार	5
ऑनलाइन सेवाएँ	30
फार्मास्यूटिकल/स्वास्थ्य देखभाल	14
रियल एस्टेट	4
टेलीकॉम	5
अन्य	28
	378

नियुक्ति

च10 पीजीपी-एबीएमकी क्षेत्रवार नियुक्ति

क्षेत्र	भर्तीकर्ता	कितने भर्ती किए गए	कुल स्वीकार का प्रतिशत (36)
कृषि आदान	ऐग्रोसेल	2	5.6%
	जीएवीएल	3	8.3%
	गुजरात राज्य ऊर्वरक एवं रसायन लिमिटेड	3	8.3%
	एसवी एग्रो	1	2.8%
	सिंजेंटा	1	2.8%
	टाटा रेलिस	2	5.6%
बीएफ़एसआई क्षेत्र	एस्पाडा	1	2.8%
	रैबोबैंक	2	5.6%
	स्टैडर्ड चार्टर्ड	1	2.8%
परामर्श	वेक्टर कन्सल्टेंसी	1	2.8%
उपभोक्ता सामान	मोंदलेज	1	2.8%
	नागा मिल्स	3	8.3%
ई-कॉमर्स	आई-प्रोफ़	1	2.8%
आई.टी.	स्टेलेप्स	1	2.8%
रसद	गति	1	2.8%
विनिर्माण	एस्कॉर्ट	2	5.6%
	केओईएल	3	8.3%
	टेफ़े	1	2.8%
सामाजिक क्षेत्र	ईएसपी	2	5.6%

च11 पीजीपीएक्स नियुक्ति

छात्रों की कुल संख्या	85
खुद का उद्यम शुरू करने के लिए नियुक्ति अवकाश का विकल्प चुनने वाले छात्र	5
अपने बूते पर नियुक्ति खोजने वाले छात्र (नियुक्ति प्रक्रिया से बाहर)	15
अध्ययन प्रोत्साहन अवकाश	6
नियुक्ति प्रक्रिया के जरिये अंतिम पेशकश प्राप्त करने वाले छात्र	52
प्रक्रिया में जारी छात्र	7

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

जारी परियोजनाएँ

छ1

स्थिति / परियोजना का प्रकार	परियोजनाएँ				
	जारी परियोजनाएँ	प्रारंभ की गई परियोजनाएँ	कुल	पूरी हो चुकी परियोजनाएँ	बंद की गई परियोजनाएँ
अनुसंधान परियोजना	13	8	21	8	
मूल धन परियोजना	7	6	13	6	
केस विकास परियोजना	8	8	16	4	1
ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजना			36		
आर एंड पी द्वारा संयोजित संगोष्ठी			25		
शोधकार्य-पत्रक			96		

प्रारंभ की गई परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएँ

- भीड़ की उपस्थिति में क्षमता चयन, बेकअप सेवा के साथ सेवा प्रणाली डिज़ाइन समस्या के लिए सटीक समाधान
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- आस्ति विवरणियाँ तथा दीर्घ-कालीन पॉर्टफ़ॉलियो पसंद की पूर्वानुमानता
  (प्रोफ़ेसर विनीत विरमाणी)
- समुद्री कंटेनर टर्मिनल्स पर उतराई कार्यों में प्रवासी पोत के समय का आकलन
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- प्राथमिकता श्रेणियों के रोगियों पर सेवा स्तर प्रतिबंधों से आपातकालीन चिकित्सा सेवा सुविधाएँ
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- उच्च शिक्षा में आरक्षण का प्रभाव : अन्य पिछड़ा वर्गों का केस
  (प्रोफ़ेसर राकेश बसन्त)
- क्षय की महामारी और उससे संबंधित दवा की बिक्री : भारत में क्षय रोग की महामारी के एक संकेतक के रूप में दवा की बिक्री - क्षय रोग प्रसार में धर्मनिरपेक्ष रूझान : दवा बाज़ार से पूर्वानुमान
  (प्रोफ़ेसर विश्वनाथ पिंगाली, के.वी. रमणी, तथा सृजन गोपीनाथ)
- कार्यस्थल पर बदमाशी करने की पार सांस्कृतिक धारणाएँ
  (प्रोफ़ेसर प्रेमिला डी'क्रूज़)
- रेस्तरां संचालनों की प्रसंभाव्य मॉडलिंग
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)

मूलधन परियोजनाएँ

- ब्लाइंडेड डेटा के साथ डबल ब्लाइंड चिकित्सकीय परीक्षण में दो उपचारों के प्रभावों की समानता के लिए एक परीक्षण का विकास
  (प्रोफ़ेसर तथागत बंद्योपाध्याय)
- अल्टिमेटम खेलों में दांव के आकार में केवल ध्यान देने योग्य भेदों के प्रभाव का अध्ययन
  (प्रोफ़ेसर संजीव त्रिपाठी)
- लेखा परीक्षकों के लेखा लेन-देन की नैतिकता की दृष्टि से धारणाओं का मापन
  (प्रोफ़ेसर नमन देसाई तथा शोभेश के. अगरवाला)
- पर्यावरण के अनुकूल तथा स्थायी उपभोग के व्यवहार के प्रति उपभोक्ता के बर्ताव के लिए घरेलू उपकरणों के लेखांकन की खरीद प्रक्रिया का मूल्यांकन
  (प्रोफ़ेसर अरिन्दम बनर्जी)
- जनसंख्या आधारित मॉडल में आरओसी अवस्था का आकलन
  (प्रोफ़ेसर तथागत बंद्योपाध्याय)
- लेखा परीक्षकों पर दबाव, अवसरों तथा ग्राहकों के आकार, धोखाधड़ी जोखिम आकलन तथा लेखा परीक्षा के प्रयास के प्रभाव
  (प्रोफ़ेसर नमन देसाई)

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

केस विकास परियोजनाएँ

- प्रबंधन संस्थानों में स्थिरता, संचालन तथा उत्कृष्टता के मुद्दे
  (प्रोफ़ेसर राजीव शर्मा तथा विजय शेरी चंद)
- झारखंड में अमुदुबी ग्रामीण पर्यटन परियोजना : परियोजना जोखिम प्रबंधन
  (प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता)
- ओलंपिक स्वर्ण पदक की तलाश पर केस
  (प्रोफ़ेसर संजीव त्रिपाठी)
- बी.ई.एस.टी. में बस और चालक दल का समयक्रम निर्धारण
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- विकास के लिए नवीन सुधार : इंगरसोल रैंड, भारत की कहानी
  (प्रोफ़ेसर निहारीका वोहरा)
- सहज ई-गाँव लिमिटेड
  (प्रोफ़ेसर पीयूष सिन्हा)
- डॉ. लाल पैथलेब्स
  (प्रोफ़ेसर अजीत नारायण माथुर)
- डिजिटल ग्रीन : लोगों द्वारा सर्वाधिक व्यवहार में लाया गया वीडियो
  (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन तथा कविता रंगनाथन)

पूरी की गई परियोजनाएँ

अनुसंधान परियोजनाएँ

- कंटेनर टर्मिनल कार्यों के लिए प्रसंभाव्य मॉडलिंग तथा डिज़ाइन अंतर्दृष्टि
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- वाहन-आधारित प्रौद्योगिकियों के विभिन्न प्रकारों का उपयोग करते हुए वितरण गोदामों में समग्र क्षमता का सुधार
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- भारतीय बाज़ार में एयरलाइन उद्योग के मूल्य आंदोलन का एक अनुभवजन्य अध्ययन
  (प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता)
- एकाधिक ग्राहक वर्गों के लिए सेवा स्तर की बाधाओं के साथ हब-एंड-स्पोक (अड्डा व समयक्रम कड़ी) नेट वर्क डिज़ाइन के एकाधिक आवंटन
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- भीड़ की उपस्थिति में क्षमता चयन, बैकअप सेवा के साथ सेवा प्रणाली डिज़ाइन समस्या का सटीक समाधान
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- दूरी से आने -जाने के प्रति कर्मचारियों के रवैये का एक खोजपूर्ण अध्ययन : पैमाने पर विकास और विधिमान्यकरण
  (प्रोफ़ेसर धीरज शर्मा)
- भारतीय शेयर बाज़ार में सुव्यवस्थित जोखिम वाले कारकों के व्यवहार पर एक अध्ययन
  (प्रोफ़ेसर जोशी जैकब, शोभेश अगरवाला, तथा जयंत वर्मा)
- भारतीय आईटी क्षेत्र में कार्यस्थल पर बदमाशी
  (प्रोफ़ेसर प्रेमीला डी"क्रूज़)

मूलधन परियोजनाएँ

- दोष सहिष्णु टिकाऊ नेटवर्क डिज़ाइन
  (प्रोफ़ेसर प्रह्लाद वेंकटेशन)
- नव आधुनिकतावादी योजना के अभ्यास के समकालीन विकल्प की खोज : शहरी रिवरफ़्रंट विकास परियोजनाओं का केस
  (प्रोफ़ेसर नवदीप माथुर)
- आपूर्ति श्रृंखला में खेल सैद्धांतिक मॉडल
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- ब्लाइंडेड डेटा के साथ डबल ब्लाइंड चिकित्सकीय परीक्षण में दो उपचार प्रभावों की समानता के लिए एक परीक्षण का विकास
  (प्रोफ़ेसर तथागत बंद्योपाध्याय)
- बचत और आउटलुक चर पर भारतीय उपभोक्ता के व्यवहार विभाजन के लिए एनसीएईआर द्वारा एकत्रित किये एनएसएचआईई (2010-11) डेटा के उपयोग करने में संभावनाओं का मूल्यांकन
  (प्रोफ़ेसर अरिन्दम बैनर्जी)
- फ़िनलैंड-भारत आर्थिक संबंध
  (प्रोफ़ेसर अजीत माथुर)

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

केस विकास परियोजनाएँ

- मीनाचिल कंक्रीट्स
  (प्रोफ़ेसर एम.एम. मोनिपल्ली)
- तिहाड़ जेल फ़ेक्ट्री उत्पाद के लिए ब्रांड विकास
  (प्रोफ़ेसर धीरज शर्मा)
- प्रबंधन शिक्षा में प्रमुखों के लिए उत्कृष्टता कार्यक्रम के लिए नवीन सुधार
  (प्रोफ़ेसर राजीव शर्मा तथा विजय शेरी चंद)
- इन्नोवश्यंत टैकनोलोजीस (इंडिया) लिमिटेड .
  (प्रोफ़ेसर अजीत माथुर)
- रिलायन्स इन्फ्रास्ट्रक्चर पर केस श्रृंखला
  (प्रोफ़ेसर एम. आर. दीक्षित)

बंद की गई परियोजनाएँ

केस विकास परियोजनाएँ

- बैंक ऑफ इंडिया
  (प्रोफ़ेसर एर्नेस्तो नोरोन्हा)

ग्रीष्मकालीन इंटर्नशिप परियोजना

- भारतीय चीनी के लिए जारी व्यथा : अंधेरे में दूर रोशनी की एक किरण की खोज
  (प्रोफ़ेसर समर दत्ता)
- एक विकास प्रक्रिया के दौरान परिवर्तन क्षेत्र के संबंध में कैसे परिवर्तन क्षेत्र आगे बढ़ता है? चयनित प्रमुख भारतीय राज्यों के स्वातंत्र्योत्तर अनुभव से अंतर्दृष्टि
  (प्रोफ़ेसर समर दत्ता)
- रास्ता लागत संतुलन बाधा के साथ मालभाड़ा आवंटन समस्या के लिए मिश्रित बैंडर की कटौती
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- क्षमता व दूरी से बाधाकृत संयंत्र स्थान समस्या के लिए बैंडर का विघटन
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- चयनित भारतीय म्यूचुअल फंड का कार्यप्रदर्शन : वर्ष 2011-13
  प्रोफ़ेसर विनीत विरमाणी
- कंटेनर टर्मिनल की डिज़ाइन के लिए एक्सेल आधारित उपकरण का विकास
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- वितरण गोदाम के डिज़ाइन तथा प्रबंधन पर केस शिक्षण
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- खुली और बंद कतार में मिलान के दौरान
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- भावनात्मक विश्लेषण का उपयोग करते हुए ग्राहक उत्पादों की समीक्षा
  (प्रोफ़ेसर श्रीकुमार कृष्णमूर्ति)
- भारत बनाम विकसित राष्ट्रों में मोबाइल पेशकश का एक तुलनात्मक विश्लेषण
  (प्रोफ़ेसर संजीव त्रिपाठी)
- अल्टिमेटम खेल : साहित्य तथा खोजपूर्ण अध्ययन की एक समीक्षा
  (प्रोफ़ेसर संजीव त्रिपाठी)
- माइक्रोमेक्स भारत : एक ऐसा बौना जो विशालकाय दिग्गज कंपनी बन गया
  (प्रोफ़ेसर संजीव त्रिपाठी)
- शिक्षा नवाचार बैंक : सार्वजनिक स्कूली शिक्षा में व्यावसायिक विकास तथा गुणवत्ता संवर्धन का विकेन्द्रीकरण
  (प्रोफ़ेसर विजय शेरी चंद)
- क्या रचनात्मक व्यवहार रचनात्मक कार्यनिष्पादन का नेतृत्व करता है? भारत में आर. एंड डी. प्रयोगशालाओं में कार्यरत वैज्ञानिकों के अनुभव की जाँच
  (प्रोफ़ेसर विशाल गुप्ता)
- एक गैर-पूर्वक्रमिक प्राथमिकता कतार में कम प्राथमिकता वाले ग्राहकों के प्रवास समय वितरण के लिए मैट्रिक्स ज्यामितीय विधि
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- रास्ता संतुलन बाधा के साथ मालभाड़ा आवंटन : एक लेगरेंजियन अनुमानी दृष्टिकोण
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- स्टोर ब्रांड बनाम राष्ट्रीय ब्रांड : एक खेल सैद्धांतिक मॉडल
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

- प्रसंभाव्य माँग तथा भीड़ के तहत आपूर्ति श्रृंखला नेट वर्क डिज़ाइन का मजबूत अनुकूलन
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- संसाधन आधारित कार्य समय के साथ यू-आकार में फिटिंग रेखण संतुलन
  (प्रोफ़ेसर सचिन जायसवाल)
- एक ही शहर में प्रतिस्पर्धी होटेलों के मूल्य झुकाव का अध्ययन
  (प्रोफ़ेसर गौतम दत्ता)
- प्राथमिक स्कूल के हुनर घर के संदर्भ में बघेल गाँव (आबु रोड) में समुदाय की ज़रूरतों तथा अपेक्षाओं का मानचित्रण
  (प्रोफ़ेसर राजीव शर्मा)
- भारत में आम प्रवाह उपचार संयंत्रों के कार्यनिष्पादन की मॉडलिंग
  (प्रोफ़ेसर राम मोहन तुरागा)
- कुशल स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन के लिए चिकित्सकीय डेटा का उपयोग
  (प्रोफ़ेसर के.वी. रमणी)
- नीतिशास्त्र एवं सार्वजनिक नीति के बारे में
  (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)
- शेयर कीमतों पर शेयरों की प्रतिज्ञा से संबंधित प्रकटीकरण का प्रभाव
  (प्रोफ़ेसर शोभेश कुमार अगरवाला)
- इंडेक्स फ़्यूचर्स, सिंगल स्टॉक फ्यूचर्स, तथा कैश मार्केट के बीच नेतृत्व-अंतराल के संबंध
  (प्रोफ़ेसर शोभेश कुमार अगरवाला)
- वर्तमान संदर्भ में दुग्ध उत्पादन केन्द्र को बढ़ावा देने के लिए संस्थागत वाहन के रूप में पशु आवास की अवधारणा के वैज्ञानिक लाभ
  (प्रोफ़ेसर समर के. दत्ता)
- भारत में उपभोक्ता सहयोग पर एक दृष्टिकोण
  (प्रोफ़ेसर समर के. दत्ता)
- भारत में समाचारपत्रों के लिए एक उपभोक्ता रेटिंग उपलब्ध कराना
  (प्रोफ़ेसर धीरज शर्मा)
- शिक्षा के अधिकार का मूल्यांकन
  (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)
- डेटा खनन टैकनिक का उपयोग करते हुए उत्पाद वर्गीकरण योजना
  (प्रोफ़ेसर श्रीकुमार कृष्णमूर्ति)
- सस्ती स्वास्थ्य देखभाल सेवाएँ : चुनौतियों से निपटना
  (प्रोफ़ेसर के.वी. रमणी)
- टैक्सी प्रदाता के लिए पुनःस्थिति में वाहन को रखने पर केस
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- परिवहन विश्लेषिकी में जीपीएस डेटा का उपयोग करने के अवसर
  (प्रोफ़ेसर देबजीत रॉय)
- नीति निर्माण में प्रतिभागिता : हाल के पैटर्न्स (प्रतिमान)
  (प्रोफ़ेसर अंकुर सरीन)
- भारतीय कंपनियों की स्वामित्व संरचना तथा अंतरराष्ट्रीयकरण
  (प्रोफ़ेसर चित्रा सिंगला)

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

कार्यपत्र : अप्रैल 2013 - मार्च 2014

कार्यपत्र क्रमांक	शीर्षक	लेखक
2013-04-01	नियंत्रण चार्ट के कार्यनिष्पादन उपायों की एसबी-मजबूती	लाहा, ए. के.; राजा प्रविदा
2013-04-02	पश्चिम बंगाल, भारत में शहरी जल वितरण में सुधार के लिए रणनीतियाँ : जल संस्थानों तथा जल वितरण संगठनों के बैंचमार्किंग का विश्लेषण	नाग, तीर्थंकर गर्ग, अमीत
2013-04-03	दरार निवारक वाल्व नेटवर्क में दोषपूर्ण वाल्व पहचानना	घोष, दीप्तेश
2013-05-01	श्रेणीबद्ध डेटा की स्थिर समय श्रृंखलाओं के लिए ऑटो-हावड़ा चारवात उत्क्रम उपाय	बिस्वास, अतनू; मारिया देल कारमें पारदो गुहा अप्रतिम
2013-05-02	शून्य-मुद्रास्फितीकृत समय श्रृंखला गणना डेटा के पूर्वानुमान पर मॉडलिंग तथा सुसंगतता	मैती, राजू; बिस्वास, अतनू; गुहा, अप्रतिम सेंग हुआत ओंग
2013-05-03	प्रजातियों तथा जैवविविधता की संख्या का आकलन	बिस्वास, अतनू गुहा, अप्रतिम
2013-05-04	देशांतरीय स्थापन में बहुभिन्नरूपी क्रमसूचक श्रेणीबद्ध आँकड़ों पर मॉडलिंग तथा विश्लेषण	बिस्वास, अतनू गुहा, अप्रतिम
2013-05-05	श्रेणीबद्ध आँकड़ों की स्थिर समय श्रृंखला के लिए कुछ ऑटो-पावर विचलन उपाय	बिस्वास, अतनू; मारिया देल कारमेन पारदो; गुहा, अप्रतिम
2013-05-06	आपसी जानकारी का उपयोग करके दो नमूने वाली समस्या के लिए एक परीक्षण	गुहा, अप्रतिम; चोतिआ, टॉम
2013-05-07	बाज़ार संचालित व्यवहार : सिद्धांत तथा अभ्यास के विकास की रूपरेखा	सहाय, अरविंद
2013-05-08	प्रतिस्पर्धात्मक लाभ की पहचान के लिए उपभोक्ता उन्मुख दृष्टि कोण	सहाय, अरविंद
2013-05-09	सेंट पीटर्सबर्ग विरोधाभास का समय संकल्प : एक खंडन	वर्मा, जयंत आर.
2013-05-10	जटिल व्यवस्थाओं में गठबंधन क्षमता, शासन तंत्र तथा हितधारकों का प्रबंधन	बसंत, राकेश; राय, रजनीश
2013-05-11	भारत में उच्च शिक्षा तक की पहुँच : इसके पूर्ववृत्त की एक खोज	बसंत, राकेश; सेन, गीतांजली
2013-06-01	सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र में मुक्त नवाचार की प्रक्रियाएँ, रणनीतियाँ, तथा कार्यनिष्पादन पहलू - विशेषज्ञों से अंतर्दृष्टि	कृष्णन, सुदीप के.; जैन, रेखा
2013-06-02	सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नवाचार परियोजनाओं में खुलेपन की तलाश	कृष्णन, सुदीप के.; जैन, रेखा

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

कार्यपत्र क्रमांक	शीर्षक	लेखक
2013-06-03	खुलेपन तथा परियोजना निष्पादन की डिग्री : सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) नवाचार परियोजनाओं का एक बहुराष्ट्रीय अनुभवजन्य आकलन	कृष्णन, सुदीप के.; जैन, रेखा; बसंत, राकेश
2013-06-04	आपसी सूचना का उपयोग करके हाईब्रिड प्रक्रियाओं के घटकों के निर्माण में निर्भरता का परीक्षण	गुहा, अप्रतिम
2013-06-05	एक शैक्षिक अस्पताल में डॉक्टरों की गतिविधियों की योजना	रॉय, देबजीत; नारंग, साहिल; रमणी, के.वी.
2013-06-06	अकादमिक अनुसंधान उत्पादकता : क्या भारतीय बी-स्कूलों पर लगाम कसी जा सकेगी?	बनर्जी, अरिंदम
2013-07-01	सेलेब्रिटी को बढ़ावा देने में संस्कृति की भूमिका : भारतीय संदर्भ में सेलिब्रिटियों द्वारा ब्रांड का समर्थन	अभिषेक; सहाय, अरविंद
2013-07-02	गुजरात तथा भारतीय कृषि में व्यापार के अंतर-क्षेत्रीय नियम तथा एकीकृत आपूर्ति प्रतिक्रिया	धोलकिया, रवीन्द्र एच.; सप्रे, अमी
2013-08-01	स्थिरता की अवधारणा को व्यापक बनाना तथा कंपनी के कार्यनिष्पादन पर उसके प्रभाव का मापन	कुमार, बिपुल; सिन्हा, पीयूष कुमार; शुक्ला, पी. आर.; अभिषेक
2013-09-01	वर्तमान बृहद् आर्थिक अव्यवस्था से बाहर का तरीका : एक दृष्टि	मॉरिस, सेबास्तियन
2013-09-02	आन्ध्र प्रदेश में वन आश्रित समुदायों की संख्या तथा वित्तीय साक्षरता के साक्ष्य	सुंदर, बी; विरमाणी, विनीत
2013-09-03	न्यूज़बॉय मॉडल का संवेदनशील विश्लेषण	खानरा, अविजीत; सोमन, चेतन ए.
2013-09-04	रेलवे में सार्वजनिक निजी प्रतिभागिता निर्माण के लिए रूपरेखा	गंगवार, रचना; रघुराम, जी.
2013-09-05	भारतीय इक्विटी बाज़ार में चार कारक मॉडल	अगरवाला, शोभेश कुमार; जेकब, जोशी; वर्मा, जयंत आर.
2013-09-06	रेलवे प्रवास के लिए उपयोगिता कार्यों के विकास के लिए एक लॉगेरिदमिक लक्ष्य कार्यक्रम दृष्टिकोण	दत्ता, गौतम; घोष, प्रियंको; वांचू, आरुषि
2013-10-01	आरटीई के तहत कोटा : एक समतावादी शिक्षा प्रणाली की दिशा में आगे बढ़ना?	सरीन, अंकुर; गुप्ता स्वाति
2013-10-02	शहरी भारत में कार्यरत युवाओं में वित्तीय साक्षरता	अगरवाला, शोभेश कुमार; बरुआ, समीर के; जेकब, जोशी; वर्मा, जयंत आर.

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

कार्यपत्र क्रमांक	शीर्षक	लेखक
2013-10-03	कॉरपोरेट भारत में स्वामित्व रूझान 2001-2011 : साक्ष्य तथा प्रभाव	बालासुब्रमणियन, बाला एन; रामास्वामी, आनंद
2013-10-04	आकांक्षा तथा समर्थन के पंखों पर उड़ने वाला : उच्च अध्ययन के लिए घर-परिवार से दूर रहने वाली विवाहित भारतीय महिला व्यवसायियों का एक अध्ययन	सक्सेना, रिचा; भटनागर, दीप्ती
2013-10-05	कॉरपोरेट प्रशासन : प्रत्ययी कर्तव्य की व्याख्या में बदलते हुए रूझान	अग्रवाल, अनुराग के.
2013-11-01	न्यूज़बॉय मॉडल में लागत विचलन के लिए कम बाउंड	खानरा, अविजीत; बंद्योपाध्याय, तथागत
2013-11-02	एकाधिक माल-प्रेषण कक्षाओं के लिए सेवा स्तर की कमी के साथ एकाधिक आवंटन हब स्थानों को अधिकारयुक्त करना	जायसवाल, सचिन;विद्यार्थी, नवनीत
2013-11-03	प्रसंभाव्य माँग तथा भीड़ के साथ स्थान आवंटन समस्याओं के वर्ग का प्रभावी समाधान	विद्यार्थी, नवनीत; जायसवाल, सचिन
2013-11-04	कतार विलंब से बैंडविड्थ पैकिंग समस्या का सटीक समाधान	विद्यार्थी, नवनीत;जायसवाल, सचिन; चेट्टी, विक्रान्त बाबू तिरुमाला
2013-11-05	प्रतिस्पर्धात्मक बाज़ार में मूल्य तथा अग्रणी-समय का भेदभाव तथा संचालन रणनीति	जायसवाल, सचिन;
2013-11-06	संसाधन आधारित कार्य समय के साथ यू-आकार फ़िटिंग का संतुलन करना : एक नकली तापानुशीलन दृष्टिकोण	जायसवाल, सचिन; अग्रवाल, प्रशांत
2013-11-07	प्रौद्योगिकी आधारित सामाजिक नवाचारों के सामाजिक रूप से सार्थक मूल्यांकनों के लिए एक रूपरेखा	रंगनाथन, कविता; सरीन, अंकुर
2013-11-08	स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन में आईआईएमए : प्रकाशनों का सार (2000-2013)	रमणी, के.वी.
2013-11-09	भारतीय अनुसंधान एवं विकास प्रयोगशालाओं में नेतृत्व तथा रचनात्मकता : स्वायत्त प्रेरणा, मनोवैज्ञानिक पूँजी तथा न्याय की धारणाओं की भूमिका की जाँच करना	गुप्ता विशाल
2013-11-10	मुक्त बाज़ार पुनःखरीद में भारतीय कंपनियों की बाज़ार समयपालन क्षमता	अगरवाला, शोभेश कुमार; जेकब, जोशी; वासुदेवन एल्लापुल्ली
2013-12-01	वन आश्रित समुदायों के जोखिम के प्रति रूझान : आन्ध्र प्रदेश से साक्ष्य	सुंदर, बी; विरमाणी, विनीत
2013-12-02	वन आश्रित समुदायों की अधीरता - आन्ध्र प्रदेश से साक्ष्य	सुंदर, बी.; विरमाणी, विनीत
2013-12-03	बहु टोली आपूर्ति श्रृंखला में स्टॉक राशन समस्या के लिए बाधित नैश बार्गेनिंग दृष्टिकोण	रॉय, देबजीत; राघवन, एन. आर. श्रीनिवास

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

कार्यपत्र क्रमांक	शीर्षक	लेखक
2013-12-04	विविधता की माँग के व्यवहार में स्थितिकीय कारकों की मॉडलिंग : बिजली बोल्ट मॉडल का एक विस्तार	नारापुझा, राजेश
2013-12-05	प्रक्रिया उद्योगों के लिए बहुअवधि, प्रसंभाव्य गणितीय प्रोग्रामिंग मॉडल के वर्ग के लिए विस्तृत डेटाबेस संरचना	गुप्ता, नरैन; दत्ता, गौतम; फ़ूरेर, रॉबेर्त
2013-12-06	2 x 2 पार से अधिक परीक्षण में ब्लाइंडेड टेस्ट्स	बनर्जी, कौस्तव; चट्टोपाध्याय, गौरांगदेब; बंद्योपाध्याय, तथागत
2013-12-07	भारतीय संदर्भ में बिजली मूल्यों पर एक गतिशील मूल्य निर्धारण दृष्टिकोण	देसाई, किन्नरी; दत्ता, गौतम
2014-01-01	तुष्टि उद्देश्य के साथ बहु-उत्पाद न्यूज़बॉय समस्या	खानरा, अविजीत
2014-01-02	बहु-उत्पाद की तुष्टि करते हुए न्यूज़बॉय समस्या के लिएअन्वेषण	खानरा, अविजीत; सोमन, चेतन ए.
2014-01-03	भारत में कॉरपोरेट प्रशासन को मजबूत करते हुए - वर्ष 2013 में विधायी तथा विनियामक पहल की एक समीक्षा	बालासुब्रमणियन, बाला एन.
2014-01-04	सार्वजनिक तथा निजी उद्यमों में आईसीटी को अपनाना और संगठनात्मक परिवर्तन	बसंत, राकेश; शर्मा, श्रुति
2014-01-05	रचनात्मकता-नवाचार के अंतर को पाटना : भारत से आर एंड डी व्यावसायियों के अनुभव की एक जाँच	गुप्ता, विशाल
2014-01-06	भारत के बंदरगाहों में सार्वजनिक निजी प्रतिभागिता में समस्याएँ	रघुराम, जी.; शुक्ला नीरजा
2014-01-07	बंडल पेशकशों का उपयोग करके नए उत्पाद परिचय रणनीति में पूरकता तथा साथी ब्रांड मूल्य स्तर की भूमिका : बंडल घटकों की गुणवत्ता धारणा पर एक अध्ययन	खांडपरकर, कपिल
2014-01-08	ऑनलाइन ग्राहक समीक्षाओं की भविष्यवाणी की सहायकता	कृष्णामूर्ति, श्रीकुमार
2014-01-09	ऑनलाइन प्रचार : भारतीय बाज़ार में ऊभरते अवसरों की तलाश	माथन, निधि; अभिषेक
2014-02-01	फ्यूचर समाप्ति पर उच्च आवृत्ति हेरफेर : भारतीय एकल स्टॉक वायदा में स्थापित नकद राशि का केस	अगरवाला, शोभेश कुमार; जेकब, जोशी; वर्मा, जयंत आर.
2014-02-02	गुणग्राही पूछताछ का उपयोग करके प्रसवोत्तर संक्रमण की रोकथाम	शर्मा, भारती; रमणी, के.वी.; मावलंकर, दिलीप; केंगुरु, लॉवनी; हुसेन, जुलिया

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

कार्यपत्र क्रमांक	शीर्षक	लेखक
2014-02-03	भारत में एकीकृत नर्सिंग तथा दाईकार्य के कार्यक्रमों के भीतर दाई काम की शिक्षा	शर्मा, भारती; इल्दिंगसॉन, इंजेजेर्द; जॉनसन, इवा; रमणी, के.वी.; क्रिस्तेन्सॉन, काइलाइक
2014-02-04	भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए मुद्रास्फिती दर का अनुपात और लागत का त्याग	धोलकिया, रवीन्द्र एच.
2014-02-05	एक डेटा-स्टोरी का संचालन किससे होता है? प्रभावी दृश्य डेटा वृत्तांत के लिए एक रूपरेखा	कपूर, अमित; रंगनाथन कविता
2014-02-06	सेवाओं की अनिश्चित संख्या से बहु-अवधि सुविधा स्थानों की समस्या	वस्ता, अमित
2014-02-07	प्रमुख राज्यों में शहरी-ग्रामीण आय विभेदक : संरचनात्मक कारकों का योगदान	धोलकिया, रवीन्द्र एच.; पंड्या, मनीष; पटेरिया, पायल एम.
2014-02-08	भारत में गैर मुद्रास्फिती नीति की लागत और लाभ	धोलकिया, रवीन्द्र एच.
2014-02-09	ऑनलाइन खुदरा बिक्री के साथ किराना का जुड़ाव - उभरते बाज़ारों के लिए एक मुश्किल	सिन्हा, पीयूष कुमार; गोखले, श्रीकान्त; रावल, सौरभ
2014-03-01	डेटा खनन का उपयोग करके खुदरा उत्पाद चयन का एक तरीका	कृष्णामूर्ति, श्रीकुमार
2014-03-02	रचनात्मकता के लिए पुरस्कार कब खराब होता है? नेतृत्व तथा एकीकृत बाहरी प्रेरणा की भूमिका की जाँच	गुप्ता, विशाल
2014-03-03	चपलता पर संगठनों की अंतरसंलग्नता का प्रभाव : एक बहु सैद्धांतिक परिप्रेक्ष्य	पाठक, अतुल अरुण
2014-03-04	भारतीय अनौपचारिक व्यापार स्थापनों में रणनीति बनाना : भारत में किराना दुकानों का एक केस अध्ययन	पाठक, अतुल अरुण;कंडाथिल, ज्योर्ज
2014-03-05	व्यावसायिक शिक्षा के संस्थानों के संस्थागत वातावरण का मापन तथा प्रबंधन	राव,टी.वी.; सक्सेना, सिद्धार्थ
2014-03-06	खरीदारी भागीदारी पर स्टोर के प्रारूप का प्रभाव	सिन्हा, पीयूष कुमार; उनियाल, द्वारिका प्रसाद
2014-03-07	सहायता के पूर्वानुमान की समीक्षा के लिए नई विशेषताएँ	कृष्णामूर्ति, श्रीकुमार
2014-03-08	बीओपी खुदरा बिक्री कर्ताओं द्वारा ब्रांड अपनाना	सिन्हा, पीयूष कुमार; गुप्ता, सुरक्षा; रावल, सौरभ
2014-03-09	कार्य की स्पष्ट खरीदारी स्थितियों के तत्त्व : छूती प्रमुखता पर उच्च उत्पादों के संदर्भ में एक अध्ययन	अभिषेक; सिन्हा, पीयूष कुमार

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

कार्यपत्र क्रमांक	शीर्षक	लेखक
2014-03-10	उष्मानयन सामाजिक उद्यमों में सरकारी विनियमनों की भूमिका	अभिषेक; भमोरिया, वैभव;सिन्हा, पीयूष कुमार; गोलवा, अंकुर
2014-03-11	गुजरात सरकार की चिरंजीवी योजना में मृत्यु दर प्रभाव का मूल्यांकन	मावलंकर, दिलीप; पार्वती शंकर रमण; रमणी, के.वी.
2014-03-12	बंडल मूल्यांकन के भारित-यौगिक बनाम संदर्भ-निर्भर मॉडल : अधिभार के साथ उत्पाद बंडलों पर छूट तैयार करने से साक्ष्य	सहाय, अरविंद; मुखर्जी, सुमितवा
2014-03-13	स्व-तरफा तथा समाज-तरफा बॉनस योजनाओं के एकसाथ मूल्यांकन : सामाजिक बेहतरी की दिशा में नई प्रबंधन नीतियों के निहितार्थ	मुखर्जी, सुमितवा; सहाय, अरविंद
2014-03-14	आईआईएमए के साथ मेरा सफर : एक आत्मकथात्मक खाता	राव,टी.वी.
2014-03-15	सेवा समस्याओं में संतोष-वफादारी संबंध में संज्ञानात्मक ग्राहक संतुष्टि पर भावात्मक प्रभुत्व	सिन्हा, पीयूष कुमार; मिश्रा, हरि गोविंद; कौल, सुरभि
2014-03-16	ब्रांड निष्ठा पर उपभोक्ता सामाजिक दायित्व और ब्रांड सामाजिक दायित्व की छवि का प्रभाव	सिन्हा, पीयूष कुमार; मिश्रा, हरि गोविंद; सिंह, सरबजोत
2014-03-17	आवेगी खरीदारी लक्षण : खरीद भावनाओं तथा कथित जोखिम के लिए प्रभावी मध्यस्थ	सिन्हा, पीयूष कुमार;मिश्रा, हरि गोविंद; कौल, सुरभि; सिंह, सरबजोत
2014-03-18	अधिकारिता के आयामों पर सामाजिक समर्थन का विकल्प और पूरक प्रभाव	सिंह, मंजरी; सरकार, अनीता
2014-03-19	पीडब्ल्यूडी-प्रबंधकों की सफलता को सक्षम करते हुए व्यक्तिगत कारक तथा संगठनात्मक पहल	मल्होत्रा, पर्ल; सिंह, मंजरी
2014-03-20	विशिष्टता के लिए उपभोक्ताओं की ज़रूरत : एक पार-सांस्कृतिक सत्यापन	शर्मा, धीरज; वर्मा, वर्षा
2014-03-21	ऑनलाइन खुदरा बिक्री में संबंध विपणन : एक मेटा-विश्लेषणात्मक दृष्टिकोण	शर्मा, धीरज; वर्मा, वर्षा
2014-03-22	पथ-निर्भर डेरिवेटिव के मूल्य निर्धारण में जोखिम मॉडल : एक उदाहरण	विरमाणी, विनीत
2014-03-23	दीर्घ अवधि की बुनियादी सुविधा के वित्त पोषण	सिन्हा, सिद्धार्थ
2014-03-24	प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा केन्द्रों के जरिये माता-नवजात शिशुओं के लिए 24 x 7 आधारभूत आपातकालीन प्रसूति देखभाल : भारत में अत्यधिक ध्यान केन्द्रित एक जिले से तीन 24 x 7 प्राथमिक स्वास्थ्य चिकित्सा केन्द्रों का एक केस अध्ययन	रमण, पार्वती शंकर; शर्मा, भारती; रमणी, के.वी.

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

कार्यपत्र क्रमांक	शीर्षक	लेखक
2014-03-25	वैश्विक रूप से स्थानीय बाज़ार के रूप में निर्मित : भारत में ईआरपी प्रौद्योगिकी के कार्यान्वयन के दौरान समय के पाश्चात्य विचारों की प्रौद्योगिकी का पुनरुत्पादन, सुदृढ़ीकरण तथा सुधार	कंडाथिल, ज्योर्ज
2014-03-26	कामगारों की भागीदारी का पुनः ध्यान केन्द्रण : निर्माण वैधता के साथ संघर्ष	कंडाथिल, ज्योर्ज
2014-03-27	भारत में चिकित्सकीय लापरवाही तथा मुआवजा : कितना ज्यादा व प्रभावी है?	अग्रवाल, अनुराग के.
आईआईएमबी डब्ल्यूपी	छद्म आस्मेट्रिक लाप्लास संभावना पर आधारित क्वांटाइल के साथ बायेसियन आकलन	श्रीराम, कार्तिक; राममूर्ति, आर.वी. घोष पुलक
आईआईएमबी डब्ल्यूपी	बीमा कंपनी के लागत डेटा के लिए एक बायेसियन क्वांटाइल प्रतिगमन मॉडल	श्रीराम, कार्तिक; पेंग शी घोष पुलक
डब्ल्यूपी 33	भारत के अंगूर वैश्विक उत्पादन निर्यात नेटवर्क में शासन तथा उन्नयन	सिंह, सुखपाल
एसएसआरएन डब्ल्यूपी	व्यापार कीमतों का उपयोग करके भारतीय शेयर बाज़ार में बोली-पूछताछ का प्रसार तथा उसके घटकों के आकलन	सिंह, प्रियंका पांडेय, अजय
	गैरनिर्दिष्ट मॉडलों में पश्चादवर्ती एकाग्रता के बारे में	राममूर्ति, आर.वी.; श्रीराम, कार्तिक; मार्टिन, रायन
एसएसआरएन डब्ल्यूपी	भारत में भूमि एकत्रीकरण में बहिष्कार से बाहर वार्ता : छोटे शहरी वकील, आकस्मिक अनुबंध, सामाजिक मानदंड, तथा नीलामी	मामिदी, पवन
आईआईएमबी डब्ल्यूपी	कार्यकारी मुआवजा में कॉरपोरेट प्रशासन मुद्दे : भारतीय अनुभव	बालासुब्रमणियन, बाला एन.; बरुआ, एस.के.; कार्तिक डी.

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

संस्थान में आयोजित संगोष्ठियाँ अप्रैल 2013 - मार्च 2014

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र
श्री आशुतोष निगम भारतीय प्रबंध संस्थान लखनऊ	वायरलेस सेंसर नेटवर्कों में इष्टतम रीले नोड प्लेसमेंट के लिए एक बहुतलीय अध्ययन	3 अप्रैल, 2013	पी एवं क्यूएम
श्री नरहरी हांसोगे भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलुरू	व्यापार समूह संबद्धता की मूल्य समीक्षा : भारतीय बाज़ार से अनुदैर्घ्य साक्ष्य	29 अप्रैल, 2013	एफ़ एवं ए
सुश्री चारु अग्रवाल इलिनोइस युनिवर्सिटी	सूचना विषमता, क्रेडिट लाइन तथा सावधि ऋण मूल्य निर्धारण	28 मई, 2013	एफ़ एवं ए
डॉ. नीरज कुमार शेफ़ील्ड युनिवर्सिटी	कम कार्बन आपूर्ति श्रृंखला के लिए समग्र ढाँचे का विकास	17 जून, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर विशाल गुप्ता भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद	उच्च निष्पादन एचआरएम आचरण, सकारात्मक मनोवैज्ञानिक पूँजी, रचनात्मक व्यवहार तथा कार्यनिष्पादन को जोड़ते हुए रूपरेखा का विकास	27 जून, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. नीलाभ रोहन भारतीय सांख्यिकीय संस्थान तेजपुर	जीएआरसीएच मॉडल में परिवर्तनीय समय और संबंधित सांख्यिकीय अनुमान	2 जुलाई, 2013	पी एवं क्यूएम
प्रोफ़ेसर अप्रतिम गुहा भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद	आपसी सूचना और दो नमूने का एक परीक्षण	4 जुलाई, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. सूज चन्द्रशेखर स्वतंत्र परामर्शक वॉशिंगटन डी.सी.	अनुसंधान एवं विकास तथा विपणन अंतराफलक का अनुकूलन	8 जुलाई, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. उत्पल भट्टाचार्य इंडियाना युनिवर्सिटी ब्लूमिंगटन	ईटीएफ़ का खराब पहलू और सूचकांक निधि	8 जुलाई, 2013	एफ़ एवं ए
प्रोफ़ेसर सौरव साहा भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता	ऑनलाइन विज्ञापन : विज्ञापन सहयोग के माध्यम से बढ़ी हुई उपयोगकर्ता की भागीदारी	15 जुलाई, 2013	सूचना प्रणाली
डॉ. अतनु रक्षित वॉशिंगटन तथा ली युनिवर्सिटी	घाटे वाले ब्याज संबंध में गैर रैखिकता : एक प्रारंभिक विश्लेषण	18 जुलाई, 2013	अर्थशास्त्र
डॉ. अभिजीत बिस्वास वेयन स्टेट युनिवर्सिटी	बिक्री मूल्यों के उपभोक्ता मूल्यांकन : घटाव सिद्धांत की भूमिका	29 जुलाई, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
सुश्री वैभवी कुलकर्णी रुजर्स युनिवर्सिटी न्यू जर्सी	संस्थागत परिवर्तन के व्याख्यान : संगठनात्मक क्षेत्र के भीतर ईएचआर के संघर्षमय वृत्तांत	05 अगस्त, 2013	संचार
डॉ. अभिमान दास भारतीय रिज़र्व बैंक मुंबई	भारतीय बैंकिंग में उत्पादकता और कुशल गतिशीलता : आदान व उपजों की गुणवत्ता को शामिल करते हुए एक आदान दूरी कार्य दृष्टिकोण	07 अगस्त, 2013	अर्थशास्त्र

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र
डॉ. देबदत्त पाल भारतीय प्रबंध संस्थान इन्दौर	ग्रामीण संस्थागत ऋण प्रबंध : आपस में जुड़े लेन-देन से सबक	08 अगस्त, 2013	सीएमए
डॉ. आनंद गोयल नेविगंट इकॉनॉमिक्स शिकागो	ऋण रेटिंग घटिया स्तर के क्यों होते हैं?	14 अगस्त, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर लुई मूतिन्हो ग्लासगॉ युनिवर्सिटी	विपणन में न्यूरोसाइंस : ब्रांड द्वारा अवगत कराए हुए सामाजिक और भावनात्मक अर्थ के अनुभवजन्य साक्ष्य	21 अगस्त, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. दिलीप काजले गोखले राजनीति व अर्थशास्त्र संस्थान पुणे	भारत में आनुवंशिक रूप से संशोधित खाद्यान्न के अनिवार्य लेबलिंग के लिए उपभोक्ता समर्थन के निर्धारक : एक छात्र सर्वेक्षण	27 अगस्त, 2013	सीएमए
प्रोफ़ेसर अर्नब लाहा भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद	कोमोडिटी बाज़ारों में वितरण की ग्राफिक प्रस्तुति के वापसी वितरणों का मॉडलकरण	28 अगस्त, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर नीरव नागर भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता	भारत में आय प्रबंधन : ऑपरेटिंग मुनाफे पर प्रबंधकों का नियतन (फ़िक्सेशन)	04 सितम्बर, 2013	एफ़ एवं ए
डॉ. सिद्धार्थ अरोड़ा ऑक्सफ़ॉर्ड युनिवर्सिटी	मैक्रोइकॉनॉमिक्स, ऊर्जा, तथा बायोमेडिसिन में अनुप्रयोगों के साथ समय श्रृंखला पूर्वानुमान	10 सितम्बर, 2013	पी एवं क्यूएम
डॉ. कुशांकुर डे स्वतंत्र खाद्य एवं कृषि व्यवसाय परामर्शक कोलकाता	क्या भारतीय किसानों को वायदा बाज़ार समायोजन दे सकते हैं?	17 सितम्बर, 2013	सीएमए
डॉ. कन्नन श्रिनिवासन श्रीचित्रा तिरुनल चिकित्सा विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी संस्थान त्रिवेन्द्रम	केरल में जन स्वास्थ्य की नर्सों में काम का बोझ : व्यापकता और उससे जुड़े कारक	19 सितम्बर, 2013	पीएसजी
डॉ. सुरजीत इल्लिकल कार्तिकेयन उप्पसला युनिवर्सिटी	परिवर्तन होता रहता है : श्रेणी परिवर्तन, पहचान, तथा संगठन	24 सितम्बर, 2013	ओबी
श्री सौरभ पंड्या भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलुरू	शीघ्र कार्मिक विकास संगठनों में वरिष्ठ प्रबंधकों की तैनाती और विकास	26 सितम्बर, 2013	पी एवं आईआर
सुश्री विजय लक्ष्मी सिंह भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद	नौकरी के निर्माण की प्रक्रिया की खोज और जाँच	26 सितम्बर, 2013	पी एवं आईआर
डॉ. पूर्णिमा वर्मा टीईआरआई युनिवर्सिटी नई दिल्ली	मुक्त व्यापार समझौते और इंट्रा-उद्योग व्यापार : भारत का केस	30 सितम्बर, 2013	सीएमए
डॉ. रंजना सिंह भारतीय जन स्वास्थ्य संस्थान दिल्ली	रक्ताल्पता से पीड़ित गर्भवती महिलाओं में अंतःशिरा आयरन सुक्रोज	01 अक्टूबर, 2013	पीएसजी
डॉ. प्रीति मुदलियार टेक्सास युनिवर्सिटी ऑस्टिन	एक स्थानीय स्व-संचालित संगठन में भागीदारी का अभ्यास	08 अक्टूबर, 2013	संचार

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र
डॉ. मनीषा गर्ग भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता	भारत में सामाजिक संरचना और सामाजिक विकास : गरीबों के लिए मध्याह्न भोजन योजना और अमीरों के लिए निजीकृत शिक्षा	08 अक्टूबर, 2013	सीएमए
श्री राजेश कुमार चंदवानी भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलुरू	सस्ते स्वास्थ्य देखभाल सेवा संगठनों के पैमाने के लिए कारक	21 अक्टूबर, 2013	पी एवं आईआर
डॉ. प्रोमिला अग्रवाल दिल्ली युनिवर्सिटी	संगठनात्मक व्यवहार : नये आयामों की खोज में एक संकल्पना	22 अक्टूबर, 2013	पी एवं आईआर
प्रोफ़ेसर गैब्रियल हवाविनी इनसीड	प्रमुख व्यवसाय स्कूलों के लिए शासन	22 अक्टूबर, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर देबाशीष मैत्रा प्रबंधन प्रौद्योगिकी संस्थान गाज़ियाबाद	बाज़ार सह-आंदोलन और वित्तीय संकट : भारतीय बाज़ार से साक्ष्य	18 नवम्बर, 2013	सीएमए
डॉ. सौरभ चन्द्रा प्रबंधन प्रौद्योगिकी संस्थान गाज़ियाबाद	वैकल्पिक कार्गो से समुद्री इन्वेंटरी रूटिंग समस्या : आउटबाउंड वाहन रसद के लिए एक अनुप्रयोग	19 नवम्बर, 2013	पीएसजी
डॉ. समाह शफ़्फ़ाकत लैंकेस्टर युनिवर्सिटी	असुरक्षा, जटिलता तथा अनिश्चितता : वैश्विक आर्थिक संकट के दौरान मनोवैज्ञानिक अनुबंधों की जाँच	20 नवम्बर, 2013	ओबी / पी एवं आईआर
डॉ. सुंदरावल्ली नारायणस्वामी प्रौद्योगिकी उच्चतर कॉलेज अबु धाबी	एक रेलवे अनुसूची में आकस्मिकताओं और संघर्ष के हल के लिए मॉडलीकरण	21 नवम्बर, 2013	पीएसजी
डॉ. सुमन मित्रा धीरुभाई अंबानी सूचना एवं संचार प्रौद्योगिकी संस्थान, गाँधीनगर	बायेसियन शिक्षा तथा छवि प्रसंस्करण के लिए अनुप्रयोग	22 नवम्बर, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. कौशिक चौधरी भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलुरू	मुद्रास्फिती दरों का पूर्वानुमान वितरण : कार्यात्मक स्वतः प्रतिगामी दृष्टिकोण	25 नवम्बर, 2013	अर्थशास्त्र
डॉ. नीरज कुमार ज़ेवियर प्रबंध संस्थान भुबनेश्वर	जैविक हल्दी का यात्रा-वृत्तांत : समावेशी मूल्य श्रृंखला का एक	29 नवम्बर, 2013	सीएमए
डॉ. निशान्त मिश्रा एरास्मुस युनिवर्सिटी रत्तेरदाम	आजीवन खरीद योजना की उपस्थिति में प्रारंभिक अधिग्रहण बिक्री के बाद सेवा करार	02 दिसम्बर, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. उत्तम कुमार रेग्मी पूर्बांचल युनिवर्सिटी नेपाल	नाम में क्या रखा है? हवाई अड्डे के ब्रांड नाम तथा स्लॉगन का विश्लेषण	04 दिसम्बर, 2013	पीएसजी
डॉ. सत्यम शिवम सुंदरम अर्न्स्ट एवं यंग एलएलपी (ईवाय)	सड़क क्षेत्र में सार्वजनिक निजी भागीदारी का पुनः स्फूर्तिकरण : भारत में मॉडल रियायत करार की ओर बढ़ते कदम	05 दिसम्बर, 2013	पीएसजी
डॉ. अनिंदिता चक्रबर्ती मद्रास अर्थशास्त्र स्कूल चेन्नई	भारत में स्वास्थ्य बीमा पहुँच के निर्धारण करते कारक : एक अनुभवजन्य विश्लेषण	09 दिसम्बर, 2013	पीएसजी

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र
डॉ. हीरालाल कौल मिशिगन स्टेट युनिवर्सिटी	मार्कोव गुणक त्रुटि मॉडलों के वर्ग में सशर्त साधन संचालन के योग्य-की-कमी परीक्षण	10 दिसम्बर, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. हैन्स हुबेर इन्स्तितुतो सुपेरियोर तेकनिको लिस्बल	नेटवर्क संरचना, क्षमता विकास तथा नियंत्रण : चीन के एयर ट्रैफ़िक सिस्टम के केस पर दोबारा गौर करना	12 दिसम्बर, 2013	पीएसजी
प्रोफ़ेसर पृथ्वीराज चट्टोपाध्याय हाँग काँग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी युनिवर्सिटी हाँग काँग	अंतरराष्ट्रीय स्तर पर विभिन्न टीमों में पहचान, योगदान और प्रभाव : क्या प्रारंभिक टीम बैठकों में भावनाओं से फर्क पड़ता है?	17 दिसम्बर, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर शान्तनू एस. डे ज्योर्जिया प्रौद्योगिक संस्थान एट्लांटा	पूलिंग समस्या के लिए एमआईएलपी तकनीकों का विश्लेषण	18 दिसम्बर, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. बेलिसल्तेजेरोत मरोशी माल्मो युनिवर्सिटी स्विडन	शहरी सहभागितापूर्ण शासन में पुनर्विचार समावेशन	20 दिसम्बर, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. सी. मोहन आईबीएम अनुसंधानकर्ता	वैश्विक प्रौद्योगिकी आउटलुक (जीटीओ) 2013	20 दिसम्बर, 2013	सूचना प्रणाली
प्रोफ़ेसर सतीश कृष्णन सिंगापुर नेशनल युनिवर्सिटी सिंगापुर	ई-सरकार की परिपक्वता के पूर्ववृत्त : पार-राष्ट्रीय डेटा से अंतर्दृष्टि	24 दिसम्बर, 2013	सूचना प्रणाली
डॉ. सत्रजीत रॉयचौधरी नोवार्तिस फार्मास्यूटिकल कंपनी	मेटा-विश्लेषणात्मक-पूर्वानुमान मिश्रण से ऐतिहासिक डेटा से मजबूत उधार प्राप्ति	24 दिसम्बर, 2013	पी एवं क्यूएम
प्रोफ़ेसर गलित श्मुएली भारतीय व्यवसाय स्कूल हैदराबाद	यह समझाने के लिए है या भविष्यवाणी करने के लिए?	31 दिसम्बर, 2013	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर एलिज़ाबेथ ज्योर्ज हाँग काँग विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी युनिवर्सिटी	लक्ष्य उन्मुख विषमता के असममित प्रभाव : धारणा की बात	03 जनवरी, 2014	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर विक्रमादित्य खन्ना मिशिगन लॉ स्कूल युनिवर्सिटी मिशिगन	सीईओ संलग्नता तथा कॉरपोरेट धोखाधड़ी	06 जनवरी, 2014	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर कुमार राकेश रंजन भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलुरू	मूल्य सह-निर्माण : वैचारिक आयाम, और उपभोक्ता की संतुष्टी पर उसके प्रभाव	08 जनवरी, 2014	विपणन
प्रोफ़ेसर राजीव लाल हार्वर्ड व्यवसाय स्कूल बॉस्टन	भारत में खाद्यान्न खुदरा बिक्री में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश	10 जनवरी, 2014	विपणन
डॉ. अनुपम दास भारतीय प्रबंध संस्थान कोझीकोड़	लोकप्रिय वृत्तांतों में सरलीकरण व स्पष्टीकरण के चिह्न तथा भावनाएँ	15 जनवरी, 2014	संचार
रमेश सुब्रमणियन रुत्जर्स युनिवर्सिटी न्यू जर्सी	इंटरनेट प्रशासन और भारत : वैश्विक और राष्ट्रीय दृष्टिकोण के बीच परस्पर क्रिया	16 जनवरी, 2014	सूचना प्रणाली

अनुसंधान, केस लेखन परियोजनाएँ, एवं संगोष्ठियाँ

वक्ता	विषय	दिनांक	क्षेत्र
डॉ. वी. श्रीधर सास्केन कम्युनिकेशन्स बैंगलुरू	स्पैक्ट्रम प्रबंधन की गतिशीलता : मॉडल तथा पद्धतिशास्त्र	17 जनवरी, 2014	सूचना प्रणाली
डॉ. सुस्मिता नारायण अगलाया भारतीय प्रबंध संस्थान कोझीकोड़	रिवर्स रसद तथा सोच के माध्यम से भारतीय दवा उद्योग में स्थायी समाधान की तलाश	20 जनवरी, 2014	पीएसजी
डॉ. नचिकेत मोर	छोटे व्यवसायों तथा कम आय वाले परिवारों के लिए व्यापक वित्तीय सेवाएँ	29 जनवरी, 2014	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर जयन्त नारायणन सिंगापुर नेशनल युनिवर्सिटी सिंगापुर	संगठनात्मक पदानुक्रम में असमानता व घृणा	12 फरवरी, 2014	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. गोपाल दास भारतीय प्रबंध संस्थान रोहतक	खुदरा ब्रांड व्यक्तित्व और स्व-चालित स्टोर की वफादारी के प्रभाव : लिंग की मध्यस्थता की भूमिका	12 फरवरी, 2014	विपणन
श्री रजत शर्मा भारतीय प्रबंध संस्थान काशीपुर	मूल्यों और स्थाई उपभोक्ता व्यवहार : भारतीय संदर्भ में कड़ी की तलाश	18 फरवरी, 2014	विपणन
डॉ. राजेश्वरी सेनगुप्ता इन्दिरा गाँधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई	भारतीय पूँजी खाता खोलने में चुनौतियाँ	17 फरवरी, 2014	अनुसंधान एवं प्रकाशन
सुश्री राधा लडकानी भारतीय प्रबंध संस्थान कोलकाता	उभरते बाज़ार बोलीदाता रिटर्न और एम एवं ए में भुगतान के तरीके की पसंद : भारत से साक्ष्य	24 फरवरी, 2014	एफ़ एवं ए
प्रोफ़ेसर मधु वीराराघवन टी.ए. पाई प्रबंधन संस्थान, मणिपाल	धार्मिक श्रद्धा और स्थानीय सरकारों का वित्तीय पोषण, निवेश, और नकद हिस्से के निर्णय	25 फरवरी, 2014	अनुसंधान एवं प्रकाशन
डॉ. विल हार्वे कैम्ब्रिज युनिवर्सिटी	एक वैश्विक प्रबंधन परामर्श कंपनी मेंविभिन्न रूपों की प्रतिष्ठा से कैसे बातचीत हो उसकी तलाश	03 मार्च, 2014	पी एवं आईआर
डॉ. अम्बरीश डोंगरे **श्री विभु तिवारी** नीति अनुसंधान केन्द्र नई दिल्ली	शिक्षा स्तरों पर निजी ट्यूशन का प्रभाव : भारत से साक्ष्य	07 मार्च, 2014	अनुसंधान एवं प्रकाशन
प्रोफ़ेसर प्रतीक्षा बक्शी जवाहरलाल नेहरु युनिवर्सिटी नई दिल्ली	कानून के सार्वजनिक रहस्य : भारत में दुष्कर्म के मुकदमे	19 मार्च, 2014	अनुसंधान एवं प्रकाशन

प्रकाशन

प्रकाशित पुस्तकें

अग्रवाल, नरेन्द्र एम.; जोमोन, एम.जी.; वर्की बीजू तथा बनर्जी, चन्द्रिमा (**संपा**.), *इन्क्लुसिवनेस, सस्टेनिबिलिटी एंड ह्युमन रिसॉर्स डेवलपमेंट,* नई दिल्ली : मैकग्रॉ-हिल हायर एजुकेशन (इंडिया) प्रा. लि. 2013.

बालासुब्रमणियन, एन., *लेडिंग फ़्रॉम द टॉप : डिरेक्टर्स हू मेक द डिफ़रेन्स,* नई दिल्ली : रैंडम हाउस पब्लिशर्स इंडिया प्रा. लि., 2013

चन्द्रशेखरन, एन. और रघुराम, जी., *ऐग्रिबिज़िनेस सप्लाई चेन मैनेजमेंट,* सीआरसी प्रेस, टेयलर व फ़्रांसिस ग्रुप, बोका रेट न (यूएसए), 2014

चर्युलु, डी. कुमारा तथा प्रहदीश्वरन, एम., *ऐग्रिकल्चरल मार्केट इंटिग्रेशन एंड ट्रेड कॉम्पिटिटिवनेस ऑफ़ इंडियन ऐग्रिकल्चर,* नई दिल्ली : एलाइड पब्लिशर्स प्रा.लि., 2013

दत्ता, समर के.; पाल, देबदत्त; घोष, अनिर्बन; नासकर, सौविक तथा लायेक, तपस, *एसेसिंग पॉलिसी इंटरवेंशन्स इन ऐग्रि-बिज़िनेस एंड एलाइड सैक्टर क्रेडिट वर्सस क्रेडिट प्लस एप्रॉच फ़ॉर लिवलीहूड प्रमॉशन,* नई दिल्ली : एलाइड पब्लिशर्स प्रा.लि., 2013

देवधर, सतीश, *व्हाई आई एम पेइंग मॉर : प्राइस थियरी एंड मार्केट स्ट्रक्चर्स मेड सिंपल,* नई दिल्ली : रैंडम हाउस पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि. 2013

गर्ग, अमित; नासवा, पी. तथा शुक्ला, पी.आर., *इम्पैक्ट एसेसमेंट एंड मैनेजमेंट फ़्रैमवर्क फ़ॉर इन्फ़्रास्ट्रक्चर ऐसेट्स : ए केस स्टडी ऑफ़ कोंकण रेलवे, पब्लिश्ड बाय यूएनईपी आरआईएसओ सेंटर ऑन एनर्जी,* डेन्मार्क टेकनिकल युनिवर्सिटी : यूएनईपी आरआईएसओ ऊर्जा केन्द्र, जलवायु तथा टिकाऊ विकास, अगस्त, 2013

हट, एम.डी.; शर्मा, धीरज तथा स्पेक, टी.डब्ल्यू., *बिज़िनेस टू बिज़िनेस मार्केटिंग : ए साउथ-एशियन पर्स्पैक्टिव (11 एडिशन),* नई दिल्ली : सेनगेज लर्निंग, 2014

कौल, आशा तथा देसाई, ए., *कॉरपोरेट रेपुटेशन डीकॉडेड : बिल्डिंग, मैनेजिंग एंड स्ट्रेटेजाइजिंग फ़ॉर कॉरपोरेट ऐक्सेलेंस,* दिल्ली : सेज पब्लिकेशन्स प्रा. लि. 2014

मिश्रा, स्मिता तथा मोनिपल्ली, एम.एम., *ऑनलाइन कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजीज़ फ़ॉर मैनेजर्स,* नई दिल्ली : मैकग्रॉ-हिल एजुकेशन (इंडिया) प्रा.लि., 2014

पांडेय, जतिन तथा पाठक, दर्शना, *ज्योग्राफिकल इन्फ़ॉरमेशन सिस्टम,* ऊर्जा और संसाधन संस्थान, 2014

पाठक, अखिलेश्वर, *लॉ ऑफ़ सेल ऑफ़ गूड्स,* नई दिल्ली : ऑक्सफ़ॉर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2013

पाठक, अखिलेश्वर, *लॉ रीलेटिंग टू स्पेशयल कॉंट्रेक्ट्स ऑफ़ बेलमेंट प्लेज, हाइपोथेकेशन, इंडेम्निटी एंड गारंटी,* गुड़गाँव : लेक्सिसनेक्सिस, 2014

पाठक, अखिलेश्वर, *लीगल आस्पेक्टस ऑफ़ बिज़िनेस (5 एडिशन),* नई दिल्ली : मैकग्रॉ-हिल हायर एजुकेशन (इंडिया) प्रा.लि., 2013

रघुराम, जी. तथा गंगवार, रचना, *हैंडबुक ऑन ट्रान्सपॉर्ट इन्फ़्रास्ट्रक्चर,* लक्ष्मी पब्लिकेशन्स प्रा.लि., नई दिल्ली

राम मोहन, टी.टी., *बीफ़ॉर एंड आफ़्टर द ग्लोबल क्राइसिस,* नई दिल्ली : ज्ञान पब्लिशिंग हाउस, 2013

प्रकाशन

रॉबिन्स, एस.पी.; जज, टी.ए. और वोहरा, निहारीका, *ऑर्गेनाइजेशनल बीहेव्यर (15 एडिशन),* नई दिल्ली : पेअरसन एजुकेशन, 2013

शर्मा, मीनाक्षी, *स्पीक विथ इम्पैक्ट,* नई दिल्ली : रैंडम हाउस पब्लिशर्स इंडिया प्रा.लि., 2014

शर्मा, विजय पॉल; वोर्ली, बिल; जिकुन, हुआंग; सुलेरी, आबिद कय्युम; दिगाल, लैरी तथा रेअर्डोन, थॉमस ए. (**संपा**.), *लिंकिंग स्मॉलहोल्डर प्रॉड्युसर्स टू मॉडर्न ऐग्रि-फ़ूड मार्केट्स : केस स्टडीज़ फ़्रॉम साउथ एंड साउथ-ईस्ट एशिया,* नई दिल्ली : एलाइड पब्लिशर्स प्रा.लि., 2013

उपाध्यायुला, राजेश; कार्तिक, डी. तथा कर्ण, अमित, *व्हाट ड्राइव्स इमर्जिंग मल्टिनेशन्स? अर्ली स्टेज इंटरनेशनलाइजेशन एंड पर्फ़ॉर्मेंस ड्राइवर्स ऑफ़ इंडियन आईटी फ़र्म्स,* नई दिल्ली : एमेरेल्ड इंडिया, 2013

पत्रिकाओं में प्रकाशित लेख

अभिमल्ला, आर.के.; दास, डी.पी.; बाबा, वी.वी.; स्टॉकस, पी. तथा डी'क्रूज़, प्रेमिला, 'डूइंग एंड डिस्सेमिनेटिंग मीनिंगफ़ुल रीसर्च,' *रीसर्च वर्ल्ड,* 11 (2014).

अभिषेक, 'प्राइवेट लेबल ब्रांड चॉइस डाइनेमिक्स : लॉगइट मॉडल इन्वॉल्विंग डेमोग्राफिक एंड साइकोग्राफिक वेरिएबल्स,' *साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट,* 21, 1 (जनवरी-मार्च 2014), 49-64.

अभिषेक, एस; सिन्हा, पीयूष कुमार तथा वोहरा, निहारीका, 'रॉल ऑफ़ हैप्टिक टच इन शॉपिंग : सम मेथडॉलॉजिकल कॉंट्रिब्युशन्स,' *डीसिज़न, 4,3* (दिसम्बर 2013), 153-63.

अग्रवाल, अनुराग के, 'कॉरपोरेट गवर्नेंस : चेइंजिंग ट्रेंड्स इन इंटर्प्रिटिंग फ़िदुसियरी ड्युटी,' *विकल्प : ए जर्नल फ़ॉर डीसिज़न मेकर्स,* 38, 3 (जुलाई-सितम्बर 2014), 1-12.

अगरवाला, शोभेश कुमार तथा पांडेय, अजय, 'एक्स्पाइरेशन-डे इफ़ैक्ट एंड दी इम्पैक्ट ऑफ़ शॉर्ट ट्रेडिंग ब्रेक्स ऑन इंट्राडे वॉलेटिलिटी : एविडेंस फ़्रॉम दी इंडियन मार्केट,' *जर्नल ऑफ़ फ़्यूचर्स मार्केट,* 33, 11 (नवम्बर 2013), 1046-70.

आंजेली, फ़ेदेरिका तथा जायसवाल, आनंद कुमार, 'कंपीटिटिव डाइनेमिक्स बिट्वीन एमएनसीस एंड डॉमेस्टिक कंपनीस एट द बीओपी : एन इंस्टिट्युशनल पर्स्पैक्टिव,' *लॉंग रेंज प्लानिंग,* ((http://dx.doi.org/10.1016/j.lrp.2013.08.010), (2013)

अनिल कुमार, एच. तथा डोरा, मल्लिकार्जुन, 'इवेल्युएटिंग ई-रीसॉर्स कलेक्शन्स इन ए बिज़िनेस स्कूल लाइब्रेरी : ए कंपेरेटिव स्टडी ऑफ़ एग्रेगेटर पैकेजिस एट इंडियन इंस्टिट्यूट ऑफ़ मैनेजमेंट अहमदाबाद लाइब्रेरी,' *जर्नल ऑफ़ बिज़िनेस एंड फ़िनेंस लाइब्रेरियनशिप,* 18, 2 (2013), 100-18.

बनर्जी, अरिंदम, 'पूअर मैनेजमेंट रीसर्च इन इंडिया : फ़ॉल्ट लाइन्स इन दी एकेडेमिक बुलवार्क एंड वेवार्ड प्रायोरिटीज,' *डीसिज़न,* 41,1(मार्च 2014), 3-10.

बनर्जी, अरिंदम, 'पूअर मैनेजमेंट रीसॉर्स इन इंडिया : टाइम फ़ॉर कलेक्टिव रीस्पॉन्सिबिलिटी,' *प्रॉडक्टिविटी,* 54, 4 (जनवरी-मार्च 2014), 396.

बनर्जी, अरिंदम; बंद्योपाध्याय, तथागत और आचार्य, प्राची, 'डेटा एनेलिटिक्स : हाइप्ड अप एस्पिरेशन्स ओर ट्रू पोटेन्शियल,' *विकल्प : ए जर्नल फ़ॉर डीसिज़न मेकर्स,* 38, 4 (अक्टूबर-दिसम्बर 2013), 1-11.

प्रकाशन

बसंत, राकेश, 'डीटर्मिनेंट्स ऑफ़ इंटर-इंडस्ट्री वेरिएशन्स इन रीसर्च एंड डेवलपमेंट इफ़ॉर्ट्स इन इंडियन मैनुफ़ेक्चरिंग सेक्टर : ए डाइनेमिक पटेल डेटा एनेलिसिस," *इनोवेशन एंड डेवलपमेंट,* 4, 1 (2014), 91-109.

बसंत, राकेश; पिंग एलवी तथा मोनिका प्लेचरो, 'इंटरनेशनल कंपीटिटिव स्ट्रेटेजी चॉइसिस : कम्पेरिंग फ़र्म्स इन चाइना एंड इंडिया,' *एशिया पैसिफ़िक बिज़िनेस रीव्यू,* 19, 4 (2013), 542-58.

बेअल, डेविड तथा नोरोन्हा, एर्नेस्तो, 'इंडियन पब्लिक सेक्टर ट्रेड युनियनिज़म इन कॉंटेक्स्ट : गुजरात एंड वेस्ट बंगाल कम्पेर्ड," *जर्नल ऑफ़ कंटेम्परेरी एशिया,* (DOI: 10.1080/00472336.2014.903990).

बिस्वास, ए; पारदो एम.सी.; तथा गुहा, अप्रतिम, 'ऑटो-एसोसिएशन मेज़र्स फ़ॉर स्टेशनरी टाइम सीरिज़ ऑफ़ कैटेगरिकल डेटा,' *टीईएसटी,* 23 (2014), 487-514.

बिस्वास, ए; दत्ता, एस; लाहा, ए.के. तथा बक्शी, पी.के., 'कंपेरिज़न ऑफ़ ट्रीटमेंट्स इन ए कैटेरेक्ट सर्जरी विथ सर्कुलर रीस्पोन्स,' *स्टेटिस्टिकल मैथड्स इन बायोमेडिकल रीसर्च* (2014).

बोरना, शाहीन तथा शर्मा, धीरज, 'प्राइस ऑफ़ फ़्रीडम : आर वी विलिंग टु पे एनिथिंग एंड हाउ मच?' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ पब्लिक पॉलिसी,* 9, 4-5 (जनवरी 2013), 356-370.

चैटर्जी, चिरंतन; कुबो, केन्सुक तथा पिंगाली, विश्वनाथ, 'क्रोसिन ओर पेरेसिटामोल : व्हाट शुड द डॉक्टर प्रीस्क्राइब?' *इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 48, 41 (अक्टूबर 2013), 20-22.

चतुर्वेदी, वी. तथा शुक्ला, पी.आर., 'रॉल ऑफ़ एनर्जी एफ़िश्यंसी इन क्लाइमेट चेंज मिटिगेशन पॉलिसी फ़ॉर इंडिया : एसेसमेंट ऑफ़ कॉ-बेनिफ़िट्स एंड ऑपॉर्चुनिटिस विधिन एन इंटिग्रेडेट एसेसमेंट मॉडलिंग फ़्रेमवर्क,' *क्लाइमेटिक चेंज* (7 सितम्बर 2013) (ऑनलाइन संदर्भ : DOI 10.1007/द्म10584-013-0898-x).

डी'क्रूज़, प्रेमिला तथा नोरोन्हा, एर्नेस्तो, 'वर्कप्लेस बुल्लिइंगइन द कॉंटेक्स्ट ऑफ़ ऑर्गेनाइजेशनल चेंज : द सिग्निफ़िकेन्स ऑफ़ प्लुरलिज़म,' *इंडस्ट्रियल रीलेशन्स जर्नल,* 45, 1 (जनवरी 2014), 2-21.

डी'क्रूज़, प्रेमिला तथा नोरोन्हा, एर्नेस्तो, 'ब्रेदर्स, रीलीज़िस, आउटलेट्स एंड पॉज़िस : एम्प्लॉयी रेसिस्टेंस इन द कॉंटेक्स्ट ऑफ़ डीपर्सनलाइज़्ड बुल्लिइंग,' *क्वालिटेटिव रीपॉर्ट,* 18, 1-24.

डी'क्रूज़, प्रेमिला तथा नोरोन्हा, एर्नेस्तो, 'नेविगेटिंग दी एक्स्टेंडेड रीच : टार्गेट एक्सिपरियन्सिस ऑफ़ साइबरबुल्लिइंग एट वर्क,' *इन्फ़ॉरमेशन एंड ऑर्गेनाइजेशन,* 23 (2013), 324-43.

डी'क्रूज़, प्रेमिला; नोरोन्हा, एर्नेस्तो तथा बेअल, डेविड, 'द वर्कप्लेस बुल्लिइंगः ऑर्गेनाइजेशनल चेंज इंटरफ़ेस : इमर्जिंग चैलेंजिस फ़ॉर एचआरएम,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ह्युमन रीसॉर्स मैनेजमेंट,* 25, 10 (2014), 1434-59.

दास, रजनीश तथा शारदा, कीर्ति, 'रीलेशनशिप अलाइनमेंट इन स्ट्रेटेजिक आउटसॉर्सिंग,' ऑनलाइन रेफ़रेंस : (http://www.iitcoe.in/index.php?option= com_docman&task=cat_view&gid=14&Itemid=20).

डेविडसन, ब्रुस आई.; देसाई, नमन के. तथा जेरार्द ग्रेगरी जे., 'दी इफ़ैक्ट ऑफ़ कंटिन्युअस ऑडिटिंग ऑन द रीलेशनशिप बिट्वीन इंटर्नल ऑडिट सॉर्सिंग एंड दी ऐक्स्टर्नल ऑडिटर्स रीलायंस ऑन दी इंटर्नल ऑडिट फ़ंक्शन,' *जर्नल ऑफ़ इन्फ़ॉरमेशन सिस्टम्स,* 27, 1, (2013), 41-59.

देसाई, किन्नरी आर. तथा दत्ता, गौतम, ' ए डाइनेमिक प्राइसिंग एप्रॉच टू इलैक्ट्रिसिटी प्राइसिस इन दी इंडियन कॉंटेक्स्ट ,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ रेवेन्यु मैनेजमेंट,* 7, 3-4 (2013), 268-88.

प्रकाशन

देसाई, नमन के. तथा जेरार्द ग्रेगरी जे., 'ऑडिटर्स कंसिडरेशन ऑफ़ मटिरियल इनकम-इन्क्रीज़िंग वर्सस मटिरियल इनकम--डीक्रिज़िंग आइटम्स ड्युरिंग दी ऑडिट प्रॉसेस,' *ऑडिटिंग : ए जर्नल ऑफ़ प्रैक्टिस एंड थियरी,* 32, 2, (2013), 33-51.

धंदापानी, के; उपाध्यायुला, आर. तथा कर्ण, अमित, 'व्हाट ड्राइव्स इमर्जिंग मल्टिनेशनल्स? अर्ली स्टेज इंटरनेशनलाइजेशन एंड पर्फोर्मेंस ड्राइवर्स ऑफ़ इंडियन आईटी फ़र्म्स,' *एकेडमी ऑफ़ मैनेजमेंट प्रॉसीडिंग्स,* 1 (2013).

धोलकिया, एच; पुरोहित, पी. तथा गर्ग, अमित, 'इम्पैक्ट ऑफ़ करेंट पॉलिसीज़ ऑन फ़्युचर एयर क्वालिटी एंड आउटकम्स इन देल्ही, इंडिया,' *एट्मॉस्फियरिक एन्वायर्नमेंट,* 75 (अगस्त 2013), 241-48.

दीतरिच, बेनेदिक्त; गोस्वामी, दीप; चक्रबोर्ती, समरजीत; गुहा, अप्रतिम तथा ग्रिएस, मात्तिआस, 'टाइम सीरीज़ कैरेक्ट राइजेशन ऑफ़ गेमिंग वर्कलोड़ फ़ॉर रनटाइम पॉवर मैनेजमेंट,' *आईईईई ट्रान्सेक्शन्स ऑन कंप्यूटर्स, आईईईई कंप्यूटर सोसाइटी डिजिटल लाइब्रेरी,* (नवम्बर 2013), (ऑनलाइन संदर्भ : DOI: 10.1109/TC.2013.198).

द्राकिया, रोबेर्त तथा गुहा, अप्रतिम, 'ए मुचुअल इनफ़ॉर्मेशन-बेस्ड के-सैम्पल टेस्ट फॉर डिस्क्रीट डिस्ट्रिब्युशन,' *जर्नल ऑफ़ अप्लाइड स्टेटिस्टिक्स,* 41, 9 (2014), 2011-27.

गाँधी, शैलेष; बलसारा, हेमंतकुमार, पी. तथा ढींगरा, वैशाली एस., 'रेट्रोस्पेक्शन ऑफ़ कैपिटल फ़्लॉस : विथ एम्फेसिस ऑन फ़ॉरिन इन्स्टिट्युशनल इन्वेस्टमेंट्स एंड स्टॉक मार्केट वोलेटिलिटी,' *टीआईजेस रीसर्च जर्नल ऑफ़ इकॉनॉमिक्स एंड बिज़िनेस स्टडीज़,* 3, 2 (2013).

गाँधी, शैलेष; बलसारा, हेमंतकुमार, पी. तथा ढींगरा, वैशाली एस., 'चेंजिंग ट्रेंड ऑफ़ कैपिटल फ्लॉस : द केस ऑफ़ इंडिया,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट स्टडीज़,* 20, 2 (2013).

गाँधी, शैलेष; बलसारा, हेमंतकुमार, पी. तथा पटेल, पी., 'कॉसेप्चुअल स्टडी ऑन एफ़िसियंट मार्केट हाइपॉथिसिस फ़ॉर वर्ल्ड मार्केट्स : फ़ाइंडिंग ऑपॉर्चुनिटिस फ़ॉर इंडियन स्टॉक मार्केट्स,' *मैनेजमेंट : जर्नल फ़ॉर थियरी एंड प्रैक्टिस मैनेजमेंट,* 18, 67 (2013), 25-36.

गाँधी, शैलेष; बलसारा, हेमंतकुमार, पी. तथा पटेल, पी., 'द ग्लोबल पर्स्पैक्टिव ऑफ़ इंडियन फ़िनेंसियल मार्केट्स,' *रीसर्च जर्नल ऑफ़ इकॉनॉमिक्स एंड बिज़िनेस स्टडीज़,* 2, 9 (2013).

गाँधी, वसंत पी. तथा झू, झैंग्यूए, 'फ़ूड़ डिमांड एंड द फ़ूड़ सिक्योरिटी चैलेंज विथ रैपिड इकॉनॉमिक ग्रॉथ इन दी इमर्जिंग इकॉनॉमीस ऑफ़ इंडिया एंड चाइना,' *फ़ूड रीसर्च इंटरनेशनल,* 63, भाग ए (2014), 108-24.

गाँधी, वसंत पी., 'ग्रॉथ एंड ट्रांसफ़ॉर्मेशन ऑफ़ दी ऐग्रिबिज़िनेस सेक्टर :ड्राइवर्स, मॉडल्स, एंड चैलेंजिस,' *इंडियन जर्नल ऑफ़ ऐग्रिकल्चरल इकॉनॉमिक्स,* 69, 1 (2014).

गर्ग, अमित, 'स्ट्रेटेजिस टू इम्प्रोव अर्बन वाटर डीलिवरी इन वेस्ट बैंगाल, इंडिया : एन एनेलिसिस ऑफ़ वाटर इंस्टिट ट्युशन्स एंड बेंचमार्किंग ऑफ़ वाटर डीलिवरी ऑर्गेनाइजेशन्स,' *क्लाइमेट चेंज एंड एन्वायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी,* 1, 2 (2013), 145-58.

गर्ग, अमित; शुक्ला, पी.आर.; माहेश्वरी, जे. तथा उपाध्याय, जे., 'एन एसेसमेंट ऑफ़ हाउसहोल्ड इलैक्ट्रिसिटी लोड कर्व्स एंड कॉरेस्पॉंडिंग सीओटू मार्जिनल अबैटमेंट कॉस्ट कर्व्स फ़ॉर गुजरात स्टेट,' *एनर्जी पॉलिसी,* 66 (मार्च 2014), 568-84.

गुहा, अप्रतिम, 'सम एनेलिसिस ऑफ़ दी इंटरेक्शन अमॉंग लोकल फ़ील्ड पॉटेंश्यल्स एंड न्यूरोनल डिस्चार्जिस इन ए माउस युज़िंग मुचुअल इनफ़ॉर्मेशन,' *जर्नल ऑफ़ दी इंडियन सोसाइटी ऑफ़ एग्रिकल्चरल स्टेटिस्टिक्स,* 68, 2 (2014), 117-29.

गुप्ता, अनिल के., 'फ्रुगल, फ्रेंडली एंड फ़्लेक्सिबल,' *दी एसएमई व्हाइटबुक 2013-2104,* पाँचवाँ संस्करण (दिसंबर 2013), 65-69.

गुप्ता, अनिल के., 'ग्रासरूट्स इन्नोवेशन्स फ़ॉर इन्क्लुसिव डेवलपमेंट : नीड फ़ॉर अ पैराडिग्मेटिक शिफ़्ट,' *विकल्प : ए जर्नल फ़ॉर डीसिज़न मेकर्स,* 38, 3 (जुलाई-सितम्बर, 2013), 103-122.

गुप्ता, अनिल के., 'टैपिंग दी एंत्रप्रिन्यरियल पॉटेंश्यल ऑफ़ ग्रासरूट्स इन्नोवेशन,' *स्टेनफ़ॉर्ड सोश्यल इन्नोवेशन रीव्यु समर,* 11, 3 (2013), 18-20.

गुप्ता, अनिल के.; एस्दर्स, मारिएन्न; पटेल, चेतन; नायर, उन्नीकृष्णन तथा भास्करन, आर., 'लैंडस्केप्स ऑफ़ लव, शेयरिंग एंड क्रिएटिव कॉलबरेशन,' *सस्टेनेबल लिविंग अर्बन मॉडल लैब (एस.एल.यू.एम.) मैगेज़िन,* अंक 8 (संपा. लुकास फ़ियरियस) (फ़ाल 2013), 55-61.

गुप्ता, विशाल तथा सिंह, एस., 'साइकॉलॉजिकल कैपिटल एज़ ए मेडिटेटर ऑफ़ द रीलेशनशिप बिट्वीन लीडरशिप एंड क्रिएटिव पर्फ़ॉर्मेंस बीहेवियर्स : एम्पिरिकल एविडेंस फ़्रॉम दी इंडियन आर.एंड डी. सेक्टर,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ह्युमन रीसॉर्स मैनेजमेंट,* 25, 10 (जनवरी 2014), 1373-94.

गुप्ता, विशाल तथा सिंह, एस., 'डेवलपिंग ए स्केल फ़ॉर मेज़रिंग एबिलिटी-बेस्ड इमॉशनल इंटेलिजेंस इन इंडियन कॉंटेक्स्ट ,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इंडियन कल्चर एंड बिज़िनेस मैनेजमेंट,* 6, 3 (जून 2013), 273-99.

गुप्ता, विशाल तथा सिंह, एस., 'लीडरशिप एंड क्रिएटिव पर्फ़ॉर्मेंस बीहेवियर्स इन आर.एंड डी. लैबोरेटरीज़ : एक्ज़ेमिनिंग द रॉल ऑफ़ जस्टिस पर्सेप्शन्स,' *जर्नल ऑफ़ लीडरशिप एंड ऑर्गेनाइजेशनल स्टडीज़,* (जनवरी 2014), (DOI: 10.1177/1548051813517002).

गुप्ता, विशाल; सिंह, एस. तथा खत्री, एन., 'क्रिएटिविटी इन रीसर्च एंड डेवलपमेंट लैबोलेटरीज़ : ए न्यू स्केल फ़ॉर लीडर बीहेवियर्स,' *आईआईएमबी मैनेजमेंट रीव्यु,* 25, 2 (जून 2013), 83-90.

हुसेन, जुलिया; रमणी, के.वी.; कांगारु, लोवनी; पटेल, कल्पेश; बेल, जेकलिन; पटेल, पूर्वी; वाकर, लेफटन; मेहता, राजेश तथा मावलंकर, दिलीप, 'दी इफ़ैक्ट ऑफ़ सर्वेलंस एंड एप्रीसिएटिव इन्क्वायरी ऑन पुएरपेरल इन्फ़ैक्शन्स : ए लॉंगिट यूडिनल कॉहॉर्ट स्टडी इन इंडिया,' *पीएलओएस वन,* 9, 1 (जनवरी 2014), 1-8.

जैन, रेखा, 'दी इंडियन ब्रॉडबेंड प्लान : ए रीव्यु एंड इम्प्लिकेशन्स फ़ॉर थियरी,' *जर्नल ऑफ़ टेलिकम्युनिकेशन्स पॉलिसी, स्पेश्यल इस्यू : आईटीएस 2012 इंडिया,* 38, 3 (अप्रैल 2014) 278-290. (http://www.sciencedirect.com/science/article/pii/ S0308596113001778.)

जलोटे-परमार, आशीष, 'ब्रिजिंग गैप्स इन इंजिनीयरिंग एजुकेशन : डिज़ाइन थिंकिंग अ कैरिटिकल फ़ैक्टर फ़ॉर प्रॉजेक्ट बेस्ड लर्निंग,' *फ़्रंटियर्स इन एजुकेशन-एफ़आईई, आईईईई,* (22-26 अक्टूबर), मैड्रिड, स्पेन.

जॉहान्सन डी.जे.ए.; लुकास पी.एल.; वेइत्सल एम; आलग्रेन ई.ओ.; बजाज ए.बी.; शेन डब्ल्यू; देन एल्सेन एम; घोष जे; ग्रान एम; लिएंग क्यू.एम.; पीटर्सन एस.; प्रधान बी.के.; वान रुईज्वेन बी.जे.; शुक्ला पी.आर.; वान वुउरेन डी.पी. तथा वेई वाय-एम., 'मल्टि-मॉडेल कंपेरिज़न ऑफ़ दी इकॉनॉमिक एंड एनर्जी इम्प्लिकेशन्स फ़ॉर चाइना एंड इंडिया इन एन इंटरनेशनल क्लाइमेट रेजिम,' (ऑनलाइन संदर्भ : DOI *10.1007/ज्ञ11027-014-9549-4*).

प्रकाशन

जॉसफ, जेरोम, 'द पैथोलोजी ऑफ़ पर्फ़ॉर्मेंस अप्रेज़ल सिस्टम-इनसाइट्स फ़्रॉम सुप्रीम कॉर्ट रुलिंग्स,' *इंडियन जर्नल ऑफ़ इंडस्ट्रियल रिलेशन्स,* 49, 4 (2014).

कर्ण, अमित; ताअव, एफ़.ए. तथा सॉंदरेजेर, पी., 'इवॉल्युशन ऑन इन्नोवेशन नेटवर्क्स अक्रॉस ज्योग्राफिकल एंड ऑर्गेनाइजेशनल बाउंड्रीज़ : ए स्टडी ऑफ़ आर.एंड डी. सबसिडियरीज़ इन द बैंगलोर आईटी क्लस्टर.' *युरोपियन मैनेजमेंट रिव्यु,* 10,4 (2013), 211-26.

कोठारी, रवि तथा घोष, दीप्तेश, 'ए स्कैटर सर्च अलगोरिदम फ़ॉर द सिंगल रॉ फ़ेसिलिटी लेआउट प्रॉब्लेम,' *जर्नल ऑफ़ अरिस्टिक्स,* 20, 2 (2014), 125-42.

कोठारी, रवि तथा घोष, दीप्तेश, 'एन एफ़िसियंट जेनेटिक अलगोरिदम फ़ॉर सिंगल रॉ फ़ेसिलिटी लेआउट,' *ओप्टिमाइजेशन लेटर्स,* 8, 2 (फरवरी 2014), 679-90.

कौल, सुरभि; सिन्हा, पीयूष कुमार तथा मिश्रा, एच.जी., 'डीसिज़न मेकिंग प्रॉसेस फ़ॉर बॉटम ऑफ़ द पिरामिड कन्ज़ुमर्स : ए केस ऑफ़ एफ़एमसीजी प्रॉडक्ट्स,' *एनएमआईएमएस मैनेजमेंट रिव्यु,* XXIV (अप्रैल-मई 2014).

कुमार, आनंद; रॉय, देबजीत तथा तिवारी, एम.के., 'ऑप्टिमल पार्टिशनिंग ऑफ़ वर्टिकल ज़ोन्स इन व्हीकल-बेस्ड वेयरहाउस सिस्टम्स,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ प्रॉडक्शन रिसर्च,* 52, 5 (2014), 1285-1305.

कुमार, बी. तथा पांडेय, अजय, 'मार्केट एफ़िसियन्सी इन इंडियन कॉमॉडिटी फ़्यूचर्स मार्केट्स,' *जर्नल ऑफ़ इंडियन बिज़िनेस रिसर्च,* 5, 2 (2013), 101-21.

लाहकर, रातुल तथा पिंगाली, विश्वनाथ, 'रिस्क डाइवर्सिफ़िकेशन थ्रू मल्टिपल ग्रुप मेंबरशिप इन माइक्रोफ़िनेंस,' *अप्लाइड इकॉनॉमिक्स लेटर्स,* 21, 9 (2014), 622-25.

लुकास, पॉल एल.; शुक्ला, पी.आर.; शेन, वेनयिंग; बास जे. वान रुइज्वेन; धर, सुभाष; मिशल जी.जे. देन एल्सन तथा डिटलेफ़ पी. वान वुउरेन, 'इम्पलिकेशन्स ऑफ़ दी इंटरनेशनल रिडक्शन प्लेजिस ऑन लॉंग-टर्म एनर्जी सिस्टम चेंजिस एंड कॉस्ट्स इन चाइना एंड इंडिया,' *एनर्जी पॉलिसी,* 63 (2013), 1032-41.

मैती, आर.; बिस्वास, ए.; गुहा, अप्रतिम तथा ओंग, डी.एच., 'मॉडलिंग एंड कोहियरंट फ़ॉरकास्टिंग ऑफ़ ज़ीरो इन्फ़्लेटेड काउंट टाइम सीरिज़,' *स्टेटिस्टिकल मॉडलिंग : एन इंटरनेशनल जर्नल* (DOI: 10.1177/1471082X13520425).

मैत्रा, डी. तथा डे, के., 'कॉपुलस एंड डीपेंडेंस स्ट्रक्चर्स : एविडेंसिस फ़्रॉम इंडियास एंड एशियन रबर फ़्यूचर्स मार्केट्स,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ फ़िनेंसियल मार्केट्स एंड डेरिवेटिव्स,* 3, 4 (2014), 322-57.

मार्तिनो, टिम; मिर्ज़ोएव, तोलिब; पेअरसन, स्टिफन; बुई थु हा; रमणी, के.वी.; ज़ियायुन लियु, 'कॉहियरंस बिट्वीन हेल्थ पॉलिसी एंड ह्युमन रिसॉर्स स्ट्रेटेजी : लेशन्स फ़्रॉम मैटर्नल हेल्थ इन विएतनाम, इंडिया एंड चाइना,' *हेल्थ पॉलिसी एंड प्लानिंग,* (2013), 1-10.

मिश्रा, एच.जी.; पीयूष, कुमार; सिंह, सरबजोत तथा कौल, सुरभि, 'इम्पैक्ट ऑफ़ कन्ज़ुमर सोश्यल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड ब्रांड सोश्यल रिस्पोन्सिबिलिटी इमेज ऑन ब्रांड लॉयल्टी,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट एंड बिज़िनेस रिसर्च,* 3, 4 (2013), 297-309.

मित्रा, एस.; राघुराम, जी. तथा घोष, ए., 'अक्षय पात्र, गाँधीनगर : सप्लाई चेन चैलेंजिस,' *विकल्प : ए जर्नल फ़ॉर डीसिज़न मेकर्स,* 38, 4 (अक्टूबर-दिसम्बर, 2013), 127-31.

प्रकाशन

मॉरिस, सेबास्तियन, 'एग्रिकल्चरल प्राइसिस इन ए चेंजिंग इकॉनॉमी : एन एम्पिरिकल स्टडी ऑफ़ इंडियन एग्रिकल्चर (मुनिश अलघ द्वारा, पुस्तक समीक्षा),' *जर्नल ऑफ़ क्वांटिटेटिव इकॉनॉमिक्स,* 27, 1-2 (जनवरी-जुलाई 2013), 336-37.

मॉरिस, सेबास्तियन, 'द लिमिटेशन्स ऑफ़ मार्केट्स; *फ़ार्मर्स फ़ॉरम,* 13, 4 (2013), 20-36.

नंदराम, बी.; भट्टा, डी. तथा भद्र, धीमन, ' ए लाइकलीहूड रेशियो टेस्ट ऑफ़ क्वासी-इंडिपेंडेंस फ़ॉर स्पार्स टू-वे कंटिंजेंसी टेबल्स,' *जर्नल ऑफ़ स्टेटिस्टिकल कंप्युटेशन एंड सिमुलेशन,* (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1080/00949655.2013.815190).

पांडेय, जतिन, ' ए प्रीडिक्टिव मैथडॉलॉजी ऑफ़ रफ सेट थियरी यूज़्ड टु एनेलाइज़ मार्केट सेग्मेंटेशन एंड कंपीटिटिव एन्वायर्नमेंट फ़ॉर सुपर मार्केट,' *आईयूपी जर्नल ऑफ़ मार्केटिंग मैनेजमेंट* (अगस्त 2013).

पांडेय, नीरज तथा जायसवाल, आनंद के., 'चेंज मैनेजमेंट : ए केस ऑफ़ स्टेट पॉवर युटिलिटी इन इंडिया,' *एशियन केस रिसर्च जर्नल,* 18, 1 (2014), 61-80.

पत्तुराजा, सेल्वराज तथा जोसेफ, जेरोम, 'इम्पेक्ट ऑफ़ कॉपनसेशन प्रैक्टिसिस ऑन ऑर्गेनाइजेशनल रेपुटेशन,' *साउथ एशियन जर्नल ऑफ़ मैनेजमेंट,* 21, 2 (2014), 22-43.

प्रधान, विवेक; इवान्स, जॉह्न सी. तथा बनर्जी, तथागत, 'बाइनॉमिनल कॉन्फ़िडेंस इंटरवल्स फ़ॉर टेस्टिंग नॉन-इनफ़ेरियोरिटी ओर सुपरियोरिटी : ए प्रैक्टिशनर्स डाइलेमा,' *स्टाट मेथड्स मेड रिस,* (2 अगस्त, 2013) (ऑनलाइन संदर्भ : DOI:10.1177/0962280213498324).

प्रधान, विवेक; साहा, कृष्ण के.; बनर्जी, तथागत और इवान्स, जॉह्न सी., 'वेटेड प्रॉफ़ाइल लाइकलीहूड-बेस्ड कॉन्फ़िडेंस इंटरवल फ़ॉर द डिफ़ेरेन्स बिट्वीन टू प्रॉपॉर्शन्स विथ पैर्ड बाइनॉमिनल डेटा,' (मार्च 2014) (ऑनलाइन संदर्भ : DOI: 10.1002/SIM.6130).

पुरोहित, भास्कर तथा बंद्योपाध्याय, तथागत, 'बियोंड जॉब सिक्योरिटी एंड मनी : ड्राइविंग फ़ैक्टर्स ऑफ़ मोटिवेशन फ़ॉर गवर्नमेंट डॉक्टर्स इन इंडिया,' *ह्युमन रिसॉर्सिस फ़ॉर हेल्थ,* 12, 12 (फरवरी 2014).

रघुराम, जी., 'हाई स्पीड रेल इन इंडिया,' *ट्रैफ़िक इन्फ़्रा टेक,* 4, 4, (फरवरी-मार्च, 2014).

राम मोहन, टी.टी., 'बैंकिंग स्ट्रक्चर : प्लॉसिबल विज़न, फ़्लॉड एप्रॉच ऑफ़ आरबीआई,' *इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 48, 47 (23 नवम्बर, 2013).

राम मोहन, टी.टी., 'हाउ मच कैपिटल डज़ ए बैंक नीड?' *इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 48 (28) (13 जुलाई, 2013).

रमणी, के.वी., 'दी इंडियन हैल्थ सेक्टर, गवर्नेंस एंड मैनेजरियल चैलेंजिस,' *एड्वान्सिस इन सोश्यल साइंसिस रिसर्च जर्नल,* 1, 1 (जनवरी 2014), 11-21.

रंगनाथन, कविता तथा अरोड़ा, सोनिया, 'एनेबलिंग ग्रासरूट्स कम्युनिकेशन : ए मेमरी-एडेड ब्रॉडकास्ट मिकेनिज़म फ़ॉर ए कम्युनिटी रेडियो सर्विस ऑन एन एडहॉक डीवाइस-यु-डीवाइस मोबाइल नेटवर्क," *आईईईई ट्रान्सेक्शन्स ऑन कम्युनिकेशन्स,* 62, 3 (मार्च 2014), 1138-50.

प्रकाशन

रंगनाथन, कविता, 'एफ़िसियंट ब्रॉडकास्टिंग फ़ॉर ए मानेट बेस्ड पीअर-टु-पीअर कम्युनिटी रेडियो सर्विस,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ इनफ़ॉरमेशन टैकनॉलॉजी, कम्युनिकेशन्स एंड कन्वर्जेंस,* 3, 1, (2014), 46-64.

रिले, आर.डी., टकवोइंगी, टी., त्रिकालिनोस, टी., बिस्वास, ए., गुहा, अप्रतिम, एन्सर, जे. मॉरिस, आर.के. तथा डीक्स, जे.जे., 'मेटा-एनेलिसिस ऑफ़ टेस्ट एक्युरेसी स्टडीज़ विथ मल्टिपल एंड मिसिंग थ्रेशोल्ड्स : ए मल्टिवेरिएट-नॉर्मल मॉडल,' *जर्नल ऑफ़ बायोमेट्रिक्स एंड बायोस्टेस्टिक्स,* (**DOI:** 10.4172/2155-6180.1000196).

रॉय, देबजीत तथा राघवन, एन.आर.श्रीनिवास, ' ए कंस्ट्रेन्ड नाश बार्गेनिंग एप्रॉच टु द स्टॉक रेशनिंग प्रॉब्लेम इन मल्टि -एकलॉन सप्लाई चेन्स,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एड्वान्स्ड मेनुफ़ेक्चरिंग टैकनॉलॉजी,* 72, 5-8, (मई 2014), 571-87.

रॉय, देबजीत; गुप्ता, आकाश तथा पाज़ूर, जेनिफ़र ए., 'इम्प्रॉविंग सर्विस सिस्टम पर्फ़ॉर्मेंस यूज़िंग एस्टिमेट्स ऑफ़ वेइटिंग टाइम प्रॉबेबिलिटीज़,' *इंटरनेशनल. जर्नल. ऑफ़ ऑटॉमेशन एंड लॉजिस्टिक्स,* (2014).

रॉय, देबजीत; पाज़ूर, जेनिफ़र; दे कॉस्तेर, रेने, 'अ नॉवेल एप्रॉच फ़ॉर डिजाइनिंग रेंटल व्हीलकल रिपॉज़िशनिंग स्ट्रेटेजिस,' *आईआईई ट्रान्सेक्शन्स,* 46, 9, (2014), 948-67.

रॉय, देबजीत; सेबास्तियन, जॉसेफ तथा शर्मा धीरज, 'फ़्लीट साइजिंग फ़ॉर ट्रान्सपॉर्टर्स विथ सीज़नल डीमांड्स," *इंट रनेशनल जर्नल ऑफ़ ऑटॉमेशन एंड लॉजिस्टिक्स,* 1, 1 (2013), 105-115.

सहाय, अरविंद तथा सैनी, गोरधन, 'कंपेरिंग रिटेल फ़ॉर्मेट्स इन एन इमर्जिंग मार्केट : इन्फ़्लुएन्स ऑफ़ लो प्राइस गारंटी ऑन परचेज़ इंटेंशन,' *जर्नल ऑफ़ इंडियन बिज़िनेस रिसर्च,* 6, 1 (2014), 48-69.

साथये, जे. तथा शुक्ला, पी.आर., 'मैथड्स एंड मॉडेल्स फ़ॉर कॉस्टिंग कार्बन मिटिगेशन,' *एन्युअल रिव्यु ऑफ़ एन्वायर्नमेंट एंड रिसॉर्सिस,* 38 (अक्टूबर 2013), 137-68.

शर्मा, भारती; गिरी, गायत्री; क्रिस्टन्सन, लीलाइके; रमणी, के.वी. तथा जॉहानसन, इवा, 'द ट्रान्सिशन ऑफ़ चाइल्डबर्थ प्रैक्टिसिस अमॉंग ट्राइबल विमेन इन गुजरात, इंडिया - ए ग्राउंडेड थियरी एप्रॉच,' *बीएमसी इंटरनेशनल हेल्थ एंड ह्युमन राइट्स,* (2013), 13-41.

शर्मा, धीरज, 'दी इन्फ़्लुएन्स ऑफ़ रॉल एम्बिग्विटी एंड गोल एक्सेप्टेंस ऑन सेल्सपर्सन पर्फ़ॉर्मेंस एंड कमिटमेंट,' *मार्केटिंग मैनेजमेंट जर्नल स्प्रिंग,* 24, 1 (2014), 52-65.

शर्मा, विजय पॉल तथा अलघ, मुनीश, 'फ़ूड सब्सिडी इन इंडिया : इट्स कॉपॉनेंट्स, ट्रेंड्स, कॉज़िस एंड रिफ़ॉर्मस फ़ॉर पब्लिक पॉलिसी,' *इंडियन जर्नल ऑफ़ ऐग्रिकल्चरल इकॉनॉमिक्स,* 68, 2 (अप्रैल-जून 2013), 195-221.

शर्मा, विजय पॉल, 'डाइरेक्ट बेनिफ़िट ट्रान्सफ़र ऑफ़ फ़र्टिलाइजर सब्सिडीज़ : प्रॉब्लेम्स एंड चैलेंजिस इन इफ़ैक्टिव इम्प्लिमेंटेशन,' *इंडियन जर्नल ऑफ़ फ़र्टिलाइजर्स,* 9, 9 (2013), 16-29.

शर्मा, विजय पॉल, 'विथड्रोअल ऑफ़ फ़र्टिलाइजर सब्सिडी : सम इस्यूस एंड कन्सर्न्स फ़ॉर फ़ार्म सेक्टर ग्रॉथ इन इंडिया,' *इंडियन जर्नल ऑफ़ फ़र्टिलाइजर्स,* 9, 5 (2013), 16-28.

सिंह, मंजरी तथा सरकार, ए., 'डाइमेंशन्स, आउटकम्स एंड मीडिएटिंग रॉल्स ऑफ़ एम्पॉवरमेंट,' *मैनेजमेंट एंड लेबर स्ट डीज़,* 38, 4 (2014), 315-333.

सिंह, सुखपाल, 'पॉलिसी फ़ॉर पंजाब्स ऐग्रिकल्चर : विल इट डीलिवर?' *इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 48, 51 (दिसम्बर 2013), 21-23.

सिंह, सुखपाल, 'पॉस्ट-ग्रीन रिवॉल्युशन एग्रो-एंत्रप्रीन्यरशिप अमॉंग कैपिटलिस्ट फ़ार्मर्स इन इंडियन पंजाब एंड आंध्र प्रदेश,' *दी जर्नल ऑफ़ एंत्रप्रिन्यरशिप,* 22, 2 (2013), 161-80.

सिंह, सुखपाल, 'साउथ एशियन एग्रिफ़ूड ट्रेड नेटवर्क्स इन इंडिया : ए केस स्टडी ऑफ़ ओनियन एक्सपॉर्ट्स,' *मिल्लेन्नियल एशिया : इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ एशियन स्टडीज़,* 4, 2 (2013), 159-84.

सिंह, सुखपाल, 'द प्रैक्टिस ऑफ़ कॉंट्रेक्ट फ़ार्मिंग इन इंडिया : मेकिंग इट इन्क्लुसिव एंड इफ़ेक्टिव,' *फ़ूड चेन,* 3, 3, (2013), 137-54.

सिंगला, चित्रा, 'इंटरनेशनलाइजेशन एंड पर्फ़ोर्मेंस : ए कॉंटेक्स्चुअल एनेलिसिस ऑफ़ इंडियन फ़र्म्स,' *जर्नल ऑफ़ बिज़िनेस रिसर्च,* 66, 12 (2013), 2500-06 (ऑनलाइन संदर्भ : http:/www.sciencedirect.com/science/article/pii/s0148296313002324).

सिन्हा, पीयूष कुमार; मारकोलिन, बार्बरा एल.; वर्मा, वर्षा और गुप्ता, नुपूर, 'इन्फ़िबीम इंटरनेट रिटेलिंग,' *आईवी पब्लिशिंग,* (मार्च, 2013), 19.

श्रीराम, कार्तिक; राममूर्ति, आर.वी. तथा घोष, पुलक, 'पॉस्टरियर कंसिस्टंसी ऑफ़ बायेसियन क्वांटाइल रिग्रेशन बेस्ड ऑन द मिस्पेसिफ़ाइड एसिमेट्रिक लाप्लास डेन्सिटी,' *बायेसियन एनेलिसिस,* 8, 2 (2013), 479-504.

श्रीवास्तव, पी. तथा गर्ग, अमित, 'एमिशन्स फ़्रॉम फ़ॉरेस्ट फ़ायर्स इन इंडिया : एन एसेसमेंट बेस्ड ऑन मोदीस फ़ायर एंड ग्लॉबल लेंड कवर प्रॉडक्ट्स,' *क्लाइमेट चेंज एंड एन्वायर्नमेंटल सस्टेनेबिलिटी,* 1, 2, (अक्टूबर, 2013), 138-144.

श्रीवास्तव, पी. तथा गर्ग, अमित, 'फ़ॉरेस्ट फ़ायर्स इन इंडिया : रिजियोनल एंड टेम्पोरल एनेलिसिस,' *जर्नल ऑफ़ ट्रॉपिकल फ़ॉरेस्ट साइंस,* 25, 2 (2013), 228-238.

ट्रॉम्पीटर, ग्रेगरी एम.; कार्पेंटर, टीना डी.; देसाई, नमन; जोन्स कीथ एल. तथा रिले, रिचर्ड ए. जूनियर., 'ए सिंथेसिस ऑफ़ फ़्रॉड-रिलेटेड रिसर्च,' *ऑडिटिंग : ए जर्नल ऑफ़ प्रैक्टिस एंड थियरी,* 32, 1, (2013), 287-321.

तुरागा, राम मोहन आर. तथा कंडा**थि**ल, ज्योर्ज, 'डीफ़ाइनिंग द सोश्यल रिस्पॉन्सिबिलिटी ऑफ़ बिज़िनेसिस,' *इकॉनॉमिक एंड पॉलिटिकल वीकली,* 49, 7 (फरवरी 2014).

तुरागा, राम मोहन आर.; ओवार्थ, रिचर्ड बी. तथा बोरसुक, मार्क, 'पर्सेप्शन्स ऑफ़ मर्कुरी रिस्क एंड इट्स मैनेजमेंट,' *ह्युमन एंड इकॉलॉजिकल रिस्क एसेसमेंट,* 20, 5 (2014), 1385-1405.

उप्पल, एन.; मिश्रा, एस. तथा वोहरा, निहारीका, 'प्रायर रिलेटेड वर्क एक्सपिरियन्स एंड जॉब पर्फ़ोर्मेंस : रॉल ऑफ़ पर्सनालिटी,' *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ सलेक्शन एंड एसेसमेंट,* (ऑनलाइन संदर्भ : 18 **FEB** 2014 **| DOI:** 10.1111/त्द्मङ्ड.12055).

वर्की, बीजू तथा कुमार, रणधीर, 'कीपिंग द स्पार्कल ऑन : वर्कफ़ॉर्स रिटेंशन इन इंडियन डायमंड कटिंग एंड पॉलिशिंग फ़र्म्स ड्युरिंग इकॉनॉमिक रिसेशन," *इंटरनेशनल जर्नल ऑफ़ ऑर्गनाइजेशनल एनेलिसिस,* 21, 3 (2013), 454-470.

विद्यार्थी, एन. तथा जायसवाल, सचिन, "एफ़िसियंट सॉल्युशन ऑफ़ ए क्लास ऑफ़ लॉकेशन-एलोकेशन प्रॉब्लेम्स विथ स्टॉकेस्टिक डीमांड एंड कंजेशन,' *कंप्युटर एंड ऑपरेशन्स रिसर्च,* 48 (अगस्त 2014), 20-30.

विजय शेरी चंद, 'द "ग्रासरूट्स" इन द पब्लिक सिस्टम : टीचर-ड्रिवन इन्नोवेशन्स फ़ॉर इन्क्लुसिव एजुकेशनल डेवलपमेंट,' *विकल्प : ए जर्नल फ़ॉर डीसिज़न मेकर्स,* 38, 3 (2013), 110-113.

प्रकाशन

वोहरा, निहारीका; राठी, एन. तथा भटनागर, दीप्ति, 'डेवलपिंग लीडरशिप स्किल्स अमॉंग ईएमबीए स्टुडेंट्स : इन्नोवेशन्स इन डिज़ाइन,' *विकल्प : ए जर्नल फ़ॉर डीसिज़न मेकर्स,* (2014).

पुस्तकों में अध्याय

अनिल कुमार, एच., 'रिटर्न ऑन इन्वेस्टमेंट (आरओआई) फ़्रॉम ए बिज़िनस स्कूल लाइब्रेरी : एन इंडियन पर्स्पेक्टिव इन वैल्स, टिम (संपा.),' *बिज़िनेस स्कूल लाइब्रेरीज़ इन द 21स्ट सेन्चुरी,* सुरी : एशगेट पब्लिशिंग लि. 2014, 65-84.

बनर्जी, अभिजीत; शेरॉन बार्नहार्ट तथा एस्थर दुल्फो, "न्युट्रिशन आयरन डेफ़िसियन्सी एनिमिया, एंड द डिमांड फ़ॉर आयरन फ़ॉर्टिफ़ाइड साल्ट : एक्सपरिमेंट इन रुरल बिहार," इन वाइज़, डेविड (संपा.), *डिस्कवरीज़ इन दी इकॉनॉमिक्स ऑफ़ एजिंग,* शिकागो तथा लंदन : शिकागो प्रेस युनिवर्सिटी, 2014, 341-84.

भटनागर, सुभाष, "ई-गवर्नेंस : केन इट बी ए पॉटेंट टूल टु फ़ाइट करप्शन?" इन पॉल, सैमुअल (संपा.), *फ़ाइटिंग करप्शन : द वे फ़ॉरवर्ड,* नई दिल्ली : अकादमिक फ़ाउंडेशन, 2013.

धोलकिया, रवीन्द्र एच., 'डेवलपमेंट स्ट्रेटेजी युज़िंग इनपुट-आउटपुट स्टेटिस्टिक्स' इन सोमाययाजुलु, वी.वी.एन. (संपा.), *इंडियन इकॉनॉमी एंड इकॉनॉमिक रिफ़ॉर्म्स : इकॉनॉमी-वाइड स्टड़ीज़ इन इंटर-इंडस्ट्री फ़्रेमवर्क्स,* हिमालय पब्लिशिंग हाउस, 2014, 213-38.

धोलकिया, रवीन्द्र, एच. तथा चौधरी, नंदा के., 'यूज़ ऑफ़ जनरलाइज़्ड इनवर्स टु रिजियोनलाइज द नेशलन इनपुट-आउट पुट टेबल' इन सोमायाजुलु, वी.वी.एन. (संपा.), *इंडियन इकॉनॉमी एंड इकॉनॉमिक रिफ़ॉर्म्स : इकॉनॉमी-वाइड स्टडीज़ इन इंटर-इंडस्ट्री फ़्रेमवर्क्स,* हिमालय पब्लिशिंग हाउस, 2014, 269-80.

धोलकिया, रवीन्द्र एच.; आस्था, अगरवाला तथा बजाज, अमीर बी., 'ट्रेंड्स इन टैकनिकल प्रोग्रेस इन इंडिया - एनेलिसिस ऑफ़ इनपुट-आउटपुट टेबल्स फ़्रॉम 1968 टु 2003' इन सोमायाजुलु, वी.वी.एन. (संपा.), *इंडियन इकॉनॉमी एंड इकॉनॉमिक रिफ़ॉर्म्स : इकॉनॉमी-वाइड स्टडीज़ इन इंटर-इंडस्ट्री फ़्रेमवर्क्स,* हिमालय पब्लिशिंग हाउस, 2014, 239-68.

गुप्ता, अनिल के., 'इन्नोवेशन, इन्वेस्टमेंट, एंटर्प्राइज़ : जनरेटिंग सस्टेनेबल लिवलीहूड एट ग्रासरूट्स थ्रू हनी बी फिलसॉफी' इन वाजक्वे-ब्रस्ट, डिएगो ए., सार्किस, जोसफ, कोरदिरो, जैम्स जे. (संपा.), *ग्रीनिंग ऑफ़ इंडस्ट्री नेटवर्क स्टडीज़, कोलेबरेशन फ़ॉर सस्टेनेबिलिटी एंड इन्नोवेशन : ए रॉल फ़ॉर सस्टेनेबिलिटी ड्रिवन बाय द ग्लॉबल साउथ,* नीदरलैंड्स : स्प्रिंगर, 2014, 3, 217-32.

गुप्ता, विशाल; सिंह, एस. तथा भट्टाचार्य, ए., 'इन्स्पाइरिंग क्रिएटिविटी इन इंडियन आर. एंड डी. ऑर्गेनाइज़ेशन्स : एक्ज़ेमिनिंग द रॉल ऑफ़ लीडरशिप, जस्टिस पर्सेप्शन्स, मोटिवेशन एंड साइकॉलॉजिकल कैपिटल' इन बनर्जी, ए. (संपा.), *इमर्जिंग इस्यूस इन मैनेजमेंट : प्रॉसीडिंग्स ऑफ़ पान-आईआईएम वर्ल्ड मैनेजमेंट कॉन्फ़्रेंस,* नई दिल्ली : एमरेल्ड, 2014, 45-53.

हीथ, एल.; सलिंगर एम.जे.; फॉकलेंड टी.; हेंसन जे.; जिआंग के.; कामेयामा वाय.; किशी एम.; लेबेल एल.; मींके एच.; मोरतोन के.; निकीतिना ई.; शुक्ला पी.आर.; तथा व्हाइट आई., 'क्लाइमेट एंड सिक्योरिटी इन एशिया एंड द पेसिफ़िक (फ़ूड, वाटर एंड एनर्जी)' इन मेनतोन एम., एंड स्टीवनसन एल.ए. (संपा.), *क्लाइमेट इन एशिया एंड द पैसिफ़िक : सिक्योरिटी, सोसाइटी, एंड सस्टेनेबिलिटी,* एम्स्टर्डैम : स्प्रिंगर, 2014, 129-98.

कार्तिक, डी., 'व्हाट ड्राइव्स इमर्जिंग मल्टिनेशनल्स? अर्ली स्टेज इंटरनेशनलाइजेशन एंड पर्फ़ॉरमेंस ड्राइवर्स ऑफ़ इंडियन आईटी फ़र्म्स' इन बनर्जी, अशोक (संपा.), *इमर्जिंग इस्युस इन मैनेजमेंट,* नई दिल्ली : एमरेल्ड इंडिया, 2013, 54-63.

प्रकाशन

कथुरिया, वी. तथा तुरागा, राम मोहन, 'स्माल इंडस्ट्री इन इंडिया : आर सीईटीपीस एन एप्रॉप्रिएट सॉलुशन टूवर्ड्स पॉल्युशन कंट्रॉल' इन दास, केशन (संपा.), *ग्लॉबलाइजेशन एंड स्टेंडर्ड्स : इस्युस एंड चैलेंजिस इन इंडियन बिज़िनेस,* एम्स्टरडैम : स्प्रिंगर, 2014.

लास्को आर., कामेयामा वाय. जिआंग के., पेनाल्बा एल., पुलिन जे., शुक्ला पी.आर., तथा सुब्रमणियन, एस.एम., 'क्लाइमेट एंड सस्टेनेबिलिटी' इन मनतोन, एम. एंड स्टीवनसन एल.ए. (संपा.), *क्लाइमेट इन एशिया एंड द पैसिफ़िक : सिक्योरिटी, सोसाइटी एंड सस्टेनेबिलिटी,* ऐम्स्टरडैम : स्प्रिंगर, 2014, 253-88.

मामिडी, पवन, 'सिग्नलिंग एंड डिसेप्टिव मिमिक्री इन एक्स्टॉर्शन्स इन इंडियास नक्सल लैंड' इन गेम्बेत्ता, दियेगो (संपा.), *फ़ाइट, फ्लाइट, मिमिक,* ऑक्सफ़ॉर्ड युनिवर्सिटी तथा ईयूआई.

मणिकुट्टी, एस. तथा रघुराम, जी., 'डीएचएल वर्ल्डवाइड एक्सप्रेस : दी एक्सप्रेस डिविज़न ऑफ़ एयर फ़्राइट लिमिटेड (एएफ़एल.) : स्ट्रेटेजी फ़ॉर ए कूरियर कंपनी विथ ए ग्लॉबल पार्टनर' इन शर्मा, धीरज (संपा.), *बीटूबी मार्केटिंग,* नई दिल्ली : सेनगेज लर्निंग, 2014.

राम मोहन, टी.टी., 'कॉरपोरेट गवर्नेंस : इस्युस एंड चैलेंजिस' इन जालान, बिमल एंड बालाकृष्णन, पुलाप्रे (संपा.), *पॉलिटिक्स ट्रम्प्स इकॉनॉमिक्स,* नई दिल्ली : रुपा पब्लिकेशन्स, 2014.

शर्मा, मीनाक्षी, 'लैंग्वेज एंड द नेगोशियेशन ऑफ़ आइडेंटिटी एंड सेन्स ऑफ़ बीलॉंगिंग : ए स्टडी ऑफ़ लिटररी रिप्रेज़न्टेशन्स ऑफ़ इंडियन्स इन इंग्लैंड" इन ओरेगान, जॉह्न, विल्किनसन, जेन एंड रॉबिनसन, माइक (संपा.), *ट्रैवलिंग लैंग्वेजिस : कल्चर, कम्युनिकेशन एंड ट्रान्सलेशन इन ए मोबाइल वर्ल्ड,* लंदन : रूतलेज, 2013.

शर्मा, श्रुति तथा सिंह निर्विकार, 'इनफ़ॉरमेशन टैकनॉलॉजी एंड प्रॉडक्टविटी इन इंडियन मेनुफ़ैक्चरिंग' इन शाह, शेकर, बोस्वर्थ, बेरी एंड पानागरिया, अरविंद (संपा.), *इंडिया पॉलिसी फ़ॉरम 2012-13,* नई दिल्ली : सेज पब्लिकेशन्स, 2013, 189-231.

शर्मा, विजय पॉल, 'इंडियास एग्रेरियन क्राइसिस एंड स्मालहॉल्डर प्रॉड्युसर्स पार्टिसिपेशन इन न्यू फ़ार्म सप्लाई चेन इनिशियेटिव्स : ए स्टडी ऑफ़ कॉंट्रेक्ट फ़ार्मिंग" इन शर्मा, एएल. (संपा.), *लिंकिंग स्मालहॉल्डर प्रॉड्युसर्स टु मॉडर्न एग्रि-फ़ूड मार्केट्स : केस स्टडीज़ फ़्रॉम साउथ एंड साउथ-ईस्ट एशिया,* नई दिल्ली : अलाइड पब्लिशर्स, 2013, 16-54.

शर्मा, विजय पॉल; बिल वोर्ली तथा जिकुन हुआंग, 'चेंजिंग स्ट्रक्चर ऑफ़ एग्रि-फ़ूड चेन्स इन एशिया : ऑपॉर्चुनिटिस एंड थ्रेट्स फ़ॉर स्माल-स्केल प्रॉड्युसर्स" इन शर्मा, एएल. (संपा.), *लिंकिंग स्मालहॉल्डर प्रॉड्युसर्स टु मॉडर्न एग्रि-फ़ूड मार्केट्स : केस स्टडीज़ फ़्रॉम साउथ एंड साउथ-ईस्ट एशिया,* नई दिल्ली : अलाइड पब्लिशर्स, 2013, 1-15.

शुक्ला, पी.आर.; धर एस. तथा भास्कर के., 'इलैक्ट्रिक व्हीकल सिनारियोस फ़ॉर इंडिया : इम्प्लिकेशन्स फ़ॉर डेवलपमेंट एंड मिटिगेशन' इन जूस्ते, एम., टाइलर, ई., कोएतसी, के., बोयड, ए. तथा बूल, एम. (संपा.), *प्रॉसीडिंग्स ऑफ़ द फ़ॉरम ऑन डेवलपमेंट एंड मिटिगेशन,* केप टाउन, 2014.

सिन्हा, सिद्धार्थ, 'प्राइवेट पार्टिसिपेशन इन पॉवर डिस्ट्रिब्युशन रिफ़ॉर्म्स' इन गोयल, अशीमा (संपा.), सिन्हा, सिद्धार्थ, 'प्राइवेट पार्टिसिपेशन इन पॉवर डिस्ट्रिब्युशन रिफ़ॉर्म्स' इन गोयल, अशीमा (संपा.), *दी ओक्सफ़ॉर्ड हैंडबुक ऑफ़ दी इंडियन इकॉनॉमी इन द 21स्ट सेन्चुरी,* नई दिल्ली : ओक्सफ़ॉर्ड युनिवर्सिटी प्रेस, 2014, 576-99.

सिंह, सुखपाल, 'प्रॉमॉटिंग स्माल फ़ार्मर मार्केट एक्सेस इन एशिया : इस्युस, एक्सपिरियन्सिस एंड मेकेनिसम्स' इन हैजल, पीटर एंड रेथमेन, ए. (संपा.), *न्यू डिरेक्शन्स फ़ॉर स्मालहोल्डर एग्रिकल्चर,* ओक्सफ़ॉर्ड : ओयूपी तथा आईएफ़एडी, 2014, 184-213.

प्रकाशन

विजय शेरी चंद, 'सोश्यो-एजुकेशनल एंत्रप्रिनियरशिप विधिन द पब्लिक सेक्टर : लीवरेजिंग टीचर-ड्रिवन इन्नोवेशन्स फ़ॉर इम्प्रोवमेंट' इन वाइज़मेन, एलेक्ज़ेंडर डब्ल्यू. (संपा.), *इंटरनेशनल पर्स्पेक्टिव्स ऑन एजुकेशन एंड सोसाइटी,* बिंगली : एमरेल्ड पब्लिशिंग, 2014, 23, 59-82.

सम्मेलन में प्रस्तुतियाँ

अगरवाल, अनुराग के., "कॉरपोरेट गवर्नेंस : चेंजिंग ट्रेंड्स इन इंटर्प्रीटिंग फ़िदुसियरी ड्यूटी," इंडिया फ़िनेंस कॉन्फ़्रेंस 2013, भारतीय प्रबंध संस्थान, अमदाबाद, 18-19 दिसम्बर, 2013.

अगरवाला, शोभेष के. तथा रघुराम, जी. 'स्ट्रक्चरिंग द डेडिकेटेड फ़्राइट कॉरिडोर कॉरपोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड - ए लॉस्ट ऑपॉर्चुनिटी' डब्ल्यूसीटीआर, 2013 कॉन्फरेंस, रियो डी जानेरो, जुलाई 2013.

अगरवाला, शोभेश के.; बरुआ, एस.के.; जेकब, जोशी तथा वर्मा, जयंत, "फ़िनेंसियल लिटरसी अमॉंग वर्किंग यंग इन अर्बन इंडिया," वित्तीय समावेशन के लिए उत्पाद एवं सेवाओं के डिजाइन पर कार्यशाला, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 20 जुलाई, 2013.

बार्नारट, शेरोन एम., "प्रॉमोशन ऑफ़ लिवलीहूड ऑपॉर्चुनिटीस एंड सोश्यल इन्कलुशन," शहरी विकास समावेशन पर राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन, गुजरात सरका, गाँधीनगर, 17 अक्टूबर, 2013.

बार्नहार्ट, शेरोन, 'कमेंट ऑन इनकम डिस्ट्रिब्युशन्स, इनइक्वलिटी एंड पोवर्टी इन एशिया, 1992 टु 2010," नवीनता, समावेशन, तथा एकीकृत एशिया एवं पेसिफ़िक, एशियाई विकास बैंक संस्थान पर 16वाँ वार्षिक सम्मेलन, टोकयो, 27 नवम्बर, 2013.

बसंत, राकेश तथा राय, रजनीश, "अलियांस केपेबिलिटी, गवर्नेंस मेकेनिसम्स एंड स्टेकहोल्डर मैनेजमेंट इन कॉम्प्लेक्स सेटिंग्स," ग्लासगॉ विशेष सम्मेलन, स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट सोसाइटी, ग्लासगॉ, 20-22 जून, 2013.

बसंत, राकेश तथा शर्मा, श्रुति, 'आईसीटी अडॉप्शन एंड ऑर्गेनाइजेशनल चेंज इन पब्लिक एंड प्राइवेट एंटरप्राइज़िस : एन एक्सप्लोरेशन ऑफ़ प्लांट एंड एंटरप्राइज़ लेवल डेटा इन इंडिया,' ईजीपीए वार्षिक कन्वर्जेंस, इडीनबर्ग, 11-13 सितम्बर, 2013.

बथिनी, डी. तथा वोहरा निहारीका, "द रॉल ऑफ़ ट्रेट्स, वैल्युस एंड सेल्फ़-एफ़िसियंसी बीलिफ़्स इन वोलंटीयरिंग," तीसरा भारतीय प्रबंधन अकादमी (आईएएम) सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 12-14 दिसम्बर, 2013.

बत्रा, एस. तथा माथुर, अजीत एन., 'मैनेजिंग द ट्राइन ऑफ़ इंटरनेशनलाइजेशन, इन्नोवेशन एंड इंस्टिट्युशनल डिस्टेंस इन इंटरनेशनल बिज़िनेस," अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय-भारत चैप्टर अकादमी सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, बैंगलोर, 15-17 अप्रैल, 2013.

बत्रा, एस.; शर्मा, एस. तथा वोहरा, निहारीका, "टैकनॉलॉजी ओरिएंटेड स्ट्रेटेजी ऑफ़ स्माल बिज़िनेसिस इन इमर्जिंग इकॉनॉमीस," भारतीय सामरिक प्रबंधन सोसाइटी सम्मेलन, मोहाली, 17-19 दिसम्बर, 2013.

बत्रा, एस.; शर्मा, एस.; दीक्षित, एम. तथा वोहरा, निहारीका, 'डज़ स्ट्रेटेजिक प्लानिंग डिटरमाइन इन्नोवेशन इन ऑर्गेनाइजेशन्स," प्रबंधन अकादमी तीसरी बीपीएस वैश्विक प्रतिनिधि कार्यशाला, फ़्लोरिडा, 1-5 अगस्त, 2013.

बत्रा, एस.; शर्मा, सुनील तथा वोहरा, निहारीका, "टैकनॉलॉजी ओरिएंटेड स्ट्रेटेजी ऑफ़ स्माल बिज़िनेसिस इन इमर्जिंग इकॉनॉमीस : डज़ इंडस्ट्री मैटर्स?" एसएमएस सम्मेलन, मोहाली, भारत, 18 दिसम्बर, 2013.

प्रकाशन

भमोरिया, वैभव, 'एन एनेलिसिस ऑफ़ रीसॉर्स कन्सर्वेशन टैकनॉलॉजी : ए केस ऑफ़ माइक्रॉ-इरिगेशन सिस्टम (ड्रिप इरिगेशन)," अनुसंधान एवं विधिशास्त्र कार्यशाला, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली, 20-21 दिसम्बर, 2013.

भमोरिया, वैभव, 'एन एनेलिसिस ऑफ़ रीसॉर्स कन्सर्वेशन टैकनॉलॉजी : ए केस ऑफ़ माइक्रॉ-इरिगेशन सिस्टम (ड्रिप इरिगेशन)," वरिष्ठ अधिकारी बैठक, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली, 7 जुलाई, 2013.

भमोरिया, वैभव, 'इरिगेशन एंड एंटरप्रीनियरशिप : ए प्रॉपॉज़ल," अनुसंधान एवं विधिशास्त्र कार्यशाला, कृषि मंत्रालय, नई दिल्ली, 20-21 दिसम्बर, 2013.

भटनागर, सुभाष, 'ई-गवर्नेंस' विधायकों एवं मंत्रियों के लिए नेतृत्व कार्यशाला, एसएमएआरटी गवर्नेंस राष्ट्रीय संस्थान, बैंगलोर, अक्टूबर 2013.

डी'क्रूज़, प्रेमिला तथा नोरोन्हा, एर्नेस्तो, "रूटिन रेज़िस्टेंस : लिमिट्स टु रीक्लेमिंग पॉवर इन द कॉंटेक्स्ट ऑफ़ डीपर्सनलाइज़्ड बल्लिइंग," 2013 एओएम, बुएना विस्ता, फ़्लॉरिडा.

डी'क्रूज़, प्रेमिला, "डबली एंटविन्ड : द पॉलिटिक्स ऑफ़ जेंडर इन इंडियास ऑफ़शॉरिंग-आउटसॉर्सिंग सेक्टर," सीओएसटी वर्चुअल कार्य सम्मेलन, डार्मस्टाड, जर्मनी, 8-10 अप्रैल, 2013.

डी'क्रूज़, प्रेमिला, "द मिसमैनेजमेंट ऑफ़ लेऑफ्स," कार्य एवं संगठनात्मक मानसिकता युरोपीय कॉंग्रेस, मुएन्स्टर, 22-25 मई, 2013.

दीक्षित, एम.आर.; शर्मा, सुनील तथा कर्ण, ए., "स्ट्रेटेजिक ब्रेकथ्रूस : द फ़्लेगपॉल्स ऑफ़ इन्नोवेशन जर्नी," एओएम सम्मेलन, ऑरलेंडो, 9-13 अगस्त, 2013.

दीक्षित, एम.आर.; शर्मा सुनील तथा कर्ण, एम., "रॉल ऑफ़ एंटरप्रीनियरियल बायस इन लॉ-कॉस्ट हाई-वॉल्युम बिज़िनेस मॉडल फ़ॉर ऑपॉर्चुनिटी क्रिएशन इन इमर्जिंग इकॉनॉमीस," एसएमएस सम्मेलन, मोहाली, भारत, 17 दिसम्बर, 2014.

दोशी, वी. तथा वोहरा, निहारीका, "अंडरस्टैंडिंग दी एक्सिपरियन्सिस ऑफ़ नोट नोइंग इन लीडरशिप," 27वाँ ऑस्ट्रेलिया व न्यूज़ीलैंड प्रबंधन अकादमी (एएनज़ेडएएम) सम्मेलन, हॉबार्ट, 4-6 दिसम्बर, 2013.

दोशी, वी.; वोहरा, निहारीका; खोकले, पी. तथा शर्मा, आर., "अंडरस्टैंडिंग दी एक्सपिरियन्सिस ऑफ़ नोट नोइंग इन लीडरशिप," तीसरा भारतीय प्रबंधन अकादमी (आईएएम) सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद, 12-14 दिसम्बर, 2013.

गाँधी, शैलेष, "फ़िनेंसियल एंड कॉस्ट मैनेजमेंट इन हैल्थकेयर सिस्टम्स," मध्य पूर्व में चिकित्सा व्यवसायियों का स्वास्थ्य सम्मेलन, जो अमेरिकी रिइंश्योरेंस ग्रुप द्वारा आयोजित था, दुबई, 20 दिसम्बर, 2013.

गाँधी, वसंत पी., "इंट्रॉडक्शन एंड बैकग्राउंड टु द प्रॉजेक्ट : एन्हेंसिंग इंस्टिट्युशनल पर्फ़ोरमेंस इन वाटरशेड मैनेजमेंट इन आंध्र प्रदेश, इंडिया," अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान (एसीआईएआर) परियोजना के लिए ऑस्ट्रेलियाई केन्द्र की कार्यशाला, कैनबरा, 22 अप्रैल, 2013.

गाँधी, वसंत पी., "रीसर्च मैथडॉलॉजी, कॉंसेप्चुअल फ़्रेमवर्क, सर्वे एंड की फ़ाइंडिंग्स : एन्हेंसिंग इन्स्टिट्युशनल परफ़ॉर्मेंस इन वाटरशेड मैनेजमेंट इन आंध्र प्रदेश, इंडिया," अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान परियोजना (एसीआईएआर) के लिए ऑस्ट्रेलियाई केन्द्र की कार्यशाला, केनबरा, ऑस्ट्रेलिया, 22 अप्रैल, 2013.

गाँधी, वसंत पी., "ट्रेंड्स इन एग्रिबिज़िनेस एंड फ़ूड एंड इम्पलिकेशन्स फ़ॉर द फ़्यूचर ऑफ़ द सीड इंडस्ट्री," सीईओ कोनक्लेव - भारतीय सीड कॉंग्रेस 2014, भारतीय राष्ट्रीय सीड संघ (एनएसएआई), गाँधीनगर, 17 फरवरी, 2014.

प्रकाशन

गाँधी, वसंत पी., 'टैकनॉलॉजी, इकॉनॉमिक्स एंड रिस्क-पर्सेप्शन : ए स्टडी ऑफ़ दी एडॉप्शन ऑफ़ जेनेटिकली-मॉडिफ़ाइड बीटी कॉटन इन इंडिया,' पश्चिमी आर्थिक अंतरराष्ट्रीय संघ (डब्ल्यूईएआई) 88वाँ वार्षिक सम्मेलन, सिएटल, यूएसए, 28 जून-2 जुलाई, 2013.

गाँधी, वसंत पी. तथा भमोरिया, वैभव, "स्ट्रक्चरल इक्वेशन मॉडलिंग फ़ॉर इन्स्टिट्युशनल इम्प्रोवमेंट टु एन्हेंस इम्पैक्ट ऑफ़ वाटरशेड मैनेजमेंट इन्स्टिट्युशन्स," एसीआईएआर परियोजना सह कार्यशाला, एसीआईएआर, ऑस्ट्रेलिया, 13-25 अप्रैल, 2013.

गाँधी, वसंत पी. तथा जैन, दिनेश, "ग्रॉथ एंड डेवलपमेंट ऑफ़ दी एग्रिबिज़िनेस सेक्टर : नेचर, ड्राइवर्स, मॉडल्स एंड चैलेंजिस," भारतीय कृषि आर्थिक सोसाइटी (आईएसएई) का 73वाँ वार्षिक सम्मेलन, हैदराबाद, 18-20 दिसम्बर, 2013.

गाँधी, वसंत पी., "इंटिग्रेटिव एग्रिबिज़िनेस मॉडल्स फ़ॉर लिंकिंग फ़ार्मर्स टु द मार्केट," वाइब्रेंट गुजरात वैश्विक कृषि शिखर सम्मेलन, गुजरात सरकार : कृषि एवं सहयोग विभाग, गाँधीनगर, 9-10 सितम्बर, 2013.

गुप्ता, अनिल के., 'ए विज़न फ़ॉर इन्नोवेशन इन गवर्न्मेंट,' नवाचार कार्यवाही योजनाओं पर कार्यशाला : पुनर्समीक्षा एवं भावि कदम, भारतीय विदेश व्यवसाय संस्थान (आईआईएफ़टी), दिल्ली, 14 जून, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "ऑटोपोइसिस मॉडल ऑफ़ इन्नोवेशन : फ़्रुगल, फ़्लेक्सिबल, फ़्रेंडली एंड अफ़ॉर्डेबल," अंतरराष्ट्रीय आर्थिक मंच : ले रंकॉनथ्र इकॉनॉमिक देज-ओं-प्रोवेन्स 2013, 6 जुलाई, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "बीयॉंड द बिल्ट एन्वायर्नमेंट : अचीविंग इंडियास सस्टेनेबल फ़्यूचर," इकॉबिल्ड इंडिया 2013, यूबीएम इंडिया प्रा.लि., मुंबई, 17 अप्रैल, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "ब्रेकथ्रू इन्नोवेशन्स फ़ॉर सोश्यल चेंज," बीआईटीएसएए वैश्विक पूर्वछात्र बैठक, बीआईटीएस पिलानी-हैदराबाद कैम्पस, 5 जनवरी, 2014.

गुप्ता, अनिल के., 'क्रुसिबल ऑफ़ क्रिएटिविटी इन क्रॉप डेवलपमेंट : लर्निंग फ़्रॉम फ़ार्मर ब्रीडर्स,' 5वाँ जे.सी. बोस स्मृति आख्यान तथा एनआईपीजीआर दिवस की संस्थापना, नई दिल्ली, 10 दिसम्बर, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "डिज़ाइनिंग इन्स्टिट्युशन्स फ़ॉर इन्नोवेटिव सोश्यल ट्रान्सफ़ॉर्मेशन : ब्रिजिंग ओर एलिमिनेटिंग नीड गैप्स," चौथा एशिया एनजीओ नवाचार शिखर सम्मेलन (एएनआईएस) 2013, होप संस्थान, बैंगकॉक, 8 अक्टूबर, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "एम्पेथेटिक इन्नोवेशन्स फ़ॉर सोश्यल डेवलपमेंट," प्रबंधन अकादमी की 73वीं वार्षिक बैठक, ऑर्लैंडो, 10-15 अगस्त, 2013.

गुप्ता, अनिल के., 'एन्करेजिंग' फ़ार्मर्स इन्नोवेशन्स फ़ॉर सस्टेनेबल डेवलपमेंट,' केरल में किसान नवाचारों पर कार्यशाला, केरल राज्य योजना बोर्ड, तिरुवनंतपुरम्, 26 मार्च, 2014.

गुप्ता, अनिल के., "इंजिनीयरिंग फ़ॉर सोश्यल चेंज : द केस ऑफ़ टेकपिडिया.इन," अंतरराष्ट्रीय कॉंग्रेस विज़न, लिमका, 16-18 अक्टूबर, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "फ़ार्मर एंड वर्कर बेस्ड इन्नोवेशन फ़ॉर एंटरप्रीनियरियल डेवलपमेंट," नवाचार-प्रेरित तथा टैकनॉलॉजी संचालित उद्यमशीलता पर कार्यशाला. केरल का भविष्य, 3 दिसम्बर, 2013.

गुप्ता, अनिल के., 'फ़्रॉम माइक्रो फ़िनेंस टु माइक्रो वेंचर फ़िनेंस : ए पैराडिग्मेटिक शिफ़्ट फ़ॉर इन्क्लुसिव डेवलपमेंट थ्रू ग्रासरूट्स इन्नोवेशन्स,' एल.एच. मंच : सकारात्मक अर्थव्यवस्था के लिए आंदोलन, ल हाव्र, 26 सितम्बर, 2013.

प्रकाशन

गुप्ता, अनिल के., "फ़्रुगाल इन्नोवेशन : हाउ केन वी डु मॉर विथ लेस?" विश्व शिक्षा नवाचार शिखर सम्मेलन, दोहा, 30 अक्टूबर, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "ग्रासरूट्स इन्नोवेशन एंड ट्रान्सफ़ॉर्मेशन टुवर्ड्स सस्टेनेबल डेवलपमेंट," बदलते मौसम में परिवर्तन पर सम्मेलन, ज्यॉर्ज स्वेरद्रुप हस, ऑस्लॉ युनिवर्सिटी, नॉर्वे, 19-21 जून, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "ग्रासरूट्स इन्नोवेशन्स मैटर," छठा एसएआरसीएचआई रीट्रीट एवं इंटरफ़ेस, प्रीटोरिया, 22-26 नवम्बर, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "इन्नोवेशन इन गवर्नमेंट : स्ट्रेटेजी एंड इम्प्लिमेंटेशन," सरकारी कार्यनिष्पादन प्रबंधन पर अंतरराष्ट्रीय कार्यशाला, नई दिल्ली, 11 जुलाई, 2013.

गुप्ता, अनिल के., 'इन्नोवेशन रोड़मैप फ़ॉर यू.पी. : ए लॉंग टर्म पर्स्पैक्टिव एंड बैंकर्स एज़ एजेंट्स ऑफ़ चेंज,' राज्य नवाचार परिषद्, यूपी के लिए अभिनव रोड़मैप 2020, लखनऊ, 24 जुलाई, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "इन्नोवेशन्स फ़ॉर इनक्लुसिव डेवलपमेंट," एशिया पैसिफ़िक सम्मेलन : एपीसीओएन 2013, बैंगलोर, 15 मई, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "इन्नोवेशन्स फ़ॉर विमेन एम्पॉवरमेंट," महिला उद्यमी राज्य स्तरीय सम्मेलन 2014, आमही उद्योगिनी प्रतिष्ठान, मुंबई, 1 मार्च, 2014.

गुप्ता, अनिल के., "लर्निंग फ़्रॉम द मार्जिन्स," बोडो छात्र युनियन मुक्त सत्र, उदलगिरी, असम, 12 जनवरी, 2014.

गुप्ता, अनिल के., "लीवरेजिंग इंडिजीनस नॉलेज, क्रिएटिविटी एंड इन्नोवेशन्स : हनी बी नेटवर्क एप्रॉच," विश्व स्वदेशी उत्पाद नेटवर्क सम्मेलन 2013 (डब्ल्यूआईएनसी 2013), डार्विन एन.टी., ऑस्ट्रेलिया, 26 मई, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "मेकिंग इंडिया इन्नोवेटिव : एन एजेंडा फ़ॉर एक्शन," विचार, अन्वेषण, तथा नवाचारों पर राष्ट्रीय स्तरीय मेला (आई3ऐक्स्पो2013), 29 सितम्बर, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "प्रॉमॉटिंग ओरिजिनली एंड सॉश्यल रिलेवंस इन इंजिनीयरिंग एजुकेशन," 17वाँ पंजाब विज्ञान कॉंग्रेस, पंजाब तकनीकी विश्वविद्यालय, कपूरथला, 16 फरवरी, 2014.

गुप्ता, अनिल के., 'रेकॉग्नाइजिंग एक्सेलेंस एट लॉकल लेवल,' गुजरात की महिला सरपंचों के लिए कार्यशाला, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 6-7 दिसम्बर, 2013.

गुप्ता, अनिल के., "टैकनॉलॉजिकल इन्नोवेशन्स इन रुरल कंट्रीसाइड," अंतरराष्ट्रीय कॉंग्रेस विज़न, लिमा, 16-18 अक्टूबर, 2013.

गुप्ता, परविंदर, 'मुविंग फ़ॉरवर्ड : ऑपॉर्चुनिटिस एंड चेलेंजिस,' दी इंटरनेशनल सिंपॉज़ियम ऑन सोश्यल साइंसिस, हॉंग कॉंग, 19-21 दिसम्बर, 2013.

गुप्ता, विशाल, "लीडरशिप एंड क्रिएटिविटी : एक्ज़मिनिंग द रॉल ऑफ़ जस्टिस एंड एंगेजमेंट," प्रबंधन अकादमी की 73वीं वार्षिक बैठक, ऑर्लैंडो, 9-13 अगस्त, 2013.

जेकब, जोशी तथा अगरवाला, शोभेश के., "मेंडेटरी आईपीओ ग्रेडिंग : डज़ इट हेल्प प्राइसिंग एफ़िसियंसी?" पूर्वी वित्त संघ सम्मेलन, थम्पा, अप्रैल, 2013.

जेकब, जोशी; अगरवाला, शोभेश के. तथा वासुदेवन, एल्लापुल्ली, 'मार्केट टाइमिंग एबिलिटी ऑफ़ इंडियन फ़र्म्स इन ऑपन

प्रकाशन

मार्केट रिपरचेज़िस,' भारतीय वित्त सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद, दिसम्बर, 2013.

जेकब, जोशी; अगरवाला, शोभेश के. तथा पांडेय, अजय, 'इम्पैक्ट ऑफ़ दी इंट्रॉडक्शन ऑफ़ कॉल ऑक्शन ऑन प्राइस डिस्कवरी : एविडेंस फ़्रॉम दी इंडियन स्टॉक मार्केट युज़िंग हाई-फ़्रिक्वन्सी डेटा,' एशिया प्रशांत व्युत्पन्न संघ, अगस्त, 2013, बुसान, अगस्त, 2013.

जेकब, जोशी; अगरवाला, शोभेश के. तथा पांडेय, अजय, 'इम्पैक्ट ऑफ़ दी इंट्रॉडक्शन ऑफ़ कॉल ऑक्शन ऑन प्राइस डिस्कवरी : एविडेंस फ़्रॉम दी इंडियन स्टॉक मार्केट युज़िंग हाई-फ़्रिक्वन्सी डेटा,' पूर्वी वित्त संघ सम्मेलन, थम्पा, फ़्लॉरिडा, अप्रैल, 2013.

जेकब, जोशी; अगरवाला, शोभेश के.; बरुआ, एस.के. तथा वर्मा, जयंत आर., 'फ़िनेंसियल लिटररी अमोंग वर्किंग यंग इन अर्बन इंडिया,' भारतीय वित्त सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद, दिसम्बर, 2013.

जैन, रेखा, "डिप्लॉइंग इंटेलेक्चुअल कैपिटल फ़ॉर टैकनॉलॉजी एंड पॉलिसी लीडरशिप इन द टैलिकॉम सेक्टर : रॉल ऑफ़ टीसीओईस," टीसीओईस के आगामी पाँच वर्षों के लिए गतिविधियाँ एवं आर.एंड डी. रोड़मैप : एनटीपी 2012 के उद्देश्यों की प्राप्ति पर कार्यशाला, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद, 6 जुलाई, 2013.

जैन, रेखा, "पॉलिसी फ़्रेमवर्क फ़ॉर स्पैक्ट्रम मैनेजमेंट इन इमर्जिंग इकॉनॉमीस : लेशन्स फ़्रॉम मोबाइल ब्रोडबैंड स्पेक्ट्रम एलॉकेशन्स इन इंडिया एंड द फिलिपिन," संचार, सूचना एवं इंटरनेट नीति पर 41वाँ अनुसंधान सम्मेलन, दूरसंचार नीति अनुसंधान सम्मेलन, 27-29 सितम्बर, 2013.

जैन, रेखा, "रॉल ऑफ़ द पब्लिक आईसीटी नेटवर्क्स इन फ़ेसिलिटेटिंग इन्नोवेशन : लेशन्स फ़्रॉम इंडिया," अंतरराष्ट्रीय दूरसंचार सोसाइटी का 24वाँ यूरोपीय क्षेत्रीय सम्मेलन, फ़्लॉरेंस, 20-23 अक्टूबर, 2013.

जैन, रेखा, "टेरस्ट्रियल ब्रोडकास्टिंग : न्यू कॉसेप्ट्स एंड कंपीटिशन : डीटीटी," बीईएस एक्स्पो 2014, स्थलीय तथा उपग्रह प्रसारण पर 20वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन एवं प्रदर्शनी, नई दिल्ली, 14 जनवरी, 2014.

कपूर, अमित तथा रंगनाथन, कविता, 'व्हाट मेक्स ए डेटा-स्टॉरी वर्क? ए फ़्रेमवर्क फ़ॉर इफ़ैक्टिव विज़ुअल डेटा नेरेटिव्स,' व्यवसाय विश्लेषिकी तथा आसूचना पर अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, बैंगलोर, दिसम्बर, 2013.

कार्तिक, डी., "कॉरपोरेट गवर्नेंस इस्युस इन एक्ज़िक्युटिव कॉम्पनसेशन : दी इंडियन एक्सिपरियन्स (2008-2012)," राष्ट्रीय शेयर बाज़ार - भारतीय प्रबंध संस्थान बैंगलोर, कॉर्पोरेट संचालन गोल मेज, जनवरी 2013.

कार्तिक, डी., "कॉरपोरेट गवर्नेंस इस्युस इन एक्ज़िक्युटिव कॉम्पनसेशन : दी इंडियन एक्सिपरियन्स (2008-2012)," मोहाली में सामरिक प्रबंधन सोसाइटी सम्मेलन, 17-19 दिसम्बर, 2013.

कार्तिक, डी., 'व्हाट ड्राइव्स इमर्जिंग मल्टिनेशनल्स? अर्ली स्टेज इंटरनेशनलाइजेशन एंड पर्फ़ॉर्मेंस ड्राइवर्स ऑफ़ इंडियन आईटी फ़र्म्स,' आईआईएम विश्व प्रबंधन सम्मेलन, 30 मई-1 जून, 2013.

कार्तिक, डी., 'व्हाट ड्राइव्स इमर्जिंग मल्टिनेशनल्स? अर्ली स्टेज इंटरनेशनलाइजेशन एंड पर्फ़ॉर्मेंस ड्राइवर्स ऑफ़ इंडियन आईटी फ़र्म्स,' प्रभागीय पेपर सत्र, 2013 प्रबंधन अकादमी, वार्षिक बैठक 2013, 9-13 अगस्त, 2013.

कौल, आशा तथा देसाई, ए. "डज़ ईस्ट मीट वेस्ट? कंपेरिंग क्राइसिस कम्युनिकेशन स्ट्रेटेजिस युज़्ड बाय इंडियन एंड वेस्टर्न कंपनीज़," संचार एवं जनसंपर्क माध्यमों पर 11वाँ अंतरराष्ट्रीय वार्षिक सम्मेलन, एथेन्स, 13-16 मई, 2013.

लाहा ए.के., "एनेलिटिक्स फ़ॉर मार्केटिंग इन द ट्वेन्टिफ़र्स्ट सेंचुरी," एफ़आईआईबी विपणन विश्लेषिकी सम्मेलन, नई दिल्ली, भारत, अक्टूबर 2013.

प्रकाशन

लाहा ए.के., "डेटा एनेलिटिक्स इन हैल्थकेयर - एन इंट्रॉडक्शन," आईटी सम्मेलन से स्वास्थ्य देखभाल परिवर्तन, हैदराबाद, भारत, सितम्बर 2013.

लाहा ए.के., "एप्लिकेशन्स ऑफ़ स्टॉकेस्टिक मॉडलिंग इन फ़िनेंस," सांख्यिकी विज्ञान में अनुसंधान : भूत, वर्तमान तथा भविष्य, एस.पी. विश्वविद्यालय, वल्लभ विद्यानगर, भारत, फरवरी, 2014.

खानरा, अविजीत तथा सोमन, चेतन ए., "ह्यरिस्टिक्स फ़ॉर मल्टि-प्रॉडक्ट न्यूजॉबॉय प्रॉब्लेम विथ सतिस्फाइसिंग ऑब्जेक्टिव," उत्पाद अर्थशास्त्र पर 18वीं अंतरराष्ट्रीय कार्य संगोष्ठी, इनसब्रक, 24-28 फरवरी, 2014.

मामिडी, पवन, "दी इकॉनॉमिक्स ऑफ़ चॉइस फ़ॉर डिस्प्लेस्ड इंडिजीनस लैंड ओनर्स इन आंध्र प्रदेश," भारत में भूमि अधिकार, पर्यावरण संरक्षण तथा समावेशन, स्थाई विकास, नीति अनुसंधान केन्द्र, नई दिल्ली; क्रिश्चियन मिशलसन संस्थान; तथा बर्गन युनिवर्सिटी, 17 जनवरी, 2013.

माथुर, अजीत एन., 'इमॉशनल सबमर्जेंस ऑफ़ प्रॉटेस्ट : ए ट्राइम्प ऑफ़ स्ट्रेटेजी ओर कैटैस्ट्रॉफिक रिस्क मैग्निफ़िकेशन?" 29वीं ईजीओएस वार्ता, मॉंट्रेयाल, 3-7 जुलाई, 2013.

माथुर, अजीत एन., "हॉर्सिस ऑफ़ कॉर्सिस : अफ़ेक्ट पैटर्न्स ऑफ़ रिस्क-टेकिंग इन द कॉंटेक्स्ट ऑफ़ इन्स्टिट्युशनल प्लुरालिटी एंड कल्चरल डाइवर्सिटी," भारतीय प्रबंधन अकादमी सम्मेलन, 14 दिसम्बर, 2013.

माथुर, अजीत एन., "रेलेवंस ऑफ़ इंटर-डिसिप्लिनरी इन्क्वायरीज़ इनटु कंटेम्परारी इस्युस," अनुसंधानकर्ता कार्यशाला, अंतर-अनुशासनात्मक अध्ययन स्कूल, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय, 1 अप्रैल, 2013.

माथुर, अजीत एन., "द स्ट्रेटेजिक मैनेजमेंट ऑफ़ सस्टेनेबल इन्नोवेशन," 5वाँ अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, प्रेस्टिज प्रबंधन संस्थान, ग्वालियर, 10 जनवरी, 2014.

माथुर, अजीत एन., "टू कल्चर्स? फ़्रंटियर्स ऑफ़ फ़ेइथ इन योग एंड साइकॉएनेलिसिस," एफ़एमआरआई वार्षिक मनोविश्लेषणात्मक सम्मेलन, भारत, 19-20 दिसम्बर, 2013.

माथुर, नवदीप, "प्लानिंग लाइक ए स्टेट : अर्बन गवर्नेंस बाय (डिस)एम्पॉवरमेंट," एएईआरयूएस-जीआईएसडीईसीओ का 14वाँ वार्षिक सम्मेलन, आईटीसी, त्वोन्त युनिवर्सिटी, एनशेद, सितम्बर, 2013.

माथुर, नवदीप, "अंडरस्टैंडिंग अर्बन गवर्नेंस एंड रीसर्च एजंडास फ़ॉर सॉश्यल साइंस" शहरों पर कार्यशाला, सिम्बियोसिस अर्थशास्त्र स्कूल, पुणे, 14-15 मार्च, 2013.

मिश्रा, एन.; रॉय, देबजीत तथा वेन ओम्मरेन, जे., "क्यूइंग एप्रॉक्सिमेशन्स फ़ॉर दी इंटर-टर्मिनल कंटेनर ट्रान्सपॉर्टेशन (आईटीटी) प्रॉब्लेम," आईएनएफ़ओआरएमएस वार्षिक बैठक, मिन्नेपॉलिस, 6-9 अक्टूबर, 2013.

निगम, एस. तथा रॉय, देबजीत, "एनेलाइज़िंग आल्टरनेट स्टॉरेज स्ट्रेटेजीस इन मोबाइल रैक-बेस्ड ऑर्डर-पिक सिस्टम," प्रोन्नत डेटा विश्लेषण पर तीसरा आईआईएमए अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, व्यवसाय विश्लेषिकियाँ और आसूचना, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 13-14 अप्रैल, 2013.

निगम, एस.; रॉय, देबजीत तथा दे कॉस्तेर, आर., 'एनेलाइज़िंग आल्टरनेट व्हीकल एलॉकेशन स्ट्रेटेजिस इन मोबाइल रैक-बेस्ड ऑर्डर-पिक सिस्टम्स," ओआर13 सम्मेलन, एरास्मस युनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स, 3-6 सितम्बर, 2013.

पंगोत्रा, प्रेम, "नॉलेज नीड्स एसेसमेंट फ़ॉर इंडियन सिटीज़," भारतीय ज्ञान तथा अनुभव विनिमय केन्द्र पर परामर्शन कार्यशाला, एडीबी-भारत सरकार-विश्वबैंक, नई दिल्ली, 12 नवम्बर, 2013.

प्रकाशन

पाठक, अतुल तथा कंडाथिल, ज्योर्ज, 'ए स्ट्रेटेजी-एज़-प्रैक्टिस एप्रॉच टु अंडरस्टैंडिंग द स्ट्रेटेजीस ऑफ़ स्मॉल, इनफ़ॉर्मली ऑर्गेनाइज़्ड रिटेल ग्रॉसरी शोप्स इन इंडिया,' भारतीय प्रबंधन अकादमी सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद, 20 सितम्बर, 2013.

पाझुर, जे.ए. तथा रॉय, देबजीत, "मॉडलिंग प्रायॉरिटी सर्विस एंड रिपॉज़िशनिंग स्ट्रेटेजीस," आईआईई वार्षिक सम्मेलन 2013, पुएर्टो रिको, 18-22 मई, 2013.

रघुराम, जी., "इवॉल्युशन ऑफ़ मॉडल कन्सेशन एग्रीमेंट फ़ॉर नेशनल हाईवेस इन इंडिया," परिवहन अनुसंधान पर विश्व सम्मेलन, रियो डी जानेरो, 15-18 जुलाई, 2013.

रघुराम, जी., "फ़्रेमवर्क फ़ॉर स्ट्रक्चरिंग पीपीपीस इन रेलवेस," परिवहन अनुसंधान पर विश्व सम्मेलन, रियो डी जानेरो, 15-18 जुलाई, 2013.

रघुराम, जी., "इस्युस इन पीपीपीस इन पॉर्ट्स इन इंडिया," सार्वजनिक निजी प्रतिभागिता पर अंतरराष्ट्रीय समय का तकाज़ा, सार्वजनिक उद्यम संस्थान, हैदराबाद, 23-24 जनवरी, 2014.

रघुराम, जी., "इस्युस इन पीपीपीस इन पॉर्ट्स इन इंडिया," परिवहन अनुसंधान पर विश्व सम्मेलन, रियो डी जानेरो, 15-18 जुलाई, 2013.

रघुराम, जी., 'स्ट्रक्चरिंग द डेडिकेटेड फ़्राइट कॉरिडॉर प्रॉजेक्ट, ए क्रिटिक," परिवहन अनुसंधान पर विश्व सम्मेलन, रियो डी जानेरो, 15-18 जुलाई, 2013.

रॉय, देबजीत तथा दे कॉस्तेर, आर., 'ऑप्टिमाइज़िंग स्टैक लेआउट्स इन कंटेनर टर्मिनल्स युज़िंग स्टॉकेस्टिक मॉडल्स," सिंगापुर राष्ट्रीय विश्वविद्यालय, रसद और मैरिटाइम प्रणालियों पर तीसरा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, 12-14 सितम्बर, 2013.

रॉय तथा गुप्ता, ए., "ट्रैफ़िक फ़्लॉ-बेस्ड एनेलिटिकल मॉडल फ़ॉर फ़्लीट एंड बफ़र साइज़िंग एट सी कंटेनर टर्मिनल्स," आईएनएफ़ओआरएमएस वार्षिक बैठक, मिन्नेपॉलिस, 6-9 अक्टूबर, 2013.

रॉय, देबजीत तथा कुमार, ए., "ऑप्टिमल पार्टिशनिंग ऑफ़ वर्टिकल जॉन्स इन व्हीकल-बेस्ड वेयरहाउस सिस्टम," आईएनएफ़ओआरएमएस वार्षिक बैठक, मिन्नेपॉलिस, 6-9 अक्टूबर, 2013.

रॉय, देबजीत तथा निगम, एस., "क्यूइंग मॉडल्स फ़ॉर मोबाइल रैक-बेस्ड ऑर्डर-पिक सिस्टम्स," आईएनएफ़ओआरएमएस वार्षिक बैठक, मिन्नेपॉलिस, 6-9 अक्टूबर, 2013.

सरीन, अंकुर तथा रंगनाथन, कविता, "एन इवेलुएशन फ़्रेमवर्क फ़ॉर सोश्यली मीनिगफ़ुल इवेलुएशन्स ऑफ़ टैकनॉलॉजी बेस्ड सॉश्यल इन्नोवेशन्स, 2013," अंतरराष्ट्रीय सामाजिक नवाचार अनुसंधान सम्मेलन (आईएसआईआरसी) में श्रेष्ठ पेपर अवॉर्ड के लिए "हाईली कमेंटेड" के रूप में लघुसूचीकृत पेपर, कथित व्यवसाय स्कूल, ऑक्सफ़ॉर्ड, सितम्बर, 2013.

शर्मा, मीनाक्षी, 'इंडियन राइटिंग इन इंग्लिश एंड ए स्पेस कॉल्ड इंग्लेंड," प्रवास वर्णन : आधुनिकता और अवकाशीय काल्पनिकता, झूरिक युनिवर्सिटी, 29 नवम्बर-1 दिसम्बर, 2013.

शर्मा, राजीव; दीक्षित एम.आर. तथा पयदाह, अखिला, 'इज़ इट ए डबल एज्ड स्वॉर्ड? एक्सप्लोरिंग द रीच ऑफ़ प्रॉजेक्ट बेस्ड टीचिंग एंड लर्निंग," सूचना में अनुसंधान और शिक्षा के लिए यूरोपीय संघ (ईएआरएलआई) का द्विवार्षिक सम्मेलन, म्युनिक, 27-31 अगस्त, 2013.

शर्मा, एस.; शील, आर. और वोहरा, निहारीका, 'पर्सनालिटी एंड कमिटमेंट : ए मेटेनेलिसिस," 73वीं एओएम बैठक, फ़्लॉरिडा, 9-13 अगस्त, 2013.

प्रकाशन

शर्मा, श्रुति, 'इम्पॉर्टेड इंटरमीडियेट इनपुट्स एंड वर्कफ़ॉर्स कॉम्पॉज़िशन : एविडेंस फ़्रॉम इंडियास टैरिफ़ लिबरलाइजेशन,' 7वाँ आर्थिक सिद्धांत और नीति सम्मेलन, जवाहरलाल नेहरु विश्वविद्यालय और एनआईपीएफ़पी, नई दिल्ली, 21 फरवरी, 2014.

शर्मा, श्रुति, 'इम्पॉर्टेड इंटरमीडियेट इनपुट्स एंड वर्कप्लेस कॉम्पॉज़िशन : एविडेंस फ़्रॉम इंडियास टैरिफ़ लिबरलाइजेशन," श्रम बाज़ार के अवकाशीय परिमाण : नौकरियों का पुनर्स्थापन, रोजगार अनुसंधान संस्थान (आईएबी), आरसीईए तथा ज़ेडईडब्ल्यू, नुरेमबर्ग, 13 मार्च, 2014.

शर्मा, विजय पॉल, 'ऐग्रिकल्चरल कॉमर्सियलाइजेशन एंड ट्रेड पैटर्न्स इन इंडिया : डाइनेमिक्स एंड प्रॉस्पेक्ट्स,' राज्य, बाज़ार और कृषि उद्यमों पर रजत जयंती समारोह सम्मेलन, इंदिरा गाँधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई, 3-5 अप्रैल, 2013.

शील, आर. तथा वोहरा, निहारीका, 'द रीलेशनशिप बिट्वीन पर्सेप्शन्स ऑफ़ कॉरपोरेट सॉश्यल रिस्पॉन्सिबिलिटी (सीएसआर) एंड ऑर्गेनाइजेशनल साइनिसिज़म : मॉडरेटिंग इफ़ैक्ट ऑफ़ एम्पलॉयी वॉलंटियरिंग," तीसरा प्रबंधन अकादमी सम्मेलन (आईएएम), भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद, 12-14 दिसम्बर, 2013.

सिंह, सुखपाल, "एग्रिबिज़िनेस फ़्रेन्चाइज़िंग इन इंडिया : पर्फ़ॉर्मेंस एंड पॉटेंशियल," अर्थशास्त्र और प्रबंधन नेटवर्क का (ईएमएनईटी) छठा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, अदागिर, 21-23 नवम्बर, 2013.

सिंह, सुखपाल, "बेनिफ़िट्स ऑफ़ एफ़डीआई इन मल्टि-ब्रांड रिटेल ट्रेड इन इंडिया : मिथ्स एंड रियलिटी," सहयोग, बैंकिंग तथा प्रबंधन महाविद्यालय, केरल कृषि विश्वविद्यालय, त्रिशुर, 20 अप्रैल, 2013.

सिंह, सुखपाल, 'जीएम क्रॉप्स एंड ग्लॉबल एग्रि ट्रेड,' स्थाई विकास के लिए ट्रान्सजेनिक फसलों का विनियमन करना, कच्छ युनिवर्सिटी, भुज, 6 जुलाई, 2013.

सिंह, सुखपाल, "इनक्लुसिव वैल्यु चेन्स इन इंडिया : एविडेंस एंड पॉटेंशियल," रजत जयंती समारोह सम्मेलन, इंदिरा गाँधी विकास अनुसंधान संस्थान, मुंबई, 3-5 अप्रैल, 2013.

सिंह, सुखपाल, "पीपीपी गवर्नेंस एंड डेवलपमेंट : कॉन्सेप्चुअल एंड पॉलिसी लेवल पर्स्पैक्टिव्स," सार्वजनिक-निजी प्रतिभागिता : नीतियाँ, अभ्यास एवं दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, न्यूमैन कॉलेज ठोडुपुझा, 17-18 अप्रैल, 2013.

सिंह, सुखपाल, "प्रॉड्युसर कंपनीज़ इन इंडिया : लेशन्स फ़्रॉम केस स्टडीज़," अर्थशास्त्र और प्रबंधन नेटवर्क (ईएमएनईटी) का छठा अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन, अदागिर, 21-23 नवम्बर, 2013.

सिंह, सुखपाल, "पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप्स फ़ॉर एग्रिबिज़िनस डेवलपमेंट इन इंडिया : एक्सपिरियन्स, इस्युस, एंड स्ट्रेटेजीस," सार्वजनिक-निजी : नीतियाँ, अभ्यास और दृष्टिकोण पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, न्यूमेन कॉलेज, ठोडुपुझा, 17-18 अप्रैल, 2013.

सिंह, सुखपाल, 'रीथिंकिंग डाइवर्सिफ़िकेशन ऑफ़ पंजाब एग्रिकल्चर : द व्हाई एंड द हाउ ऑफ़ पॉलिसी एंड मैकेनिज़्मस, इंटरनेशनल कॉन्फ़्रेंस ओन रीजुवेनेशन ऑफ़ पंजाब इकॉनॉमी,' कैलिफ़ॉर्निया युनिवर्सिटी और पंजाब युनिवर्सिटी, पटियाला, 21-23 मार्च, 2014.

सिंह, सुखपाल, 'स्मॉल फ़ार्मर ऑर्गेनाइजेशन इन रेनफ़ेड रीजियन्स ऑफ़ इंडिया : ए स्टडी ऑफड ऑर्गेनाइजेशन एंड पर्फ़ॉर्मेंस ऑफ़ प्रॉड्युसर कंपनीज़," कृषि जोखिम प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सुशासन केन्द्र, हैदराबाद, 3-4 जनवरी, 2014.

प्रकाशन

सिंह, सुखपाल, "स्मॉल फ़ार्मर्स, प्रॉस्परस फ़ार्मर्स इन इंडिया : लेशन्स फ़्रॉम केस स्टडीज़," कृषि जोखिम प्रबंधन पर राष्ट्रीय संगोष्ठी, सुशासन केन्द्र, हैदराबाद, 3-4 जनवरी, 2014.

सिंह, सुखपाल, "स्मॉल प्रॉड्युसर एग्रेगेशन मॉडल्स फ़ॉर लिवलीहूड्स एंड न्युट्रिशन एट टाटा," आय और पोषण के लिए एकत्रीकरण मॉडल पर कार्यशाला, आईसीआरआईएसएटी, हैदराबाद, 27-28 फरवरी, 2014.

सिन्हा, अनामिका और वर्की, बीजू, 'टु बी ओर नोट टु बी : टैलंट मैनेजमेंट इन ए ग्रॉइंग रिक्रुटमेंट प्रॉसेस आउटसॉर्सिंग फ़र्म," आईवीईवाय - आईएसबी वैश्विक केस प्रतिस्पर्धा 2013 : विजेता केसों की प्रस्तुति, मुंबई, 23 अगस्त, 2013.

सोमन, चेतन ए., "ह्यरिस्टिक्स फ़ॉर दी इकॉनॉमिक लॉट शेड्युलिंग प्रॉब्लेम विथ कम्बाइन्ड मेक-टु-ऑर्डर एंड मेक-टु-स्टॉक प्रॉडक्शन सिस्टम," उत्पाद अर्थशास्त्र पर 18वीं अंतरराष्ट्रीय कार्य संगोष्ठी, इन्नसब्रक, 24-28 फरवरी, 2014.

थॉमस, एन. और वोहरा, निहारीका, 'मल्टि-लेवल एप्रॉच टु ऑर्गेनाइजेशनल लर्निंग युज़िंग सॉश्यल नेटवर्क एनेलिसिस,' तीसरा भारतीय प्रबंदन अकादमी (आईएएम) सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 12-14 दिसम्बर, 2013.

थॉमस, एन. और वोहरा, निहारीका, 'मल्टि-लेवल नेटवर्क मेज़र्स फ़ॉर ऑर्गेनाइजेशनल लर्निंग : केस ऑफ़ ए कन्सल्टेंसी फ़र्म,' तीसरा भारतीय प्रबंधन अकादमी सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 12-14 दिसम्बर, 2013.

थॉमस, एन. और वोहरा, निहारीका, 'नेटवर्क मेज़र्स फ़ॉर ऑर्गेनाइजेशनल लर्निंग सबप्रॉसेसिस,' तीसरा भारतीय प्रबंधन अकादमी (आईएएम) सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 12-14 दिसम्बर, 2013.

थॉमस, एन.; वोहरा, निहारीका, 'कम्युनिटिस ऑफ़ प्रैक्टिस एंड देयर इनहियरेंट कंट्रॉल एंड ऑटॉनॉमी आयरनी : ए पॉवर-बेस्ड पर्स्पैक्टिव,' तीसरा भारतीय प्रबंधन अकादमी (आईएएम) सम्मेलन, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद, 12-14 दिसम्बर, 2013.

वर्की, बीजू और कोरडे, रूपा, 'मिनिमम वेज सेटिंग एंड इट्स इम्पैक्ट ऑन इंडस्ट्रियल रीलेशन्स इन एशियन कंट्रीज़ : ए क्रॉस-कंट्री कंपेरिज़न," न्यायसंगत एवं रोजगार-समृद्ध विकास के लिए विनियमन पर शिष्ट कार्य अधिकार पर तीसरा सम्मेलन, आईएलओ, जीनिवा, 3-5 जुलाई, 2013.

वर्की, बीजू और मेहता, खुशी, "इंडिया कंट्री स्टेटस रिपॉर्ट," वैश्विक मजदूरी सूचक तीसरा वार्षिक सम्मेलन, डब्ल्यूआई फ़ाउंडेशन और ऐम्स्टर्डैम युनिवर्सिटी, ऐम्स्टर्डैम, 26-28 अगस्त.

वर्की, बीजू, "सॉश्यल सिक्योरिटी इन इनफ़ॉर्मल सैक्टर : द केस ऑफ़ एमएनआरईजीए," व्यापक सुरक्षा प्रणालियों के माध्यम से सामाजिक अन्यायिता घटाने पर 5वाँ एशिया यूरोपीय श्रम मंच (एईएलएफ़), ऐम्स्टर्डैम, 4-6 सितम्बर, 2013.

वर्की, बीजू; मार्टिन, जी. तथा कोरडे, रूपा, "इंडियन लेबर मार्केट एंड द पॉज़िशन ऑफ़ विमेन : व्हाट टु द वेज इंडिकेटर (पेचेक.इन) इंडियन सर्वे डेटा रीवल?" रोजगार और विकास पर 8वाँ आईज़ेडए/विश्व बैंक सम्मेलन, बॉन, 22-23 अगस्त.

वर्मा, संजय तथा गुप्ता, आशीष, 'इम्प्रॉविंग सर्विसिस इन आउटडॉर पैशन्ट डिपार्टमेंट्स बाय फॉकसिंग ऑन प्रॉसेस पैरामीटर्स : ए सिमुलेशन एप्रॉच,' शीतकालीन अनुकार सम्मेलन, वाशिंगटन डी.सी., 9 दिसम्बर, 2013.

केस, अनुसंधान व परामर्शन

वर्ष	पूर्ण केस (संचयी)	पूर्ण अनुसंधान परियोजनाएँ (संचयी)	पूर्ण परामर्शी परियोजनाएँ (संचयी)
2003-04	2920	649	1957
2004-05	2933	655	2044
2005-06	2945	675	2118
2006-07	2977	709	2137
2007-08	2988	729	2186
2008-09	3037	749	2272
2009-10	3050	791	2405
2010-11	3062	792	2510
2011-12	3068	793	2634
2012-13	3080	797	2708
2013-14	**3169**	**814**	**2823**

प्रबंध विकास कार्यक्रम

प्रतिभागियों का वितरण

कार्यक्रम	कार्यक्रमों की संख्या	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
		सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सामान्य प्रबंध कार्यक्रम	4	46	100	8	154
वैश्विक कार्यक्रम	2	5	9	25	39
नए कार्यक्रम	7	77	69	3	149
नियमित/पुनरावृत्ति वाले कार्यक्रम	46	455	740	41	1236
कुल	**59**	**583**	**918**	**77**	**1578**

सामान्य प्रबंध कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
3 टीपी मध्यम प्रबंध कार्यक्रम (ग्रीष्मकालीन) 16 जून –13 जुलाई, 2013	6	12	3	21
3टीपी वरिष्ठ प्रबंध कार्यक्रम 04 अगस्त – 24 अगस्त, 2013	26	29	3	58
लघु एवं मध्यम उद्यम कार्यक्रम 13 अक्टूबर– 26 अक्टूबर, 2013	0	23	1	24
3 टीपी मध्य प्रबंध कार्यक्रम (शीतकालीन) 19 जनवरी –15 फ़रवरी, 2014	14	36	1	51
कुल	**46**	**100**	**8**	**154**

वैश्विक कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
भूटान में सामान्य प्रबंध कार्यक्रम 18 – 31 अगस्त, 2013	0	9	21	30
ब्रिक्स के बारे में ब्रिक्स - दक्षिण अफ़्रिका मॉड्यूल 7-11 अक्टूबर, 2013	5	0	4	9
कुल	**5**	**9**	**25**	**39**

प्रबंध विकास कार्यक्रम

नए कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
सार्वजनिक प्रणाली				
ग्रामीण बुनियादी सुविधा में सार्वजनिक निजी प्रतिभागिता (पीपीपी) 24-28 जून, 2013	24	5	1	30
सूचना प्रणाली				
दृश्य व्यवसाय आसूचना 9 -11 दिसम्बर, 2013	2	26	0	28
उत्पादन और मात्रात्मक तरीके				
वितरण गोदाम डिज़ाइन तथा प्रबंधन 23-26 दिसम्बर, 2013	13	8	1	22
विपणन				
विकास के लिए नवीन सुधार 13-17 जनवरी, 2014	10	4	1	15
स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र				
स्वास्थ्य देखभाल प्रबंधन का डेटा विश्लेषण 20-24 जनवरी, 2014	8	16	0	24
स्वास्थ्य प्रबंधन में चिकित्सकीय कानूनी मुद्दे 10-12 मार्च, 2014	1	9	0	10
कृषि				
ग्रामीण विपणन 17-21 फरवरी, 2014	19	1	0	20
कुल	**77**	**69**	**3**	**149**

नियमित / पुनरावर्तित कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
व्यवसाय नीति				
विकास के लिए रणनीतियाँ 9-14 सितम्बर, 2013	2	28	1	31
अनुबंध प्रबंधन 16-20 सितम्बर, 2013	24	17	0	41
ज्ञान प्रबंधन 30 सितम्बर से 5 अक्टूबर, 2013	7	5	0	12

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
नवाचार, कॉरपोरेट रणनीति तथा प्रतिस्पर्धात्मक कार्यनिष्पादन 28 अक्टूबर से 2 नवम्बर, 2013	11	5	1	17
इक्कीसवीं सदी के लिए संगठनात्मक नेतृत्व 18-21 नवम्बर, 2013	9	20	1	30
कार्यसमिति सम्मेलन : संबद्धता का प्राधिकरण, संगठन, रणनीतियाँ तथा राजनीति 28 नवम्बर से 4 दिसम्बर, 2013	15	6	0	21
संचार				
लोगों को साथ लेकर चलना : अनुनय द्वारा प्रबंधन 12-17 अगस्त, 2013	10	23	1	34
विजय की कगार : नेताओं के लिए संचार रणनीतियाँ 16-21 सितम्बर, 2013	4	31	1	36
प्रभावी संचार रणनीति : कार्यस्थल पर पुरुष और महिला 21-26 अक्टूबर, 2013	20	3	0	23
सूचना प्रणाली				
सीआईओ के लिए सामरिक आईटी प्रबंधन 28 अक्टूबर से 2 नवम्बर, 2013	11	10	2	23
आईटी परियोजनाओं का प्रबंधन 2-7 दिसम्बर, 2013	9	5	0	14
ईआरपी प्रणाली : प्रौद्योगिकी, योजना एवं कार्यान्वयन 9-11 दिसम्बर, 2013	7	1	0	8
वित्त और लेखांकन				
आधुनिक कॉरपोरेट वित्त 21-26 अक्टूबर, 2013	13	33	1	47
सामरिक लागत प्रबंधन 13-16 जनवरी, 2014	5	32	0	37
विलय, अधिग्रहण और पुनर्गठन 3-8 फरवरी, 2014	11	12	0	23
विपणन				
विपणन निर्णयों के लिए आधुनिक डेटा विश्लेषण 29 जुलाई से 3 अगस्त, 2013	14	5	0	19
लक्ज़री प्रबंधन कार्यक्रम 5-9 अगस्त, 2013	0	9	1	10

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
ग्राहक आधारित व्यवसाय रणनीति 29-31 अगस्त, 2013	11	15	1	27
अंतरराष्ट्रीय व्यवसाय 7-12 अक्टूबर, 2013	3	16	0	19
खुदरा बिक्री प्रबंधन 14-19 अक्टूबर, 2013	0	13	6	19
ग्राहक संबंध प्रबंधन 20-25 जनवरी, 2014	9	12	0	21
बिक्री बल कार्यनिष्पादन संवर्धन 17-20 फरवरी, 2014	31	18	1	50
बीटूबी विपणन 24 फरवरी से 1 मार्च, 2014	23	0	3	26
संगठनात्मक व्यवहार				
व्यावसायिक महिलाओं में नेतृत्व क्षमता तथा संभावना संवर्धन 9-12 जुलाई, 2013	31	10	0	41
नेतृत्व तथा परिवर्तन प्रबंधन 29 जुलाई से 2 अगस्त, 2013	10	32	12	54
अंतरवैयक्तिक प्रभावशीलता तथा टीम निर्माण 6-9 जनवरी, 2014	12	33	0	45
मुख्य क्षमता के रूप में रचनात्मकता एवं नवाचारः व्यक्तिगत तथा संगठनात्मक क्षमता का विकास 25-28 मार्च, 2014	4	14	0	18
कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध				
वार्ता कौशल क्लिनिक 26-28 अगस्त, 2013	15	28	0	43
आधुनिक मानव संसाधन प्रबंधन 2-7 दिसम्बर, 2013	23	15	1	39
उत्पादन एवं मात्रात्मक तरीके				
व्यवसाय / विपणन में मात्रात्मक डेटा विश्लेषिकी तथा उसके अनुप्रयोग 15-17 अप्रैल, 2013	3	9	0	12
परियोजनाओं में अनिश्चितता, जटिलता तथा जोखिम 29 अप्रैल से 2 मई, 2013	9	7	1	17

प्रबंध विकास कार्यक्रम

कार्यक्रम	प्रतिभागियों की संख्या			कुल
	सार्वजनिक क्षेत्र	निजी क्षेत्र	विदेशी	
आधुनिक गुणवत्ता प्रबंधन 15-19 जुलाई, 2013	0	23	0	23
जोखिम : मॉडलिंग तथा प्रबंधन 2-6 सितम्बर, 2013	13	3	0	16
परियोजना प्रबंधन 2-7 सितम्बर, 2013	9	11	1	21
प्रबंधन आधुनिक विश्लेषिकी 18-23 नवम्बर, 2013	2	22	0	24
राजस्व प्रबंधन तथा गतिशील मूल्य निर्धारण 24-29 नवम्बर, 2013	0	26	2	28
आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 2-7 दिसम्बर, 2013	1	32	4	37
खाद्य आपूर्ति श्रृंखला प्रबंधन 3-8 फरवरी, 2014	5	11	0	16
रसद समाधान वितरण 23 फरवरी से 1 मार्च, 2014	3	12	0	15
कृषि				
कृषि आदान विपणन 6-12 जनवरी, 2014	0	24	0	24
अनुबंध खेती का प्रबंधन 27-31 जनवरी, 2014	13	9	0	22
सार्वजनिक प्रणाली				
अवसंरचना में कानूनी तथा विनियमन मुद्दे 26-30 अगस्त, 2013	18	0	0	18
स्वास्थ्य सेवा प्रबंधन केन्द्र				
अस्पताल प्रबंधन 10-14 सितम्बर, 2013	18	28	0	46
चिकित्सकीय प्रयोगशाला प्रबंधन 16-18 अक्टूबर, 2013	12	13	0	25
रवि जे. मथाई शिक्षा अभिनव केन्द्र (आरजेएमसीईआई)				
बदलते परिवेश में स्कूलों का सामरिक नेतृत्व 30 सितम्बर से 5 अक्टूबर, 2013	0	44	0	44
उत्कृष्टता के लिए नवीन सुधार : प्रबंधन शिक्षा में नेतृत्व के लिए कार्यक्रम 2-7 दिसम्बर, 2013	5	15	0	20
कुल	**455**	**740**	**41**	**1236**

चैप्टर गतिविधियाँ

चैप्टर गतिविधियाँ (अप्रैल-2013 से मार्च 2014)

क्रमांक	दिनांक	चैप्टर	इवैंट	पूर्वछात्रों की उपस्थिति की संख्या	टिप्पणी
1	5 अप्रैल-13	सिंगापुर	प्रभाव का सृजन	750	इस समारोह में आईआईएमए की शक्ति तथा वैश्विक आईआईएमए नेटवर्क की सत्ता देखी गई। इस इवेंट के आयोजन में आईआईएमए के पूर्वछात्रों का सर्वाधिक योगदान रहा। मुख्य भाषण भारत सरकार के मुख्य सलाहकार प्रोफ़ेसर रघुराम राजन (पीजीपी 1987), द्वारा दिया गया।
2	6 अप्रैल-13				
3	7 अप्रैल-13	चैन्नई	सिंक्रॉनी	30	श्री के.रंगराजन, चेन्नई मैट्रो एमडी के साथ ब्रेकफ़ास्ट बैठक का लुत्फ उठाते हुए ताज कोन्नेमरा में चेन्नई के पूर्वछात्रों की बैठक हुई। रविवार की जल्दी सुबह ही बड़ी संख्या में चेन्नई आईआईएमएएए के सदस्य मिले।
4	4 मई-13	हैदराबाद	सिंक्रॉनी 2013	300	वर्ष के सबसे बड़े समारोहों में से एक यह गाला इवेंट ओबेरोय तथा ट्राइडेंट में आयोजित हुआ।
5	20 अप्रैल-13	यूएसए	पिनेकल 2013	150	सम्मेलन का विषय *व्हॉट नेक्स्ट* था। जयंत स्वामी, निदेशक, आईआईएम अमेरिका ने सम्मेलन का स्वागत किया तथा अशीमा जैन, संस्थापक प्रमुख, आईआईएम अमेरिका ने गतिविधियों तथा आईआईएम अमेरिका के दृष्टिकोण के बारे में पूर्वछात्रों को जानकारी दी।
6	4 मई-13	चेन्नई	सिंक्रॉनी	130	पार्क शेरेटॉन होटेल, चेन्नई में डॉ. सी. रंगराजन का पूर्वछात्रों को संबोधन आईआईएमएएए के चेन्नई चैप्टर के इतिहास में एक मिल का पत्थर सा था। एक ऐसा संस्थान जो काफी सम्माननीय है, जो अपनी क्षमता के बौद्धिक दिग्गजों की मेजबानी करने में शब्दशः सम्माननीय है, इस बात पर काफी गौरव महसूस किया गया।
7	11 मई-13	पुणे	सिंक्रॉनी	45	वर्तमान बैचों के साथ पिछले बैचों के पूर्वछात्रों का मिलना हुआ। विभिन्न बैचों तथा क्षेत्रों से आए मिश्रित लोगों से इस मिलन संध्या को पारदर्शी बना दिया। स्थिर रूप से संख्या बढ़ती ही जा रही है तथा आशा है कि कुछ ही वर्षों में, सदस्यता तथा उपस्थिति को देखते हुए महत्त्वाकांक्षी लक्ष्यों तक पहुँचा जा सकेगा।
8	11 मई-13	बैंगलुरू	सिंक्रॉनी 2013	35	वार्षिक पूर्वछात्र मेल-मिलाप समारोह के लिए बैंगलुरू में बड़ी संख्या में पूर्वछात्र इकट्ठा हुए। परिसर में बिताए अपने दिनों के संस्मरण ताज़ा करते हुए पूर्वछात्रों के समूह ने एक सौहार्दपूर्ण माहौल बना दिया।
9	18 मई-13	यूएसए	आईआईएम पल्स 2013	70	आईआईएमपल्स 2013 ने आईआईएम अमेरिका डलास चैप्टर के उद्घाटन को बड़ी सफलता में बदल दिया। इस सम्मेलन का विषय था, *अभिनव सुधार करो, एकीकृत करो, प्रेरित करो।*

चैप्टर गतिविधियाँ

क्रमांक	दिनांक	चैप्टर	इवैंट	पूर्वछात्रों की उपस्थिति की संख्या	टिप्पणी
10	जून-13	हैदराबाद	पूर्वछात्र बैठक	90	इसमें हैदराबाद चैप्टर ने महीने के प्रत्येक प्रथम शनिवार को पूर्वछात्र बैठक की एक परम्परा ही बना दी है।
11	जुलाई-13			100	वार्षिक सामान्य निकाय बैठक। इस बैठक के दौरान इस महत्त्वपूर्ण विकास की घोषणा की गई - *उद्‌भव स्कूल परियोजना को कार्यात्मक बनाना*
12	अगस्त-13			60	हैदराबाद में कई क्षेत्रों जैसे कि मार्गदर्शन तथा उद्योग सहयोग आदि में डॉ. आर. नरसिंहन ने, डीन, वॉक्सन स्कूल, आईआईएमए पूर्वछात्रों के सहयोग की संभावनाओं को खोजने में दिलचस्पी ली।
13	17 अगस्त-13	पुणे	पूर्वछात्रों के लिए ट्रेक	20	पूर्वछात्र तथा उनके परिवारों के लिए आयोजित ट्रेक तिकोणा किले तक का था। यह यात्रा दीपक वैद्य (पीजीपी 2009) द्वारा संचालित की गई।
14	24 अगस्त-13		वार्षिक सामान्य निकाय बैठक	31	डॉ. सुभाष भावे, प्रमुख ने पूर्वछात्रों का स्वागत किया और चैप्टर का संक्षिप्त इतिहास प्रस्तुत किया। वर्ष 2013-14 के लिए नई कार्यकारी समिति का चयन किया गया।
15	अप्रैल-13	मुंबई	कार्यकारी समिति	30	आईआईएमए पूर्वछात्र संघ की कार्यपालक समिति हाल ही में रश्मी बंसल, अंकुर गुप्ता तथा पूर्व डीन (पूर्वछात्र एवं विदेश संपर्क), प्रोफ़ेसर विजय शेरी चंद की सक्रिय भागीदारी के साथ पुनर्गठित की गई।
16	11 मई-13		सिंक्रॉनी 2013	200	हाल ही में एसे ही इवेंटों के लिए रिकॉर्ड ब्रेक संख्या में काफी लोगों ने उपस्थिति दर्ज कराई। इससे पहले के चार बैचों ने सिंक्रॉनी 2013 में भाग लिया।
17	28 सितम्बर-13	पुणे	कार्यशाला	20	इस कार्यशाला के आयोजन ऐसे विषय शामिल थे जिनकी हमें चिंता रहती है।
18	25 अक्टूबर-13		मेल-मिलाप समारोह	15	सदस्यों द्वारा पूर्व दीपावली मेल-मिलाप समारोह का आयोजन हुआ था। डॉ. भावे ने अपने आईआईएमए के दौरे के बारे में बात की और निदेशक तथा पूर्वछात्र कार्यालय में हुई चर्चाओं के बारे में बताया।
19	1 नवम्बर-13	हैदराबाद	रवि जे.मथाई स्मृति व्याख्यान-3	60	यह वार्षिक इवेंट अब तीन मुख्य इवेंटों में शामिल हो गया है जिसमें 90 प्रतिशत पूर्वछात्रों के साथ सिंक्रॉनी शामिल है। इस समय *भारतीय अर्थव्यवस्था की स्थिति* विषय होने के कारण चैप्टर ने श्री के.वी. कामत, श्री अरविंद कुमार तथा प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय को आमंत्रित किया था। प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय ने प्रशिक्षित मानव संख्या तथा शिक्षाविदों की भूमिका के महत्त्व के बारे में प्रकाश डाला।
20	30 नवम्बर-13	नागपुर	मेल-मिलाप समारोह	6	प्रकाश शेठ ने नये चक्र के प्रथम चैप्टर समाचारों के लिए मेजबानी की।
21	03 दिसम्बर-13			10	जीवन सुरक्षा रुग्णाश्रय तथा दर्द निवारक देखभाल केन्द्र का दौरा किया गया। पुणे चैप्टर इस संस्थान के साथ कुछ विधाओं पर कार्य करने की योजना बना रहा है।

चैप्टर गतिविधियाँ

क्रमांक	दिनांक	चैप्टर	इवैंट	पूर्वछात्रों की उपस्थिति की संख्या	टिप्पणी
22	17 दिसम्बर-13		मेल-मिलाप समारोह	07	सुनीता शहरी (पीजीपी 1976), जिन्होंने महाराष्ट्र सरकार में मुख्य सचिव के तौर पर कार्यभार संभाला उनको बधाई देने के लिए पार्टी की मेजबानी की गई।
23	17 दिसम्बर-13	मुंबई	सीएक्सओ बैठक	27	काफी उदार व मैत्रीपूर्ण संवाद में, निदेशक प्रोफ़ेसर आशीष नंदा ने जितना संभव हो उतने पूर्वछात्रों से मिलने की अपनी इच्छा जताई। इस विचार को आगे डीन (पूर्वछात्र एवं विदेश संपर्क), प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय का समर्थन मिला। इस सत्र में पूर्वछात्रों से संपर्क बढ़ाने के लिए मिशन से लेकर विज़न तक संस्थान के विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की गई।
24	18 जनवरी-14	चेन्नई	पूर्वछात्र बैठक	14	आईआईएमएएए चेन्नई चैप्टर की एक अनौपचारिक बैठक आईआईटी क्लब में आयोजित की गई। मुरलीधरन, प्रमुख ने सदस्यों का गर्मजोशी से स्वागत किया। यह वरिष्ठ तथा कनिष्ठ बैचों का मिश्रण दिलचस्प रहा।
25	24 जनवरी-14	ओमान	पूर्वछात्र बैठक	25	हमारी बैठक पराग माथुर, पीजीपी-93 के एक स्वागत भाषण के साथ शुरू हुई। हमने विनीता तथा प्रदीप कोपीकर पीजीपी-79 को विदाई भी दी।
26	11 फरवरी-14	मुंबई	वर्ष का महा इवेंट (कम यातायात वाले मार्ग से अवलोकन)	325	आईआईएमए पूर्वछात्र संगठन (मुंबई चैप्टर) ने डॉ. रघुराम राजन-पीजीपी-87 (आरबीआई, गवर्नर), प्रोफ़ेसर आशीष नंदा-पीजीपी-83 (निदेशक, आईआईएमए), श्री जागेश्वर शहरिया-पीजीपी-77 (मुख्य सचिव, महाराष्ट्र) को सम्मानित किया। रमा बीजापुरकर (पीजीपी-87), प्रोफ़ेसर अरविंद सहाय (डीन, पूर्वछात्र एवं विदेश संपर्क, पीजीपी-89) तथा विजय वाघमारे (पीजीपी-95) ने इस इवेंट में विषयों की विस्तृत जानकारी तथा सुझाव देने में सहायता की।

वैश्विक रैंकिंग

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग :प्रबंध में स्नातकोत्तर फाइनेंशियल टाइम्स 2013

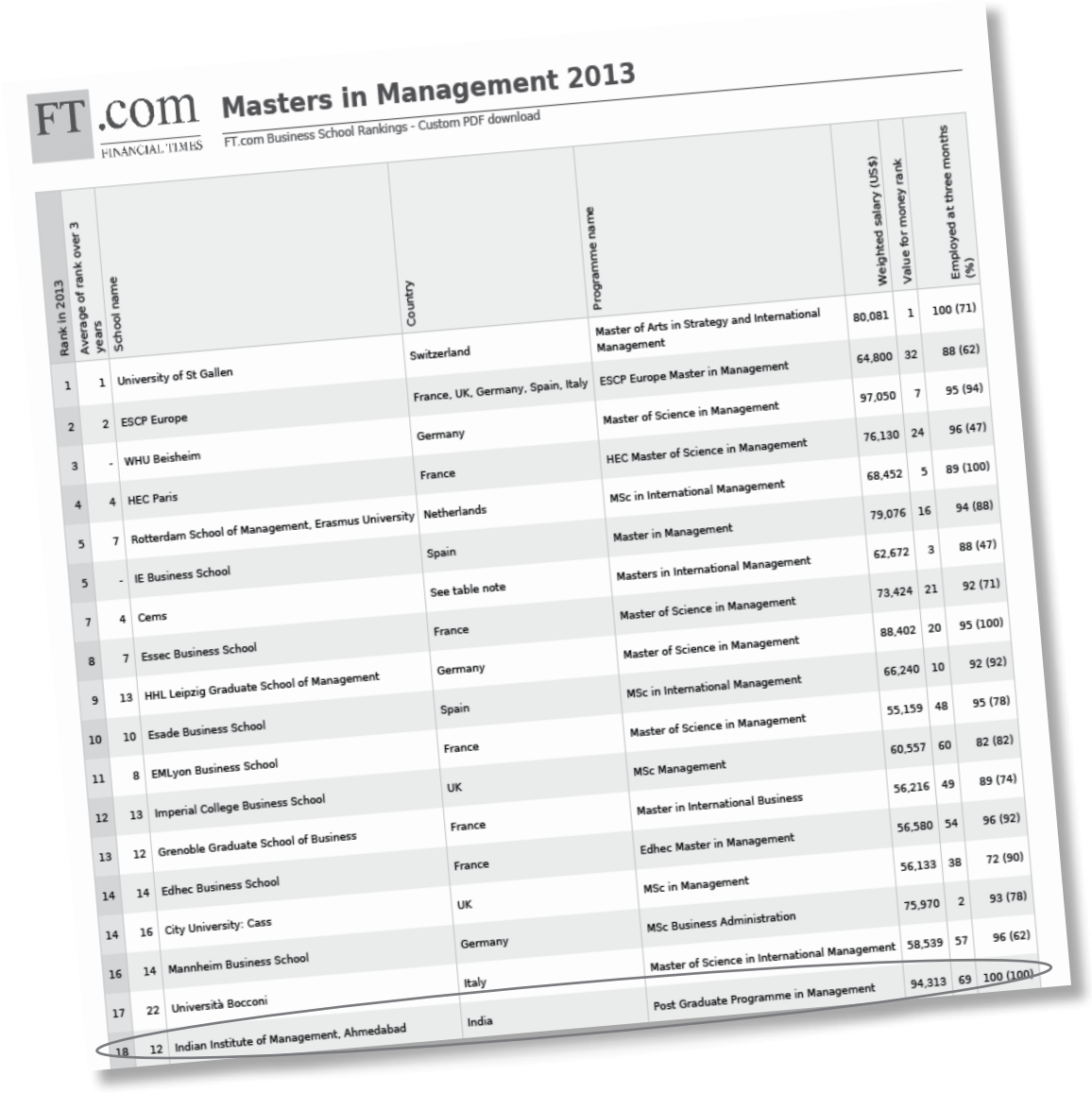

FT.com FINANCIAL TIMES

Masters in Management 2013

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

Rank in 2013	Average of rank over 3 years	School name	Country	Programme name	Weighted salary (US$)	Value for money rank	Employed at three months (%)
1	1	University of St Gallen	Switzerland	Master of Arts in Strategy and International Management	80,081	1	100 (71)
2	2	ESCP Europe	France, UK, Germany, Spain, Italy	ESCP Europe Master in Management	64,800	32	88 (62)
3	-	WHU Beisheim	Germany	Master of Science in Management	97,050	7	95 (94)
4	4	HEC Paris	France	HEC Master of Science in Management	76,130	24	96 (47)
5	7	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands	MSc in International Management	68,452	5	89 (100)
5	-	IE Business School	Spain	Master in Management	79,076	16	94 (88)
7	4	Cems	See table note	Masters in International Management	62,672	3	88 (47)
8	7	Essec Business School	France	Master of Science in Management	73,424	21	92 (71)
9	13	HHL Leipzig Graduate School of Management	Germany	Master of Science in Management	88,402	20	95 (100)
10	10	Esade Business School	Spain	MSc in International Management	66,240	10	92 (92)
11	8	EMLyon Business School	France	Master of Science in Management	55,159	48	95 (78)
12	13	Imperial College Business School	UK	MSc Management	60,557	60	82 (82)
13	12	Grenoble Graduate School of Business	France	Master in International Business	56,216	49	89 (74)
14	14	Edhec Business School	France	Edhec Master in Management	56,580	54	96 (92)
14	16	City University: Cass	UK	MSc in Management	56,133	38	72 (90)
16	14	Mannheim Business School	Germany	MSc Business Administration	75,970	2	93 (78)
17	22	Università Bocconi	Italy	Master of Science in International Management	58,539	57	96 (62)
18	12	Indian Institute of Management, Ahmedabad	India	Post Graduate Programme in Management	94,313	69	100 (100)

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग :दी इकोनोमिस्ट - पूर्णकालिक एमबीए रैंकिंग 2013

Rank	Business School	Country	Rank	Business School	Country
1	Chicago, University of - Booth School of Business	United States	51	Maryland, University of - Robert H Smith School of Business	United States
2	Dartmouth College - Tuck School of Business	United States	52	University of St. Gallen	Switzerland
3	California at Berkeley, University of - Haas School of Business	United States	53	Minnesota, University of - Carlson School of Management	United States
4	Virginia, University of - Darden Graduate School of Business Administration	United States	54	Oxford, University of - Saïd Business School	United Kingdom
5	IESE Business School - University of Navarra	Spain	55	Macquarie Graduate School of Management	Australia
6	Harvard Business School	United States	56	Warwick Business School	United Kingdom
7	New York University - Leonard N Stern School of Business	United States	57	Rotterdam School of Management, Erasmus University	Netherlands
8	HEC School of Management, Paris	France	58	Hong Kong University of Science and Technology - School of Business and Management	Hong Kong
9	Stanford Graduate School of Business	United States	59	Hult International Business School	United States
10	Columbia Business School	United States	60	Wake Forest University Schools of Business	United States
11	London Business School	United Kingdom	61	Texas Christian University--Neeley School of Business	United States
12	Massachusetts Institute of Technology - MIT Sloan School of Management	United States	62	EDHEC Business School	France
13	IMD - International Institute for Management Development	Switzerland	63	Southern California, University of - Marshall School of Business	United States
14	Queensland, University of - Business School	Australia	64	Nanyang Business School - Nanyang Technological University	Singapore
15	Pennsylvania, University of - Wharton School	United States	65	California at Davis, University of—Graduate School of Management	United States
16	ESADE Business School	Spain	66	George Washington University—School of Business	United States
17	Cornell University — Samuel Curtis Johnson Graduate School of Management	United States	67	Iowa, University of - Henry B Tippie School of Management	United States
18	UCLA Anderson School of Management	United States	68	University College Dublin - Michael Smurfit Graduate School of Business	Ireland
19	Emory University - Goizueta Business School	United States	69	Grenoble Graduate School of Business	France
20	Bath, University of - School of Management (BAT)	United Kingdom	70	EMLYON	France
21	Carnegie Mellon University - The Tepper School of Business	United States	71	Pennsylvania State University - Smeal College of Business	United States
22	York University - Schulich School of Business	Canada	72	Durham Business School	United Kingdom
23	Northwestern University - Kellogg School of Management	United States	73	Boston University School of Management (BOS)	United States
24	Hong Kong, University of - Faculty of Business and Economics	Hong Kong	74	Nottingham University Business School	United Kingdom
25	Michigan, University of - Stephen M. Ross School of Business	United States	75	Vlerick Leuven Gent Management School	Belgium
26	INSEAD	France	76	Audencia Nantes School of Management (AUD)	France
27	Melbourne Business School - University of Melbourne	Australia	77	Temple University--Fox School of Business	United States
28	Yale School of Management	United States	78	Rochester, University of - William E Simon Graduate School of Business	United States
29	Duke University - Fuqua School of Business	United States	79	Georgia, University of - Terry College of Business	United States
30	ESMT European School of Management and Technology	Germany	80	Concordia University - John Molson School of Business	Canada
31	Texas at Austin, University of - McCombs School of Business	United States	81	California at San Diego, University of—Rady School of Management	United States
32	Ohio State University - Fisher College of Business	United States	82	Aston Business School	United Kingdom
33	Washington, University of--Foster School of Business	United States	83	China Europe International Business School (CEIBS)	China
34	Vanderbilt University - Owen Graduate School of Management	United States	84	HEC Montréal	Canada
35	Indiana University - Kelley School of Business	United States	85	Birmingham, University of - Birmingham Business School	United Kingdom
36	North Carolina at Chapel Hill, University of - Kenan-Flagler Business School	United States	86	Case Western Reserve University - Weatherhead School of Management	United States
37	Cambridge, University of - Judge Business School	United Kingdom	87	International University of Japan - Graduate School of International Management	Japan
38	Notre Dame, University of - Mendoza College of Business	United States	88	Pittsburgh, University of - Katz Graduate School of Business	United States
39	Indian Institute of Management - Ahmedabad	India	89	Arizona, University of - Eller College of Management	United States
40	Strathclyde, University of - Business School	United Kingdom	90	Florida, University of - Hough Graduate School of Business	United States
41	Mannheim Business School	Germany	91	Yonsei	Republic of Korea
42	City University - Cass Business School	United Kingdom	92	National University of Singapore - The NUS Business School	Singapore
43	Rice University - Jesse H Jones Graduate School of Business	United States	93	Southern Methodist University - Cox School of Business	United States
44	Georgetown University - Robert Emmett McDonough School of Business	United States	94	International University of Monaco	Monaco
45	Arizona State University - W. P. Carey School of Business	United States	95	Lancaster University Management School	United Kingdom
46	Cranfield School of Management	United Kingdom	96	Toronto, University of - Joseph L Rotman School of Management	Canada
47	SDA Bocconi School of Management	Italy	97	Thunderbird School of Global Management	United States
48	Washington University in St Louis - Olin Business School	United States	98	Brandeis International Business School	United States
49	Wisconsin School of Business	United States	99	WHU - Otto Beisheim School of Management	Germany
50	IE Business School	Spain	100	University of Edinburgh Business School	United Kingdom

वैश्विक रैंकिंग

कृषि व्यवसाय/खाद्य उद्योग प्रबंधन में एडयूनिवर्सल सर्वोत्तम स्नातकोत्तर रैंकिंग 2013

अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग : फाइनेंशियल टाइम्स वैश्विक एमबीए रैंकिंग 2014

FT.com FINANCIAL TIMES

Global MBA Ranking 2014

FT.com Business School Rankings - Custom PDF download

Rank in 2014	3 year average rank	School name	Country	Weighted salary (US$)	Salary percentage increase
1	1	Harvard Business School	US	178,300	113
2	2	Stanford Graduate School of Business	US	184,566	100
3	4	London Business School	UK	156,553	107
4	3	University of Pennsylvania: Wharton	US	170,472	99
5	5	Columbia Business School	US	164,181	116
5	6	Insead	France / Singapore	148,183	87
7	8	Iese Business School	Spain	143,168	125
8	8	MIT: Sloan	US	157,262	101
9	10	University of Chicago: Booth	US	156,004	100
10	15	Yale School of Management	US	150,880	114
11	12	University of California at Berkeley: Haas	US	149,487	91
12	15	IMD	Switzerland	142,446	72
13	11	IE Business School	Spain	146,933	112
14	11	Hong Kong UST Business School	China	125,060	139
15	15	Northwestern University: Kellogg	US	157,719	94
16	19	University of Cambridge: Judge	UK	144,350	92
17	17	Duke University: Fuqua	US	141,772	100
17	18	New York University: Stern	US	140,662	97
17	19	Ceibs	China	127,117	156
20	18	Dartmouth College: Tuck	US	150,754	101
21	20	HEC Paris	France	120,016	104
22	26	Esade Business School	Spain	120,718	120
23	22	University of Oxford: Saïd	UK	133,315	91
23	27	University of Michigan: Ross	US	136,828	107
25	27	Warwick Business School	UK	119,121	87
26	27	UCLA: Anderson	US	140,712	97
27	25	Cornell University: Johnson	US	136,707	103
27	33	University of Virginia: Darden	US	142,131	104
29	32	University of Hong Kong	China	113,038	109
30	22	Indian Institute of Management, Ahmedabad	India	157,459	86

कार्मिक

ड1 नई नियुक्तियाँ

• आशीष नंदा, निदेशक	व्यवसाय नीति क्षेत्र
• नमन देसाई	वित्त एवं लेखांकन क्षेत्र
• रामनाथन सुब्रमणियम	विपणन क्षेत्र
• पवन मामिदी	व्यवसाय नीति क्षेत्र
• शेरोन बार्नहार्ट	सार्वजनिक प्रणाली समूह
• श्रुति शर्मा	अर्थशास्त्र क्षेत्र
• वैभवी कुलकर्णी	संचार क्षेत्र
• प्रोमिला अग्रवाल	कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध क्षेत्र
• नीरव नागर	वित्त एवं लेखांकन क्षेत्र
• राजेश चंदवानी	कार्मिक एवं औद्योगिक संपर्क क्षेत्र

ड2 त्यागपत्र

- प्रोफ़ेसर पंकज चन्द्रा
- श्री के.सी. चन्द्रजीत

संस्थान उपरोक्त सभी को उनकी नई नियुक्तियों के लिए शुभकामनाएँ देता है।

ड3 सेवानिवृत्तियाँ

वर्ष के दौरान निम्न कर्मचारी सेवानिवृत्त हुए :

- श्री आर. महादेव अय्यर
- श्री एम.के. सोलंकी
- श्री कालुभाई वालोदरा
- श्री एल.एम. मकवाणा
- श्री सुरेशभाई पटेल
- श्री वाय.एस. राणावत
- श्री वी.पी.के. नायर
- श्री अंबादास हिवाले
- श्री मोहनभाई बी. चौहान
- श्री कनुभाई ए. मकवाणा
- सुश्री रेणुका पी. क्रिश्चियन
- श्री नारण एस. मकवाना
- श्री भरत वसावा
- सुश्री श्वेता परीख
- प्रोफ़ेसर एम.एम. मोनिपल्ली
- प्रोफ़ेसर समर दत्ता
- प्रोफ़ेसर बी.एच. जाजू
- प्रोफ़ेसर वेंकट राव वी.

संस्थान इन्हें इनकी दीर्घकालीन, समर्पित तथा विशिष्ट सेवाओं के लिए धन्यवाद देता है।

ड4 स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति

- प्रोफ़ेसर एन. वेंकिटेश्वरन
- श्री पी. राजगोपालन

कार्मिक

निधन — ड5

- श्री चन्द्रकान्त एच. सोलंकी
- श्री एन.के. सोलंकी

इनकी असामयिक मृत्यु पर संस्थान को गहरा खेद है।

अनुपस्थिति की स्वीकृति — ड6

- प्रोफ़ेसर राजीव शर्मा को 25 नवम्बर, 2013 से एक वर्ष के लिए अवैतनिक छुट्टियों की स्वीकृति दी गई।

पुनः जुड़े — ड7

- प्रोफ़ेसर पंकज चन्द्रा तथा प्रोफ़ेसर एन. रविचन्द्रन ने अपनी अनुपस्थिति का अवकाश क्रमशः 4 सितम्बर, 2013 तथा 2 जनवरी, 2014 को पूर्ण होने पर पुनः कार्यभार संभाला।

पदोन्नतियाँ — ड8

- प्रोफ़ेसर निहारीका वोहरा
- विजयपाल रमणी
- मोहन संतपुरकर
- सुगाथा ए. नायर
- सावित्रीअम्मा पी.
- अनिल चौबल
- एस. सुंदरराजन
- सुमिता एस. नायर
- बुधाभाई एस. वाघेला
- अशोक बोरिचा
- अभिजीत महिड़ा
- किरीट एन. गोसलिया
- जया दिनेश नायर
- कृतज्ञ जी. पटेल
- विजय मिश्रा
- सुजाता जयप्रकाश
- मनीष ए. नायर
- स्नेहल कालीदास जेठवा
- मोहम्मद अकबर शैख
- प्रकाश भीखाभाई राठौड़
- निष्ठा ठाकर आनंद
- उल्हास एस. चौहान

कार्मिक संख्या — ड9

वर्ष	संकाय	अनुसंधान कार्मिक	प्रशासनिक कर्मचारी	कुल
2003-4	76	69	359	504
2004-5	79	58	329	466
2005-6	81	69	314	464
2006-7	83	63	316	462
2007-8	86	69	311	466
2008-9	94	79	319	492
2009-10	92	68	329	489
2010-11	88	71	327	486
2011-12	88	66	316	470
2012-13	85	70	291	446
2013-14	**90**	**65**	**269**	**424**

शासक मंडल

अध्यक्ष

ए. एम. नायक
समूह कार्यकारी अध्यक्ष
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड, मुंबई

सदस्य

अशोक ठाकुर
सचिव
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

योगेन्द्र त्रिपाठी
संयुक्त सचिव एवं वित्तीय सलाहकार
उच्चतर शिक्षा विभाग
मानव संसाधन विकास मंत्रालय
नई दिल्ली

ए. एम. तिवारी आई. ए. एस.
प्रधान सचिव
शिक्षा विभाग
गुजरात सरकार
गाँधीनगर

डॉ. के.पी. जोशीपुरा
उपकुलपति
भारतीय अध्यापक शिक्षा संस्थान
सरकारी महाविद्यालय परिसर, गाँधीनगर

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड, अहमदाबाद

चिंतन एन. परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड, अहमदाबाद

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष तथा प्रबंध निदेशक
केडिला हैल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

टी. वी. राव
अध्यक्ष, टी वी आर एल एस
अहमदाबाद

रमा बीजापुरकर
प्रबंध सलाहकार
मुम्बई

डी. शिवाकुमार
अध्यक्ष तथा सीईओ - भारतीय क्षेत्र
पेप्सिको इंडिया होल्डिंग्स प्रा. लिमिटेड
गुड़गाँव

वसंत गाँधी
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

रेखा जैन
प्रोफ़ेसर
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

किरण कर्णिक
नई दिल्ली

डॉ. श्रीकांत एम. दातार
लेखांकन में आर्थर लोवेस डिकिंसन प्रोफ़ेसर
हार्वर्ड विश्वविद्यालय, अमेरिका

आशीष नंदा
निदेशक
भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

सचिव

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
मुख्य प्रशासनिक अधिकारी
भारतीय प्रबंध संस्थान
अहमदाबाद

भा. प्र. सं. अहमदाबाद समिति के सदस्य

बज़मी हुसैन
प्रबंध निदेशक
एबीबी लिमिटेड
बैंगलूरु

बेहराम शेरडीवाला
प्रमुख - मानव संसाधन
एसीसी लिमिटेड
मुंबई

हिरेन एस. महादेविया
निदेशक (वित्त एवं कॉर्पोरेट मामले) एवं कंपनी सेक्रेटरी
अहमदाबाद न्यू कोटन मिल्स कं. लि. (आशिमा लिमिटेड की यूनिट)
अहमदाबाद

वरिष्ठ उपाध्यक्ष (मानव संसाधन)
एलेम्बिक लिमिटेड, वड़ोदरा

मोहल के. साराभाई
प्रमुख (कॉर्पोरेट प्लानिंग)
अंबालाल साराभाई एंटरप्राइजेज लिमिटेड
अहमदाबाद

नितिन जे. नाणावटी
प्रबंध निदेशक
अपूर्व कंटेनर्श प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

अमोल शेठ
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अनिल लिमिटेड
अहमदाबाद

प्रफुल्ल अनुभाई
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
आरोही कंसल्टेंट्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

संजय एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अरविंद लिमिटेड
अहमदाबाद

अनंग ए. लालभाई
प्रबंध निदेशक
अरविंद प्रोडक्ट्स लिमिटेड
अहमदाबाद

जलज दानी
प्रमुख - इंटरनेशनल
एशियन पेंट्स लिमिटेड
मुम्बई

चिंतन परीख
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
आशिमा लिमिटेड
अहमदाबाद

सुनील एस. लालभाई
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
अतुल लिमिटेड

अमृत रथ
उप प्रमुख (मा.सं.)
बजाज ऑटो लिमिटेड
पुणे

एस.के. दास
महाप्रबंधक (मा.सं. प्रबंधन)
बैंक ऑफ बड़ौदा
मुम्बई

कमलेश पटेल
प्रभारी प्रधानाचार्य
बैंक ऑफ बड़ौदा स्टाफ़ कॉलेज
अहमदाबाद

संजय पवार
क्षेत्रीय प्रबंधक
बैंक ऑफ इंडिया
अहमदाबाद

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
बी ई एम एल लिमिटेड
बैंगलूरु

बी. प्रसाद राव
प्रबंध निदेशक
भारत हेवी इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड
नई दिल्ली

दुर्गेश मेहता
संयुक्त प्रबंध निदेशक
दी बोम्बे डाइंग एंड मैनुफैक्चरिंग कंपनी लिमिटेड
मुम्बई - 400 025

पंकज आर. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
केडिला हेल्थकेयर लिमिटेड
अहमदाबाद

एम. एम. मुरुगप्पन
अध्यक्ष
कार्बोरंडम यूनिवर्सल लिमिटेड
चेन्नई

प्रमित झवेरी
भारत के मुख्य कार्यकारी अधिकारी
सिटीबैंक
मुम्बई

आर. कृपलानी
निदेशक - ऑटोमोटिव एवं मुख्य संचालन अधिकारी
कैस्ट्रोल इंडिया लिमिटेड
मुंबई

एस. दास गुप्ता
महाप्रबंधक (संचालन)
सेन्ट्रल बैंक ऑफ़ इंडिया
मुंबई

अनंग के. शाह
प्रबंध निदेशक
क्रिस्टल क्विनोन प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

डॉ. विनय भरत-राम
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
डीसीएम लिमिटेड
नई दिल्ली

सुनील अग्रवाल
निदेशक
देवीदयाल रोलिंग एंड रिफाइनरीज़ प्राइवेट लिमिटेड
मुम्बई

सी. भास्कर
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी
दिगजाम लिमिटेड
नई दिल्ली

भरतभाई यू. पटेल
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
श्री दिनेश मिल्स लिमिटेड
वड़ोदरा

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
इंजीनियर्स इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

भा. प्र. सं. अहमदाबाद समिति के सदस्य

निखिल नंदा
संयुक्त प्रबंध निदेशक
एस्कॉर्ट्स लिमिटेड
फरीदाबाद

एन. शंकर
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एक्सपोर्ट क्रेडिट एंड गारंटी कॉर्पोरेशन
ऑफ इंडिया लिमिटेड
मुम्बई

जनरल इंश्योरेन्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया
मुम्बई

डॉ. हसित जोशीपुरा
वाइस प्रैसिडेंट, दक्षिण एशिया एवं
प्रबंध निदेशक,
भारत ग्लैक्सोस्मिथक्लाइन
फार्मास्यूटिकल्स लिमिटेड, मुम्बई

समीर एस. सोमैया
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
गोदावरी बायोरिफ़ाइनरीज़ लिमिटेड
मुम्बई

अतनु चक्रवर्ती, आईएएस
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य उर्वरक एवं रसायन
लिमिटेड
वड़ोदरा

अरविंद अग्रवाल
प्रबंध निदेशक
गुजरात राज्य वित्त निगम
गाँधीनगर

पीयूष ओ. देसाई
अध्यक्ष
गुजरात टी प्रोसेसर्स एंड पैकर्स
लिमिटेड
अहमदाबाद

बी.पी. बिडप्पा
कार्यकारी निदेशक - मानव संसाधन
हिंदुस्तान युनिलीवर लिमिटेड
मुम्बई

अखिलेश जोशी
मुख्य संचालन अधिकारी एवं
पूर्णकालिक निदेशक
हिंदुस्तान ज़िंक लिमिटेड
उदयपुर

मुकेश डी. अम्बानी
अध्यक्ष
इंडियन पैट्रोकेमीकल्स कॉर्पोरेशन
लिमिटेड, वड़ोदरा

टी. के. श्रीरंग
वरिष्ठ महाप्रबंधक तथा प्रधान -
मानव संसाधन
आईसीआईसीआई बैंक लिमिटेड
मुम्बई

राहुल एन. अमीन
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
ज्योति लिमिटेड
वड़ोदरा

राजेश खंडेलवाल
खंडेलवाल ब्रदर्स लिमिटेड
मुंबई

के. वेंकटरमणन्
मुख्य कार्यकारी अधिकारी एवं प्रबंध
निदेशक
लार्सन एंड टूब्रो लिमिटेड
मुम्बई

एस. एन. सुब्रह्मण्यन
बोर्ड सदस्य तथा
वरिष्ठ कार्यकारी उप प्रमुख -
अवसंरचना एवं निर्माण
लार्सन एवं टूब्रो लिमिटेड
चेन्नई

एन. वी. वेंकटसुब्रमणियन
मुख्य कार्यकारी अधिकारी
लैंडटी वाल्व्स लिमिटेड
चेन्नई

अध्यक्ष
भारतीय जीवन बीमा निगम
मुम्बई

श्रीकुमार मेनन
प्रबंध निदेशक
लिंडे इंडिया लिमिटेड
कोलकाता 700088

हृषिकेश ए. मफतलाल
अध्यक्ष
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुम्बई

राजीव दयाल
प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यकारी
अधिकारी
मफतलाल इंडस्ट्रीज लिमिटेड
मुम्बई

राजीव दुबे
प्रमुख (मा.सं., कॉर्पोरेट सेवाएँ तथा
बाजार अनुसरण समूह)
एवं कार्यकारी बोर्ड समूह के सदस्य
महिंद्रा एंड महिंद्रा लिमिटेड
मुंबई

अशांक देसाई
संस्थापक एवं पूर्व अध्यक्ष
मास्टेक लिमिटेड
मुम्बई

ए. के. त्यागी
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मेकोन लिमिटेड
झारखंड

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
एम. एम. टी. सी. लिमिटेड
नई दिल्ली

नीरज बजाज
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
मुकंद लिमिटेड
मुम्बई

सुहास आर. लोहोकरे
प्रबंध निदेशक
नेशनल पेरॉक्साइड लिमिटेड
मुम्बई

ए. आर. शेखर
अध्यक्ष एवं महाप्रबंधक
दी न्यू इंडिया इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

प्रबंध निदेशक
एन. आर. सी. लिमिटेड
मुम्बई

पार्क डेविस (इंडिया) लिमिटेड
मुम्बई

हिमांशु जोशी
सर्किल प्रमुख
पंजाब नेशनल बैंक
अहमदाबाद

भा. प्र. सं. अहमदाबाद समिति के सदस्य

संजय सवारकर
रैलिवोल्फ़ लिमिटेड
मुंबई

राजेश आर. मेहता
उपाध्यक्ष
रोहित ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेज
अहमदाबाद

अनुज आर. मेहता
निदेशक
रोहित ग्रुप ऑफ एंटरप्राइजेज
अहमदाबाद

सौरभ एन. शोधन
निदेशक
साकरलाल बालाभाई एंड कंपनी लिमिटेड
अहमदाबाद

सुह्रद एस. साराभाई
निदेशक
साराभाई होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड
अहमदाबाद

कार्तिकेय वी. साराभाई
साराभाई प्रबंधन कॉरपोरेशन प्रा. लिमिटेड
अहमदाबाद

तपन हरेश चोकशी
सौरभ निगम
अहमदाबाद

प्रियम बी. मेहता
अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
सयाजी इंडस्ट्रीज लिमिटेड
अहमदाबाद

पी. आर. मफतलाल
शानुदीप प्राइवेट लिमिटेड
मुम्बई

एन. आर. शाह
श्रीराम मिल्स चैरिटेबल ट्रस्ट
मुंबई

सुनील कनौजिया
ग्रुप सीईओ
सिंटेक्स इंडस्ट्रीजलिमिटेड
कलोल

रवि मल्होत्रा
प्रबंध निदेशक
सरहिन्द स्टील लिमिटेड
अहमदाबाद

एस. ए. रमेश रंगन
मुख्य महाप्रबंधक
भारतीय स्टेट बैंक
अहमदाबाद

बलदेव सिंह, आई.ए.एस.
प्रबंध निदेशक
एसआईसीओएम लिमिटेड
मुम्बई

अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक
स्टेट ट्रेडिंग कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड
नई दिल्ली

एम. रविंद्रनाथ
वाइस प्रैसिडेंट - विनिर्माण
टाटा केमिकल्स लिमिटेड
मीठापुर

एच. एम. नेरुरकर
प्रबंध निदेशक
टाटा इस्पात लिमिटेड
जमशेदपुर

प्रबीर झा
सीनियर वाइस प्रैसिडेंट - मानव संसाधन
टाटा मोटर्स लिमिटेड
मुम्बई

चेतन टोलिया
मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
टाटा पावर कंपनी लिमिटेड
मुम्बई

टी. पी. विजयसारथी
निदेशक
टॉरेंट पावर लिमिटेड
अहमदाबाद

एन. कन्नन
संयुक्त महाप्रबंधक
ट्रैक्टर इंजीनियर्स लिमिटेड
मुम्बई

आर. हरेश
सचिव एवं कोषाध्यक्ष
टी. वी. एस. चेरिटीज
मदुरै

आर. हरेश
प्रबंध निदेशक
टी. वी. सुन्दरम अयंगर एंड संस लिमिटेड,मदुरै

इमेन्युअल डेविड
ईवीपी एवं मुख्य मानव संसाधन अधिकारी
वोल्टास लिमिटेड
मुम्बई

अध्यक्ष
वालचंदनगर इंडस्ट्रीज़ लिमिटेड
मुंबई

एस. चौधरी
विष्णु फार्म
जिला हरद्वार

महिपाल दलाल
अहमदाबाद

गोकुल एम. जयकृष्ण
अहमदाबाद

डॉ. बिहारीलाल कन्हैयालाल
अहमदाबाद

राजीव सी. लालभाई
अहमदाबाद

ज्योतीन्द्र एन. मेहता
अहमदाबाद

वर्ग : व्यक्तिगत/सेवानिवृत्त संकाय/ पूर्वछात्र

प्रोफ़ेसर सुभाष चन्द्र भटनागर
अहमदाबाद

प्रोफेसर वरुण आर्य
संस्थापक एवं निदेशक
मारवाड़ शिक्षा फ़ाउंडेशन
जोधपुर

प्रोफेसर टी. वी. राव
अध्यक्ष, टीवीआरएलएस
अहमदाबाद

प्रमोद अग्रवाल
स्विट्ज़रलैंड

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

प्रशासन

निदेशक

आशीष नंदा
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

डीन (कार्यक्रम)

अजय पांडेय
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

डीन (संकाय)

जी. रघुराम
पीएच.डी. (नॉर्थवेस्टर्न)

डीन (पूर्वछात्र एवं विदेश संबंध)

अरविंद सहाय
पीएच.डी. (टैक्सास युनिवर्सिटी, ऑस्टिन)

मुख्य प्रशासनिक अधिकारी

कमांडर मनोज भट्ट (सेवानिवृत्त)
एम.ई. (पुणे विश्वविद्यालय),
वित्त प्रबंधन में स्नातकोत्तर (मुम्बई विश्वविद्यालय),व्यवसाय प्रशासन में कार्यक्रम (भा. प्र. सं. अ.),पीएमआई काव्यावसायिक परियोजना प्रबंधन (पीएमपी), संकाय सदस्य

पुस्तकालयाध्यक्ष

अनिल कुमार एच.
पीएच.डी. (म.स.विश्वविद्यालय)
पुस्तकालयाध्यक्ष
संकाय सदस्य

संकाय

व्यवसाय नीति

अनुराग के. अग्रवाल
एल.एल.एम. (हार्वर्ड), एल.एल.डी. (लखनऊ)

आशीष नंदा
पीएच.डी. (हार्वर्ड)

एम. आर. दीक्षित
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

डी. कार्तिक
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

पवन मामिडी
पीएच.डी. (ऑक्सफ़ॉर्ड)

अजीत नारायण माथुर
पीएच. डी. (आईआईएस, बेंगलुरु)
शैलेन्द्र मेहता
एम.फिल. (ऑक्सफोर्ड), पीएच.डी. (हार्वर्ड)

अखिलेश्वर पाठक
पीएच. डी. (एडिनबर्ग)

सुनील शर्मा
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

चित्रा सिंगला
फ़ेलो (आईआईएमबी)

कृषि प्रबंध केन्द्र

वैभव भमोरिया
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

समर के. दत्ता
पीएच. डी. (रोचैस्टर)

वसंत पी. गाँधी
पीएच. डी. (स्टैनफोर्ड)

अनिल के. गुप्ता
पीएच. डी. (कुरुक्षेत्र)
फ़ेलो, विश्व कला एवं विज्ञान अकादमी
फ़ेलो, राष्ट्रीय कृषि विज्ञान अकादमी
सदस्य, राष्ट्रीय नवाचार परिषद्

सुखपाल सिंह
पीएच. डी. (बेंगलुरु)

विजय पॉल शर्मा
पीएच. डी. (एनडीआरआई, करनाल)

संचार

आशा कौल
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

मीनाक्षी शर्मा
एम.ए., पीएच. डी. (क्वींसलैंड)

वैभवी कुलकर्णी
पीएच.डी. (कैलिफ़ॉर्निया)

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

सूचना प्रणाली

रेखा जैन
पीएच. डी. (आईआईटी, दिल्ली)

बी.एच. जाजू
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

कविता रंगनाथन
एम.एससी., एम.एस., पीएच.डी. (शिकागो)

वेंकट राव वी.
पीएच. डी. (जॉर्जिया प्रौद्योगिकी संस्थान)

संजय वर्मा
फ़ेलो (आईआईएमसी)

अर्थशास्त्र

राकेश बसंत
पीएच. डी. (गुजरात)

सतीश देवधर
पीएच. डी. (ओहियो स्टेट)

रवीन्द्र एच. धोलकिया
पीएच. डी. (एमएसयू)

एर्रोल डिसूज़ा
पीएच. डी. (जेएनयू)

सेबास्टियन मॉरिस
एम.एससी. (आईआईटी, मुम्बई)
फ़ेलो (आईआईएमसी)

श्रुति शर्मा
पीएच.डी. (कैलिफ़ॉर्निया)

वित्त एवं लेखा

सोभेश कुमार अगरवाला
सीएस, सीए, आईसीडबल्यूए,
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

नमन देसाई
पीएच.डी. (फ़्लोरिडा)

शैलेष गाँधी
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

महेन्द्र गुजराती
पीएच.डी. (बैंटली)

जोशी जेकब
फ़ेलो (आईआईएमएल)

टी. टी. राम मोहन
बी.टेक. (आईआईटी, मुम्बई),
पीजीडीएम (आईआईएमसी)
पीएच.डी. (स्टर्न स्कूल, न्यूयोर्क विश्वविद्यालय)

नीरव नागर
फ़ेलो (आईआईएम कोलकाता)

अजय पांडेय
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

प्रेमचंदर
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

राजेंद्र पटेल
एआईसीडबल्यूए, एसीए,
पीजीडीएम (भा. प्र. सं. अ.)

सिद्धार्थ सिन्हा
पीजीडीएम (भा.प्र. सं. अ.)
पीएच.डी. (कैलिफ़ोर्निया युनिवर्सिटी, बर्कले)

जयन्त आर. वर्मा
पीजीडीएम (भा. प्र. सं. अ.)
ए.आई.सी.डबल्यू.ए.
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

विनीत विरमानी
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

विपणन

अभिषेक
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

अरिंदम बनर्जी
पीजीडीएम (आईआईएमएल)
पीएच. डी. (स्टेट युनिवर्सिटी ऑफ न्यूयोर्क)

आनंद कुमार जायसवाल
फ़ेलो (एक्सएलआरआई)

अब्राहम कोशी
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

अरविंद सहाय
पीएच. डी. (टेक्सास विश्वविद्यालय, ऑस्टिन)

धीरज शर्मा
पीएच. डी. (लुइसियाना तकनीकी विश्वविद्यालय)

पीयूष कुमार सिन्हा
पीएच. डी. (एस पी युनिवर्सिटी)

रामनाथन सुब्रमणियम
पीएच.डी. (पिट्सबर्ग)

* छुट्टी पर हैं

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

संगठनात्मक व्यवहार

दीप्ति भटनागर
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

जॉर्ज कंडाथिल
पीएच. डी. (कॉर्नेल)

प्रेमिला डी 'क्रूज
पीएच. डी. (टी आई एस एस, मुम्बई)

परविन्दर गुप्ता
पीएच. डी. (आईआईटी, कानपुर)

प्रद्युम्न खोकले
बी.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

अर्नेस्टो नोरोन्हा
पीएच. डी. (टीआईएसएस, मुम्बई)

कीर्ति शारदा
फ़ेलो (आई आई एम सी)

निहारीका वोहरा
पीएच. डी. (मनिटोबा)

कार्मिक एवं औद्योगिक संबंध

प्रोमिला अग्रवाल
पीएच.डी. (दिल्ली)

राजेश चंदवानी
फ़ेलो (आईआईएम बैंगलुरू)

जेरोम जोसेफ
पीएच. डी. (मद्रास)

मंजरी सिंह
फ़ेलो (आई आई एम सी)

बीजू वर्की
फ़ेलो (एन आई बी एम, पुणे)

उत्पादन एवं मात्रात्मक विधियाँ

तथागत बंद्योपाध्याय
पीएच. डी. (कोलकाता)

समीर के. बरुआ
एम.टेक. (आईआईटी, कानपुर)
फ़ेलो (भा. प्र. सं. अ.)

पंकज चंद्रा*
पीएच. डी. (पेनसिल्वेनिया)

गौतम दत्ता
पीएच. डी. (नोर्थवेस्टर्न)

सचिन जायसवाल
पीएच. डी. (युनि. ऑफ वॉटरलू)

दीप्तेश घोष
फ़ेलो (आईआईएमसी)

ए. के. लाहा
पीएच. डी. (आईएसआई, कोलकाता)

सरल मुखर्जी
फ़ेलो (आईआईएमसी)

एन. रविचंद्रन
पीएच. डी. (आईआईटी, मद्रास)

देबजीत रॉय
पीएच. डी. (विसकॉन्सिन - मेडिसन)

चेतन सोमन
एम.टेक. (आईआईटी, मुम्बई)
पीएच. डी. (ग्रोनिंगन)

प्रह्लाद वेंकटेशन
पीएच. डी. (केस वेस्टर्न रिज़र्व)

सार्वजनिक प्रणाली समूह

अमित गर्ग
एम.टेक. (आईआईटी, रूड़की)
फ़ेलो (भा.प्र. सं. अ.)

नवदीप माथुर
एम.ए. (हल)
पीएच. डी. (रट्गेर्स)

प्रेम पंगोत्रा
पीएच. डी. (विस्कोन्सिन)

जी. रघुराम
पीएच. डी. (नोर्थवेस्टर्न)

के.वी. रमणी
पीएच. डी. (कॉर्नेल)

अंकुर सरीन
पीएच. डी. (शिकागो)

पी. आर. शुक्ला
पीएच. डी. (स्टैनफोर्ड)

राम मोहन तुरागा
पीएच. डी. (जॉर्जिया प्रोद्योगिकी संस्थान, अट्लांटा)

रवि मथाई शैक्षणिक नवाचार केंद्र

राजीव शर्मा *
पीएच. डी. (इलाहाबाद)

पी.जी. विजय शेरीचन्द
पीएच. डी. (गुजरात)

सहायक संकाय

एस. सी. भटनागर
ए. के. जैन
बृज कोठारी
टी. वी. राव
एम. एस. श्रीराम
मुकुल वसावडा
एन. बालासुब्रमणियन
श्रीकान्त गोखले
सुनील उन्नी गुप्तन

* छुट्टी पर हैं

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

अधिकारी

जे. अल्बर्ट सेवियर
बी.एससी./ एमएलएम /औद्योगिक संबंध एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा / एमबीए
प्रबंधक - मा.सं.

बदलानी नीना
एम.बी.ए. (वित्त) (गुजरात)
आईसीडबल्यूए (इंटर)
समूह प्रधान (वित्त एवं बजट)

भट्ट कौशिक डी.
एम. कॉम., एल.एल.बी.
लेखा अधिकारी

भट्ट पंकजकुमार के.
एम.कॉम.
लेखा अधिकारी

भट्टाचार्य एस.
बी.एससी. (कोलकाता)
प्रबंधक - सुविधा

भावसार यू. बी.
एम.कॉम. (लेखाशास्त्र) (गुजरात विश्वविद्यालय)
इंटर सीए समूह-1
कार्यक्रम अधिकारी (एमडीपी)

गाँधी कमलेश
बी.ई. (सिविल) (गुजरात)
साइट इंजीनियर (वरिष्ठ)

गोहिल लक्ष्मणदेव बी.
बी.कॉम., एसीएस
प्रबंधक (लेखा एवं अनुपालन)

गर्ग सुनील कुमार
एम.एससी. (उदयपुर)
एमबीए (इग्नू)
प्रबंधक - आईटी सेवाएँ

जंसारी कंचनबेन के.
बी.ए.
सामग्री प्रतिकृति अधिकारी

जोशी के.एस.
बी.कॉम. (गुजरात)
औद्योगिक संबंध एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा
कार्यक्रम अधिकारी (एफ़पीएम)

लाड अविनाश जी.
एमबीए (गुजरात)
बी.ई. (इलैक्ट्रिकल) (सौराष्ट्र विश्वविद्यालय) इलैक्ट्रिकल इंजीनियर

नागोरी जतिन एम.
एम.कॉम, एल.एल.बी. (गुजरात)
निर्यात विपणन प्रबंधन में डिप्लोमा (आईआईई, बडौदा)
प्रबंधक, पीजीपी

प्रवीण जी. क्रिश्चियन
एम.कॉम. एल.एल.बी. (द्वितीय)
कार्यक्रम अधिकारी, छात्र गतिविधि

पालीवाल मोहन
एम.कॉम. (गुजरात)
कम्प्यूटर विज्ञान में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (गुजरात विद्यापीठ)
आईटी अधिकारी (शैक्षणिक सेवाएँ)

पुष्पा हरिहरन्
एम.ए., मानव संसाधन प्रबंधन/डीएमएस डिप्लोमा
कार्यक्रम अधिकारी, पीजीपी-एबीएम

पंड्या कमल यू.
एम.कॉम. (गुजरात)
प्रबंधक, भंडार एवं क्रय

पंड्या रवीन्द्रनाथ एन.
बी.एससी. (भौतिकी), ईडीपी एवं कम्प्यूटर प्रबंधन में डिप्लोमा,
व्यवसाय उद्यमिता में डिप्लोमा
अधिकारी - निदेशक कार्यालय

परेरा विक्टर
एम.ए.
नियोजन अधिकारी

रामचन्द्रन भारती (सुश्री)
बी.कॉम. (मद्रास)
कार्यक्रम अधिकारी, सीएमए

रामचन्द्रन के.वी.
बी.कॉम. (मद्रास विश्वविद्यालय)
मानव संसाधन एवं कार्मिक प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (एआईआईएमएस, चेन्नई)
मानव संसाधन अधिकारी

सोलंकी इशिता निलेश
सामाजिक संप्रेषण एवं जनसंचार में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (महाराष्ट्र)
ग्रामीण विकास प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (आईआरएमए)
मानव संसाधन प्रबंध में विशेषज्ञता डिप्लोमा (इग्नू)
प्रबंधक, वैश्विक सहभागिता एवं कॉर्पोरेट मामले

श्रीनिवासन रेवती (सुश्री)
एम.ए. (मैसूर)
प्रबंधक, एम.डी.पी.

श्रीवास्तव प्रणय
बी.टैक. (सिविल) (अवध)
एमबीए (निरमा विश्वविद्यालय)
समूह अध्यक्ष (परियोजना, सम्पदा एवं रखरखाव)

सुदर्शनन् एम.एस.
एम.ए. (लोक प्रशासन) (अन्नामलाई)
प्रवेश अधिकारी

वाढेर हरेंद्र जे.
बी.ई. (सिविल) (एस.पी. विश्वविद्यालय)
एमबीए (गुजरात)
समूह अध्यक्ष (इंजीनियरिंग सेवाएँ एवं संपदा)

पुस्तकालय

पंड्या यू. पी.
बी.एससी. (सौराष्ट्र)
एल.एल.बी. (गुजरात)
डी.एल.पी. (गुजरात)
एम.लिब.एससी. (इग्नू)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

हिमा बी. सोनी
बी.ए., पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (सागर)
उपपुस्तकालयाध्यक्ष

मुरलीधरन् के.एन.
पुस्तकालय विज्ञान में स्नातकोत्तर (इग्नू)
बी.कॉम. (गुजरात विश्वविद्यालय)
सहायक पुस्तकालयाध्यक्ष

प्रशासन, संकाय सदस्य, अधिकारीगण एवं अनुसंधान स्टाफ

अनुसंधान स्टाफ

जयंत भट्ट
एम.एससी. (गुजरात)
कम्प्यूटर विज्ञान में डिप्लोमा
(एस.पी. विश्वविद्यालय)

केतन भट्ट
एम.एससी. (आईआईटी, मुम्बई)

श्रुति दवे
पीएच. डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

सोनल कुरेशी
एमबीए, एल.एल.बी. (गुजरात)
पीएच. डी. (एस.पी. विश्वविद्यालय)

जे.जी. मकवाना
एम.एससी. (गुजरात)
ए.आई.सी.डबल्यू.ए.

सी. एस. प्रसाद
एम.एससी. (आन्ध्र)

मिताली सरकार
एम.ए. (पटना)

सत्यमेव जयते
भारतीय लेखा तथा लेखा परीक्षा विभाग
कार्यालय प्रधान निदेशक लेखापरीक्षा (केन्द्रीय)
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद - ३८० ००९

INDIAN AUDIT & ACCOUNTS DEPARTMENT
Office of the Principal Director of Audit (Central)
Audit Bhavan, Navrangpura, Ahmedabad - 380 009

सीए(ई)/एसएआर/आईआईएम/अहमदाबाद/2013-14/ओ.डबल्यू.-522

भारतीय लेखा एवं लेखा परीक्षा विभाग,
कार्यालय प्रधान निदेशकलेखापरीक्षा (केन्द्रीय),
लेखापरीक्षा भवन, नवरंगपुरा, अहमदाबाद – 380 009

दिनांक : 30.10.14

विषय : वर्ष 2013-14 के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के लेखाओं पर अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट।

महोदय,

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2013-14 के लिए वार्षिक हिसाब की लेखा परीक्षा 08-07-2014 से 01-08-2014 के दौरान भारत के लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक द्वारा (डी पी सी) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन की गई।

निम्नलिखित दस्तावेजों को इसके साथ भेजा जा रहा है :

1) वर्ष 2013-14 के लिए अलग लेखा परीक्षा रिपोर्ट एवं अनुलग्नक-क।

2) भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के वर्ष 2013-14 के वार्षिक लेखाओं की प्रमाणित प्रतिलिपि।

कृपया लेखा परीक्षा रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत करने की व्यवस्था की जाए एवं जिस दिनांक को यह रिपोर्ट लोक सभा और राज्य सभा के समक्ष प्रस्तुत की जाए, उसकी सूचना इस कार्यालय को लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ दी जाए, तथा उसकी एक प्रति, भारत के लेखानियंत्रक एवं महा लेखापरीक्षक, नई दिल्ली को पृष्ठांकित की जाए।

कृपया इस रिपोर्ट को संसद के दोनों सदनों में प्रस्तुत किये जाने से पहले तक 'गोपनीय' समझा जाए।

संलग्नक : यथोपरि

भवदीय,
हस्ताक्षरित/-
निदेशक/ आईटीआरए व सीए (ई)

प्रतिलिपि प्रेषित : निदेशक, भारतीय प्रबंध संस्थान, वस्त्रापुर, अहमदाबाद -380015

वार्षिक खातों एवं अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट की प्रमाणित प्रति संलग्न है, जिसे संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखने तक गोपनीय समझा जाए। जिस दिन, लेखा परीक्षा रिपोर्ट की मुद्रित प्रति के साथ, यह अलग से लेखा परीक्षा रिपोर्ट, संसद के दोनों सदनों के पटल पर रखी जाए, उस दिनांक की सूचना, लेखा परीक्षा कार्यालय को दी जाए। मुद्रित रिपोर्ट में प्रधान निदेशक लेखा परीक्षा (केन्द्रीय) का नाम उनके पदनाम के साथ अंकित किया जाए।

हस्ताक्षरित/-
निदेशक/ आईटीआरए व सीए (ई)

फोन / Phone : 079-26561282, 26561382, 26405882, फेक्स / Fax : 079-26560134, E-mail : pdacahmedabad@cag.gov.in

31 मार्च, 2014 को समाप्त हुए वर्ष के लिए भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद के लेखाओं पर भारतीय लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक की अलग से लेखापरीक्षा रिपोर्ट

हमने भारतीय प्रबंध संस्थान अहमदाबाद की नियमावली के नियम 18 के साथ पठित लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (कर्त्तव्य, शक्तियाँ एवं सेवा शर्तें) अधिनियम, 1971 की धारा 20 (1) के अधीन 31 मार्च 2014 को समाप्त वर्ष की यथास्थिति के अनुसार,भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के संलग्न तुलन पत्र और उस दिनांक को समाप्त वर्ष के आय और व्यय तथा प्राप्ति एवं भुगतान के खातों की लेखा परीक्षा की है। यह लेखा परीक्षा वर्ष 2014-15 तक की अवधि के लिए सौंपी गई है। इन वित्तीय विवरणों के प्रति उत्तरदायित्व, भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के प्रबंधवर्ग का है। हमारा उत्तरदायित्व, हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा पर आधारित इन वित्तीय विवरणों पर अपनी राय व्यक्त करना है।

2) वर्गीकरण, सर्वोत्तम लेखाकरण विधियों के साथ अनुरूपता, लेखाकरण के मानदंडों तथा प्रगटीकरण मानकों, आदि के संबंध में, इस पृथक लेखा परीक्षा रिपोर्ट में, केवल लेखाकरण-समाधान पर महा लेखा परीक्षक (सीएजी) की टिप्पणियाँ समाविष्ट हैं। कानून, नियम एवं विनियमों (औचित्य एवं नियमितता) तथा दक्षता-सह-कार्यनिष्पादन संबंधी पहलुओं आदि के अनुपालन के संबंध में वित्तीय लेनदेनों पर लेखा टिप्पणियाँ, यदि कोई हैं, तो उन्हें निरीक्षण रिपोर्टों / लेखानियंत्रक एवं महालेखा परीक्षक (सीएजी) की लेखा परीक्षा रिपोर्टों के माध्यम से, पृथक रूप से दर्शाया गया है।

3) हमने यह लेखा परीक्षा, भारत के सामान्यतः स्वीकृत लेखा परीक्षा के मानकों के अनुसार की है। इन मानकों की अपेक्षा होती है कि हम यह तर्कसंगत आश्वासन प्राप्त करने के लिए लेखा परीक्षा की योजना बनाएँ और लेखा परीक्षा करें कि ये वित्तीय विवरण, गलत बयानी से मुक्त हैं। किसी भी लेखा परीक्षा के अंतर्गत, जाँच के आधार पर, धनराशियों का समर्थन करने वाले साक्ष्य और वित्तीय विवरणों में प्रकटन, शामिल होते हैं। प्रयुक्त लेखाकरण सिद्धांतों का मूल्यांकन तथा प्रबंधवर्ग द्वारा लगाए गए महत्त्वपूर्ण अनुमानों के साथ साथ वित्तीय विवरणों की समग्र प्रस्तुति का मूल्यांकन भी लेखा परीक्षा में शामिल होता है। हमें विश्वास है कि हमारे द्वारा की गई लेखा परीक्षा, हमारी राय को तर्कसंगत आधार प्रदान करती है।

4) लेखा परीक्षण के आधार पर हम रिपोर्ट करते हैं कि :

(i) हमने वे सभी सूचनाएँ एवं स्पष्टीकरण प्राप्त कर लिए हैं, जो लेखा परीक्षा के प्रयोजन के लिए हमारे संपूर्ण ज्ञान और विश्वास के लिए आवश्यक थे।

(ii) इस रिपोर्ट में वर्णित तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते वित्त मंत्रालय द्वारा, केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए जारी एक समान प्रारूप में तैयार किये गये हैं।

(iii) हमारी राय में, भारतीय प्रबंध संस्थान-अहमदाबाद द्वारा समुचित लेखा बहियाँ और अन्य प्रासंगिक अभिलेख अनुरक्षित किये गए हैं, जहाँ तक हमारे द्वारा इन बहियों की जाँच करने से प्रतीत हुआ है।

हम आगे प्रतिवेदित करते हैं किः

क. तुलन पत्र

I निधि एवं देयताएँ

1. कॉर्पस निधि में 74.06 करोड़ रू. (अनुसूची 1)

कॉर्पस निधि के अंतर्गत 72.88 करोड़ रू. का अधिशेष राजस्व, आय और व्यय के खाते (वर्ष 2013-14 में 4.35 करोड़ रू. और पिछले वर्ष के 68.53 करोड़ रू.) से हस्तांतरण का प्रतिनिधित्व करता है। क्योंकि, यह खाता एक आरक्षित प्रकृति का है और आय एवं व्यय खाते का अधिशेष नहीं है, इसलिए इसे आरक्षित एवं अधिशेष के अंतर्गत दिखाया जाना चाहिए। इसके परिणामस्वरूप 72.88 करोड़ रू. की कॉर्पस निधि में वृद्धि और आरक्षित एवं अधिशेष में कमी हुई है।

2. पूंजी/निर्धारित/बंदोबस्ती निधियाँ में 355.70 करोड़ रू. (अनुसूची 3)

उपरोक्त अधिशेष में 51.88 करोड़ रू. की स्वामित्व धनराशि को पेंशन और सेवानिवृत्ति के लाभों के लिए शामिल किया गया है, जो कि प्रावधान प्रकृति के हैं और उन्हें उसी शीर्ष में दर्शाया जाना चाहिए। इसलिए पूंजी/निर्धारित/बंदोबस्ती

निधियाँ बढ़ा-चढ़ा कर दर्शायी गई हैं और वर्तमान देयताओं एवं प्रावधानों में 51.88 करोड़ रू. कम करके दर्शाये गए हैं।

3. आरक्षित एवं अधिशेष में 0.87 करोड़ रू. (अनुसूची 2) आय एवं व्यय खाते में 4.55 लाख रू.

कॉर्पस/पूंजी निधि में, कॉर्पस के लिए योगदान के माध्यम से प्राप्त राशि शामिल है, जैसे कि आय एवं व्यय खाते में कुल संचालन परिणामों में कमी/वृद्धि दर्शायी गई है। व्यय से अधिक आय (कुल अधिशेष) कॉर्पस/पूंजी निधि के बजाय आरक्षित एवं अधिशेष खाते के अंतर्गत दर्शायी गई है। परिणामस्वरूप, आरक्षित एवं अधिशेष ज्यादा दर्शाये गए हैं और कॉर्पस / पूंजीगत निधि में 4.55 लाख रू. कम दर्शाये गए हैं।

4. 183.67 करोड़ रू. की वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान (अनुसूची 4)

19.47 करोड़ रू. जो वर्ष 2014-15 की पूर्व प्राप्त आय के अंतर्गत आते हैं उन्हें खर्चों एवं अन्यों के लिए बकाया देनदारी में शामिल किया गया है। इन्हें खर्चों एवं अन्यों के लिए बकाया देनदारी के बजाय पूर्व प्राप्त आय के रूप में दर्शाया जाना चाहिए।

5. 183.67 करोड़ रू. की वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान (अनुसूची 4)

आईआईएम को 465 परियोजनाओं और कार्यक्रमों के लिए 23.42 करोड़ रू. अग्रिम राशि के रूप में प्राप्त हुए हैं। जिनमें से, 6.99 करोड़ रू. की अधिशेष राशि 263 परियोजनाओं एवं कार्यक्रमों के लिए प्राप्त हुई है जिन्हें पूरा किया जा चुका है और इस प्रकार से, शेष राशि आईआईएम की आय (लाभ) है। इस राशि को आय के रूप में दर्शाया जाना चाहिए। परिणामस्वरूप, आय में कमी हुई है और वर्तमान देयताओं में 6.99 करोड़ रू. की वृद्धि को ठीक करना है।

ख. सहायता अनुदान

6. वर्ष 2013-14 के दौरान प्राप्त सहायता अनुदान की राशि 251.50 लाख रुपए में से इस संस्थान ने 199.93 लाख रुपए की राशि का उपयोग किया। पिछले वर्ष की बची हुई राशि 10.04 लाख रुपए थी और वर्ष के अंत में शेष राशि 61.61लाख रुपए थी।

7. खातों पर टिप्पणियों के प्रभाव
कार्पस निधि में 124.76 करोड़ रू. की वृद्धि
आरक्षित एवं अधिशेष में 72.88 करोड़ रू. की कमी
वर्तमान देयताओं एवं प्रावधानों में 44.89 करोड़ रू. की कमी
वर्ष में 6.99 करोड़ रू. की कम आय

(iv) पूर्ववर्ती पैराग्राफों में हमारी टिप्पणियों के अधीन, हम रिपोर्ट करते हैं कि इस रिपोर्ट में दर्शाए गए तुलन पत्र, आय एवं व्यय खाते और प्राप्ति एवं भुगतान खाते लेखा-बहियों के अनुरूप हैं।

(v) हमारी राय में तथा हमारी सर्वोत्तम जानकारी में एवं हमें दिये गये स्पष्टीकरणों के अनुसार कथित वित्तीय वक्तव्य लेखांकन नीतियों और लेखाओं पर टिप्पणियों के अनुसार तथा उपरोक्त महत्त्वपूर्ण मामलों के विषयों और इस लेखा परीक्षा रिपोर्ट के अनुलग्नक में दर्शाये गये अन्य मामले, भारत में सामान्यतया स्वीकृत लेखांकन सिद्धांतों के अनुपालन में एक सही और निष्पक्ष दृष्टिकोण प्रस्तुत करते हैं।

(क) जहाँ तक यह भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद के मामलों की स्थिति से संबंधित 31 मार्च 2014 के तुलन पत्र से संबंधित है।

(ख) जहाँ तक यह उक्त तिथि को समाप्त हुए वर्ष के आय एवं व्यय लेखे, व्यय से अधिक आय से संबंधित हैं।

भारत के लेखानियंत्रक व महालेखा परीक्षक की ओर से एवं कृते

हस्ताक्षरित/-
डी.पी. यादव
प्रधान निदेशक, लेखा परीक्षा (केन्द्रीय)
गुजरात, अहमदाबाद

स्थल : अहमदाबाद
दिनांक : 30/10/2014

अनुलग्नक–क

1. **आंतरिक लेखा परीक्षा प्रणाली की पर्याप्तता:** सनदी लेखाकार द्वारा संस्थान की आंतरिक लेखा परीक्षा को अंजाम दिया जाता है। आंतरिक लेखा परीक्षक अर्द्धवार्षिक रिपॉर्ट प्रस्तुत करते हैं। आंतरिक लेखा परीक्षक ने वर्ष 2013-14 की रिपॉर्ट प्रस्तुत नहीं की है।

2. **आंतरिक नियंत्रण प्रणाली की पर्याप्तता:** अचल सम्पत्तियों तथा वस्तुसूची के भौतिक सत्यापन को नियमित रूप से अंजाम दिया जा रहा है इसीलिए आंतरिक नियंत्रण प्रणाली उचित है।

3. **अचल सम्पत्तियों के वास्तविक सत्यापन की प्रणाली:**

   अचल सम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जा रहा है। अंतिम भौतिक सत्यापन वर्ष 2014 में किया गया।

4. **वस्तुसूची के वास्तविक सत्यापन की प्रणाली:** अचल सम्पत्तियों का भौतिक सत्यापन नियमित अंतराल पर किया जा रहा है। अंतिम भौतिक सत्यापन वर्ष 2014 में किया गया।

5. **वैधानिक बकाया राशि के भुगतान में नियमितता:** संस्थान वैधानिक देय राशियों को जमा कराने में नियमित रहा है।

हस्ताक्षरित /-
वरिष्ठ लेखा परीक्षक अधिकारी/सी ए(ई)

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2014 के अनुसार तुलन पत्र

(रु. लाखों में)

	अनुसूची	31.03.2014 को	31.03.2013 को
निधि और देयताएँ			
कॉर्पस निधि	1	7,406.02	6,971.02
रिज़र्व एवं अधिशेष	2	86.63	76.57
पूंजी/निर्धारित/बंदोबस्ती निधि	3	35,570.20	32,267.31
वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान	4	18,366.61	16,168.64
कुल		**61,429.46**	**55,483.54**
सम्पत्तियाँ			
अचल सम्पत्तियाँ	5		
कुल सम्पत्तियाँ		19,596.57	19,316.94
कम मूल्यह्रास निधि		12,863.23	11,400.19
		6,733.34	7,916.75
पूंजीगत कार्य प्रगति पर		9.04	-
		6,742.38	7,916.75
निधियों का निवेश	6	50,562.22	43,773.22
वर्तमान सम्पत्तियाँ, ऋण, अग्रिम इत्यादि	7	4,124.86	3,793.57
कुल		**61,429.46**	**55,483.54**
महत्त्वपूर्ण लेखांकन नीतियाँ	18		
लेखा के भाग के रूप में नोट	19		

दिनांकः 27 जून 2014

इस तारीख तक हमारी रिपॉर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**आशीष नंदा**	**वरिष्ठ लेखापरीक्षा अधिकारी**	**अधीक्षक**	**वरिष्ठ लेखापरीक्षक**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक	निदेशक	सी.ए.(ई) नं. 2	सी.ए.(ई.) नं. 2	सी.ए.(ई.) नं. 2
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)	अधिकारी				

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2014 के दिन समाप्त वर्ष के लिए आय और व्यय लेखा

(रु. लाखों में)

	अनुसूची	2013-2014	2012-2013
आय			
शुल्क एवं दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से अन्य आय	8	8,944.83	8,533.29
कार्यक्रमों और परियोजनाओं से आय	9	4,545.42	4,597.33
अनुदान	-	-	-
ब्याज से आय	10	581.27	531.35
अन्य आय	11	959.26	999.82
निधियों से स्थानांतरण	12	1,964.29	1,786.02
कुल (क)		**16,995.07**	**16,447.81**
व्यय			
स्थापना व्यय	13	6,705.59	6,292.99
प्रशासनिक व्यय	14	1,465.58	1,350.69
कार्यक्रमों और परियोजनाओं पर व्यय	15	2,879.94	3,002.23
दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय	16	3,073.01	2,950.64
मूल्यह्रास	5	1,567.60	1,561.87
कुल (ख)		**15,691.72**	**15,158.42**
वर्ष (क-ख) के लिए व्यय से अधिक होने पर आय की अधिकता		1,303.35	1,289.39
घटाकरः कॉर्पस निधि में स्थानांतरण	17	1,300.00	1,289.00
शुद्ध अधिशेष		3.35	0.39
तुलनपत्र में आय और व्यय के खाते में लाया गया		3.35	0.39
महत्त्वपूर्ण लेखा नीतियाँ	18		
लेखा के भाग के रूप में टिप्पणी	19		

दिनांकः 27 जून 2014

इस तारीख तक हमारी रिपॉर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**आशीष नंदा**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)	अधिकारी	

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 1 - कॉर्पस निधि

(रु. लाखों में)

निधि लेखा	1.04.2013 तक	वृद्धि		कटौती	31.03.2014 तक के अनुसार
1. सामान्य निधि (कॉर्पस)	69.80				69.80
2. बंदोबस्ती निधि (कॉर्पस)					
(i) राजस्व अधिशेष	6,853.00	435.00	(क)		7,288.00
(ii) दान, अनुभाग 80जी (2) (ए) (iii एफ़) के तहत	9.72				9.72
3.आईआईएम सोसायटी सदस्यता शुल्क निधि	38.50				38.50
कुल	**6,971.02**	**435.00**		-	**7,406.02**
पिछले वर्ष का योग	6,363.52	607.50		-	6,971.02

(क) आय और व्यय के खाते से स्थानांतरित

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 2 - रिज़र्व और अधिशेष

(रु. लाखों में)

निधि लेखा	01.04.2013 तक	वृद्धि		कटौती	31.03.2014 तक
1. सामान्य निधि	75.37	6.71	(क)		82.08
2. आय और व्यय खाता	1.20	3.35	(ख)		4.55
कुल	**76.57**	**10.06**		-	**86.63**
पिछले वर्ष का कुल	70.09	6.48		0.00	76.57

(क) इस वर्ष के दौरान जमा ब्याज

(ख) इस वर्ष के लिए आय और व्यय खाते में से स्थानांतरित हुआ अधिशेष

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 3 – पूँजी / निर्धारित / बंदोबस्ती निधि

(रु. लाखों में)

	निधि लेखा	01.04.2013 के अनुसार	जोड़					घटाव				31.03.2014 के अनुसार
			ब्याज	अनुदान	दान	शुल्क एवं अन्य आय	अन्य	पूँजीगत व्यय	राजस्व व्यय	आय एवं व्यय खाते में स्थानांतरित	अन्य	
(I)	**पूँजीगत व्यय के लिए निधियाँ**											
1	गुजरात सरकार द्वारा दान में दी गई जमीन का मूल्य	90.90										90.90
2	भवन के लिए पूँजीगत निधियाँ	4,560.55								344.81		4,215.74
3	फर्नीचर, फिक्सचर, उपकरणों, कम्प्यूटर आदि के लिए पूँजी निधि	985.69					126.94 क			121.61	6.83 ग	984.19
4	परिसर अवसंरचना एवं विकास निधि	14,741.11	1,991.76									16,732.87
5	परिसर रखरखाव निधि						435.00 ख					435.00
(II)	**सी आई आई के लिए निधियाँ**											
	सी आई आई निधि	203.15	6.26			4.71			22.07		101.76 घ	90.29
(III)	**शैक्षणिक गतिविधियाँ**											
1	सी एम ए कार्यक्रम निधि	351.11	31.25			21.77		1.29		11.66		391.18
2	सीएमए के लिए भारत सरकार– कृषि मंत्रालय की तरफ से निधि	10.04		190.00						177.09		22.95
3	अनुसंधान, प्रकाशन एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र निधि	1,236.75	87.03		12.12	103.07	430.00 ख		69.52			1,799.45
4	अनुभाग 80जी (2)(ए)(iii एफ़) के तहत दान	1,646.55	134.72		116.13				49.57			1,847.83
5	सीएमए अनुसंधान निधि	8.01			-				6.41			1.60
6	क्षेत्रीय प्रबंध अध्ययन केन्द्र के लिए दान	72.98	6.50						0.36			79.12
7	अवसंरचना नीति एवं विनियमन केन्द्र	7.09										7.09
8	पूर्वछात्र गतिविधियों के लिए निधि	211.81	18.85			71.49			49.25			252.90
9	फ़ोर्ड प्रतिष्ठान से विकल्प के लिए निधि	8.20										8.20
10	एफ़पीएम कार्यक्रम के लिए निधि	35.18	3.13		-	-	-	-	-		-	38.31

(रु. लाखों में)

	निधि लेखा	01.04.2013 के अनुसार	जोड़					घटाव				31.03.2014 के अनुसार
			ब्याज	अनुदान	दान	शुल्क एवं अन्य आय	अन्य	पूँजीगत व्यय	राजस्व व्यय	आय एवं व्यय खाते में स्थानांतरित	अन्य	
11	खुदरा केन्द्र के लिए निधि	68.85						0.43		30.50		37.92
12	कम्प्यूटर पर व्यय के लिए निधि	841.03	74.85			514.39		118.45		115.33		1,196.49
(IV)	**अध्यक्ष**											
1	अध्यक्ष निधियाँ	761.02	65.03							0.03		826.02
(v)	**छात्र सहायता**											
1	छात्रों को छात्रवृत्ति के लिए बंदोबस्ती निधि (निधियों में निवेश पर ब्याज सहित)	332.34	38.88	-	6.51	-	-	-	25.49		-	352.24
2	छात्रों के कल्याण हेतु निधि	179.52				79.06			63.00			195.58
(VI)	**अन्य निधियाँ**											
1	भवन निर्माण अग्रिम निधि (निवेश पर ब्याज सहित)	442.28	44.13									486.41
2	संकाय एवं कर्मचारियों के वाहन अग्रिम के लिए निधि	52.99	4.68									57.67
3	पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ निधि	5,187.57	1,157.69							1,157.69		5,187.57
4	संकाय, अधिकारी और स्टाफ विकास एवं कल्याण निधि	232.59	19.67		1.00	42.51			63.09			232.68
	कुल	**32,267.31**	**3,684.43**	**190.00**	**135.76**	**837.00**	**991.94**	**120.17**	**348.76**	**1,958.72**	**108.59**	**35,570.20**
	गत वर्ष का योग	29,384.84	2,968.81	347.33	317.42	697.03	885.44	143.45	271.91	1,755.50	162.70	32,267.31

क	अचल परिसम्पत्तियों की खरीद के लिए विनियोजित	
ख	आय एवं व्यय खाते में से हस्तांतरित	
ग	अचल परिसम्पत्तियों की बिक्री के कारण समायोजित	
घ	सीआईआईई अभियान में निधि हस्तांतरित	

ङ	ब्याज की आय की अव्यवस्था	2013-14		2012-13
	आवंटित ब्याज	3,678.74		2,957.13
	अर्जित ब्याज	5.69		11.68
	कुल	3,684.43		2,968.81

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 4 - वर्तमान देयताएँ एवं प्रावधान

(रु. लाखों में)

विवरण	31.03.2014 को शेष		31.03.2013 को शेष	
क. वर्तमान देयताएँ				
1. सांविधिक देयताएँ :				
क) व्यावसायिक कर	0.02		0.01	
ख) स्रोत पर काटा गया कर	70.74	70.76	78.44	78.45
2. अन्य वर्तमान देयताएँ :				
क) परियोजना / कार्यक्रम	3,745.41		3,385.60	
ख) छात्र	58.25		59.46	
ग) व्ययों और अन्यों के लिए बकाया देयताएँ	3,431.17		3,598.60	
घ) स्वीकृत जमा	418.60		423.97	
ङ) छात्रों के लिए जमा की जाने वाली छात्रवृत्तियाँ	5.86	7,659.29	5.60	7,473.23
ख. प्रावधान				
क) सेवानिवृत्ति लाभ	10,466.39		8,486.81	
ख) नई पेंशन योजना	116.85		77.00	
ग) अन्य	53.32	10,636.56	53.15	8,616.96
कुल		**18,366.61**		**16,168.64**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 5 - अचल सम्पत्तियाँ

(रु. लाखों में)

अचल और चल सम्पत्तियाँ	सकल ब्लॉक				मूल्यह्रास निधि				कुल ब्लॉक	
	01.04.2013 को शेष	वृद्धि	बिक्री/ समायोजन	31.03.2014 को शेष	01.04.2013 को शेष	वर्ष के लिए	कटौती #	31.03.2014 को शेष	31.03.2014 को शेष	31.03.2013 को शेष
1. भूमि (गुजरात सरकार से दान में प्राप्त भूमि सहित)	107.00	-	-	107.00	-	-	-	-	107.00	107.00
2. भवन	13,356.61	98.40	1.78	13,453.23	6,903.77	1,223.88	0.69	8,126.96	5,326.27	6,452.84
3. फर्नीचर और फिक्चर्स	1,533.15	50.53	22.38	1,561.30	865.79	83.97	10.56	939.20	622.10	667.36
4. संयंत्र एंव मशीनरी	1,584.68	74.46	23.35	1,635.79	989.46	96.95	14.45	1,071.96	563.83	595.22
5. कम्प्यूटर एवं बाह्य उपकरण	1,491.03	125.60	80.51	1,536.12	1,416.42	101.31	78.86	1,438.87	97.25	74.61
6. गाड़ियाँ	30.33	0.15	-	30.48	10.61	2.98	-	13.59	19.72	19.72
7. पुस्तकालय के लिए पुस्तकें	1,214.14	58.51	-	1,272.65	1,214.14	58.51	-	1,272.65	-	-
	19,316.94	**407.65**	**128.02**	**19,596.57**	**11,400.19**	**1,567.60**	**104.56**	**12,863.23**	**6,736.17**	**7,916.75**
गत वर्ष का योग	17,945.59	1,514.17	142.82	19,316.94	9,976.51	1,561.87	138.19	11,400.19	7,916.75	7,969.08
रनिंग बिलों के निमित्त भुगतान सहित पूंजीगत कार्य प्रगति पर है।									9.04	0.00
कुल									**6,745.21**	**7,916.75**

अनुसूची-12 में आय एवं व्यय खाते में 'निधियों से हस्तांतरित' निधियों में प्राप्त परिसम्पत्तियों की बिक्री को लेकर 5.57 लाख रुपए (पिछले वर्ष 30.52 लाख रुपए थे) का हस्तांतरण शामिल है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 6 - निधियों का निवेश

(रु.लाखों में)

	विवरण	31.3.2014 को शेष	31.3.2013 को शेष
1	सरकारी प्रतिभूतियों में	**16,299.77**	16,299.77
2	अनुसूचित बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियों के साथ नियत जमाओं में	**34,262.99**	27,474.05
	कुल	**50,562.76**	**43,773.82**
	घटाएँ : निवेशों के प्रतिदान पर प्रीमियम / छूट के लिए प्रावधान	**0.54**	0.60
	कुल	**50,562.22**	**43,773.22**

टिप्पणीः

क उपरोक्त के अलावा, कर्मचारियों के सेवानिवृत्ति लाभ के लिए 15,653.96 लाख रुपए का निवेश (पिछले वर्ष 13,674.38 लाख रुपए था) निर्धारित किया गया है।

(रु.लाखों में)

ख	उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य	**74.77**	74.77
	उद्धृत निवेशों का बाजार मूल्य	**71.53**	76.06
	गैर उद्धृत निवेशों का अंकित मूल्य	**50,487.99**	43,699.05

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 7 - वर्तमान सम्पत्तियाँ, ऋण एवं अग्रिम इत्यादि

(रु.लाखों में)

		31.03.2014 को शेष		31.03.2013 को शेष	
क.	वर्तमान परिसम्पत्तियाँ				
	वस्तु सूचियाँ :				
	लेखन सामग्री एवं भंडार स्टॉक		**22.66**		25.66
	उपलब्ध नकदी (अग्रदाय सहित)		**0.25**		0.25
	शेष डाक टिकट (फ्रैंकिंग मशीन के अग्रिम सहित)		**0.14**		0.19
	बैंक में शेष :				
	क) चालू खातों में				
	- रुपये खाते में	**449.85**		550.33	
	- विदेशी अंशदान खाते में	**5.37**		12.09	
		455.22		562.42	
	ख) बचत खातों में				
	- रुपये खाते में	**161.32**	**616.54**	282.29	844.71
	कुल (क)		**639.59**		**870.81**
ख.	**ऋण, अग्रिम और अन्य सम्पत्तियाँ**				
	ऋण और अग्रिम :				
	क) कर्मचारियों को	**31.24**		26.71	
	ख) छात्रों को	**4.55**		3.46	
	ग) अन्यों को	**289.54**	**325.33**	648.92	679.09
	नकद के रूप में अथवा वस्तु के रूप में अथवा मूल्य के लिए वसूली योग्य अग्रिम एवं अन्य प्राप्त राशियाँ				
	क) प्रतिभूति जमा		**79.65**		81.04
	ख) केन्द्रीय वेट जमा प्राप्य		**16.30**		50.41
	ग) टी.डी.एस. प्राप्य		**708.48**		372.84
	अर्जित आय :				
	क) अर्जित ब्याज	**1,740.59**		951.31	
	ख) बकाया आय	**614.92**	**2,355.51**	788.07	1,739.38
	कुल (ख)		**3,485.27**		**2,922.76**
	कुल (क+ख)		**4,124.86**		**3,793.57**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 8–शुल्क एवं दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों से प्राप्त अन्य आय

(रु. लाखों में)

		2013-2014	2012-2013
क)	शुल्क और अन्य आय		
	I द्विवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
	1) स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**5,622.99**	5,256.33
	2) पीजीपी – कृषि व्यवसाय प्रबंधन	**633.07**	541.11
	II एकवर्षीय स्नातकोत्तर कार्यक्रम		
	पीजीपी –कार्यकारी	**1,879.99**	1,816.34
ख)	प्रबंध में फैलो कार्यक्रम	**215.55**	194.45
ग)	सामान्य प्रवेश परीक्षा से प्राप्त आय (कुल)	**149.98**	280.63
घ)	नियुक्ति से प्राप्त आय		
	1) स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**406.25**	402.78
	2) पीजीपी –कार्यकारी	**37.00**	41.65
	कुल	**8,944.83**	**8,533.29**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 9–कार्यक्रमों और परियोजनाओं से प्राप्त आय

(रु. लाखों में)

		2013-2014	2012-2013
क)	प्रबंध विकास कार्यक्रमों से आय (एमडीपी)	**1,826.17**	1,771.52
ख)	संकाय विकास कार्यक्रम (एफ़.डी.पी.) से आय	**53.82**	49.63
ग)	परामर्श परियोजना से आय	**2,455.84**	2,617.57
घ)	अनुसंधान परियोजना से आय	**209.59**	158.61
	कुल	**4,545.42**	**4,597.33**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 10 - ब्याज की आय

(रु. लाखों में)

		2013-2014	2012-2013
क)	निवेश पर ब्याज		
	1) सरकारी प्रतिभूतियाँ	**1,304.09**	1,301.12
	2) बैंकों और सार्वजनिक क्षेत्र की कम्पनियों में नियत जमा पर	**3,014.10**	2,253.38
ख)	बचत बैंक खातों पर ब्याज	**1.41**	4.86
	कुल (क)	**4,319.60**	**3,559.36**
	घटाएँ :		
	1) प्रतिदान निवेश के निष्पादन हेतु प्रीमियम / (डिस्काउंट) के लिए प्रावधान	**(0.05)**	(0.05)
	2) सामान्य निधि में स्थानांतरित (अनुसूची – 2, देखें)	**6.71**	6.09
	3) निर्धारित एवं बंदोबस्ती निधियों में स्थानांतरित (अनुसूची – 3, देखें)	**3,678.74**	2,957.13
	4) परियोजना खातों में स्थानांतरित	**52.93**	64.84
	कुल (ख)	**3,738.33**	**3,028.01**
	कुल (क-ख)	**581.27**	**531.35**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 11 - अन्य आय

(रु.लाखों में)

		2013-2014	2012-2013
क)	परिसर की सुविधाओं से आय (कुल)	**504.82**	549.73
ख)	किराया	**116.35**	122.35
ग)	उद्योगों से छात्रवृत्ति	**97.22**	86.25
घ)	रॉयल्टी आय	**33.68**	62.02
ङ)	अनुदानों से अर्जित पुरानी सम्पत्तियों की बिक्री/निपटान पर अधिशेष	**0.73**	1.20
च)	विविध आय	**167.90**	178.27
छ)	अतिरिक्त प्रावधान की अब ज़रूरत नहीं है	**38.56**	-
	कुल	**959.26**	**999.82**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 12–निधियों से अन्तरण

(रु. लाखों में)

		2013-2014	2012-2013
	पूँजी/निर्धारित/बंदोबस्ती निधियों में से स्थानांतरित (अनुसूची – 3, देखें)		
	(उठाए गए व्यय की सीमा तक)		
1)	कृषि मंत्रालय से निधि और कृषि प्रबंध केन्द्र से अंशदान	**188.75**	163.44
2)	अध्यक्ष	**0.03**	0.12
3)	विभिन्न पूँजीगत अनुदान (मूल्यह्रास की सीमा तक)	**466.42**	466.56
4)	पेंशन एवं सेवानिवृत्ति लाभ निधि (केवल ब्याज)	**1,157.69**	959.23
5)	कम्प्यूटर निधि	**115.33**	100.21
6)	खुदरा बिक्री केन्द्र	**30.50**	-
7)	नवाचार और ऊष्मायन केन्द्र	-	0.16
8)	प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम–एफ़पीएम के लिए भारत सरकार की तरफ से निधि (अ.जा./अ. ज.जा./सामान्य)	-	65.78
		1,958.72	1,755.50
	मूल्यह्रास फंड से स्थानांतरित (अनुसूची-5 में देखें)		
1)	परिसम्पत्तियों की बिक्री सीमा तक	**5.57**	30.52
	कुल	**1,964.29**	**1,786.02**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 13 - स्थापना व्यय

(रु. लाखों में)

		2013-2014	2012-2013
क)	वेतन और मजदूरी	**2,804.22**	2,514.43
ख)	भत्ते और बोनस	**371.31**	373.39
ग)	भविष्य निधि में अंशदान	**46.24**	60.78
घ)	नयी पेंशन योजना में अंशदान	**94.92**	77.00
ङ)	कर्मचारी कल्याण व्यय	**66.98**	56.10
च)	कर्मचारियों की सेवानिवृत्ति और सेवांत लाभों पर व्यय	**3,017.37**	2,962.88
	कुल (क)	**6,401.04**	**6,044.58**
छ)	अन्य स्थापना व्यय		
	1) कृषि प्रबंध केन्द्र (सीएमए)	**167.40**	147.34
	2) परामर्श परियोजनाएँ*	**23.98**	34.09
	3) अनुसंधान परियोजनाएँ*	**78.17**	58.32
	4) केन्द्र गतिविधियाँ	**35.00**	8.66
	कुल (ख)	**304.55**	**248.41**
	कुल (क+ख)	**6,705.59**	**6,292.99**

*इन परियोजनाओं के लिए अस्थायी अनुसंधान/ परियोजना स्टाफ की नियुक्ति के लिए वेतन और संबंधित व्यय

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 14– प्रशासनिक व्यय

(रु. लाखों में)

		2013-2014	2012-2013
क)	विद्युत प्रभार (कुल)	**151.23**	177.98
ख)	कैम्पस मरम्मत और रखरखाव	**494.78**	401.34
ग)	फर्नीचर/ उपकरण मरम्मत एवं रखरखाव	**61.63**	48.49
घ)	यात्रा और वाहन व्यय	**79.36**	63.81
ङ)	कम्प्यूटर व्यय	**115.33**	100.21
च)	सुरक्षा व्यय	**150.76**	138.98
छ)	डाक व्यय, टेलिफोन और संचार शुल्क (कुल)	**40.00**	39.25
ज)	कानूनी और व्यावसायिक शुल्क	**34.82**	41.35
झ)	बीमा	**13.10**	11.42
ञ)	विज्ञापन	**12.84**	4.27
ट)	नगरपालिका कर	**61.50**	37.21
ठ)	संस्थान द्वारा वहन किया गया सेवाकर	**92.02**	125.69
ड)	स्टाफ मैस व्यय	**18.26**	16.39
ढ)	वाहन संचालन एवं रखरखाव	**3.60**	1.67
ण)	मुद्रण और लेखन सामग्री (कुल)	**19.38**	11.63
त)	लेखापरीक्षक पारिश्रमिक	**2.75**	2.75
थ)	विविध व्यय	**93.32**	122.69
द)	आगजनी के कारण नुकसान - नियुक्ति कार्यालय #	**20.90**	-
ध)	स्वर्ण जयंती समारोह	-	5.56
	कुल	**1,465.58**	**1,350.69**

अनुसूची 19 की टिप्पणी 6.5 देखें।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 15–कार्यक्रमों / परियोजनाओं पर व्यय*

(रु. लाखों में)

		2013-2014	2012-2013
1)	परामर्श परियोजनाएँ	**1,759.45**	2,001.03
2)	अनुसंधान परियोजनाएँ	**121.62**	86.58
3)	प्रबंध विकास कार्यक्रम (एम.डी.पी.)	**921.78**	840.68
4)	कृषि प्रबंध केन्द्र के अन्य व्यय	**21.35**	16.10
5)	केन्द्र गतिविधियाँ	**3.12**	12.62
6)	अध्यक्ष	**0.03**	0.12
7)	आई.टी. आधुनिकीकरण	-	0.45
8)	संकाय एवं व्यावसायिक विकास व्यय	**48.17**	43.01
9)	अनुसंधान सहायता (नए संकाय)	**4.42**	1.64
	कुल	**2,879.94**	**3,002.23**

*वेतन और भत्तों पर किया गया व्यय शामिल नहीं है जिसे स्थापना व्यय में शामिल किया गया है। (अनुसूची-13)

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 16–दीर्घ अवधि के कार्यक्रमों पर प्रत्यक्ष व्यय*

(रु. लाखों में)

				2013-2014		2012-2013
क)	**स्नातकोत्तर कार्यक्रम (पीजीपी)**					
	I	द्विवर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम				
	1)	स्नातकोत्तर कार्यक्रम	**625.94**		626.61	
	2)	पीजीपी – कृषि व्यवसाय प्रबंध	**70.61**	**696.55**	65.76	692.37
	II	एक वर्षीय - स्नातकोत्तर कार्यक्रम				
	1)	पीजीपी –कार्यकारी		**665.59**		597.58
ख)		**प्रबंधन में फैलो कार्यक्रम (एफ़.पी.एम.)**				
	1)	एफ़.पी.एम. व्यय		**66.31**		81.13
ग)	**छात्रवृत्तियाँ और शिक्षावृत्तियाँ**					
	1)	शैक्षिक छात्रवृत्ति	**104.85**		97.39	
	2)	आवश्यकता आधारित छात्रवृत्तियाँ	**575.77**		697.23	
	3)	एफ़.पी.एम. छात्रों को शिक्षावृत्ति	**496.97**	**1,177.59**	423.48	1,218.10
	अन्य शैक्षणिक गतिविधियाँ					
	1)	पुस्तकालय सेवाएँ (पुस्तकों के अतिरिक्त)	**466.97**		357.88	
	2)	आईआईएमए बुलेटिन और वेबसाइट : सीडी रोम	-	**466.97**	3.58	361.46
		कुल		**3,073.01**		**2,950.64**

*आवंटित उपरिव्यय सम्मिलित नहीं हैं।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 17–निधियों में अंतरण

(रु. लाखों में)

		2013-2014	2012-2013
1)	बंदोबस्ती निधि (कॉर्पस) - राजस्व अधिशेष	**435.00**	600.00
2)	अनुसंधान प्रकाशन एवं महत्वपूर्ण क्षेत्र निधि	**430.00**	689.00
3)	परिसर रखरखाव निधि	**435.00**	-
	कुल	**1,300.00**	**1,289.00**

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 18 : महत्त्वपूर्ण लेखाकरण नीतियाँ

1. लेखाकरण परम्परा

1.1 वित्तीय विवरण, जर्नलों एवं पत्रिकाओं को मंगाने तथा स्टाफ के विकास भत्ते को छोड़कर, ऐतिहासिक लागत परम्परा, और लेखाकरण की उपार्जन पद्धति के आधार पर तैयार किये गये हैं।

1.2 वित्तीय विवरण, मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा केन्द्रीय स्वायत्त निकायों के लिए बृहत् रूप से निर्धारित प्रारूप के आधार पर तैयार किये गये हैं।

2. वस्तुसूची मूल्यांकन

भंडार एवं लेखन सामग्री के स्टॉक को उनकी लागत पर मूल्यांकित किया गया है।

3. नियत परिसम्पत्तियाँ

नियत परिसम्पत्तियाँ, अधिग्रहण की लागत पर दर्शायी गई हैं जिनमें किराया, शुल्क और कर व अर्जन से सम्बन्धित आकस्मिक तथा प्रत्यक्ष व्यय सम्मिलित हैं। निर्माणाधीन परियोजनाओं के संबंध में, संबंधित पूर्व-परिचालनात्मक व्यय, पूंजीकृत परिसम्पत्तियाँ के मूल्य का एक अंग है।

दान के रूप में प्राप्त नियत परिसम्पत्तियों को, पूँजी निधि में संगत जमा द्वारा नियत मूल्य पर पूँजीकृत किया गया है।

4. मूल्यह्रास

4.1 भवनों पर मूल्यह्रास, सीधी रेखा पद्धति पर प्रदान किया गया है जबकि अन्य परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, ह्रासित मूल्य पद्धति पर प्रदान किया गया है। मूल्यह्रास की दरें, मुख्य परिसर के भवनों को छोड़कर, आयकर अधिनियम 1961 में निर्धारित दरों के अनुरूप हैं। भवनों के मामले में जहाँ आवासीय और गैर आवासीय भवनों के अलग आँकड़े उपलब्ध नहीं हैं और भवनों का बड़ा भाग आवासीय प्रयोजन के लिए है, वहाँ आयकर अधिनियम द्वारा आवासीय भवनों के लिए नियत मूल्यह्रास की दर 5% लगाई गई हैं जबकि गैर आवासीय भवनों के लिए नियत दर 10% है।

4.2 परिसम्पत्तियों पर मूल्यह्रास, जहाँ मदवार वास्तविक लागत 5000/- रु. के बराबर या इससे कम हैं, वहाँ 100% की दर से उपलब्ध कराया गया है।

4.3 नियत परिसम्पत्तियों से संबंधित पूँजी अनुदानों/ निधियों (सरकारी और गैर सरकारी) को आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा परिसम्पत्तियों के उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर इन्हें आय और व्यय खाते में लिया गया है। अर्थात् दीर्घ अवधियों में पूँजीगत अनुदानों/ निधियों को उसी अनुपात में आय में आबँटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास लगाया गया है।

5. राजस्व मान्यता

आजीवन सदस्यता शुल्क, पूँजीगत प्राप्ति के रूप में माने गये हैं और कॉर्पस कोष/ पूँजीगत निधि के अंतर्गत दर्शाये गये हैं।

निवेशों पर ब्याज को उपार्जन के आधार पर माना गया है।

कार्यकारियों के स्नातकोत्तर कार्यक्रम(पीजपी) की नामांकन फीस जिसे शैक्षणिक वर्ष की अवधि के हिसाब से लिया जाता है, इसे छोड़कर छात्रों से ली जाने वाली फीस को उपार्जन के आधार पर माना गया है।

6. निवेश पर ब्याज

कॉर्पस-कोष निधि से किये गये निवेश पर प्राप्त ब्याज को, आय और व्यय खाते में दर्शाया गया है।

निर्धारित के अलावा, बंदोबस्त और अन्य निधियों में किये गये निवेशों पर ब्याज को संबंधित निधि खाते में आवंटित किया गया है।

7. विदेशी मुद्रा लेन-देन

विदेशी मुद्रा में किये गये लेन-देनों की गणना, लेन-देन की नियत तारीख को प्रचलित विनिमय दर पर की गई है।

8. सरकारी अनुदान

सरकारी अनुदानों की गणना, सरकारी विभागों से प्राप्त मंजूरी के आधार पर की गई है।

नियत परसम्पत्तियों के संबंध में अनुदान, पूँजी अनुदान के रूप में माने गये हैं और प्रायोजित निधि शीर्ष के तहत दर्शाये गये हैं।

नियत परिसम्पत्तियों के संबंध में अनुदानों को, आस्थगित आय के रूप में माना गया है तथा आय और व्यय के लेखे में परिसम्पत्तियों को उपयोगी जीवनकाल पर प्रणालीगत और तर्कसंगत आधार पर लिया गया है। अर्थात् पूँजीगत अनुदान को आय में उसी अनुपात में आवंटित किया गया है, जिस अनुपात में मूल्यह्रास हुआ है।

9. निवेश

"दीर्घ अवधि निवेश" के रूप में वर्गीकृत निवेशों को लागत पर लगाया गया है। अस्थायी को छोड़कर, ह्रास के प्रावधान, ऐसे निवेशों को लागत में लाने के लिए किये हैं।

निवेश के अधिग्रहण पर भुगतान किये गये प्रीमियम/ छूट को परिपक्वता तारीख तक यथानुपात परिशोधित किया गया है।

लागत में दलाली, हस्तांतरण टिकटों के जैसे अधिग्रहण खर्च भी शामिल हैं।

10. सेवानिवृत्ति लाभ

संचित छुट्टी नकदीकरण लाभ, मृत्यु / सेवानिवृत्ति पर देय ग्रेच्युइटी और पेन्शन की गणना, बीमांकिक मूल्यांकन रिपोर्ट के अनुसार उपार्जन के आधार पर की गई है।

11. आकस्मिक देयताएँ

सभी ज्ञात देयताओं के लिए प्रावधान किया गया है। अगर कोई आकस्मिक देयता हैं तो उसे लेखा में एक टिप्पणी के रूप में दर्शाया गया है।

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

अनुसूची 19 : लेखे के भाग स्वरूप टिप्पणियाँ

1. सरकारी अनुदान

(क) अन्य पिछड़े वर्ग के विस्तार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय -

भारत सरकार का अनुदान अन्य पिछड़े वर्ग के विस्तार के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय- भारत सरकार के अनुदान का विवरण निम्नानुसार हैः

(₹ लाखों में)

विवरण	2013-2014	2012-2013
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	0	0
इस वर्ष के दौरान प्राप्त / प्राप्य अनुदान	0	91.37
वहन किया पूँजी व्यय	0	91.37
इस वर्ष के अंत में शेष	0	0

(ख) प्रबंध में फैलो कार्यक्रम के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय -

भारत सरकार का अनुदान प्रबंध में फैलो कार्यक्रम के लिए मानव संसाधन विकास मंत्रालय- भारत सरकार के अनुदान का विवरण निम्नानुसार हैः

(₹ लाखों में)

विवरण	2013-2014	2012-2013
पिछले तुलन पत्र के अनुसार शेष	35.18	0
वर्ष के दौरान प्राप्त अनुदान	0	100.96
वर्ष के दौरान जमा ब्याज	3.13	0
वहन किया पूँजी व्यय	0	65.78
वर्ष के अंत में शेष	38.31	35.18

2. अनिष्पादित पूँजीगत अनुबंध

अनिष्पादित पूँजीगत अनुबंध (अग्रिमों का कुल) शून्य रहा है (पिछले वर्ष शून्य रुपये), जिसके लिए परिसर एवं अवसंरचना विकास निधि में पर्याप्त निधि उपलब्ध है।

3. आकस्मिक देयताएँ

(क) 23.91 रु. लाख (पिछले वर्ष 23.91रु. लाख थे) सेवाकर की माँग विवादग्रस्त है।

(ख) संस्थान के खिलाफ 1.59 लाख रु. के दावों (पिछले वर्ष शून्य रुपए थे) को कर्जे के रूप में नहीं समझा गया है।

4. वर्तमान परिसम्पत्तियाँ, ऋण और अग्रिम

संस्थान की राय में, वर्तमान परिसम्पत्तियों, ऋणों और अग्रिमों का, सामान्य कार्य व्यापार के दौरान वसूली पर मूल्य, कम-से-कम तुलनपत्र में दर्शाई गई कुल राशि के बराबर है।

5. कराधान

संस्थान ने आयकर अधिनियम 1961 की धारा 10 (23सी) (vi) के अधीन, आयकर मुख्य आयुक्त कार्यालय, अहमदाबाद के पत्र संख्या सीसी- Iv/एबीडी/10 (23सी) सेल/10(23सी) (vi) आईआईएम/2010-11/ 1305 दिनांक 31.01.2011 के अनुसार आयकर से छूट प्राप्त कर ली है।

यह जब तक प्रभावी रहेगी तब तक किसी सक्षम प्राधिकारी द्वारा वापिस नहीं ली जाती है। इसे देखते हुए, आयकर के लिए कोई भी प्रावधान आवश्यक नहीं समझा गया है।

6. अन्य मदें

6.1 कृषि प्रबंध केन्द्र (सी.एम.ए.) के 188.76 लाख रुपये के कुल व्यय में से (गत वर्ष 163.44 लाख रुपये) 177.09 लाख रुपये (गत वर्ष 158.05 लाख रुपये) की पूर्ति कृषि मंत्रालय द्वारा दी गई निधि से और शेष 11.67 लाख रुपये (गत वर्ष 5.39 लाख रुपये) की पूर्ति संस्थान की स्वयं की निधि (सी.एम.ए. कोष) से की गई है।

6.2 स्रोत पर काटा गया कर :

(₹ लाखों में)

विवरण	2013–2014	2012–2013
क) ब्याज से आय	22.87	21.29
ख) स्थानन से आय	22.56	15.37
ग) एमडीपी/परामर्श	260.68	192.65
घ) अन्य आय	15.92	10.89

6.3 विदेशी मुद्रा में व्यय

(₹ लाखों में)

विवरण	2013–2014	2012–2013
क) विदेश यात्रा	97.50	117.98
ख) पुस्तकें और केस सामग्री	227.04	111.15
ग) अन्य	63.52	127.26

6.4 विदेशी मुद्रा में आय

(₹ लाखों में)

विवरण	2013–2014	2012–2013
क) परामर्श और अनुसंधान परियोजना से आय	400.34	223.66
ख) स्थानन से आय	63.89	84.54
ग) शुल्क और अन्य आय	75.06	351.07

6.5 संस्थान के नियुक्ति कार्यालय में 20.90 लाख रुपए हासिल मूल्य की अचल सम्पत्तियाँ आग में नष्ट हो गई थीं। संस्थान की सम्पत्तियों को पर्याप्त बीमा है। बीमा कंपनी द्वारा सर्वेक्षण किया गया है और संस्थान बीमा कंपनी के समक्ष दावा प्रस्तुत करने की प्रक्रिया में है।

6.6 500/- रु. से कम की राशियाँ, जो पृथक रूप से दिखाई जानी चाहिए, वास्तविक रूप में कोष्टकों में दर्शायी गई हैं।

6.7 गत वर्ष की तदनुरूप राशियों को, वर्तमान वर्ष की राशियों के साथ तुलना करने के लिए जहाँ कहीं आवश्यक था, पुनर्वर्गीकृत/पुनर्व्यवस्थित किया गया है।

दिनांकः 27 जून 2014

इस तारीख तक हमारी रिपॉर्ट के अनुसार

हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**आशीष नंदा**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)	अधिकारी	

भारतीय प्रबंध संस्थान, अहमदाबाद

31 मार्च, 2014 को समाप्त वर्ष के लिए प्राप्तियाँ एवं भुगतान

(रु. लाखों में)

	प्राप्तियाँ	2013-2014		भुगतान	2013-2014
1.1	प्रारंभिक शेष		2.1	भुगतान के लिए नियत	
1	प्राप्त नकद	0.25	1	स्थापना व्यय	4,335.98
2	बैंक शेष		2	प्रशासनिक व्यय	1,465.58
	- वर्तमान खातों में	562.42	3	दीर्घ अवधि के कार्यक्रम के व्यय	3,073.01
	- बचत खातों में	282.29			8,874.57
3	फ्रैंकिंग अग्रिम	0.19	2.2	विभिन्न निधियों में किये गए भुगतान	
		845.15	1	परियोजना/ कार्यक्रम	2,879.94
			2	शैक्षणिक क्रियाकलाप	175.10
1.2	प्राप्त ब्याज		3	छात्र अनुदान	88.49
1	निवेशों पर	3,475.98	4	संकाय एवं स्टाफ विकास निधि	63.09
2	बचत बैंक खाते पर	1.41	5	सीआईआई निधि	123.83
3	ऋणों, अग्रिमों आदि पर	5.68			3,330.45
		3,483.07			
1.3	प्राप्त अनुदान				
1	भारत सरकार द्वारा सीएमए निधि	190.00	2.3	निवेश (शुद्ध)	6,788.93
			2.4	नियत परिसम्पत्तियों की खरीद	416.70
1.4	प्राप्त अन्य आय				
1	शुल्क	9,117.98			
2	परियोजना/कार्यक्रम/सेवाएँ	4,552.19	2.5	ऋण एवं अग्रिम	
3	परिसम्पत्तियों की बिक्री	22.93	1	केन्द्रीय वेट	
4	दान	135.76	2	सांविधिक बकाया	78.45
5	विविध प्राप्तियाँ	958.52	3	प्राप्य टीडीएस	335.64
6	सीआईआई निधि से आय	4.72	4	स्वीकार्य जमा	5.37
7	कम्प्यूटर सेंटर प्राप्तियाँ	514.38			419.46
8	शैक्षणिक क्रियाकलापों से प्राप्ति	196.33			
9	छात्र सहायता निधि	79.06			
10	संकाय, अधिकारी और स्टाफ विकास एवं कल्याण निधि	42.51	2.6	वर्तमान देयताओं में परिवर्तन	
		15,624.38		परियोजना/कार्यक्रम एवं अन्य देयताएँ	158.58
			2.7	अंतिम शेष	
1.5	वर्तमान परिसम्पत्तियों में परिवर्तन		1	प्राप्त नकद	0.25
1	वस्तुसूची में परिवर्तन	3.00	2	बैंक शेष	
2	ऋण एवं अग्रिम	353.76		- वर्तमान खातों में	455.23
3	सांविधिक बकाया राशि	70.76		- बचत खातों में	161.32
4	केन्द्रीय वेट	34.11	3	फ्रैंकिंग अग्रिम	0.14
5	प्रतिभूति जमा	1.40			616.94
		463.03			
	कुल	**20,605.63**		**कुल**	**20,605.63**

दिनांकः 27 जून 2014

हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-	हस्ताक्षरित/-
लक्ष्मणदेव बी. गोहिल	**नीना बदलानी**	**मनोज भट्ट**	**आशीष नंदा**
प्रबंधक	समूह अध्यक्ष	मुख्य प्रशासनिक	निदेशक
(लेखा एवं अनुपालन)	(वित्त एवं बजट)	अधिकारी	

स्वर्ण पदक विजेता 1966 से 2014 तक

1966
- दिवान अरुण नंदा
- सी. के. प्रह्लाद
- लक्ष्मी प्रसाद वेपा

1967
- विजय भार्गव
- जयंत कुमार डे

1968
- जोह्न सायस केमिलस
- ग्रेम्मा कस्तूरी जयरामन
- बीजी के. कुरियन
- रवि वी. सारथी

1969
- पृथ्वी नाथ शेठ
- एम. जी. सुब्रामणियम
- वीरराघवन वी.
- वेणुगोपाल एस.

1970
- टी. के. बालाजी
- भरतकुमार जे. मेहता
- पॉल माम्पिल्ली
- अशोक केवलचन्द वोरा

1971
- हर किशन लाल अग्रवाल
- प्रदीप कुमार भार्गव
- अरुण पी. पांडे
- ऑड्री इग्नेशियस रेबेलो

1972
- वेनबक्कम एस. कृष्णन
- एस. रामकृष्णन
- एस. उमापति
- विजय सागर

1973
- सुदिप्तो भट्टाचार्य
- कृष्णास्वामी मोहन
- विलास के. रजवाड़े
- उत्पल सेन गुप्ता

1974
- राजीव बर्मन
- जनार्दनमोहन जी. राव
- रवि आर.
- एस. रविचन्द्रन

1975
- आर. बालगंगाधरन
- एस. बालासुब्रामणियन
- राज कुमार साह
- श्रीधर एस.

1976
- गौतम चक्रवर्ती
- श्रीकान्त पी. पांडे
- रीटा मोहन
- सुधर कृष्णमूर्ति

1977
- मनविन्दर सिंह बंगा
- लक्ष्मी चंद भंडारी
- हेमन्त शाह
- बी. रामास्वामी (एसपीए)

1978
- बी. अनन्तराम
- श्रीकान्त माधव दातार
- संदीप माथुर
- वसन्त प्रकाश गाँधी (एसपीए)

1979
- श्री के. चन्द्रशेखर
- मेहर करण सिंह
- विजय श्रीरंगन

1980
- संजय भार्गव
- विपुल प्रसाद जैन
- श्रीधर शेषाद्री

1981
- आलोक अग्रवाल
- राजीव कपूर
- विजय महाजन
- वी. एस. सीताराम

1982
- जगमोहन सिंह राजू
- शशि कान्त सचदेवा
- जयन्त राम वर्मा

1983
- प्रकाश मिरचन्दानी
- आशिष नन्दा
- रामकुमार एस.
- सुरेश मदान (एसपीए)

1984
- सुनील गुलाटी
- पप्पू जगदीश राव

1985
- हर्ष लाल
- कादम्बी पी. जनार्दन
- श्रीनाथ मुखर्जी

1986
- अनिल आहूजा
- राजीव आहूजा
- देविना मेहरा

1987
- हरीश आर. भाट
- वेंकटेश नरसियाह
- रघुराम जी. राजन

1988
- राजीव अग्रवाल
- संजय गुप्ता
- सौरभ गर्ग

1989
- आर. सुब्रामणियन
- के. आर. एस. जामवाल
- सचित जैन

1990
- विपिन गुप्ता
- मोनिष कुमार
- मिलिंद शहाणे

1991
- अग्रवाल विजय
- एस. नागराजन

1992
- चेतनकुमार बी. शाह
- संजीव छाबरा
- विवेक रस्तोगी

1993
- संजय कुमार जैन
- गौतम कुमरा
- रोहित चटर्जी

1994
- ह्रषिकेश बी. परान्देकर
- एस. रमेश
- आनंद संघी

1995
- आशुतोष पाढ़ी
- नितिन मल्हान
- संजय पुरोहित

1996
- समित ए. पारेख
- भुपेन्दर सिंह
- पूर्वा इन्दुरकर

1997
- राजीव ई. के.
- रजत भार्गव
- संदीप गुप्ता

1998
- सुमत राजपाल
- अविनाश अग्रवाल
- विपुल बंसल

1999
- अमित बोरडिया
- अनुपम मोर्टिन्स
- प्रशांत

2000
- प्रियंका अरोडा
- सुरेन्द्र कुमार जैन
- शिशिर आर. मांकड

2001
- कृष्णा वाय. एस. आर.
- भारद्वाज वी. टी.
- आनंद श्रीधरन

2002
- विकास गुप्ता
- मणिकन्दन नटराजन
- मोहित खुराना
- सुमन एन थॉमस (पीजीपी-एबीएम)

2003
- अमर मखीजा
- रामनाथ बालासुब्रामणियन
- नितिन दहिया
- रामप्रसाद बी. के. (पीजीपी-एबीएम)

2004
- मुकुंदन डी.
- जी. वी. रविशंकर
- के. एन. रामगणेश
- ध्रुद ज्योति बनर्जी (पीजीपी-एबीएम)

2005
- फिलिप टी. जेकब
- मनोज गुप्ता
- गौरव सहगल

2006
- कनिष सरीन
- विषय ग्रोवर
- अंकुर साबू
- अमित जानी (पीजीपी-एबीएम)

2007
- मयंक रावत
- सुमित कुमार
- बाला वामसी ततवर्ती
- जेम्स बीसोन (पीजीपीए-क्स)

2008
- कपिल मोदी
- जी. अर्जुन
- प्रतीक जैन
- सहलीन गर्ग (पीजीपीए-क्स)
- सैयद अली मुर्तज़ा रिज़वी (पीजीपी-पीएमपी)

2009
- गगनदीप सिंह
- अभिषेक वर्मा
- इशांत गोयल
- सौरी गुदलावालेत्ती (पीजीपीएक्स)
- राकेश रंजन (पीएमपी)

2010
- सम्राट अशोक लाल
- रोहन चौधरी
- हिमांशु शर्मा
- विनोद कुमार रामचन्द्रन (पीजीपीएक्स)
- संजीत कुमार पांडे (पीजीपी-पीएमपी)

2011
- श्री जयदीप शंकर जगन्नाथन
- श्री मयंक कुकरेजा
- श्री मोहित गर्ग
- श्री राहुल (पीजीपीएक्स)

2012
- श्री गौरव जगदीश सिंघल
- श्री नेहुल मल्होत्रा
- श्री आदित्य खंडेलिया
- श्री शिवराम रामाकृष्णन (पीजीपीएक्स)

2013
- निखिल अग्रवाल
- अनिकेत तलवाई
- सुमित सोमानी
- शशांक राठी (पीजीपी-एबीएम)
- आदित्य बंसल (पीजीपीएक्स)

2014
- हेमंत ओमप्रकाश मूंदड़ा
- संचित बंसल
- प्रशांत सरकार
- आदित्य किरण परांजपे (पीजीपीएक्स)

Chief Guests at Convocations

1966 Mr. M.C. Chagla
1967 Dr. Vikram Sarabhai
1968 Mrs. Indira Gandhi
1969 Dr. Karan Singh
1970 Mr. L. K. Jha
1971 Mr. Dharma Vir
1972 Mr. C. Subramaniam
1973 Mr. D.P. Dhar
1974 Professor Nurul Hasan
1975 Mr. T. A. Pai
1976 Dr. V.M. Dandekar
1977 Mr. M.S. Swaminathan
1978 Mr. H. M. Patel
1979 Mr. V. G. Rajadhyaksha
1980 Justice Mr. M. Hidaytullah
1981 Mr. Keshub Mahindra
1982 Mrs. Sharda Mukherjee
1983 Mr. Nani Palkhiwalla
1984 Mr. P.L. Tandon
1985 Mr. K. C. Pant
1986 Mr. Hiten Bhaya
1987 Dr. Raja Ramanna
1988 Mr. V. Kurien
1989 Mr. A.S. Ganguly
1990 Mr. Russi Mody
1991 Mr. Sarup Singh
1992 Mr. Rajmohan Gandhi
1993 Mr. P.V. Narasimha Rao
1994 Dr. Manmohan Singh
1995 Mr. Sam Pitroda
1996 Mr. A.M. Ahmadi
1997 Mr. Adi Godrej
1998 Mr. Vikram Lal
1999 Mr. K.B. Dadisheth
2000 Mr. R.K. Laxman
2001 Dr. Desh Deshpande
2002 Mr. Azim Premji
2003 Dr. A.P.J. Abdul Kalam
2004 Dr. Bimal Jalan
2005 Mr. Raghuram Rajan
2006 Mr. M.S. Banga
2007 Mr. P. Chidambaram
2008 Mr. Montek Singh Ahluwalia
2009 Shri Deepak Parekh
2010 Dr. C. Rangarajan
2011 Dr. Manmohan Singh
2012 Shri K. V. Kamath
2013 Shri L. N. Mittal
2014 Mr. Anand Mahindra